रजिस्ट्री सं. डीएल—(एन) 04/0007/2003--22 REGISTERED No. DL—(N) 04/0007/2003—22

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-10092022-238711
CG-DL-W-10092022-238711

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 37] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 10—सितम्बर 16, 2022 (भाद्रपद 19, 1944)
No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 10—SEPTEMBER 16, 2022 (BHADRA 19, 1944)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	771
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	739
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	2833
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	7419
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	325
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	2441
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	771
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	739
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2833
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	7419
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	325
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	2441
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

———————

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2022

सं. 226-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	रामेश्वर देशमुख	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	सन्नू हेमला	सहायक सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	निरंजन तिग्गा	सहायक सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

ग्राम चिन्ना बोरकेल, कोमटपल्ली और भट्टीगुडा, जिला-बीजापुर के इलाके में 40-50 सशस्त्र माओवादियों के मौजूद होने की पुख्ता सूचना मिलने पर, एसटीएफ और कोबरा 204 के साथ डीआरजी की 04 टीमों को मिलाकर एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई और इसे बीजापुर जिले के विभिन्न शिविरों से लॉन्च किया गया।

तदनुसार, दिनांक 03.01.2017 को लगभग 04:30 बजे, सैन्य दस्ते ऑपरेशन के लिए बसागुडा और तारेम के रास्ते बेस कैंप से रवाना हो गए और लगभग 16:10 बजे पेड्डागेलुर के जंगल क्षेत्र में पहुंच गए। अचानक, सशस्त्र माओवादियों ने सैनिकों की हत्या करने और उनके हथियार लूटने के इरादे से स्वचालित और अर्ध स्वचालित हथियारों से उन पर भारी गोलाबारी शुरू कर दी। सैन्य दस्तों के कमांडर ने अपनी सैन्य दस्तों को जंगल में उपलब्ध कवर के साथ पोजीशन लेने का निर्देश दिया। बाद में उन्होंने माओवादी कैडरों, जो अभी भी सैनिकों पर गोलियां चला रहे थे, को अपनी पहचान बताई और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। पुलिस अधिकारी की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए नक्सलियों ने पुलिस कर्मिकों पर हमला करने की अपनी पूर्व निर्धारित योजना को अंजाम देना जारी रखा। सशस्त्र माओवादी कैडरों ने स्वचालित और अर्ध स्वचालित हथियारों से सुरक्षा कर्मिकों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। प्रतिबंधित सशस्त्र माओवादी कैडरों का इरादा सुरक्षाकर्मियों को नुकसान पहुंचाना और उनके हथियार लूटना था। एक-दूसरे पर इस गोलीबारी में डीआरजी के एक हेड कांस्टेबल/71 सोमारू हर्निया घायल हो गया। निरीक्षक रामेश्वर देशमुख और उनके साथियों द्वारा समय रहते दिखाई गई बहादुरी और सौहार्द ने घायल जवान को समय पर निकालकर बेस कैंप तक पहुँचाना सुनिश्चित किया, जबकि सैन्य दस्तों ने दृढ़ निश्चय के साथ ऑपरेशन को जारी रखा।

दिनांक 04.01.2017 को जब दल ऑपरेशन के लिए भट्टीगुडा गांव के जंगल क्षेत्र में जा रहे थे, पुलिस पार्टी 04 दलों में बंट गई। लगभग 16:00 बजे, घात लगाकर छिपे हुए लगभग 70-80 सशस्त्र माओवादियों ने दल सं. 02 पर भारी गोलीबारी की और एचई ग्रेनेड फेंके। चूंकि दल सं. 02 में कर्मियों की संख्या कम थी, इसलिए पार्टी कमांडर ने ऑपरेशन कमांडर से सहायता मांगी। तुरंत ही, दल सं. 01 के कमांडर निरीक्षक रामेश्वर देशमुख और अन्य कमांडरों ने दल सं. 02 को मदद देने के लिए माओवादियों पर जवाबी हमला कर दिया। दल सं. 01 के कमांडर निरीक्षक रामेश्वर देशमुख को दाहिनी ओर से कट ऑफ डालने के लिए कहा गया और दल 03 एवं 04 ने बाईं ओर से कट ऑफ डाला। छोटा दल होने के कारण पूरी तरह से नक्सलियों की भारी गोलाबारी में आने के खतरे को भांपते हुए, निरीक्षक रामेश्वर देशमुख, सहायक सिपाही/1243 सन्नू हेमला, सहायक सिपाही/1417 निरंजन तिग्गा और अन्य जवान साहसपूर्वक आगे बढ़े और उन्होंने नक्सलियों पर भारी गोलीबारी कर दी। निरीक्षक रामेश्वर देशमुख की साहसी और वीरतापूर्ण कार्रवाई से प्रेरित होकर, ऑपरेशन में शामिल सैन्य दस्तों ने भी गोलीबारी शुरू कर दी और वे आगे बढ़ गए। पुलिस दल की भीषण गोलीबारी और साहसिक तरीके से आगे बढ़ने से चकित होकर नक्सली पीछे हटने को मजबूर हो गए

और उन्होंने भागने का प्रयास किया। सैन्य दस्तों ने नक्सलियों का पीछा किया, लेकिन वे जंगल और पहाड़ी इलाकों का कवर लेकर भागने में सफल रहे। जब एक-दूसरे पर गोलीबारी बंद हो गई, तो घटना स्थल की अच्छी तरह से तलाशी ली गई, जिसमें एक नक्सली का शव तथा उसके साथ एक इंसास एलएमजी और मैगज़ीन, 16 लाइव राउंड, 02 हैंड ग्रेनेड, रकसैक, डेटोनेटर, गन पाउडर, कैमरा फ्लैश, इलेक्ट्रिक वायर, सोलर प्लेट, दवाएं, साहित्य आदि बरामद किए गए।

डीईएफ बीजापुर के निरीक्षक रामेश्वर देशमुख ने अत्यंत साहस और बहादुरी का परिचय दिया तथा उन्होंने न केवल नक्सलियों की ओर से हो रही गोलियों की बौछार का जवाब दिया, बल्कि अपने जवानों को अपनी जान की परवाह किए बिना, भीषण तरीके से जवाबी कार्रवाई करने और नक्सलियों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप वे सशस्त्र खूंखार नक्सलियों द्वारा लगाई गई घात का सफलतापूर्वक मुकाबला करने में सक्षम रहे। निरीक्षक रामेश्वर देशमुख, सहायक सिपाही/1243 सन्नू हेमला, सहायक सिपाही/1417 निरंजन तिग्गा द्वारा प्रदर्शित की गई वीरता असाधारण है और यह उनकी अत्यंत सूझ-बूझ, शानदार ऑपरेशनल समझ, असाधारण साहस, पराक्रम और अदम्य वीरता की भावना को दर्शाता है। इस ऑपरेशन में निरीक्षक देशमुख ने सामने से सैनिकों का नेतृत्व किया, ऑपरेशन के दौरान उन्हें प्रेरित किया और अपने साथियों की जान भी बचाई। अपनी उत्कृष्ट ऑपरेशनल योग्यता के चलते, उन्होंने नक्सलियों के अम्बुश के खिलाफ कार्रवाई में सफलता हासिल करने, जो कि ऐसी परिस्थितियों और दुर्गम इलाके के मद्देनजर अत्यंत मुश्किल थी, में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इस प्रकार उन्होंने नक्सली हमले को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री रामेश्वर देशमुख, निरीक्षक, सन्नू हेमला, सहायक सिपाही और निरंजन तिग्गा, सहायक सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/01/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/15/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 227-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	कमलोचन कश्यप, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	सुरेश लकड़ा	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	जितेंद्र कुमार साहू	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	अजय कुमार सिन्हा	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	शील आदित्य सिंह	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	संजय पोटाम	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
7	जयविरेश यादव	प्लाटून कमांडर	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बीजापुर जिले के बैलाडिला के डिपॉजिट संख्या 10 और ग्राम तिमेनार के बीच जंगलों में गणेश उइके (सचिव, दक्षिण उपक्षेत्र बस्तर) के नेतृत्व में बड़ी संख्या में माओवादियों के मौजूद होने के बारे में एक पुख्ता खुफिया जानकारी मिली थी। यह भाकपा (माओवादी) की दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति की पश्चिम बस्तर डिवीजन का एक कोर क्षेत्र था। दुर्गम भू-भाग, शत्रुतापूर्ण आबादी और माओवादियों की अधिक संख्या में मौजूदगी के कारण इस क्षेत्र में बहुत कम नक्सली ऑपरेशन हुए हैं। तुरंत एक ऑपरेशन की योजना तैयार की गई तथा पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा, श्री कमलोचन कश्यप और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गोरखनाथ बघेल द्वारा विशेष बलों [जिला रिजर्व ग्रुप (डीआरजी) और विशेष कार्य बल (एसटीएफ)] को विस्तृत जानकारी दी गई।

निरीक्षक संग्राम सिंह की कमान में कुल 39 सैनिकों की टीम सं. 01, निरीक्षक जितेंद्र साहू की कमान में कुल 44 सैनिकों की टीम सं. 02, निरीक्षक गोविंद यादव की कमान में कुल 48 सैनिकों की टीम सं. 03, निरीक्षक शील आदित्य सिंह की कमान में कुल 35 सैनिकों की

टीम सं. 04, निरीक्षक विन्टन साहू और निरीक्षक अजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में कुल 35 सैनिकों की टीम सं. 05, प्लाटून कमांडर जयविरेश यादव की कमान में कुल 30 सैनिकों की एसटीएफ ब्रावो 09 पलनार टीम, प्लाटून कमांडर दिनेश बाहेकर की कमान में कुल 45 सैनिकों की एसटीएफ ब्रावो 22 बारसूर टीम अर्थात कुल मिलाकर 277 सैनिकों को दोपहर 3:00 बजे रिजर्व लाइन दंतेवाड़ा से रवाना किया गया।

बस से डिपाजिट सं. 10, बचेली पहुंचने के बाद, सैनिक दो फ्लैंक में बंट गए, बायां फ्लैंक जिसमें डीआरजी सं. 01, 03 और एसटीएफ 22 थे, बाईं ओर से आगे बढ़े, जबकि दाहिनी फ्लैंक में डीआरजी-02, 04, 05 और एसटीएफ-09 शामिल थे। सैनिकों ने रात में तिमनार के पास एक रणनीतिक स्थान पर एलयूपी लिया। अगली सुबह प्रात: लगभग 5:00 बजे, उप निरीक्षक संजय पोटाम ने डीआरजी-2 के साथ लगभग 300 मीटर की एडवांस रेकी की और टेंटों में शिविर लगाए हुए माओवादियों की उपस्थिति का पता लगा लिया। रेकी टीम वापस आई और उसने अपनी पुलिस टीमों (डीआरजी 02, 04, 05 और एसटीएफ 09) और बाईं फ्लैंक की टीमों (डीआरजी 1, 03, और एसटीएफ 22) को भी माओवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचित किया। दाहिनी फ्लैंक के पुलिस दलों ने खुद को दो समूहों में बांट लिया और माओवादियों के शिविरों को घेरना शुरू कर दिया। माओवादियों ने पुलिस दलों को आते देख लिया और उन्होंने पुलिस दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस दलों ने भी पोजीशन ले ली और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। माओवादियों को घेरने में उप निरीक्षक संजय पोटाम, डीआरजी-2, निरीक्षक जितेंद्र साहू (डीआरजी-2), निरीक्षक शील आदित्य सिंह डीआरजी-4, निरीक्षक अजय कुमार सिन्हा (डीआरजी-5) और प्लाटून कमांडर जयविरेश यादव एसटीएफ-9 की अहम भूमिका थी। उन्होंने बहादुरी से सैनिकों की अगुवाई की और सामने से सैनिकों का नेतृत्व किया। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर लड़ाई लड़ी। युद्ध के मैदान में उनके नेतृत्व के चलते ही नक्सलियों को घने जंगलों, पहाड़ियों और जलधारा का कवर लेकर घटनास्थल से भागना पड़ा। भागते हुए माओवादी दाहिनी तरफ (डीआरजी-01, 03 और एसटीएफ-22) पुलिस दलों की ओर भागे और पुलिस दलों को देखते ही माओवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। दाईं फ्लैंक के पुलिस दलों ने भी जवाबी गोलीबारी की। 01 घंटे की भारी गोलीबारी के बाद इलाकों की तलाशी ली गई। बायें पुलिस फ्लैंक के साथ गोलीबारी वाले स्थल पर पुलिस दलों ने 06 महिला नक्सलियों और 02 पुरुष नक्सलियों के शव बरामद किए, जिनका ब्यौरा इस प्रकार है:— (1) चंद्रू, सेक्शन कमांडर, प्लाटून सं. 13, निवासी-ग्राम कोटर, पुलिस स्टेशन- गंगालुर, जिला- बीजापुर, (2) सुगना, सेक्शन कमांडर, प्लाटून सं. 13 और पीपीसी सदस्य, निवासी- ग्राम सगमेटा, पुलिस स्टेशन- फरसेगढ़, जिला- बीजापुर, (3) मंगली, भैरमगढ़ क्षेत्र समिति का आपूर्ति कमांडर और प्लाटून सं. 13 का क्षेत्र समिति सदस्य, निवासी ग्राम- कोरमा, पुलिस स्टेशन- गंगालूर, जिला- बीजापुर, (4) भीमे, प्लाटून सं. 13 का सदस्य, निवासी- मर्दूम, पुलिस स्टेशन- मिर्तूर, बीजापुर, (5) कुमारी पुत्री आयतु हर्निया, प्लाटून सं. 13, निवासी ग्राम- फुलादी, पुलिस स्टेशन- मिर्तूर, जिला- बीजापुर, (6) जानकू, निवासी- गद्दी हपका, मतवारा जनमिलिशिया कमांडर, निवासी- फुलगट्टा, पुलिस स्टेशन- मिर्तूर, जिला- बीजापुर, (7) हडमे, सदस्य भैरमगढ़ सीएनएम, निवासी- मनकेली गोर्ना, पुलिस स्टेशन- जे गंगालूर, बीजापुर और (8) जैनी पुत्री लाखो, भैरमगढ़ क्षेत्र समिति की सदस्या और अध्यक्ष केएएमएस, निवासी- केशकुतुल, पुलिस स्टेशन- भैरमगढ़, बीजापुर। इन आठ खूंखार माओवादियों को मार गिराने और हथियार बरामद करने में उप निरीक्षक संजय पोटाम उर्फ बदरू (डीआरजी ग्रुप-2), निरीक्षक जितेंद्र साहू (डीआरजी ग्रुप-2), निरीक्षक शील आदित्य सिंह (डीआरजी ग्रुप-4), निरीक्षक अजय कुमार सिन्हा (डीआरजी ग्रुप-5) और प्लाटून कमांडर जयविरेश यादव (एसटीएफ ब्रावो-09) की प्रमुख भूमिका थी।

ऑपरेशन की आयोजना, समन्वय और उसके क्रियान्वयन में पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा की भूमिका अद्वितीय थी। उन्होंने पुलिस बलों की गंगालूर पुलिस स्टेशन और आगे दंतेवाड़ा में वापसी कराने की व्यक्तिगत रूप से योजना बनाई। उन्होंने सैनिकों के साथ टेलीफोन और सैटेलाइट के माध्यम से संपर्क बनाए रखा तथा रियल टाईम आधार पर खुफिया जानकारी को साझा किया। चूंकि सैनिकों के लिए डी-इंडक्शन और रिट्रीट करना सबसे जोखिम भरा होता है, इसलिए वे अतिरिक्त बल के साथ गंगालूर पुलिस स्टेशन पहुंच गए। पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) श्री सुरेश लकड़ा ने डीआरजी सैनिकों और एसटीएफ का नेतृत्व किया। युद्ध क्षेत्र में उनके नेतृत्व के कारण ही अद्वितीय सफलता संभव हुई। उन्होंने अपने सैनिकों को शानदार ढंग से व्यवस्थित किया और जिले के साथ समन्वय बनाए रखा।

गंगालूर - मिर्तूर - किरंदुल पुलिस स्टेशन क्षेत्र में नक्सलियों की यह हताहत होने की अब तक की एक सबसे बड़ी घटना थी। नक्सलियों को उनके महत्वपूर्ण कैडरों का बड़ा नुकसान हुआ और उनके गुणवत्ता वाले हथियार (दो इंसास राइफल और दो 303 राइफल हथियार) बरामद किए गए थे। इस ऑपरेशन से पुलिस को नक्सल कोर क्षेत्र में घुसने और वहां पुलिस प्रभुत्व स्थापित करने में मदद मिली है।

इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री कमलोचन कश्यप, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, सुरेश लकड़ा, पुलिस उपाधीक्षक, जितेंद्र कुमार साहू, निरीक्षक, अजय कुमार सिन्हा, निरीक्षक, शील आदित्य सिंह, निरीक्षक, संजय पोटाम, उप निरीक्षक और जयविरेश यादव, प्लाटून कमांडर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/07/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/42/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 228-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, दिल्ली के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का नौवां बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	संजीव कुमार यादव, आईपीएस	पुलिस उपायुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक का नौवां बार
2	जसबीर सिंह	सहायक पुलिस आयुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	रवि तुषीर	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री संजीव कुमार यादव, पुलिस उपायुक्त/विशेष सेल की देख-रेख और श्री जसबीर सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त/एनआर के नेतृत्व में एक विशेष सेल टीम एक आतंकवादी संगठन बीकेआई (बब्बर खालसा इंटरनेशनल) के नापाक मॉड्यूल का भांडाफोड करने के लिए अथक प्रयास कर रही थी। श्री संजीव कुमार यादव द्वारा इस प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के सदस्यों और उनकी गतिविधियों के बारे में भारी इनपुट एवं जानकारी एकत्र की गई थी तथा साथ ही उनकी आवाजाही को रेखांकित किया गया। दिनांक 05.09.2020 को श्री संजीव कुमार यादव, पुलिस उपायुक्त/विशेष सेल के माध्यम से बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकवादी संगठन के दो सदस्यों नामत: भूपिंदर उर्फ दिलावर सिंह और कुलवंत सिंह की गतिविधियों के संबंध में एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी, कि वे उत्तर भारत में एक आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं और साजिश को अंजाम देने के लिए भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद प्राप्त करने के लिए दिल्ली आए हुए हैं। इस इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, दिल्ली के बुराड़ी से मजलिस पार्क रोड पर अंडरपास के पास एक जाल बिछाया गया और एक-दूसरे पर भीषण गोलीबारी के बाद टीम के सदस्यों द्वारा इन आरोपियों पर काबू पा लिया गया, जिसके दौरान एक गोली सहायक पुलिस आयुक्त जसबीर सिंह द्वारा पहनी गई बुलेट प्रूफ जैकेट में जा लगी। जवाबी कार्रवाई और आत्मरक्षा में, श्री संजीव कुमार यादव, पुलिस उपायुक्त/विशेष सेल और उप निरीक्षक रवि तुषीर द्वारा एक-एक गोली चलाई गई, जबकि दो गोलियां सहायक पुलिस आयुक्त जसबीर सिंह द्वारा चलाई गईं। इस मुठभेड़ के दौरान, श्री संजीव कुमार यादव, श्री जसबीर सिंह और उप निरीक्षक रवि तुषीर ने अपने व्यक्तिगत जीवन के समक्ष सीधे खतरे का सामना किया।

पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने अपनी पहचान का खुलासा - (1) भूपिंदर सिंह उर्फ दिलावर सिंह, पुत्र सौदागर सिंह, निवासी ग्राम- ताजपुर, तहसील- रायकोट, लुधियाना, पंजाब और (2) कुलवंत सिंह, पुत्र करम सिंह, निवासी- ग्राम बिंजाल, पुलिस स्टेशन- रायकोट, जिला- लुधियाना, पंजाब के रूप में किया। उनके कब्जे से दो अत्याधुनिक लोडेड पिस्तौल बरामद की गईं, जबकि आरोपी भूपिंदर के बैग से पांच अत्याधुनिक पिस्तौल और 40 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। खालिस्तानी आंदोलन और उनके प्रचारकों से संबंधित कई आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरों के साथ दो एंड्रॉइड फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस स्टेशन स्पेशल सेल, दिल्ली में आईपीसी की धारा 186/353/307/34 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत दिनांक 06.09.2020 की एफआईआर संख्या 224/20 के तहत मामला दर्ज किया गया था और बाद में, इस मामले में विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18/20 जोड़ी गई।

दोनों आतंकवादियों के बीकेआई के नेताओं के साथ घनिष्ठ संपर्क हैं और वे आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। बीकेआई के हैंडलर द्वारा उन्हें पंजाब के राज नेताओं को खत्म करने का काम सौंपा गया था। भूपिंदर सिंह पहले से ही हरबिंदर सिंह, अमृतपाल कौर, रणदीप सिंह और जरनैल सिंह, जिन्हें पंजाब पुलिस ने वर्ष 2017 में प्रतिबंधित आतंकी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल का सदस्य होने के कारण गिरफ्तार किया था, के संपर्क में था और इसे कथित तौर पर पाकिस्तान, सऊदी अरब और युनाईटेड किंगडम के खालिस्तान समर्थकों द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा था। भूपिंदर सिंह, दिलावर सिंह बब्बर से प्रेरित हुआ था, जिसने श्री बेअंत सिंह (पंजाब के पूर्व सीएम) की हत्या की थी और इसलिए उसने अपना उपनाम दिलावर सिंह रख लिया था। उसे एसवाईएल (सतलुज यमुना लिंक) नहर पर कड़ी आपत्ति थी और इसलिए वह इस परियोजना पर काम कर रहे इंजीनियरों को भी मारने की साजिश रच रहा था।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली पुलिस के सर्व/श्री संजीव कुमार यादव, आईपीएस, पुलिस उपायुक्त, जसबीर सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त, रवि तुषीर, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/09/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/139/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 229-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ऐजाज अहमद मलिक	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	शबीर अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	शबीर अहमद डार	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	फिदा हुस्सैन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.10.2019 को, एक पुख्ता जानकारी मिलने पर, अवंतीपोरा पुलिस ने 42 आरआर और 130वीं बटॉलियन सीआरपीएफ की सहायता से ग्राम- राजपोरा अवंतीपोरा की एक बाग भूमि में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। तदनुसार, छिपे हुए आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए एक संयुक्त सर्च पार्टी का गठन किया गया, जिसमें श्री ताहिर सलीम खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा के साथ श्री राशिद अकबर-एसडीपीओ अवंतीपोरा, श्री ऐजाज अहमद, पुलिस उपाधीक्षक पीसी त्राल, डॉ. ऐजाज अहमद मलिक जेकेपीएस116060, पुलिस उपाधीक्षक डीएआर अवंतीपोरा, श्री राकेश अकरम, पुलिस उपाधीक्षक (पीसी) अवंतीपोरा, निरीक्षक मदासर नसीर, एसएचओ पुलिस स्टेशन-अवंतीपोरा, निरीक्षक गुलाम मोहम्मद राथेर सं. 7150/एनजीओ, हेड कांस्टेबल शबीर अहमद सं. 204/आईआरपी 11वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. शाहनवाज सं. 436/एडब्ल्यूटी, एस.जी.सीटी. शबीर अहमद डार सं. 591/आईआरपी 11वीं बटालियन, सिपाही फिदा हुस्सैन शाह सं. 2600/एस, सिपाही बिलाल अहमद सं. 416/एडब्ल्यूटी, एसपीओ अर्शीद कयूम सं. 58/एसपीओ, एसपीओ फैज अहमद सं. 60/एसपीओ, एसपीओ मुजामिल मकबूल सं. 81/एसपीओ, एसपीओ सुरजीत सिंह सं. 30/एसपीओ, शबीर अली सं. 52/एसपीओ और मुश्ताक अहमद सं. 118/एसपीओ, नसीर अहमद सं. 33/एसपीओ और एसपीओ सुरजीत सिंह सं. 1752/एसपीओ-जम्मू शामिल किए गए।

छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया था, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। संयुक्त सर्च पार्टी बड़ी सावधानी से छिपे हुए आतंकवादियों की ओर बढ़ी, लेकिन सर्च पार्टी की गतिविधि को देखते हुए आतंकवादियों ने उनकी ओर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। अपने जीवन की परवाह किए बिना संयुक्त सर्च पार्टी आगे बढ़ी और पार्टी ने प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप सभी तीनों आतंकवादी घायल हो गए। इस बीच, आतंकवादियों ने संयुक्त सर्च पार्टी की ओर दो ग्रेनेड फेंके, लेकिन सौभाग्य से ये ग्रेनेड संयुक्त सर्च पार्टी को कोई नुकसान पहुंचाए बिना फट गए। आतंकवादियों ने वहां से बच निकलकर भागने के लिए फिर से संयुक्त सर्च पार्टी की ओर पुन: बंदूक से भारी मात्रा में गोलीबारी की। संयुक्त सर्च पार्टी ने आतंकवादियों की गतिविधि को देख लिया था और अपनी शीघ्र/सटीक गोलीबारी से उन सभी आतंकवादियों का सफाया कर दिया, जिनकी पहचान बाद में अब्दुल हामिद लोन उर्फ हामिद लेलहारी (श्रेणी-क), पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद इस्माइल, निवासी- लेल्हार काकापोरा, जुनैद राशिद भट्ट, पुत्र अब्दुल राशिद भट्ट, निवासी- नौडल त्राल और नवीद अहमद टाक, पुत्र गुलाम नबी टाक, निवासी- नैना बाटापोरा (दोनों श्रेणी-सी) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 132/2019 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन के दौरान, पुलिस उपाधीक्षक ऐजाज अहमद मलिक सं. जेकेपीएस-116060 ने सराहनीय भूमिका निभाई, क्योंकि उक्त अधिकारी अपने जीवन की परवाह किए बिना लक्षित क्षेत्र की ओर सावधानी से आगे बढ़े, लेकिन क्षेत्र के परिसर में प्रवेश करते समय वे भारी मात्रा में आग की चपेट में आ गए। छिपे हुए आतंकवादियों का खात्मा करने में उक्त अधिकारी ने हेड कांस्टेबल शबीर अहमद सं. 204/आईआरपी 11वीं, सिपाही फिदा हुस्सैन सं. 2600/एस और एस.जी.सीटी. शबीर अहमद सं. 591/एडब्ल्यूटी के साथ मिलकर सराहनीय भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री ऐजाज अहमद मलिक, पुलिस उपाधीक्षक, शबीर अहमद, हेड कांस्टेबल, शबीर अहमद डार, एस.जी.सीटी. और फिदा हुस्सैन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22/10/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/128/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 230-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद यास्सर पर्रे	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	इम्तियाज़ अहमद वानी	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	शबीर अहमद पर्रे	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.10.2018 को लगभग 04:05 बजे पुलिस स्टेशन डांगीवाचा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पाजलपोरा मालगोनीपोरा में आतंकवादियों के मौजूद होने के संबंध में एक पुख्ता खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सोपोर पुलिस द्वारा जिला कुपवाड़ा के पुलिस दल, सेना की 22-आरआर और 92वीं बटॉलियन सीआरपीएफ के साथ एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया। तलाशी के दौरान, इलाके में एक रिहायशी मकान में छिपे आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित हो गया।

चूंकि, आतंकवादी एक रिहायशी इलाके में छिपे हुए थे, इसलिए ऑपरेशनल दलों ने किसी भी हमले को शुरू करने से पहले नागरिकों को निकालने का फैसला किया, ताकि किसी भी नागरिक के हताहत होने/अपनी ओर किसी क्षति से बचा जा सके।

ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए सेना, सीआरपीएफ और पुलिस के दो संयुक्त दलों का गठन किया गया। पहली टीम (एडवांस पार्टी के रूप में) का नेतृत्व मोहम्मद यास्सर पर्रे, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) कुपवाड़ा कर रहे थे तथा इसमें उप निरीक्षक इम्तियाज अहमद वानी एआरपी 115601, एस.जी.सीटी. शबीर अहमद पर्रे 768/एसपीआर, एस.जी.सीटी. फयाज अहमद 224/आईआर 3री, एस.जी.सीटी. बिलाल अहमद 600/केपी, सिपाही निसार अहमद 610/एसपीआर और सिपाही इम्तियाज अहमद 653/एसपीआर, एसपीओ अब्दुल खालिक 551/एसपीओ-केपी, एसपीओ मुश्ताक अहमद 368/एसपीओ-केपी, एसपीओ नाजिर अहमद 601/एसपीओ-केपी, एसपीओ मोहम्मद अकबर 339/एसपीओ-एसपीआर, एसपीओ वसीम अहमद 237/एसपीओ-एसपीआर और एसपीओ शौकत अहमद 415/एसपीओ-एसपीआर शामिल थे।

दूसरी टीम (बैकअप दल के रूप में) में उप निरीक्षक परवीन कुमार एआरपी 085601, एस.जी.सीटी. हनीफ मोहम्मद भट्ट 760/एसपीआर, एस.जी.सीटी. जहीर अब्बास अवान 688/केपी, एस.जी.सीटी. मोहम्मद शफी 691/केपी, एस.जी.सीटी. निसार अहमद 405/केपी, एस.जी.सीटी. अब्दुल जब्बार 464/एडब्ल्यूपी, एस.जी.सीटी. सज्जाद अहमद 560/एसपीआर, सिपाही जहूर अहमद 1315/बी, एसपीओ इमरान धोबी 834/एसपीओ-केपी, एसपीओ नसीर अहमद 850/एसपीओ-केपी, एसपीओ मंजूर अहमद 168/एसपीओ-केपी, एसपीओ मोहम्मद मुजफ्फर 1502/एसपीओ-बीएलए, एसपीओ आशिक हुसैन 269/एसपीओ- एसपीआर शामिल थे तथा इसका नेतृत्व श्री जावेद इकबाल-जेकेपीएस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर कर रहे थे और इस टीम को फंसे नागरिकों को बाहर निकालने का कार्य सौंपा गया था।

संयुक्त दल बड़ी समझदारी से आवासीय घरों की ओर बढ़े और उन्होंने क्षेत्र से सभी नागरिकों की निकासी सुनिश्चित की। छिपे हुए आतंकवादियों ने नागरिकों को बाहर निकालने के कार्य में बाधा डालने के लिए रुक-रुक कर गोलीबारी की, तथापि संयुक्त दलों ने सभी फंसे हुए नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया।

छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने का आग्रह किया गया था, लेकिन उन्होंने तुरंत ही प्रस्ताव को ठुकरा दिया और भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू कर दी, जिस पर जवाबी कार्रवाई करने से एक भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। चूंकि आतंकवादी संकरी गलियों और उप-गलियों वाले एक रिहायशी इलाके में छिपे हुए थे, जिससे बख्तरबंद/बुलेट प्रूफ वाहनों को घटनास्थल की ओर ले जाना असंभव हो गया था। सुरक्षा बलों/पुलिस ने आगे बढ़ने का हर संभव प्रयास किया, लेकिन उन्हें कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। अंतत: मोहम्मद यास्सर पर्रे-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय कुपवाड़ा के नेतृत्व में संयुक्त दल ने अंतिम हमले के लिए लक्षित घर की ओर बढ़ने का फैसला किया। पुलिस/सुरक्षा बलों की कवर गोलीबारी की आड़ में दल ने लक्षित घर की ओर रेंगकर बढ़ना शुरू कर दिया।

जैसे ही दल लक्षित घर के पास पहुंचा, छिपे हुए आतंकवादी दोनों दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए घर से बाहर कूद पड़े। तथापि, मोहम्मद यास्सर पर्रे-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय कुपवाड़ा के नेतृत्व वाले दल ने असाधारण सूझबूझ का परिचय देते हुए प्रभावी ढंग से जवाबी गोलीबारी की और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया। एक-दूसरे पर गोलीबारी के दौरान, सेना के 22-आरआर के एक जवान ब्रजेश कुमार को गोली की चोटें आईं, जिसने बाद में चोटों के कारण उसने दम तोड़ दिया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जाहिद, निवासी- पाकिस्तान और उसामा, निवासी- पाकिस्तान के रूप में हुई। मारे गए दोनों आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के ए-श्रेणी के सदस्य थे। मारे गए आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में युद्धक सामग्री

बरामद की गई। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन- डांगीवाचा में आरपीसी की धारा 307, 302 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 147/2018 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहम्मद यास्सर पर्रे, पुलिस उपाधीक्षक, इम्तियाज़ अहमद वानी, उप निरीक्षक और शबीर अहमद पर्रे, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 26/10/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/133/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 231-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	आदिल रशीद	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	असिफ इक़्बाल क़ुरेशि	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 31.03.2018 को, ग्राम- डायलगाम में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक पुख्ता सूचना प्राप्त हुई, जिसके बाद अनंतनाग पुलिस ने 19 आरआर और सीआरपीएफ की 40वीं बटालियन की सहायता से उक्त गांव की संयुक्त घेराबंदी की। सर्च ऑपरेशन के दौरान, इमरान अहमद खान, पुत्र- असादुल्ला खान, निवासी- पेठ डायलगाम के घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी से भागने की कोशिश की। आत्मसमर्पण करने का अवसर दिए जाने पर, एक आतंकवादी नामत: इमरान राशिद भट्ट, पुत्र- अब्दुल राशिद भट्ट, निवासी- सिरहामा बिजबेहरा घर से बाहर आया और उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, जबकि दूसरे आतंकवादी, जिसकी पुष्टि रौफ बशीर खांडे, पुत्र- बशीर अहमद खांडे, निवासी- आरा-देहरुना अनंतनाग के रूप में हुई, ने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया। तदनुसार, उसके माता-पिता को लाया गया, ताकि वे अपने बेटे को आत्मसमर्पण करने के लिए मना लें, लेकिन उसने फिर से ऐसा करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय उसने सर्च पार्टी, जिसमें श्री अल्ताफ अहमद खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग, श्री मोहम्मद यूसुफ, पुलिस उपाधीक्षक, एस.जी.सीटी. शौकत अली 513/एपी 7वीं, एस.जी.सीटी. (अब हेड कांस्टेबल) आसिफ इकबाल सं. 1344/ए, एस.जी.सीटी. मंजूर अहमद 1068/ए, एस.जी.सीटी. परवेज अहमद 753/ए, सिपाही एजाज अहमद 1996/ए, सुदर्शन सिंह सं. 249/एसपीओ, रईस अहमद 546/एसपीओ, तारिक अहमद 476/एसपीओ, अब्दुल राशिद पद्दार 300/एसपीओ, एसपीओ मंजूर अहमद 1429/एसपीओ और शौकत अहमद मीर 307/एसपीओ शामिल थे, पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। सर्च पार्टी ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और एक दूसरे पर गोलीबारी में हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के उक्त कट्टर आतंकवादी रौफ बशीर खांडे, पुत्र- बशीर अहमद खांडे, निवासी- आरा-देहरुना अनंतनाग (श्रेणी "ग") मारा गया और उसके कब्जे से हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन अनंतनाग में आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 55/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री आदिल रशीद, निरीक्षक और असिफ इक़्बाल क़ुरेशि, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 31/03/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/134/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 232-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मुब्बशर हुस्सैन	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	मोहम्मद अंज़र खान	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	शाम लाल	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	गुलाम रसूल मीर	अनुचर	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.04.2019 को, विश्वसनीय स्रोतों से शौकत अहमद, पुत्र- नाजिर अहमद, निवासी- बगिंदर मोहल्ला, बिजबेहरा के आवासीय घर में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में पुख्ता सूचना प्राप्त हुई। सूचना को तीसरी आरआर/सीआरपीएफ की 90वीं बटालियन के साथ साझा किया गया। छिपे हुए आतंकवादियों को घेरने और उन्हें घेराबंदी तोड़ने का कोई मौका नहीं देने के लिए एक उपयुक्त रणनीति बनाकर इस इलाके की घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। श्री मुब्बशर हुस्सैन पुलिस अधीक्षक (पीसी) अनंतनाग द्वारा चुनौतीपूर्ण कार्य को बहुत ही चतुराई से किया गया और अंतत: लगभग 02:40 बजे सुनियोजित तरीके से घेराबंदी की गई।

सर्च ऑपरेशन के दौरान बगिंदर मोहल्ला बिजबेहरा में खूंखार आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए निकासी की सभी जगहों पर उपयुक्त नाके लगाए गए, पूरे इलाके को सील कर दिया गया और उचित रोशनी की व्यवस्था की गई। ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग के पर्यवेक्षण और पुलिस अधीक्षक (पीसी) अनंतनाग की कमान के तहत पुलिस/सीआरपीएफ/सेना को शामिल करते हुए 02 टीमों का गठन किया गया, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद रफी जेकेपीएस155771, पुलिस उपाधीक्षक परवेज अहमद, पुलिस उपाधीक्षक शरद जेकेपीएस155774, निरीक्षक मोहम्मद अंज़र खान 7545/एनजीओ, एस.जी.सीटी. मोहम्मद सुहैल 749/ए, एस.जी.सीटी. रेयाज अहमद 482/एपी 9वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. शाम लाल 527/आईआर 12वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. शाबिर अहमद 577/ए, एस.जी.सीटी. सैयद जहांगीर 1206/केपी, एस.जी.सीटी. मुर्तजा नाजिर 1353/ए, एस.जी.सीटी. जाकिर हुसैन 648/आईआर 12वीं बटालियन, सिपाही बिलाल अहमद 1875/ए, अनुचर मोहम्मद मकबूल 29/एफ, अनुचर गुलाम रसूल मीर 28/एफ/एपी-9वीं, एसपीओ मोहम्मद शफी 47/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद यासीन 781/एसपीओ, एसपीओ निसार अहमद 824/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल राशिद 456/एसपीओ, एसपीओ इशफाक अमीन 37/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद इकबाल 09/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद यूसुफ 922/एसपीओ, एसपीओ गुल मोहम्मद वानी 734/एसपीओ, एसपीओ यूसुफ सजाद 853/एसपीओ और एसपीओ मोहम्मद रमजान 370/एसपीओ-एसजीआर सहायता कर रहे थे, ताकि उस घर में प्रवेश किया जा सके, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे।

कड़ी घेराबंदी करने के बाद, आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने की पेशकश की गई थी, लेकिन उनकी ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली और उन्होंने पुलिस अधीक्षक (पीसी) अनंतनाग एवं एसडीपीओ बिजबेहरा के नेतृत्व वाले दल पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। वे बाल-बाल बचे, लेकिन दल ने बहुत प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादी पीछे हट गए। अच्छी तरह से प्रशिक्षित आतंकवादियों ने दूसरी तरफ से घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश की और उक्त एडवांस पुलिस पार्टी पर कई ग्रेनेड फेंके तथा अन्य तैनात बलों पर भी अंधाधुंध गोलीबारी की। लेकिन अधिकारियों और उनके दल ने अपनी जान की परवाह किए बिना बहुत प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप दो खूंखार आतंकवादी मारे गए, जिनकी पहचान बाद में सफदर अमीन भट्ट, पुत्र- मोहम्मद अमीन भट्ट (श्रेणी-क), निवासी- जैरपोरा बिजबेहरा और बुरहान अहमद गनी, पुत्र- अब्दुल सादिक गनी (श्रेणी-ग), निवासी- एसके कॉलोनी, अनंतनाग के रूप में हुई। ये दोनों ही हिजबुल मुजाहिदीन संगठन से संबंधित थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किए गए। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन बिजबेहरा में आरपीसी की धारा 307 तथा भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 53/2019 दर्ज है। यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि मारे गए आतंकवादी सक्रिय थे और वे दक्षिण कश्मीर विशेष रूप से जिला-अनंतनाग के मुख्य शहरों के लिए एक बड़ा खतरा थे तथा सुरक्षा बलों पर आतंकवादी हमले करने की योजना बना रहे थे। वे दक्षिण कश्मीर में हथियार छीनने की कई घटनाओं में भी शामिल थे।

इस ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मुब्बशर हुस्सैन, पुलिस अधीक्षक, मोहम्मद अंज़र खान, निरीक्षक, शाम लाल, एस.जी.सीटी. और गुलाम रसूल मीर, अनुचर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/04/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/155/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 233-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ताहिर अशर्फ	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	जावेद अहमद ज़गू	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	मोहम्मद जुनेद अख्तर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.08.2018 को विश्वसनीय स्रोतों से अनंतनाग के मुनिवार्ड क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता सूचना प्राप्त हुई थी। तदनुसार, पहली आरआर और सीआरपीएफ की 40वीं बटॉलियन के सैन्य दस्तों सहित एसओजी अनंतनाग/पुलिस घटक श्रीनगर की एक संयुक्त टीम ने तड़के गांव-मुनिवार्ड की घेराबंदी कर ली। सर्च ऑपरेशन के दौरान, मोहम्मद अल्ताफ डार, पुत्र- मोहम्मद अफजल, निवासी- खाहपोरा मुनिवार्ड के घर में आतंकवादी छिपे पाए गए और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने वहां तैनात बलों पर गोलीबारी कर दी। तदनुसार, हमले को अंजाम देने के लिए पुलिस, पहली आरआर और सीआरपीएफ की 40वीं बटॉलियन की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। पुलिस दल में श्री अमृितपाल सिंह-आईपीएस पुलिस अधीक्षक, श्री ताहिर अशर्फ केपीएस-045839 पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर, श्री सचित शर्मा केपीएस-135821 पुलिस उपाधीक्षक, हेड कांस्टेबल निसार अहमद 2258/ए, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद 2218/पीडब्ल्यू, हेड कांस्टेबल शाहवानज अहमद 347/3 एसईसी, एस.जी.सीटी. संजीत सिंह 2112/ए, एस.जी.सीटी. मोहम्मद अब्दुल्ला 300/ए, एस.जी.सीटी. मंजूर अहमद 540/आईआरपी 12वीं, एस.जी.सीटी. तनवीर अहमद 578/आईआरपी 12वीं, एस.जी.सीटी. आसिफ इकबाल 1344/ए, एस.जी.सीटी. अल्ताफ हुसैन 1114/ए, सिपाही मोहम्मद जुनैद 722/एपी 7वीं, सिपाही रेयाज अहमद 776/ए, रेयाज अहमद 89/एसपीओ, मुदासिर अहमद 1112/एसपीओ, बशीर अहमद 1151/एसपीओ, मोहम्मद सादिक 1122/एसपीओ, शाबिर अहमद 440/एसपीओ-बीडी, बशीर अहमद 211/एसपीओ, मुजफ्फर हुसैन 220/एसपीओ, मंजूर अहमद 178/एसपीओ, मुदासिर अहमद 244/एसपीओ और हिलाल अहमद 292/एसपीओ शामिल थे, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी और वे छिपे हुए दोनों आतंकवादियों नामत: मोहम्मद अल्ताफ डार उर्फ अल्ताफ काचरू (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन का क++ श्रेणी) पुत्र- गुलाम मोहम्मद डार, निवासी- हवूरा मिशपोरा (जिला कमांडर) और उमर रशीद वानी (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन का ग-श्रेणी), पुत्र- अब्दुल रशीद वानी, निवासी- खुदवानी, कुलगाम का सफाया करने में सफल रहे, जो कि लंबे समय से जिला अनंतनाग/कुलगाम में सक्रिय थे और दोनों जिलों के मुख्य शहरों विशेष रूप से एनएचडब्ल्यू और रेलवे ट्रैक के लिए बहुत बड़ा खतरा थे। वे दक्षिण कश्मीर में हथियार छीनने की कई घटनाओं में भी शामिल थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया, जिसके संबंध में जांच के लिए पुलिस स्टेशन अनंतनाग में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/25 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18,19,20,38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 158/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री ताहिर अशर्फ, पुलिस अधीक्षक, जावेद अहमद ज़गू, हेड कांस्टेबल और मोहम्मद जुनेद अख्तर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/08/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/164/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 234-2022/प्रेज—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मत्लूब हुस्सैन शाह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अस्रार अहमद मीर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बडगाम पुलिस को दिनांक 30.06.2019 को, विश्वसनीय सूत्रों से जिला-बडगाम के ग्राम- बुगाम, तहसील-चाडूरा में सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में सूचना मिली। इस सूचना के आधार पर, 53 आरआर के साथ बडगाम पुलिस के जवानों की संयुक्त ऑपरेशन टीम का गठन किया गया। संयुक्त ऑपरेशन टीम को अंधेरे की आड़ लेकर देर रात पैदल ऑपरेशन शुरू करने का जिम्मेदारी सौंपी गई। बिना समय गंवाए, बिलाल अहमद गनी, पुत्र- मोहम्मद अकरम गनी, निवासी- बुगाम चाडूरा, जिला- बडगाम नामक एक व्यक्ति के लक्षित घर को घेरने के लिए चार घेराबंदी टीमों का गठन किया गया।

श्री आकाश कोहली-जेकेपीएस155781, पुलिस उपाधीक्षक (पीसी) चाडूरा के नेतृत्व वाली पहली टीम, जिसमें 53 आरआर के मेजर पीयूष मित्तल एसएस-45107एफ, सिपाही अस्रार अहमद मीर 729/बीडी, सिपाही तनवीर अहमद 1465/बीडी, सिपाही मुश्ताक अहमद 1399/बीडी, एसपीओ अब्दुल राशिद लोन 291/एसपीओ और एसपीओ नजीर अहमद 240/एसपीओ शामिल थे, को लक्षित घर के उत्तरी हिस्से को कवर करने की जिम्मेदारी दी गई।

पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री आमोद अशोक नागपुरे आईपीएस 136011 के नेतृत्व में दूसरी टीम, जिसमें 53 आरआर के कैप्टन सूर्य प्रकाश आईसी-79612डब्ल्यू, हेड कांस्टेबल फिरदौस अहमद 522/बीडी, सिपाही मल्लूब हुस्सैन शाह 475/आईआर 6ठीं, सिपाही मेहराज अहमद 1164/बीडी, एसपीओ मुख्तार अहमद डार 126/एसपीओ और एसपीओ बिलाल अहमद लोन 437/एसपीओ शमिल थे, को लक्षित घर के दक्षिणी हिस्से को कवर करने की जिम्मेदारी दी गई।

निरीक्षक श्री महबूब हुसैन 7176/एनजीओ, एसएचओ पुलिस स्टेशन-चाडूरा के नेतृत्व में तीसरी टीम, जिसमें उनके साथ 53 आरआर के कैप्टन रोहित शर्मा आईसी-79318डब्ल्यू, सिपाही मंजूर अहमद 837/बीडी और एसपीओ अली मोहम्मद मीर 398/एसपीओ शामिल थे, को लक्षित घर के पूर्वी हिस्से को कवर करने की जिम्मेदारी दी गई।

सहायक उप निरीक्षक खुर्शीद अहमद 212/बीडी सहित 53 आरआर के कैप्टन वरुण तोमर आईसी 79153-एच के नेतृत्व में चौथी टीम, जिसमें उनके साथ हेड कांस्टेबल अब्दुल मजीद 124/बीडी, एस.जी.सीटी. जहांगीर अहमद 783/जेकेएपी 13वीं बटालियन, सिपाही उमर फारूक 1395/बीडी, एसपीओ अल्ताफ अहमद 1197/एसपीओ और एसपीओ शाहनवाज अहमद 09/एसपीओ शामिल थे, को लक्षित घर के पश्चिमी हिस्से को कवर करने की जिम्मेदारी दी गई।

ग्राम-बुगाम, तहसील-चाडूरा, जिला-बडगाम में ऑपरेशन का समन्वय और पर्यवेक्षण पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री आमोद अशोक नागपुरे आईपीएस136011, सीओ 53वीं बटॉलियन आरआर कर्नल एम. के. राणा आईसी-63430वाई और श्री मुनीर अहमद सहायक पुलिस अधीक्षक बडगाम द्वारा किया गया था। चारों टीमों ने घेराबंदी की तथा चारों टीमों के बीच सम्प्रेषण और समन्वय स्थापित करने के बाद, यह सुनिश्चित किया गया कि आस-पास के घरों में रहने वाले नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया जाए और घरों को किसी भी तरह की क्षति से बचा जाए। अंदर छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिस पर उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया।

जैसे ही दल लक्षित घर की ओर बढ़े, अंदर छिपे आतंकवादियों ने भागने और घेराबंदी तोड़ने के प्रयास में गोलियों की बौछार कर दी और ग्रेनेड फेंका। एक-दूसरे पर शुरूआती गोलीबारी के दौरान, 02 पुलिस कार्मिक नामत: हेड कांस्टेबल अब्दुल मजीद 124/बीडी, एसपीओ अल्ताफ अहमद 1197/एसपीओ और 53 आरआर के सेना के 02 जवान घायल हो गए, जिन्हें तुरंत 92 बेस कैंप आर्मी अस्पताल श्रीनगर ले जाया गया। संयुक्त ऑपरेशन दल आतंकवादियों द्वारा की गई अंधाधुंध गोलाबारी से खुद को बिना किसी ठोस कवर के बचाने में कामयाब रहे और उन्होंने धैर्य खोए बिना, चतुराई से जवाबी गोलीबारी की, जिसने आतंकवादियों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। इसके बाद, आतंकवादियों ने खुद को फिर से घर में एक प्रभुत्व वाली जगह पर पोजीशन कर लिया और वहां से घेराबंदी में तैनात सुरक्षा बल कार्मिकों को निशाना बनाना शुरू कर दिया, जिन्हें उनके गोलीबारी करने वाले हथियारों के फ्लैशों से आसानी से पहचाना जा सकता था। किसी भी प्रकार के हताहत होने से बचने के लिए, ऑपरेशनल दलों को निर्देश दिया गया कि वे गोलीबारी रोक दें और उजाला होने की प्रतीक्षा करें, ताकि प्रभावी जवाबी कार्रवाई के लिए लक्षित स्थान के जितना संभव हो उतना करीब जाया जा सके।

तड़के, एक सर्च पार्टी गठित की गई, जिसमें श्री मगपुरे आमोद अशोक एसपीएस-136011 पुलिस अधीक्षक बडगाम, श्री मुनीर अहमद ईएक्सजे-832519 सहायक पुलिस अधीक्षक बडगाम, कर्नल एम. के. राणा आईसी-63430वाई, मेजर पीयूष मित्तल एसएस-45107एफ, कैप्टन सूर्य प्रकाश आईसी-79612डब्ल्यू, कैप्टन रोहित शर्मा आईसी-79318डब्ल्यू, कैप्टन वरुण तोमर आईसी-79153एच, श्री आकाश कोहली-जेकेपीएस155781 पुलिस उपाधीक्षक पीसी चाडूरा, श्री सैयद फयाज अहमद 3041/एनजीओ एसडीपीओ चरार-ए-शरीफ, निरीक्षक महबूब हुसैन 7176/एनजीओ एसएचओ पुलिस स्टेशन-चाडूरा, सहायक उप निरीक्षक खुर्शीद अहमद 212/बीडी, हेड कांस्टेबल फिरदौस अहमद 522/बीडी, सिपाही अस्रार अहमद 729/बीडी, सिपाही मल्लूब हुस्सैन 475/आईआर 6ठीं, सिपाही सरताज अहमद 26/बीडी, सिपाही मुश्ताक अहमद 1399/बीडी, सिपाही मेहराज-उ-दीन 1164/बीडी, सिपाही मंजूर अहमद 837/बीडी, सिपाही उमर फारूक अहमद 1395/बीडी शामिल थे। उपर्युक्त अधिकारियों/कर्मचारियों ने लक्षित घर के निकट जाकर और सामरिक पोजीशन लेने के बाद अंतिम हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी मारा गया।

एक छोटी सी सर्च पार्टी ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना और कर्तव्य के पथ पर असाधारण बहादुरी और वीरता का प्रदर्शन करके सौंपे गए कार्य को सावधानीपूर्वक पूरा किया, जिसके परिणामस्वरूप 01 खूंखार आतंकवादी का सफाया हो गया। उस समय तक बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए थे और वे ऑपरेशनल पार्टी पर पथराव करने लगे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस अतिरिक्त बल ने आंसू गैस के गोले दागे, जिससे सुरक्षा बल मारे गए आतंकवादी के शव के साथ घटनास्थल से निकलने में सफल रहे। बंदूक की उक्त लड़ाई के दौरान, एस.जी.सीटी. मल्लूब हुस्सैन शाह एआरपी112244 और एस.जी.सीटी. अस्रार अहमद मीर ईएक्सके-27253 ने सर्वोच्च स्तर की वीरता का प्रदर्शन किया और इसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी का सफाया हो गया, जिसकी पहचान बाद में हिजबुल मुजाहिदीन के हिलाल अहमद भट्ट, पुत्र- हबीबुल्लाह भट्ट, निवासी- अरमुल्लाह पुलवामा के रूप में हुई, जो एक "ओ" श्रेणी का आतंकवादी था। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया। घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन-चाडूरा में आरपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18, 19, 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 115/2019 दर्ज है।

उपर्युक्त आतंकवादी का खात्मा हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि उक्त संगठन स्थानीय युवाओं को आतंकवाद की ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रहा था। अनुशंसितों द्वारा प्रदर्शित त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई ने एक बड़ी/विनाशकारी त्रासदी को टाल दिया है, जो उक्त आतंकवादी द्वारा पैदा की जा सकती थी। यह ऑपरेशन पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, क्योंकि अंधेरे की आड़ से छिपे हुए आतंकवादी को एक अतिरिक्त फायदा मिला हुआ था।

इस ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मल्लूब हुस्सैन शाह, सिपाही और अस्रार अहमद मीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30/06/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/25/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 235-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	राज कुमार	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	अब्दुल क़यूम	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.05.2020 को, एक पुख्ता सूचना पर कार्रवाई करते हुए, डोडा पुलिस, 10 आरआर, सीआरपीएफ की 33वीं बटालियन और एसएसबी की 7वीं बटालियन द्वारा पुलिस स्टेशन- डोडा, तहसील गुंडना और जिला डोडा के क्षेत्राधिकार में आने वाले ग्राम- तशनाल (खुत्रा) में रात के समय एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया।

आतंकवादी के किसी भी तरफ से भागने की संभावना को कम करने के लिए सर्च पार्टियों ने संदिग्ध क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। सर्च ऑपरेशन के दौरान, नाजिर अहमद मीर, पुत्र- गुलाम अली मीर, निवासी- खुत्रा के घर में छिपे हुए आतंकवादी ने सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सर्च पार्टी द्वारा गोलीबारी का जवाब दिया गया और मुठभेड़ शुरू हो गई, जो कि कई घंटों तक जारी रही। श्री राज कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन डोडा और और हेड कांस्टेबल अब्दुल क़यूम सं. 112/डी ईएक्सजे-977030 की असॉल्ट टीम लक्षित घर की ओर बढ़ी और वे नजदीक से हुई बंदूक की लड़ाई में आतंकवादी का खात्मा करने में सफल हो गए, जिसकी पहचान बाद में ताहिर अहमद भट्ट उर्फ अंजार-उल-इस्लाम उर्फ उकाब, पुत्र- मोहम्मद शबन भट्ट, निवासी- मलंगपोरा, जिला- पुलवामा के रूप में हुई। मारा गया आतंकवादी पिछले डेढ़ वर्ष से डोडा-किश्तवाड़ में सक्रिय था और हिजबुल मुजाहिदीन संगठन से जुड़ा था। उसके आकाओं द्वारा उसे चिनाब घाटी में उस क्षेत्र के युवाओं को आतंकवादी कैडर में भर्ती करके वहां आतंकवाद को पुनर्जीवित करने का कार्य सौंपा गया था। इस मुठभेड़ में 10 आरआर के सेना के एक जवान लांस नायक राज सिंह को भी मौके पर शहादत प्राप्त हुई। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन डोडा में आईपीसी की धारा 302, 307,120-बी, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 तथा विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 87/2020 दर्ज है और मामले की जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन के दौरान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राज कुमार और हेड कांस्टेबल अब्दुल क़यूम, ईएक्सजे 977080 ने विशिष्ट भूमिका निभाई और अपने सामान्य कर्तव्यों से आगे बढ़कर वीरता का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री राज कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अब्दुल क़यूम, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/05/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/34/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 236-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मुकेश सिंह, आईपीएस	पुलिस महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	विवेक गुप्ता, आईपीएस	पुलिस उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	श्रीधर पाटिल, आईपीएस	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
4	नरेश सिंह	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
5	दिवाकर सिंह	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
6	परुप्कार सिंह	अनुमंडल पुलिस अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
7	बल्बीर सिंह	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	विनोद कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	जावेद इक़्बाल	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
10	राकेश सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जैश-ए-मोहम्मद के विशेष आत्मघाती दस्ते के भारी मात्रा में हथियारों से लैस आतंकवादियों के जम्मू-सांबा राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर घाटी की ओर जाने के संबंध में विशेष इनपुट के आधार पर दिनांक 18.11.2020 को शाम के समय, एसओजी जम्मू ने एसएचओ पुलिस स्टेशन नगरोटा के नेतृत्व में जिला पुलिस के साथ मिलकर नुड, सांबा, कुंजवानी जम्मू और बान टोल प्लाजा नगरोटा, जम्मू सहित राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर विशेष नाके लगाए। इनपुट से यह भी पता चला कि जैश-ए-मोहम्मद का यह विशेष दस्ता पुलवामा हमला, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे, से भी बड़े हमले को अंजाम देने की योजना बना रहा था। सभी स्थानों पर तैनात पुलिस टीमों को कश्मीर आधारित सभी वाहनों की अच्छी तरह से जांच करने का निदेश दिया गया था। पुलिस महानिरीक्षक जम्मू श्री मुकेश सिंह, आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक जेएसके रेंज श्री. विवेक गुप्ता, आईपीएस और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू श्रीधर पाटिल-आईपीएस, ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से घाटी की ओर जाने वाले रास्ते में पड़ने वाले सभी नाकों का व्यक्तिगत रूप से दौरा किया और ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों को सतर्क रहने और वाहनों की जांच के लिए अभ्यास (ड्रिल) का पालन करने के लिए ब्रीफ किया। अगले दिन दिनांक 19.11.2020 को सुबह लगभग 04:50 बजे, जब पुलिस सर्च टीम बान टोल प्लाजा नगरोटा में वाहनों की जाँच कर रहा थी, तभी तलाशी ले रहे पुलिस दल ने रजिस्ट्रेशन संख्या जेके 01 एएल 1055 वाले एक ट्रक को रोका। पुलिस दल को देखकर ट्रक का चालक वाहन को छोड़कर मौके से फरार हो गया। इससे संदेह हुआ और पुलिस टीम ने तुरंत पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू, श्री नरेश सिंह- केपीएस और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू श्री श्रीधर पाटिल- आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज, श्री विवेक गुप्ता- आईपीएस और पुलिस महानिरीक्षक जम्मू जोन श्री मुकेश सिंह- आईपीएस सहित सभी वरिष्ठ फॉर्मेशनों को इसकी सूचना दी। इस दौरान पुलिस दल ने वाहन की अच्छी तरह से तलाशी शुरू कर दी। जब पुलिस ने ट्रक के बाईं ओर की छोटी खिड़की को खोलने की कोशिश की, तो ट्रक के अंदर छिपे आतंकवादियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई।

तुरंत ही, इनपुट के मद्देनजर पहले से ही राजमार्ग पर निकली हुई एक टीम, जिसका नेतृत्व पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू कर रहे थे तथा जिसमें उनकी सहायता उप पुलिस अधीक्षक जम्मू, एसओजी जम्मू और सीआरपीएफ की 160वीं बटॉलियन की एक सीटीटी के जवान कर रहे थे, मौके पर पहुंची और उसने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर ली तथा यह सुनिश्चित किया कि कोई भी छिपा हुआ आतंकवादी घेरा तोड़कर मुठभेड़ स्थल से भाग न सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू के नेतृत्व में दूसरी टीम और एसडीपीओ नगरोटा भी अपनी टीमों के साथ मौके पर पहुंच गए और उन्होंने सामरिक तरीके से पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू और पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू ने तुरंत मौके पर ऑपरेशन की योजना बनाई और ऑपरेशन टीमों को दो हमला (स्ट्राइक) टीमों में बांट दिया। एसओजी जम्मू के सहयोग से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू की कमान में एक दल ने उक्त वाहन की बाईं ओर की घेराबंदी कर उसे कवर किया और एसडीपीओ नगरोटा के सहयोग से पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू की कमान में एक अन्य दल को तत्काल उक्त वाहन के बिलकुल पीछे तैनात किया गया और अन्य जवानों को भी सामरिक और रणनीतिक स्थानों पर तैनात कर दिया गया। दोनों टीमें ट्रक के बहुत करीब स्थित थीं और आतंकवादियों की गोलीबारी की रेंज में थीं, लेकिन इसके बावजूद अधिकारियों/कार्मिकों ने अपनी-अपनी पोजीशन को बनाए रखने में अत्यधिक साहस और बहादुरी का परिचय दिया और आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया।

दोनों हमला टीमों, जिनमें से एक का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू श्री नरेश सिंह-जेकेपीएस कर रहे थे और दूसरी टीम का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू श्री श्रीधर पाटिल-आईपीएस कर रहे थे, पर छिपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों, यूबीजीएल ग्रेनेड्स से बहुत भारी गोलीबारी की, क्योंकि वे हताश थे और मुठभेड़ स्थल से भागने के लिए घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दोनों हमला दलों ने पेशेवर तरीके से जवाबी कार्रवाई की तथा उन्होंने बहुत बहादुरी एवं चतुराई से इस लड़ाई को लड़ा। इस दौरान, पुलिस उप महानिरीक्षक जम्मू श्री विवेक गुप्ता-आईपीएस और पुलिस महानिरीक्षक जम्मू जोन श्री मुकेश सिंह- आईपीएस भी पुलिस अधीक्षक ग्रामीण की सहायता वाली रिइन्फोर्समेंट/अतिरिक्त बल के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने चारों ओर से घेराबंदी कर दी, ताकि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी स्थिति में गोलीबारी करने वाले आतंकवादी भाग न सकें। मौके की ऑपरेशनल कमान अब पुलिस महानिरीक्षक जम्मू जोन अपने हाथ में ले चुके थे, जिनकी सहायता पुलिस उप महानिरीक्षक जेएसके रेंज कर रहे थे। प्रत्येक दल की गतिविधि पर नजर रखने और छिपे हुए आतंकवादियों की गतिविधि और कार्रवाई पर नजर रखने के लिए पीटीई कैमरों के साथ एक कमांड वाहन को मुठभेड़ स्थल के पास तैनात किया गया था।

आतंकवादी वाहन के अंदर से पुलिस दल पर बार-बार गोलीबारी करते रहे, लेकिन पुलिस दल ने उन्हें भागने नहीं दिया और उन्हें वाहन के अंदर ही रोककर उलझाए रखा। आतंकियों ने तुरंत यूबीजीएल से गोलीबारी शुरू कर दी और पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू श्री नरेश सिंह के वाहन पर ग्रेनेड भी फेंके। अधिकारी बाल-बाल बच गए और एपी (कवच-भेदी) के कुछ राउंड बीपी बंकर से भी गुजरे, जो पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू के वाहन के ठीक पीछे था, लेकिन दोनों हमला दलों, जिसमें से एक पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू के नेतृत्व में और दूसरा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू के नेतृत्व में थे, ने पूरी ताकत से जवाबी कार्रवाई की। पुलिस के हमला दलों के साथ एक-दूसरे पर शुरुआती गोलीबारी में दो आतंकवादियों का सफाया हो गया। अन्य दो आतंकवादी ट्रक के अंदर छिपे रहे और वे सुरक्षा बलों पर गालीबारी करते रहे, क्योंकि उन्होंने ट्रक के अंदर मौजूद चावल के बोरों से उचित बंकर बनाया हुआ था।

दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी के दौरान, एसओजी जम्मू के दो पुलिस जवानों नामश: सिपाही कुलदीप कुमार संख्या 752/के और एस.जी.सीटी. मोहम्मद इशाक संख्या 949/आर घायल हो गए। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए, पुलिस उप महानिरीक्षक जम्मू श्री विवेक गुप्ता ने हेड कांस्टेबल विनोद कुमार संख्या 132/जे ईएक्सजे-955737 की सहायता से अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना गोलियों का सामना किया और घायल सिपाही कुलदीप कुमार संख्या 752/के के स्थान पर पहुंच गए और उसे सुरक्षित निकाल लिया। दूसरा घायल जवान एस.जी.सीटी. मोहम्मद इशाक संख्या 949/आर, जो मुठभेड़ स्थल पर खून से लथपथ पड़ा था, को श्री मुकेश सिंह पुलिस महानिरीक्षक जम्मू जोन ने अपने क्यूआरटी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक बलवीर सिंह संख्या 1511/पीडब्ल्यू पीआईडी टीईएल-977482 की सहायता से बहुत ही कठिन प्रयासों के बाद बाहर निकाल लिया। बचाव दल ने वीरतापूर्वक गोलियों का समाना करके घायल जवानों को बचाने में बड़ी हिम्मत और बहादुरी दिखाई। बचाव अधिकारियों द्वारा समय पर की गई वीरतापूर्ण कार्रवाई ने, घायल जवानों के अनमोल जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस महानिरीक्षक जम्मू जोन श्री मुकेश सिंह-आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक जेएसके रेंज श्री विवेक गुप्ता- आईपीएस मुठभेड़ स्थल पर ऑपरेशन की निगरानी कर रहे थे और आगे बढ़कर सैनिकों का समन्वय/नेतृत्व कर रहे थे। इसका लक्ष्य किसी अतिरिक्त क्षति के बिना आतंकवादियों का खात्मा करना था। पुलिस महानिरीक्षक जम्मू जोन श्री मुकेश सिंह, आईपीएस ने कमांड वाहन का माइक हाथ में लिया और खुद आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा और वाहन से बाहर आने के लिए बार-बार घोषणा की, लेकिन फिदायीन, कट्टर और उच्च प्रशिक्षित आतंकवादी ऑपरेशनल पार्टी पर फायरिंग करते रहे।

इसके बाद, जैसे-जैसे मुठभेड़ आगे बढ़ी, 09 पैरा के सैनिक भी बाद के चरण में मुठभेड़ में शामिल हो गए। उन्होंने निदेश के लिए पुलिस महानिरीक्षक को रिपोर्ट किया और उन्हें अब तक की स्थिति और 2/3 आतंकवादियों का खात्मा हो जाने के बारे में बताया गया। ऑपरेशनल टीमों की तुरंत और रणनीतिक कार्रवाई ने तीन घंटे से ज्यादा चली बंदूक की इस भारी लड़ाई में सभी चारों आतंकवादियों को मार गिराने में मदद की। मुठभेड़ स्थल की प्रभावी हवाई निगरानी सुनिश्चित करने और आतंकवादियों का सफाया सुनिश्चित करने के लिए, पुलिस महानिरीक्षक जम्मू जोन के निदेशों के अनुसार 09 पैरा के ड्रोन को भी लक्षित क्षेत्र के ऊपर उड़ाया गया। इसके तुरंत बाद, मुठभेड़ स्थल से सभी

चार आतंकवादियों (सभी विदेशी आतंकवादी और अज्ञात एवं जैश-ए-मोहम्मद संगठन से संबद्ध) के शव भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री के साथ बरामद किए गए। तद्नुसार इस संबंध में, पुलिस स्टेशन- नगरोटा में आईपीसी की धारा 307,120-बी, 121,122,123, आयुध अधिनियम की धारा 7/25/26/27, और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16/18 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 426/2020 दर्ज है। सभी विदेशी आतंकवादी इस तथ्य के आधार पर आत्मघाती हमलावर थे कि पिछले सभी आत्मघाती हमलों के समान इस हमले में शामिल आतंकवादियों का पूरा शरीर मुंडा हुआ पाया गया था।

घुसपैठ के समय प्रत्येक विदेशी आतंकवादी के पास एक-एक पिस्तौल और कम से कम 10 से 12 ग्रेनेड के अलावा दो से तीन हथियार थे। उनके पास एसओएस इंजेक्शन भी थे। इन खेपों को हमेशा फिदायीन हमलावरों द्वारा ले जाया जाता है। आईईडी, जीपीएस डिवाइस और सैटेलाइट फोन की बरामदगी से आतंकवादियों के बीच एक उच्च स्तरीय कमांडर की मौजूदगी का संकेत मिलता है।

उपरोक्त निष्कर्ष इंगित करता है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की समय पर कार्रवाई से एक बड़े आतंकी हमले को नाकाम कर दिया गया। विदेशी आतंकवादियों को लेने गए स्थानीय आतंकवादियों की गिरफ्तारी ने सीमा पार से घुसपैठ के ऐसे कई और प्रयासों को भी रोक दिया है, क्योंकि आतंकवादियों को समर्थन बनाने में समय लगता है।

पूरे ऑपरेशन को किसी भी अतिरिक्त क्षति के बिना ही संचालित किया गया था, क्योंकि ऑपरेशनल टीमों द्वारा उत्कृष्ट कमान और नियंत्रण का इस्तेमाल किया गया था, तथा साथ ही उन्होने अतिविशिष्ट वीरता और कर्तव्य के प्रति अत्यधिक समर्पण का प्रदर्शन भी किया था। ऑपरेशनल टीम के सदस्य, विशेष रूप से श्री मुकेश सिंह-आईपीएस पुलिस महानिरीक्षक जम्मू जोन, श्री विवेक गुप्ता-आईपीएस पुलिस उप महानिरीक्षक जम्मू, श्री श्रीधर पाटिल-आईपीएस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू, श्री नरेश सिंह-केपीएस पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू, श्री दिवाकर सिंह पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू, श्री परूप्कार सिंह-केपीएस अनुमंडल पुलिस अधिकारी नगरोटा, सहायक उप निरीक्षक बलबीर सिंह संख्या 1511/पीडब्ल्यू पीआईडी संख्या टीईएल-977482, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार संख्या 132/जे ईएक्सजे-955737, एस.जी.सीटी. जावेद इक़्बाल संख्या 905/जे पीआईडी संख्या ईएक्सजे987037 और सिपाही राकेश सिंह संख्या 1876/जे पीआईडी संख्या ईएक्सजे-118482 ने जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र को आतंकवादी हमले के भारी खतरे से बचा लिया, क्योंकि मारे गए आतंकवादी अत्यधिक प्रेरित, प्रशिक्षित थे और अपने साथ युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाला सामान लिए हुए थे और उनका लक्ष्या जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र में डीडीसी चुनाव प्रक्रिया को अस्थिर करना था और वे लंबी अवधि के लिए बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध थे।

इस ऑपरेशन में, श्री मुकेश सिंह पुलिस महानिरीक्षक जम्मू जोन, श्री विवेक गुप्ता पुलिस उप महानिरीक्षक जम्मू, श्री श्रीधर पाटिल-आईपीएस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू, श्री नरेश सिंह-केपीएस पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू और श्री जावेद इकबाल एस.जी.सीटी. पीआईडी संख्या 987037 के नेतृत्व में ऑपरेशनल टीम ने विशिष्ट वीरता, साहस, बहादुरी और सर्वोच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मुकेश सिंह, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक, विवेक गुप्ता, आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक, श्रीधर पाटिल, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नरेश सिंह, पुलिस अधीक्षक, दिवाकर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, परुप्कार सिंह, अनुमंडल पुलिस अधिकारी, बल्बीर सिंह, सहायक उप निरीक्षक, विनोद कुमार, हेड कांस्टेबल, जावेद इक़्बाल, एस.जी.सीटी. और राकेश सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/11/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/118/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 237-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ऐजाज़ अहमद डार	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	नज़ीर अहमद लोन	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	जाहंगिर हुस्सैन माग्रे	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.07.2020 को गुलशनाबाद रेबान में आतंकवादियों के मौजूद होने के संबंध में विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर सोपोर पुलिस, आर्मी 22 आरआर और सीआरपीएफ की 179/177/92वीं बटालियन द्वारा उस क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन चलाया गया। चूंकि पहले ही ऐसी विश्वस्त सूचना थी कि एक रिहाइशी आवास में अत्याधुनिक हथियारों से लैस आतंकवादी छिपे हुए है, इसके अतिरिक्त बहुत सबेरे का समय था और सभी नागरिक अपने-अपने घरों में गहरी नींद में सोए हुए थे, इसलिए यदि उस समय गहन जांच ऑपरेशन चलाया जाता, तो ऐसी विषम परिस्थिति में आम नागरिकों के जानमाल की हानि की बहुत अधिक संभावना थी। अत: यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह ऑपरेशन सुरक्षित रूप से चलाया जाए, सेना के समकक्षों के साथ परामर्श से नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने को प्रथम और सर्वाधिक वरीयता दी गई।

इसलिए फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकालने के लिए श्री जावेद इकबाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व में उप निरीक्षक सजाद अहमद सं. 109303-एआरपी, सी.जी.सीटी. अल्ताफ हुस्सैन सं. 698/एसपीआर, सी.जी.सीटी. शाबिर हुसैन सं. 714/एसपीआर, सी.जी.सीटी. मोहम्मद हनीफ सं. 760/एसपीआर, सी.जी.सीटी. रियाज अहमद सं. 776/एसपीआर, सी.जी.सीटी. नज़ीर अहमद लोन सं. 593/एसपीआर, सी.जी.सीटी. ऐजाज़ अहमद डार सं. 870/एसपीआर, सिपाही जाहंगिर अहमद माग्रे सं. 856/एसपीआर, विपिन कुमार सं. 35/एसपीओ, निसार अहमद सं. 760/एसपीओ, तुफैल अहमद सं. 778/एसपीओ, मुजामिल अहमद सं. 769/एसपीओ, उमीद खान सं. 793/एसपीओ, गुरदीप सिंह सं. 799/एसपीओ, समीर अहमद सं. 782/एसपीओ, कादिर अहमद सं. 722/एसपीओ को शामिल करके पुलिस/सेना/सीआरपीएफ का एक संयुक्त दल गठित किया गया तथा कवर फायरिंग प्रदान करने के लिए बैकअप पार्टी के रूप में श्री मोहम्मद अमीन पुलिस उपाधीक्षक (ओपीएस), पुलिस घटक सोपोर के नेतृत्व में श्री राजा माजिद, एसडीपीओ सोपोर, सी.जी.सीटी. मोहम्मद यूसुफ सं.778/एसपीआर, सिपाही फयाज अहमद सं. 841/एसपीआर, सिपाही सैयद अमीर सं. 842/एसपीआर, सिपाही अब्दुल कयूम सं. 829/एसपीआर, सिपाही ऐजाज़ अहमद सं. 863/एसपीआर, सिपाही बिलाल अहमद सं. 800/एसपीआर, हाफिज अहमद सं. 775/एसपीओ, मजिद अमीन सं. 774/एसपीओ, जहांगीर अहमद सं. 557/एसपीओ, मोहम्मद इकबाल सं. 585 एसपीओ, मंजूर अहमद सं. 715/एसपीओ, शमशेर सिंह सं. 682/एसपीओ, इरफान अहमद सं. 439/एसपीओ को शामिल करके पुलिस/सीआरपीएफ का दूसरा दल गठित किया गया।

श्री जावेद इकबाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व वाले पहले संयुक्त दल ने अपनी जान को गहरे जोखिम में डाल कर फंसे हुए सभी नागरिकों को बाहर निकाल लिया। यहां तक कि नागरिकों को बाहर निकालने की कार्रवाई के दौरान आतंकवादियों ने इस बचाव कार्य में बाधा डालने और नागरिकों को बंधक बनाने के इरादे से संयुक्त दल पर रूक-रूक कर गोलीबारी की। यहां तक कि कुछ गोलियां अधिकारियों के नजदीक से होकर निकली, किंतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व वाले इस दल के सदस्यों ने अपना मनोबल गिरने नहीं दिया और फंसे हुए सभी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जब नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया पूरी हो गई, तो प्रवेश और निकास के सभी रास्तों को बंद करके घेराबंदी को और अधिक सुदृढ़ कर लिया तथा तलाशी ऑपरेशन को तेज कर दिया गया। इसी दौरान, घिरे हुए आतंकवादियों ने एडवांस सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी, जिसका बराबर जवाब दिया गया और मुठभेड शुरू हो गई।

आतंकवादी कंकरीट के दो मंजिला मकान में छिपे हुए थे, जो बड़ी चतुराई से उस मकान में अपनी पोजीशन बदल रहे थे और उन्होंने सुरक्षा बलों को लंबे समय तक उलझाकर रखा। इसके अलावा, वह लक्षित मकान बहुत भीड़भाड वाले इलाके में स्थित था और सुरक्षा बल अपनी ओर क्षति की आशंका के मद्देनजर लम्बे समय तक लक्षित मकान में आसानी से प्रवेश नहीं कर सके। अन्ततः, श्री जावेद इकबाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर की अगुवाई वाला प्रथम संयुक्त दल अंतिम हमला हेतु लक्षित मकान तक पहुंचने के लिए स्वेच्छा से आगे आया और श्री मो. अमीन पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) पीसी सोपोर के नेतृत्व वाला सीआरपीएफ और पुलिस से गठित दूसरे दल को कवर फायरिंग प्रदान करने और पहले दल के लक्षित घर पहुंचने तक आतंकवादियों को उलझाए रखने हेतु पहले दल को बैकअप प्रदान करने के लिए रखा गया।

तदनुसार, श्री जावेद इकबाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व में प्रथम एडवांस दल ने दूसरे दल की बैकअप फायरिंग की मदद से लक्षित घर की ओर रेंगना शुरू किया, परन्तु जैसे ही यह एडवांस दल लक्षित मकान तक पहुंचने के करीब था, आतंकवादियों ने यह भांपकर कि सुरक्षा बल लक्षित मकान तक पहुंच गए हैं, वे गोलियों का बौछार करते हुए मकान के मुख्य दरवाजे से बाहर कूद गए और उन्होंने संकरी गलियों का फायदा उठाते हुए उस स्थान से भागने का प्रयास किया, लेकिन एडवांस दल, विशेष रूप से श्री जावेद इकबाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर, सी.जी.सीटी. नज़ीर अहमद लोन सं. 593/एसपीआर, सी.जी.सीटी. ऐजाज़ अहमद डार सं. 870/एसपीआर और सिपाही जाहंगिर हुस्सैन माग्रे सं. 856/एसपीआर वहां पर पहले से ही डटे हुए थे और उन्होंने दूसरे संयुक्त दल की मदद से गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। इस प्रकार आमने-सामने की गोलीबारी की इस लड़ाई में प्रतिबंधित में लश्कर-ए-तैयबा आतंकी गुट के तीन खतरनाक आतंकवादी मारे गए, जिनकी पहचान बाद में अबु राफिया उर्फ उस्मान, निवासी-पाकिस्तान (लश्कर-ए-तैयबा गुट का "ए" श्रेणी आतंकवादी), कलिमुल्ला उर्फ सैफउल्ला, निवासी- पाकिस्तान (लश्कर-ए-तैयबा गुट का "ए" श्रेणी आतंकवादी) और शाहिद अहमद भट, पुत्र- वशीर अहमद भट, निवासी-हाफू नागीनपोरा त्राल, जिला-पुलवामा (जैश-ए-मोहम्मद/लश्कर-ए-तैयबा गुट) के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, आगे जांच-पड़ताल के लिए पुलिस स्टेशन सोपोर में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और यूएलए(पी) की धारा 16 के तहत मामलागत एफआईआर सं. 185/2020 दर्ज की गई।

ऑपरेशन का क्षेत्र घनी आबादी वाला था और यह चारों ओर से बगीचों से घिरा हुआ है, जो कि आतंकवादियों की गतिविधि/मौजूदगी के लिए सदैव पसंदीदा स्थान बना रहा है। इस प्रकार की खतरनाक परिस्थिति में ऐसे समस्याग्रस्त क्षेत्र में बिना किसी सम्पार्श्विक क्षति के

आतंकवादियों का सफाया करने के लिए एक सफल एवं सुरक्षित ऑपरेशन चलाना सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती थी, लेकिन श्री जावेद इकबाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर, सी.जी.सीटी. नज़ीर अहमद लोन सं. 593/एसपीआर, सी.जी.सीटी. ऐजाज़ अहमद डार सं. 870/एसपीआर और सिपाही जाहंगिर हुस्सैन माग्रे सं. 856/एसपीआर की अदम्य वीरता, नेतृत्वगुणों, पेशेवरता और बेजोड़ धैर्य के परिणामस्वरूप यह ऑपरेशन अपनी ओर बिना किसी क्षति के लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी गुट के तीन खतरनाक आतंकवादियों के खात्मे के साथ पूरा हो गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री ऐजाज़ अहमद डार, सी.जी.सीटी., नज़ीर अहमद लोन, सी.जी.सीटी. और जाहंगिर हुस्सैन माग्रे, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/119/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 238-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पद का तृतीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ऐजाज़ अहमद मलिक	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	संजीव देव सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	मंज़ूर अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	जावेद अहमद शैख	एस.सीटी.जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.01.2021 को, बशीर अहमद भट, पुत्र अब्दुल समद भट, निवासी- मंड्रा त्राल के रिहायशी घर में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के 03 स्थानीय आतंकवादियों की मौजूदगी/छिपे होने के बारे में प्राप्त एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, गांव मंड्रा त्राल में सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन की सहायता से अवंतीपोरा पुलिस द्वारा अपराह्न लगभग 2 बजे एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। चूंकि आतंकवादी भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र में अर्थात गांव मंड्रा त्राल के बीच में स्थित उक्त घर में छिपे हुए थे, इसलिए घेराबंदी करने वाली पार्टी के लिए लक्षित क्षेत्र/घर में पहुंचना और उच्च कोटि की सतर्कता बरतते हुए घेराबंदी करना तथा छिपे हुए आतंकवादियों को अचंभित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस चुनौतीपूर्ण कार्य के बावजूद, संयुक्त ऑपरेशनल पार्टी ने खतरनाक रास्ते को पार करते हुए लक्षित घर की घेराबंदी की।

जब घेराबंदी की जा रही थी, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र का फायदा उठाते हुए ऑपरेशनल पार्टियों पर ग्रेनेड फेंके और उनके ऊपर गोलीबारी भी की तथा घेराबंदी को तोड़ने का असफल प्रयास किया। तथापि, लक्षित क्षेत्र, जहां से आतंकवादी भागना चाहते थे, को पुलिस उपाधीक्षक ऐजाज़ अहमद मलिक, जेकेपीएस-एसडीपीओ त्राल के नेतृत्व में उप निरीक्षक संजीव देव सिंह, प्रभारी एसओजी त्राल, हेड कांस्टेबल मंजूर अहमद सं. 140/एडब्ल्यूटी ईएक्सके-085811 और एस.जी.सीटी. जावेद अहमद सं. 815/एडब्ल्यूटी, ईएक्सके-112056 की टीम ने पहले ही घेर लिया था और उन्होंने उच्च कोटि की पेशेवरता और बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादियों को गोलीबारी में उलझा दिया, जिसके परिणामस्वरूप वे घेराबंदी को तोड़ने में असफल रहे। उस लक्षित घर, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, के चारों ओर घेराबंदी को और अधिक सख्त कर दिया गया। लक्षित क्षेत्र के आस-पास के घरों से आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना अत्यंत खतरनाक कार्य था। उपर्युक्त अधिकारियों/कर्मचारियों के नेतृत्व वाली ऑपरेशनल टीम ने स्वेच्छा से आगे बढ़ते हुए स्वयं को इस आसन्न खतरे में डालकर तथा आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निर्णय लिया। उक्त टीम ने सर्वप्रथम लक्षित क्षेत्र के आस-पास स्थित घरों से सभी आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के कार्य को प्राथमिकता दी। अत्यधिक सावधानीपूर्ण सुरक्षा ड्रिल करने के बाद, घेराबंदी/हमलावर पार्टी आगे बढ़ी और लक्षित क्षेत्र/घर के निकट पहुंच गई तथा जिस घर में आतंकवादी छिपे हुए थे, उसमें फंसे हुए लोगों और लक्षित घर के आस-पास वाले घरों में फंसे हुए लोगों से भी अपने घर से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए टीम ने घोषणाएं भी कीं। तत्पश्चात उक्त टीम ने घरों में फंसे हुए सभी लोगों को सकुशल बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। तथापि, आतंकवादियों को भी अपने हथियार डालने/गोला-बारूद वहीं पर छोड़ने और आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, परंतु उन्होंने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने नागरिकों को बाहर निकालने वाली/हमलावर

पार्टी पर ग्रेनेड फेंकने के साथ-साथ उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी भी की। नागरिकों को बाहर निकालने वाली/हमलावर पार्टी ने भी प्रभावकारी ढंग से इस हमले का जवाब दिया और एक आतंकवादी को घटना स्थल पर ही मार गिराया।

नागरिकों को बाहर निकालने वाली/हमलावर पार्टी ने, शेष 02 आतंकवादियों द्वारा अपने हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने के लिए एक बार फिर से उद्घोषणा की, लेकिन जब उद्घोषणा की जा रही थी, तभी शेष 02 आतंकवादी घेराबंदी को तोड़ने और वहां से भाग निकलने के लिए, नागरिकों को बाहर निकालने वाली-नमलावर पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए लक्षित घर से बाहर की ओर भागे। नागरिकों को बाहर निकालने वाली/नमलावर पार्टी, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक ऐजाज अहमद मलिक, एसडीपीओ त्राल, उप निरीक्षक संजीव देव सिंह प्रभारी एसओजी त्राल, हेड कशंस्टेबल मंजूर अहमद सं. 140/एडब्ल्यूटी 11 एवं एस.जी.सीटी. जावेद अहमद सं. 815/एडब्ल्यूटी शामिल थे, खुद को खतरे में डालते हुए एवं अत्यंत सतर्कता के साथ सुरक्षा ड्रिल करते हुए आगे बढ़ी और प्रभावी ढंग से हमले का जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप शेष 02 आतंकवादियों को घटना स्थल पर ही मार गिराया गया और यह ऑपरेशन अपनी ओर किसी क्षति के बिना समाप्त हो गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में (1) वारिस हस्सन भट, पुत्र गुलाम हस्सन भट, निवासी- नईबुग त्राल, (2) सैयद एहतिशाम-उल-हक, पुत्र सैयद इशाक अहमद शाह, निवासी- नूरपोरा अवंतीपोरा और (3) आरिफ बशीर शैख, पुत्र बशीर अहमद शैख, निवासी- मोंघामा त्राल के रूप में की गई, जो प्रतिबंधित संगठन हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) से जुड़े हुए थे। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया।

इस संबंध में, पुलिस स्टेशन त्राल में, आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18, 20, 38 एवं 39 के तहत एक आपराधिक मामलागत एफआईआर सं. 07/2021 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

मारे गए आतंकवादी क्रमशः अगस्त, 2020 एवं जनवरी, 2021 से सक्रिय थे और वे अत्यधिक प्रेरत थे तथा स्थानीय युवाओं को आतंकवाद से जुड़ने के लिए प्रलोभन भी दे रहे थे। प्रारंभिक अवस्था में ही उनका मारा जाना, पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपब्धि थी।

इर ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री ऐजाज़ अहमद मलिक, पुलिस उपाधीक्षक, संजीव देव सिंह, उप निरीक्षक, मंज़ूर अहमद, हेड कांस्टेबल और जावेद अहमद शैख, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/01/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/120/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 239-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ग़ोहर अली ग़नैई	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	फर्हत हुस्सैन	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	नासर अहमद	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.10.2020 को, कुलगाम पुलिस को गांव चेनिगाम, कुलगाम में आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में श्रीनगर पीसी से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। कुलगाम पुलिस/01 आरआर और 18वीं बटालियन सीआरपीएफ ने उक्त गांव की घेराबंदी कर दी और घर-घर तलाशी शुरू कर दी। एस.जी.सीटी. तारिक अहमद श्रीनगर पीसी की निगरानी टीम का हिस्सा थे और उन्होंने कुलगाम की जिला पुलिस के साथ इस सूचना को ठीक समय पर साझा किया। श्री गुरिन्दर पाल सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, कुलगाम के समग्र पर्यवेक्षण के तहत श्री गुलाम मुहम्मद भट, जेकेपीएस, निरीक्षक ग़ोहर अली ग़नैई, एसएचओ यारीपोरा, उप निरीक्षक संदीप शर्मा, प्रभारी पीसी अमनू, उप निरीक्षक फर्हत हुस्सैन, प्रभारी पीसी फ्रिसल और सहायक उप निरीक्षक नासर अहमद, प्रभारी पीसी हातीपोरा के नेतृत्व में कई टीमों का गठन किया गया। निरीक्षक ग़ोहर अली ग़नैई सं. 20/पीएयू (एआरपी-046104), उप निरीक्षक फर्हत हुस्सैन सं. 77/पीएयू (एआरपी – 109372) और सहायक उप निरीक्षक नासर अहमद (एआरपी-973608) तथा 09 आरआर एवं 18वीं बटालियन सीआरपीएफ के समकक्ष कार्मिकों के नेतृत्व वाली शुरूआती पार्टियों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और बचकर भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया गया। शुरूआती घेराबंदी कर लेने तथा इस बात की पुष्टि हो जाने पर कि आतंकवादी लक्षित घर में छिपे हुए हैं, उक्त गांव में घेराबंदी को और सख्त कर दिया गया और तदनुसार सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। लक्षित घर का पता लगाया गया और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया। सर्च के दौरान, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने अपने अवैध हथियारों से ऑपरेशनल पार्टी को जान से मार डालने के इरादे से

उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। आगे बढ़ रही सर्च पार्टियों ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया, जिसके फलस्वरूप एक मुठभेड़ हो गई। वहां पर भीषण गोलीबारी शुरू हो गई, जो काफी देर तक चली। पुलिस पार्टी ने धैर्य एवं सहनशीलता का परिचय दिया और वे मौके पर डटे रहे। टीमों के बीच सामंजस्य और पूर्व रणनीतिक योजना प्रभावकारी साबित हुई, तथापि रूक-रूक कर गोलीबारी होती रही। परन्तु, पुलिस अधीक्षक कुलगाम की कमान में उपर्युक्त अधिकारी उस स्थान पर डटे रहे और उन्होंने हिम्मत एवं बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए अलग-अलग दिशाओं से लक्षित क्षेत्र में प्रवेश किया और 02 खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया, जिनमें से एक विदेशी आतंकवादी था।

पुलिस घटक, विशेषकर श्री गुरिन्दर पाल सिंह- आईपीएस 136012, श्री गुलाम मोहम्मद भट-जेकेपीएस 116044, निरीक्षक ग़ोहर अली ग़नैई सं. 20/पीएयू (एआरपी-046104), उप निरीक्षक संदीप कुमार शर्मा एआरपी-109246, उप निरीक्षक फर्हत हुस्सैन सं. 77/पीएयू (एआरपी-109372), सहायक उप निरीक्षक नासर अहमद (एआरपी – 973608), हेड कांस्टेबल मिर्जा अफाक अहमद बेग सं. 3509/एस ईएक्सके-972368, हेड कांस्टेबल राम लई सं. 21/आईआरपी 11वीं बटालियन एआरपी-901313, एस.जी.सीटी. तारिक अहमद सं. 319/आईआरपी 6ठीं बटालियन- 077216, सिपाही बिलाल अहमद सं. 673/केजीएम ईएक्सके-993892, सिपाही दाऊद अहमद सं. 1088/केजीएम ईएक्सके- 175926, एसपीओ जाकिर हुसैन तांत्रे सं. 674/के, एसपीओ आसिफ अहमद राथर सं. 912/के, एसपीओ समीर अहमद लोन सं. 921/के, एसपीओ इम्तियाज अहमद सं. 828/के, एसपीओ मोहम्मद अमीन सं. 152/के, एसपीओ फयाज अहमद सं. 313/के, एसपीओ मोहम्मद याकूब सं. 392/के, सज्जाद अहमद सं. 294/के और एसपीओ हिलाल अहमद सं. 839/के ने भी अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किए बिना 02 खूंखार आतंकवादियों के सफाए में अनुकरणीय भूमिका निभाई। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में समीर भाई उर्फ उसमान उर्फ महमूद भाई, निवासी पाकिस्तान और तारिक अहमद मीर, पुत्र अब्दुल रहमान मीर, निवासी जंगुलपोरा, कुलगाम के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, यारीपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 18, 19, 20 एवं 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 134/2020 आगे की जांच के लिए दर्ज है।

लगातार सफल ऑपरेशनों ने आतंकवादियों को अपनी जान बचाने के लिए बैकफुट पर ला दिया। उपर्युक्त अधिकारियों समेत कुलगाम जिले के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा किए गए कठिन प्रयास की वजह से उक्त ऑपरेशन को 02 खूंखार आतंकवादियों के खात्मे के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री ग़ोहर अली ग़नैई, निरीक्षक, फर्हत हुस्सैन, उप निरीक्षक और नासर अहमद, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/10/2020 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/124/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 240-प्रेज/2022-राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	नज़ीर अहमद तांत्रे	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सफीर हुस्सैन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	राजेश कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	मोहम्मद अशर्फ प्लौट	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.06.2020 को, गांव बंदपावा के बगीचों में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम)/लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में मिली एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, श्री अम्रितपाल सिंह-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के समग्र पर्यवेक्षण में शोपियां पुलिस द्वारा 44 आरआर/सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के साथ उक्त गांव में एक संयुक्त घेराबंदी/सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस टीमों का नेतृत्व श्री माजद अली, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर और उप निरीक्षक नजीर अहमद तांत्रे (एआरपी-109228) द्वारा किया गया। ऑपरेशनल पार्टियों ने लक्षित क्षेत्र तक पहुंचने के लिए अपनी रणनीतिक सूझबूझ का इस्तेमाल किया। शुरूआत में संदिग्ध क्षेत्र की घेराबंदी करने के लिए सेना/पुलिस एवं सीआरपीएफ के दो संयुक्त दस्तों का गठन किया गया। श्री माजद अली, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर की कमान में पहली ऑपरेशनल टीम ने पूर्वी दिशा को कवर करते हुए लक्षित क्षेत्र के उत्तर से दक्षिण तक की घेराबंदी की, जबकि उप निरीक्षक नज़ीर अहमद तांत्रे (एआरपी-109228) के नेतृत्व वाली दूसरी ऑपरेशनल पार्टी को संदिग्ध क्षेत्र की पश्चिमी दिशा को कवर करते हुए उत्तर से दक्षिण तक की घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। घेराबंदी के दौरान, आरआर, सीआरपीएफ और पुलिस की संयुक्त

टीमों ने गहन समन्वय स्थापित किया और अत्यंत सामंजस्यपूर्ण/पेशेवर तरीके से कार्रवाई की, जबकि 178वीं बटालियन सीआरपीएफ/पुलिस पार्टी की एक अन्य टीम को कानून और व्यवस्था की दृष्टि से बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। जब घेराबंदी की जा रही थी, तभी आस-पास के इलाके में छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टियों के ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और इस प्रकार ऑपरेशनल पार्टियों के लिए, घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकालना एक विशिष्ट कार्य था। इसलिए, इस प्रयोजन के लिए दो टीमों का गठन किया गया। एक टीम का गठन उप निरीक्षक नजीर अहमद तांत्रे (एआरपी-109228) की कमान में और दूसरी टीम का गठन श्री माजद अली, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर की कमान के तहत किया गया। इन पार्टियों के लिए आम नागरिकों को बाहर निकालना एक दुष्कर कार्य था, जिसके लिए श्री माजद अली, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर, उप निरीक्षक नज़ीर अहमद तांत्रे सं. एआरपी-109228, सिपाही सफीर हुस्सैन सं. 832/एपी 8वीं बटालियन (एआरपी-107878), सिपाही राजेश कुमार सं. 864/आईआरपी 10वीं (एआरपी-096482), सिपाही मोहम्मद अशर्फ प्लौट सं. 878/एसपीएन (ईएक्सके-166645), सिपाही मुजफ्फर अहमद सं. 880/एसपीएन, सिपाही रईस अहमद सं. 861/एसपीएन और सिपाही अतुल धीमान सं. 498/आईआरपी 6ठीं बटालियन वाली पार्टियां लक्षित क्षेत्र, जहां से छिपे हुए आतंकवादी लगातार गोलीबारी कर रहे थे, के बिलकुल निकट पहुंच गईं और उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया। आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालने के बाद, आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परंतु उन्होंने इनकार कर दिया तथा लगातार गोलीबारी करने लगे और हेंड ग्रेनेड फेंकने लगे। ऑपरेशनल पार्टी ने प्रभावी रूप से इसका जवाब दिया, तथापि वहां छिपे हुए आतंकवादी घने बगीचों और संकरी गलियों का फायदा उठाते हुए लगातार अपनी पोजीशन बदल रहे थे। अब तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण चरण वहां छिपे हुए आतंकवादियों का सफाया करना था।

श्री माजद अली, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर, उप निरीक्षक नजीर अहमद तांत्रे सं. एआरपी -109228, सिपाही सफीर हुस्सैन शाह सं. 832/एपी 8वीं बटालियन, सिपाही राजेश कुमार सं. 864/आईआरपी 10वीं बटालियन, सिपाही मोहम्मद अशर्फ सं. 878/एसपीएन, सिपाही मुजफ्फर अहमद सं. 880/एसपीएन, सिपाही रईस अहमद सं. 861/एसपीएन, सिपाही अतुल धीमान सं. 498/आईआरपी 6ठीं बटालियन, आरआर और सीआरपीएफ कार्मिकों वाले हमलावर समूहों ने युक्तिपूर्वक लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। यद्यपि, आतंकवादियों की सटीक लोकेशन की पहचान करना कठिन कार्य था, तथापि, हमलावर पार्टियां अपनी जान की परवाह किए बिना लक्षित क्षेत्र के बिलकुल नजदीक पहुंच गईं और आतंकवादियों की गतिविधियों को लक्षित क्षेत्र के भीतर एक ही स्थान पर सीमित करने में सफल हो गईं। संयुक्त एडवांस पार्टियों ने असाधारण बहादुरी का प्रदर्शन किया और आतंकवादियों की गतिविधि को रोकने के लिए लक्ष्य की ओर रेंगते हुए आगे बढ़ीं। आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टियों की गतिविधि को देखकर, उनकी ओर एक हैंड ग्रेनेड फेंका, परंतु हमलावर पार्टियों ने बिलकुल नजदीक की बंदूक की लड़ाई में यथोचित रूप से हमले का जवाब देते हुए आतंकवादियों को गोलीबारी करने अथवा हैंड ग्रेनेड फेंकने का कोई मौका नहीं दिया, जिसके परिणामस्वरूप पांच खूंखार आतंकवादियों का सफाया हो गया, जिनकी पहचान बाद में जहांगीर अहमद, पुत्र अली मोहम्मद मलिक, निवासी अचन पुलवामा (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन), नदीम-उ-ज़मां मलिक, पुत्र अब्दुल हामिद मलिक, निवासी- हैफ-खुरी जैनापोरा शोपियां (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन), मनासिर अहमद शाह उर्फ शाकिर, पुत्र मोहम्मद शफी शाह, निवासी-नाजनीनपोरा शोपियां (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन), आदिल हुसैन, पुत्र गुलाम मोहम्मद पाल, निवासी मालडीरा शोपियां (लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के श्रेणी "ए") और मोहसिन अहमद वानी, पुत्र मोहम्मद यूसुफ वानी, निवासी- अविंद शोपियां (लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन) के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन जैनापोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 तथा विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20, 23 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 68/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

श्री माजद अली, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर, उप निरीक्षक नज़ीर अहमद तांत्रे सं. एआरपी -109228, सिपाही मुजफ्फर अहमद सं. 880/एसपीएन, सिपाही रईस अहमद सं. 861/एसपीएन, सिपाही अतुल धीमान सं. 498/आईआरपी 6ठीं बटालियन, सिपाही सफीर हुस्सैन सं. 832/एपी 8वीं बटालियन, सिपाही राजेश कुमार सं. 864/आईआरपी 10वीं बटालियन और सिपाही मोहम्मद अशर्फ प्लौट सं. 878/एसपीएन, अपनी जान की परवाह किए बिना, आतंकवादियों के साथ प्रभावकारी तरीके से और बुद्धिमानी से लड़े और इनके द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस और पेशेवरता उल्लेखनीय है। इन अधिकारियों/कर्मचारियों ने घर में फंसे लोगों को बाहर निकालने का साहस दिखाया। यद्यपि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके हुए सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की भरसक कोशिश की, परंतु ये सभी अधिकारी/कर्मचारी बाल-बाल बच गए। तथापि, इन अधिकारियों/कर्मचारियों ने अपनी एकाग्रता खोए बिना अपने दिमाग का इस्तेमाल करते हुए बहादुरी से युद्ध किया और इस प्रकार से उनके नापाक मंसूबों को विफल कर दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री नज़ीर अहमद तांत्रे, उप निरीक्षक, सफीर हुस्सैन, सिपाही, राजेश कुमार, सिपाही और मोहम्मद अशर्फ प्लौट, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/125/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 241-प्रेज/2022, राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	विक़ार यौनस	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अस्सिफ मेहमूद	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.07.2020 को, पुलिस अधीक्षक पुलवामा को गुसू गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में बडगाम पुलिस से एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई, जो उस क्षेत्र में विध्वंसकारी कार्रवाई को अजांम देने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा करने के उद्देश्य से आए हुए थे। इस सूचना की अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन काकापोरा, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन बडगाम और पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय पुलवामा के साथ पुष्टि की गई। लक्षित क्षेत्र के भू-भाग और अन्य पहलुओं के बारे में गहन चर्चा करने के बाद, इस सूचना की आगे 53 आरआर/183 बटालियन सीआरपीएफ के साथ भी पुष्टि की गई और गांव गुसू पुलवामा के लक्षित क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू करने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन बडगाम और पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन काकापोरा की सहायता से पुलिस अधीक्षक पुलवामा की कमान में पुलवामा/बडगाम पुलिस, 53 आरआर एवं 183 बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त टीमें गुसू गांव की ओर रवाना हो गईं और पार्टियों द्वारा लक्षित स्थान पर एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया तथा गलियों/उप-गलियों सहित सभी प्रवेश/निकास स्थलों एवं रास्तों को अच्छी तरह से बंद कर दिया गया। घेराबंदी को मजबूत करने के बाद, 53 आरआर और 183 बटालियन सीआरपीएफ के घटकों समेत हेड कांस्टेबल जहूर अहमद सं. 114/जेकेएपी 8वीं बटालियन, सिपाही अस्सिफ मेहमूद सं. 387/एपी 5वीं बटालियन (एआरपी-091278), एस.जी.सीटी. अर्शद अहमद बाबा सं. 153/आईआर चौथी बटालियन तथा एसपीओ अब्दुल मजीद सं. 722/एसपीओ की सहायता से पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) बडगाम श्री विक़ार यौनस सं. केपीएस-155783 के नेतृत्व में पीसी पुलवामा/बडगाम की एक टीम को लक्षित स्थान की तलाशी हेतु वहां जाने के लिए कहा गया। उपर्युक्त सर्च पार्टी को सहयोग और कवर प्रदान करने के लिए एस.जी.सीटी. मुख्तार अहमद खांडे सं. 1929/एस, एस.जी.सीटी. गुलाम कादिर लोन सं. 1620/पीएल (ईएक्सके-126921), एसपीओ शबनम तबस्सुम सं. 524/एसपीओ तथा एसपीओ राकेश कुमार सं. 632/एसपीओ की सहायता से निरीक्षक रविन्दर सिंह सं. 142 पीएयू (ईएक्सके 109158) के नेतृत्व में एक अन्य टीम गठन किया गया। जैसे ही सर्च पार्टी किसी मोहम्मद मकबूल अहंगर, पुत्र गुलाम अहमद अहंगर, निवासी गुसू के संदिग्ध घर के पास पहुंची, तभी उक्त घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने सर्च पार्टी की ओर अंधाधुंध गोलियों की बौछार शुरू कर दी, जिसके फलस्वरूप 53 आरआर के 03 सैन्य कार्मिकों नामत: नायक राजविंदर सिंह सं. 2503271 एक्स, लांस नायक किशोर कुमार सं. 2505168 एल, सिपाही अमनदीप सिंह सं. 15509757 वाई और सिपाही अस्सिफ मेहमूद सं. 387/एपी 5वीं बटालियन (एआरपी 091278) गोलियां लगने से घायल हो गए। इस पर, पुलिस/सुरक्षा बल पार्टी के साथ पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बडगाम श्री विक़ार यौनस सं. केपीएस-155783 अपनी एकाग्रता को खोए बिना तत्काल हरकत में आए और समर्पण के साथ हमले का जवाब दिया तथा आतंकवादियों को रक्षात्मक रवैया अपनाने पर मजबूर कर दिया। शीघ्र ही पुलिस/सुरक्षा बल पार्टी के साथ निरीक्षक रविन्दर सिंह सं. 142/पीएयू (ईएक्सके 109158) के नेतृत्व में अतिरिक्त सैन्य पार्टी, अपनी जान की परवाह किए बिना, छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा की जा रही गोलियों की बौछार के बीच घायल जवानों को बाहर निकालने के लिए घर के भीतर घुस गई। तथापि, अतिरिक्त सैन्य पार्टी ने साहस के साथ हमले का जवाब दिया तथा आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने का कोई रास्ता नहीं मिल सका और अतिरिक्त सैन्य पार्टी घायल जवानों को लेकर घर से बाहर निकल आई और उपचार के लिए उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया। तथापि, उनमें से सेना के एक जवान नामत: राजविंदर सिंह सं. 2503271 एक्स ने घायल होने की वजह से दम तोड़ दिया।

चूंकि ऑपरेशन एक घनी आवादी वाले क्षेत्र में चल रहा था और आम नागरिकों के हताहत होने की आशंका थी, इसलिए पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने संयुक्त पुलिस/सुरक्षा बल पार्टियों के प्रभारियों को यह सुनिश्चित करने का निदेश दिया कि घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन वाले क्षेत्र में फंसे हुए आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला जाए। आम नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया के दौरान पार्टियां आतंकवादियों की गोलीबारी की चपेट में आ गईं और बाल-बाल बच गईं। तथापि, अपनी ओर किसी क्षति के बिना आम नागरिकों को सफलतापूर्वक सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया। लक्षित क्षेत्र से आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालने के बाद, घेराबंदी को और ज्यादा सख्त कर दिया गया तथा बचकर भागने के सभी संभव रास्तों को कंसर्टिना तारों से बंद कर दिया गया और लक्षित क्षेत्र में रोशनी करने के लिए सर्च/स्ट्रीट लाइटें लगा दी गईं। आगे बढ़ने से पहले, छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु वे वहां पर तैनात सुरक्षा बलों पर लगातार अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे और उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने के लिए कई बार कोशिश की, परन्तु सफल नहीं हो सके।

पुलिस अधीक्षक पुलवामा के निर्देश पर, आतंकवादियों से प्रभावी तरीके से लड़ने के लिए चार (04) टीमें बनाई गईं। हेड सिपाही रेयाज अहमद सं. 607/एडब्ल्यूपी, एस.जी.सीटी. मुख्तार अहमद खांडे सं. 1929/एस, एस.जी.सीटी. गुलजार अहमद सं. 916/बीडी, सिपाही सरताज अहमद सं. 26/बीडी तथा एसपीओ राकेश कुमार सं. 632/एसपीओ की सहायता से तथा सेना और सीआरपीएफ के समकक्ष कार्मिकों की पार्टी के साथ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) बडगाम श्री विक़ार यौनस सं. केपीएस-155783 के नेतृत्व वाली पहली पार्टी को पूर्वी दिशा से

गोलीबारी का जवाब देने, सेना और सीआरपीएफ के समकक्ष कार्मिकों वाली पार्टी के साथ हेड कांस्टेबल चन्दर सिंह सं. 822/आईआर 11वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल मनप्रीत सिंह सं. 283/एपी 5वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. मुख्तार अहमद सं. 1190/पीएल तथा एस.जी.सीटी. मोहम्मद रफीक सं. 1280/पीएल की सहायता से पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन काकापोरा श्री नवाज अहमद सं. जेकेपीएस-116211 के नेतृत्व वाली दूसरी पार्टी को दक्षिणी दिशा से गोलीबारी का जवाब देने; सेना तथा सीआरपीएफ के समकक्ष कार्मिकों वाली पार्टी के साथ हेड कांस्टेबल जहूर अहमद सं. 114/एपी 8वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल हेमू कुमार सं. 818/आईआर 11वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. अर्शद अहमद बाबा सं. 153/आईआर चौथी बटालियन तथा सिपाही तारिक अहमद सं. 459/एपी 9वीं बटालियन की सहायता से निरीक्षक रविन्दर सिंह सं.142/पीएयू (ईएक्सके 109158) के नेतृत्व वाली तीसरी पार्टी को उत्तरी दिशा से गोलीबारी का जवाब देने और सेना तथा सीआरपीएफ के समकक्ष कार्मिकों वाली पार्टी के साथ सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद अमीन सं. 230/आईआर 11वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार सं. 299/आईआर तीसरी बटालियन, एस.जी.सीटी. गुलाम कादिर लोन सं. 1620/पीएल (ईएक्सके 126921), एसपीओ अब्दुल मजीद सं. 722/एसपीओ और शबनम तबस्सुम सं. 524/एसपीओ की सहायता से उप-निरीक्षक मोहम्मद इश्तियाक सं.166/आईआर 11वीं बटालियन के नेतृत्व वाली चौथी पार्टी को दक्षिण दिशा में पोजीशन लेने के लिए कहा गया।

छिपे हुए आतंकवादियों का सफाया करने के लिए, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने संयुक्त पार्टियों को यथोचित रूप से पोजीशन लेने और आतंकवादियों की गोलीबारी का दृढ़ता से जवाब देने का निदेश दिया। दिए गए निदेश के अनुसार, गठित की गई चारों टीमों ने लक्षित घर के चारों तरफ उपयुक्त स्थानों पर तत्काल पोजीशन ले ली। छिपे हुए आतंकवादियों को सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण करने की पुन: पेशकश की गई, जिसे उन्होंने नजरअंदाज कर दिया और सैन्य दस्तों पर लगातार गोलीबारी करते रहे। संयुक्त पार्टियों ने अपने अनमोल जीवन की परवाह किए बिना बहादुरी के साथ हमले का जवाब दिया और एक आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) गुट के मुदासिर अहमद भट, पुत्र अब्दुल राशिद भट, निवासी लारीबल काकापोरा के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलवामा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307 तथा 302, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 163/2020 आगे की जांच के लिए दर्ज है।

इस ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री विक़ार यौनस, पुलिस उपाधीक्षक और अस्सिफ मेहमूद, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/07/2020 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/130/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 242-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	जावेद अहमद डार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मोहम्मद आबास वागे	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	बशीर अहमद खान	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	नज़ीर अहमद टरग्वाल	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	अशवनी कुमार	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.06.2020 को, शोपियां पुलिस को किसी शमीम अहमद पॉल, पुत्र अब्दुल रहीम पॉल, निवासी मीर मोहल्ला पिंजूरा के रिहायशी घर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 44 आरआर/14वीं बटालियन सीआरपीएफ के सहयोग से शोपियां पुलिस द्वारा पिंजूरा गांव में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन चलाने की योजना बनाई गई और इसे अंजाम दिया गया। जैसे ही सर्च पार्टी संदिग्ध क्षेत्र में पहुंची, रिहायशी घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने अपने अवैध हथियारों से सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप 44 आरआर के कुछ जवान घायल हो गए और जेके-02 बीबी-5337 पंजीकरण नम्बर वाले सरकारी वाहन (रक्षक) को नुकसान पहुंचा। आतंकवादियों द्वारा की गई भारी गोलीबारी से आम नागरिकों में भी दहशत फैल गई। घायल

जवानों को बाहर निकालकर उपचार के लिए तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। सैन्य दस्तों ने तुरंत कवर ले लिया और साहस के साथ हमले का जवाब दिया, जिससे वहां पर आतंकवादियों और पुलिस/सुरक्षा बलों के बीच बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई।

श्री अम्रितपाल सिंह- आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में निरीक्षक जावेद अहमद डार सं. (ईएक्सके 109550) एसएचओ पुलिस स्टेशन शोपियां, हेड कांस्टेबल मोहम्मद आबास वागे सं. 49/एसपीएन (ईएक्सके-012401), हेड कांस्टेबल बशीर अहमद खान सं. 190/एसपीएन (ईएक्सके-961445), एस.जी.सीटी. नजीर अहमद टरग्वाल सं.619/आईआर दूसरी बटालियन (एआरपी-096541), एस.जी.सीटी. अशवनी कुमार सं. 824/आईआरपी दूसरी बटालियन (एआरपी-106840), एस.जी.सीटी. विक्रम सिंह सं. 659/यूडीएच, सिपाही मुबाशिर हस्सन शैख सं. 934/आईआरपी 21वीं बटालियन, सिपाही मुजफ्फर अहमद सं. 1812/ए, एसपीओ आशक हुस्सैन मलिक सं. 2180/ए, एसपीओ मंजूर अहमद सं. 473/एसपीओ, एसपीओ शफत हुस्सैन सं. 157/एसपीएन, एसपीओ जहूर अहमद सं. 278/एसपीएन, एसपीओ तारिक अहमद सं. 453/एसपीएन, एसपीओ अर्शीद अहमद सं. 296/एसपीएन, एसपीओ मोहम्मद यूसुफ सं. 424/एसपीएन तथा एसपीओ आशिक हुस्सैन सं. 425/एसपीएन सहित शोपियां पुलिस तथा 44 आरआर और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ के संयुक्त हमलावर समूह ने स्वेच्छा से आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की जिम्मेदारी उठाई।

अपनी ओर किसी भी क्षति से बचने के लिए ऑपरेशन को रात तक के लिए रोक दिया गया और सभी रास्तों तथा पगडंडियों को ठीक तरह से बंद कर दिया गया, ताकि घिरे हुए आतंवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने का कोई मौका न मिले। अगली सुबह तड़के ही आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश की और उन्होंने अलग-अलग दिशाओं से भारी गोलीबारी भी शुरू कर दी। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने पुलिस पार्टी पर लगातार अंधाधुंध गोलीबारी की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में निरीक्षक जावेद अहमद डार (ईएक्सके-109550) एसएचओ पुलिस स्टेशन शोपियां, हेड कांस्टेबल मोहम्मद आबास वागे सं. 49/एसपीएन, हेड कांस्टेबल बशीर अहमद खान सं. 190/एसपीएन, एस.जी.सीटी. नज़ीर अहमद टरग्वाल सं. 619/आईआर दूसरी बटालियन, एस.जी.सीटी. अशवनी कुमार सं. 824/आईआरपी दूसरी बटालियन, एस.जीसीटी. विक्रम कुमार सं. 659/यूडीएच तथा सिपाही मुबाशिर हुस्सैन सं. 934/आईआरपी 21वीं बटालियन वाली टीम ने साहस और अदम्य भावना का परिचय दिया, जिसके परिणामस्वरूप चार आतंकवादियों का सफाया हो गया, जिनकी पहचान बाद में उमर मोहि-उद्दीन धोबी, पुत्र गुलाम मोहि-उद्दीन धोबी, निवासी पिंजूरा शोपियां (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) गुट के "ए" श्रेणी), रईस अहमद खान, पुत्र गुलाम मोहम्मद खान, निवासी वेहिल शोपियां (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) गुट के "ए" श्रेणी), सकलैन अमीन, पुत्र मोहम्मद अमीन वागे, निवासी रेबान, शोपियां (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) गुट) और वकील अहमद नाइकू, पुत्र मोहम्मद याकूब नाइकू, निवासी राखपोरा शोपियां (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) गुट) के रूप में की गई।

मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, आगे की जांच के लिए शोपियां पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16,19,20 और 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 134/2020 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री जावेद अहमद डार, निरीक्षक, मोहम्मद आबास वागे, हेड कांस्टेबल, बशीर अहमद खान, हेड कांस्टेबल, नज़ीर अहमद टरग्वाल, एस.जी.सीटी. और अशवनी कुमार, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/06/2020 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/133/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 243-2022/प्रेज—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	शीज़ान भट	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	नज़ीर अहमद टरग्वाल	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.08.2020 को, शोपियां पुलिस ने एक विश्वसनीय सूचना मिलने के बाद शोपियां जिले के मूलू-डंगरपोरा गांव में 44 आरआर और 178वीं बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया कि एक पुलिस घटक, आर आर और सीआरपीएफ की क्यूआरटी लक्षित क्षेत्र की ओर जाएगी और तलाशी शुरू करेगी। श्री शीज़ान भट, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहिब (केपीएस-125690) की कमान में संयुक्त सर्च पार्टियां योजना के अनुसार लक्षित स्थान पर पहुंच गईं और घरों के एक समूह की घेराबंदी करके तलाशी शुरू की गई। संयुक्त सैन्य दस्तों ने आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में वहां के कुछ निवासियों से आकस्मिक रूप से पूछताछ की। इसी बीच, पास ही के बगीचे में छिपे आतंकवादी ने ऑपरेशनल पार्टियों की बातचीत सुन ली और बगीचे की बाड़ से कूद पड़ा तथा घेराबंदी को तोड़ने और बचकर भागने के लिए उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, श्री शीज़ान भट, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहिब, अब पुलिस उपाधीक्षक डीएआर शोपियां के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने तुरंत पोजीशन ले ली और गोलीबारी का प्रभावकारी रूप से जवाब दिया, जिसकी वजह से आतंकवादी को घटना स्थल से भागने का कोई मौका नहीं मिला। आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित होने की सूचना को सभी संबंधित लोगों के साथ साझा किया गया। पुलिस पार्टी के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के कमांडेंट भी अपनी कम्पनी के साथ घटना स्थल की ओर रवाना हो गए और शुरूआती पार्टियों के पास पहुंच गए। घटना स्थल पर पहुंचने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां ने घटना स्थल का जायजा लिया। इसी बीच, आरआर की अन्य पार्टियां भी उस स्थान पर पहुंच गईं। चूंकि ऑपरेशन एक बड़े क्षेत्र में चलाया जाना था, इसलिए घेराबंदी वाली पार्टी में सैन्य दस्तों की और अधिक नफरी शामिल की गई। घेराबंदी करने के बाद, आरआर तथा 178वीं बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों के साथ तलाशी शुरू की गई और लक्ष्य की पहचान कर ली गई। शीघ्र ही, श्री अम्रितपाल सिंह- आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के समग्र पर्यवेक्षण में दो सर्च पार्टियों का गठन किया गया, जिसमें से पहली पार्टी का गठन श्री आरिफ अमीन शाह- जेकेपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक शोपियां की कमान के तहत और दूसरी पार्टी का गठन श्री शीज़ान भट, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहिब की कमान के तहत किया गया। तदनुसार, उक्त मोहल्ले में स्थित घरों के समूह की घेराबंदी को और मजबूत करते हुए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसके दौरान सर्च पार्टी ने संदिग्ध गतिविधि देखी और आतंकवादी ने खुद को पूरी तरह से घिरा हुआ पाकर ऑपरेशनल पार्टियों पर गोलीबारी शुरू कर दी तथा बगीचे के रास्ते से घेराबंदी से भागने के लिए उसने घेराबंदी को तोड़ने का प्रयास किया। आतंकवादियों द्वारा शुरू की गई गोलीबारी से आम नागरिकों में दहशत फैल गई। सहायक उप निरीक्षक बल्बीर सिंह सं. 204/एसपीएन, एस.जी.सीटी. नज़ीर अहमद सं. 619/आईआरपी दूसरी बटालियन और सिपाही मनोज कुमार सं. 495/आईआरपी 17वीं बटालियन की सहायता से श्री शीज़ान भट, पुलिस उपाधीक्षक, इमामसाहिब ने अपनी ओर किसी भी क्षति से बचने के लिए आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की जिम्मेदारी स्वेच्छा से ले ली और इस कार्य में भारी जोखिम के बावजूद उन्होंने अपनी निजी सुरक्षा की जरा सी भी परवाह नहीं की और वे आम नागरिकों को बाहर निकालने में सफल रहे। आम नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद, आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उसने इनकार कर दिया और इसके बजाय ऑपरेशनल पार्टियों पर अंधाधुंध गोलीबारी करता रहा। ऑपरेशन को सफल बनाने और आतंकवादियों को मार गिराने के लिए, संयुक्त सर्च पार्टियों ने आतंकवादियों की ओर जवाबी गोलीबारी की। तथापि, आतंकवादी पास के बगीचे में अपनी लोकेशन बार-बार बदल रहा था। संयुक्त सैन्य दस्तों ने उसे उलझाने के लिए पूरे बगीचे में अपनी-अपनी पोजीशन संभाल ली और वे आतंकवादी की पोजीशन वाले स्थान की विपरीत दिशा से उसे घेरने के लिए आगे बढ़े। इसी बीच, सहायक उप निरीक्षक बल्बीर सिंह सं. 204/एसपीएन, एस.जी.सीटी. नज़ीर अहमद टरग्वाल सं. 619/आईआरपी दूसरी बटालियन (एआरपी-096541) और सिपाही मनोज कुमार सं. 495/आईआरपी 17वीं बटालियन सहित श्री शीज़ान भट-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी इमामसाहिब, अब पुलिस उपाधीक्षक डीएआर शोपियां ने भी बगीचे को पार कर लिया और रेंगते हुए, पेड़ों की आड़ में आतंकवादियों के नजदीक पहुंच गए। आतंकवादी ने देखा कि संयुक्त ऑपरेशन पार्टियां ऊँचाई वाली सतह से उसे घेर रही हैं और सावधानीपूर्वक उसकी ओर बढ़ रहीं हैं, इसलिए, उसने अपनी पोजीशन बदलने की कोशिश की तथा पगडंडी के रास्ते बचकर भागने का प्रयास किया। परन्तु उक्त पार्टी अपनी जान की परवाह किए बिना सावधानीपूर्वक आगे बढ़ते हुए उसके और नजदीक पहुंच गई और आतंकवादी पर गोलीबारी करके उसे मार गिराया। गोलीबारी रूक जाने के बाद, घेराबंदी को यथावत बनाए रखते हुए तलाशी शुरू की गई। तलाशी के दौरान, मुठभेड़ स्थल से एक आतंकवादी का शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) गुट के तालिब हुस्सैन, पुत्र निसार अहमद मीर, निवासी माहीपोरा कुलगाम के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, शोपियां पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 192/2020 आगे की जांच के लिए दर्ज है।

श्री शीज़ान भट सं. केपीएस-125690, पुलिस अधीक्षक (पीसी) इमामसाहिब, सहायक उप निरीक्षक बल्बीर सिंह सं. 204/एसपीएन, एस.जी.सीटी. नज़ीर अहमद टरग्वाल सं. 619/आईआरपी दूसरी बटालियन (एआरपी- 096541), सिपाही मनोज कुमार सं. 495/आईआरपी 17वीं बटालियन तथा सिपाही खलील अहमद सं. 400/आईआरपी तीसरी बटालियन ने पेशेवरता और उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया और वे अपनी जान की परवाह किए बिना दक्षता और बुद्धिमानी के साथ लड़े, जो उल्लेखनीय है, क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। अधिकारियों/कर्मचारियों ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के लिए साहस का प्रदर्शन किया। आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की भरसक कोशिश की, जिसमें ये सभी अधिकारी/कर्मचारी बाल-बाल बच गए। तथापि, इन अधिकारियों/कर्मचारियों ने अपनी एकाग्रता को खोए बिना बहादुरी से युद्ध किया और आतंकवादी के नापाक मंसूबों को विफल कर दिया। ऑपरेशन स्थल पर सुरक्षित तरीके से मिशन का पूरा होना इस ऑपरेशन की मुख्य विशेषता

रही।इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री शीज़ान भट, पुलिस उपाधीक्षक और नज़ीर अहमद टरग्वाल, एस.जी.सीटी .ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/136/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 244-प्रेज2022/—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री अम्रितपाल सिंह	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	रमेश लाल	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अब्दुल मजीद डार	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	मंज़ूर अहमद	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.08.2020 को, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां को किलूरा गांव में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई, जो आम लोगों के बीच डर पैदा करने के उद्देश्य से पुलिस/सुरक्षा बलों पर आतंकवादी हमला करने की योजना बना रहे थे। इस सूचना को 44 आर आर/178 बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा किया गया और श्री अम्रितपाल सिंह- आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां आईपीएस-145795 के पर्यवेक्षण में एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया। तत्पश्चात, लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए 44 आर आर/178 बटालियन सीआरपीएफ के साथ पुलिस की टीमों का गठन किया गया, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां, एस.जी.सीटी. अब्दुल मजीद डार सं. 281/बीडी ईएक्सके-066881, निरीक्षक रमेश लाल सं. एआरपी- 831868 और एस.जी.सीटी. मंज़ूर अहमद सं. 715/आईआरपी 17वीं बटालियन एआरपी- 992558 शामिल थे। सर्च ऑपरेशन के दौरान, सर्च टीम ने लक्षित क्षेत्र का पता लगाया/उसे घेर लिया। लक्षित स्थान को घेरने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां ने घेराबंदी को मजबूत करने और बाहर निकलने की जगहों को बंद करने के लिए निरीक्षक रमेश लाल सं. एआरपी-831868 के साथ घेराबंदी की व्यक्तिगत रूप से जांच की।

इस बीच, लक्षित घर में छिपे आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टियों की गतिविधि को भांपते हुए, सर्च पार्टियों को जान से मारने के इरादे से अपने हथियारों से उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सर्च पार्टियों ने तत्काल कवर ले लिया और साहस के साथ उनके हमले का जवाब दिया, जिससे आतंकवादियों तथा सर्च पार्टियों के बीच बन्दूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। तथापि, यह देखा गया कि कुछ आम नागरिक घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंस गए हैं। निरीक्षक रमेश लाल सं. एआरपी- 831868, एस.जी.सीटी. मंज़ूर अहमद सं. 715/आईआरपी-17वीं बटालियन एआरपी- 992558 तथा एस.जी.सीटी. अब्दुल मजीद डार सं. 281/बीडी ईएक्सके- 066881 सहित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में सर्च पार्टियों ने वहां फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकालने की जिम्मेदारी ले ली। कई बार प्रयास करने के बाद, वे वहां पर फंसे हुए लगभग 30 आम नागरिकों को बाहर निकालने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में सफल रहे।

इसके बाद, छिपे हुए आतंकवादियों का सफाया करने हेतु अंतिम हमला करने के लिए दो टीमें बनाई गईं, जिसमें से पहली टीम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में निरीक्षक रमेश लाल सं. एआरपी- 831868, एस.जी.सीटी. मंज़ूर अहमद सं. 715/आईआरपी 17वीं बटालियन एआरपी- 992558 तथा एस.जी.सीटी. अब्दुल मजीद डार सं. 281/बीडी ईएक्सके- 066881 शामिल थे और दूसरी टीम में 44 आर आर शामिल थी। अंतिम हमला शुरू करने से पहले, वहां छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और सुरक्षा बलों की ओर भारी गोलीबारी शुरू कर दी तथा ग्रेनेड भी फेंका। उन्हें मार गिराने के लिए, उपर्युक्त टीमें लक्ष्य की ओर आगे बढ़ीं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व वाली टीम ने एक अन्य नफ़री के साथ लक्षित क्षेत्र को उत्तर एवं पूर्वी दिशा से घेर लिया और रेंगते हुए तथा चतुराई से आगे बढ़ते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना साहस और बहादुरी के साथ सामने से हमले का प्रभावकारी ढंग से जवाब दिया। वहां पर हुई आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई के दौरान आतंकवादियों ने उत्तर-पूर्वी दिशा से बचकर भागने का प्रयास किया, जिसमें अल-बदर आतंकी संगठन के 04 आतंकवादी मारे गए और 01 आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया गया, जिनकी पहचान बाद में शकूर अहमद, पुत्र मोहम्मद सादिक पर्रे, निवासी कुंडलान शोपियां, सुहैल रशीद, पुत्र अब्दुल रशीद भट, निवासी मुरादपोरा, जुबैर

अहमद, पुत्र गुलजार अहमद नंग्रू, निवासी अलूरा इमामसाहिब शोपियां, शकीर-उल-जब्बार, पुत्र मोहम्मद जब्बार सोफी, निवासी कडलाबल अवंतीपोरा और शोएब अहमद भट (गिरफ्तार), पुत्र मोहम्मद शफ़ी भट, निवासी चेरसू अवंतीपोरा के रूप में की गई।

मारे गए/गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, आगे की जांच के लिए इमामसाहिब पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 तथा विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16,20 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 74/2020 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री अम्रितपाल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रमेश लाल, निरीक्षक, अब्दुल मजीद डार, एस.जी.सीटी. और मंज़ूर अहमद, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/138/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 245-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद सुलेमान चौधरी, आईपीएस	पुलिस उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	निसार अहमद भट	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	रविंदर कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	फारूक़ अहमद भट	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.09.2020 को बारामूला पुलिस को भरोसेमंद स्रोतों से इस आशय की विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि कुछ आतंकवादी यादिपोरा पट्टन गांव में छिपे हुए हैं, जो अवैध रूप से हासिल किए गए अत्याधुनिक हथियारों/गोलाबारूद से लैस हैं और चारों तरफ आतंक फैलाने के लिए सुरक्षा बलों पर हमला करने की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, सीआरपीएफ की 176वीं बटालियन और सेना की 29 आरआर के साथ बारामूला पुलिस द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। आतंकवादी किसी मोहम्मद मकबूल तांत्रे, पुत्र मोहम्मद इस्माइल तांत्रे, निवासी साथ मोहल्ला यादिपोरा पट्टन के घर में छिपे हुए थे। ऑपरेशन के दौरान, संदिग्ध स्थल की घेराबंदी कर दी गई और छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। तथापि, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण करने के बजाय संयुक्त सर्च ऑपरेशन पार्टी पर ग्रेनेड फेंके और उसके बाद अवैध रूप से हासिल किए गए अत्याधुनिक हथियारों से उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी भी की, जिसके परिणामस्वरूप सेना के 01 मेजर नामत: रोहित शर्मा घायल हो गए।

तैयार की गई रणनीति के अनुसार, जिस संदिग्ध घर में आतंकवादी छिपे हुए थे, उसकी घेराबंदी कर दी गई। सीओ 29 आरआर के नेतृत्व में सेना की 29 आरआर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन मुकेश कुमार कक्कड़ के नेतृत्व में बारामूला पुलिस और 176 बटालियन सीआरपीएफ के सीओ के नेतृत्व में सीआरपीएफ की 176वीं बटालियन वाली संयुक्त पार्टियां, जिसमें संस्तुत कार्मिक भी शामिल थे, पुलिस उप-महानिरीक्षक एनकेआर श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी, आईपीएस- 086016 के समग्र पर्यवेक्षण में, गैर-परम्परागत रास्तों से होते हुए संदिग्ध स्थल की ओर आगे बढ़ीं, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे और उन्होंने पूरी तरह से सुरक्षित घेराबंदी किए जाने तक अत्यधिक विस्मय बनाए रखा। आतंकवादियों को घेराबंदी को तोड़कर भागने से रोकने के लिए, बचकर भागने के सभी संभावित रास्तों को युक्तिपूर्वक और गुप्त रूप से बंद कर दिया गया। देर रात का समय होने तथा क्षेत्र के चारों ओर घने बगीचे होने के कारण, वहां छिपे हुए आतंकवादियों तक पहुंचने के दौरान स्थिति अत्यंत प्रतिकूल और खराब हो गई। त्रुटिहीन योजना, दूरदर्शिता और अद्वितीय दृढ़संकल्प के कारण, इन तीनों अधिकारियों की कमान में ऑपरेशनल घटकों ने आसानी से इन प्रतिकूल बाधाओं को दूर कर दिया।

सफलतापूर्वक ठोस घेराबंदी करने के बाद, अगला कदम आस-पास के घरों से आम नागरिकों को बाहर निकालना था। इस उद्देश्य के लिए, श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी, पुलिस उप-महानिरीक्षक, एनकेआर बारामूला, आईपीएस-086016 के समग्र पर्यवेक्षण के अंतर्गत पुलिस

उपाधीक्षक जफर मेंहदी और पुलिस उपाधीक्षक फैजान अली के नेतृत्व में मौके पर ही दो संयुक्त पार्टियां बनाई गईं और संस्तुत कार्मिक अर्थात् निरीक्षक निसार अहमद भट सं. एआरपी-046110, उप निरीक्षक रविंदर कुमार सं. 376/एस, ईएक्सके-791328 और हेड कांस्टेबल फारूक़ अहमद भट सं. 577/एस (ईएक्सके-984082) स्वेच्छा से इन पार्टियों में शामिल हो गए। आम नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, इन आतंकवादियों का सफाया करने के लिए घटनास्थल पर मौजूद ऑपरेशनल अधिकारी द्वारा एक हमलावर टीम बनाई गई और उसे स्थल पर जाने का कार्य सौंपा गया। निरीक्षक निसार अहमद भट (एआरपी-046110), उप-निरीक्षक रविंदर कुमार सं. 376/एस (ईएक्सके-791328) और हेड कांस्टेबल फारूक़ अहमद भट सं. 577/एस (ईएक्सके-984082) वाली हमलावर टीम, जिसमें ये सभी कार्मिक स्वेच्छा से शामिल हुए थे, पुलिस उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामूला के समग्र पर्यवेक्षण में आंतरिक/बाहरी घेराबंदी वाली टीमों के साथ समन्वय स्थापित करके पूर्ण तालमेल बनाए रखते हुए उत्तरी दिशा से स्थल की ओर आगे बढ़ी और लक्षित भवन के निकट पहुंच गई। हमलावर पार्टी ने अपनी जान की परवाह किए बिना घर में प्रवेश किया और प्रत्येक कमरे की तलाशी शुरू कर दी।

हमलावर पार्टी ने भूतल के एक कमरे में आतंकवादी की मौजूदगी को भांप लिया और निरीक्षक निसार अहमद भट (एआरपी-046110), जिन्होंने दरवाजे के पास पोजीशन ले रखी थी तथा उप निरीक्षक रविंदर कुमार सं. 376/एस (ईएक्सके-791328) उन्हें कवर देने के लिए उनके पीछे खड़े रहे और हेड कांस्टेबल फारुक अहमद भट सं. 577/एस (ईएक्सके- 984082) ने तेजी से कमरे का दरवाजा खोला तथा पार्टी ने गोलियों की बौछार कर दी, जिसके परिणामस्परूप एक आतंकवादी वहीं पर ढेर हो गया। एक अन्य आतंकवादी सीढ़ियों के नीचे छिपा हुआ था और हमलावर पार्टी ने अत्यधिक समन्वय स्थापित करते हुए उस पर गोलियां बरसाईं तथा उक्त आतंकवादी को भी मार गिराया। दो आतंकवादियों के सफाए के बाद, एक और आतंकवादी, जो घर की बालकनी में छिपा हुआ था, घर में अहाते में कूद गया और उसने पुलिस/सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलियां चलाना शुरू कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप आतंरिक घेराबंदी में तैनात दो पुलिस कार्मिक नामतः एसपीओ फारुक अहमद सं. 62/एसपीओ तथा नसीर अहमद सं. 2412/एसपीओ घायल हो गए। परन्तु, संयुक्त टीमों ने हार नहीं मानी और अपनी बुद्धि का यथोचित रूप से इस्तेमाल करते हुए, उन्होंने दोनों एसपीओ को बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचा दिया। घर में मौजूद हमलावर पार्टियां अपने कार्य के प्रति समर्पित रहीं और खिड़की के रास्ते घर के पीछे की ओर से बाहर निकलकर उन्होंने घर के दायीं एवं बायीं तरफ से अपनी पोजीशन संभाल ली। पुलिस उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामूला श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी, आईपीएस 086016 के निर्देश पर, घर के सामने की ओर मौजूद ऑपरेशनल पार्टियों ने गोलीबारी रोक दी और सुरक्षित स्थानों पर पोजीशन ले ली। तत्पश्चात, पुलिस उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामूला श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी, आईपीएस-086016 ने हमलावर पार्टी को इशारा किया और हमलावर पार्टी ने बेहतर तालमेल और रणनीति के साथ दोनों दिशाओं से आतंकवादी पर गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप तीसरे आतंकवादी को भी घर के अहाते में मार गिराया गया। इन संस्तुत कार्मिकों ने श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी, आईपीएस- 086016, पुलिस उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामूला के समग्र पर्यवेक्षण में लगभग 14 घंटों तक हुई बंदूकों की भीषण लड़ाई के बाद 03 खूंखार आतंकवादियों का सफाया करने में उच्चकोटि के समन्वय, साहस, तत्परता और रणनीति का परिचय दिया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में हनान बिलाल सोफी, पुत्र बिलाल अहमद सोफी, निवासी आरामपोरा आजादगुंग बारामूला, शफतअली खान, पुत्र अली मोहम्मद खान, निवासी रावथपोरा देलिना और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) गुट के 01 अज्ञात आतंकवादी के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पट्टन पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 तथा विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19 और 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 235/2020 दर्ज है।

श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी, आईपीएस 086016, पुलिस उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामूला के अनुकरणीय नेतृत्व में निरीक्षक निसार अहमद भट एआरपी 046110, उप निरीक्षक रविंदर कुमार ईएक्सके 791328 और हेड कांस्टेबल फारूक़ अहमद भट ईएक्सके 984082 द्वारा प्रदर्शित बहादुरी, साहस, वास्तविक रणनीति और कुशाग्रता के कारण ही यह कार्य संभव हो सका। इस पूरे ऑपरेशन में, इन संस्तुत कार्मिकों ने उपर्युक्त (03) खूंखार आतंकवादियों का सफाया करने में विशिष्ट और प्रशंसनीय भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी, आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक, निसार अहमद भट, निरीक्षक, रविंदर कुमार, उप निरीक्षक और फारूक़ अहमद भट, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/09/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/144/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 246-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मंसूर अयाज़	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	क़ुसर अहमद	एस.जी.सीटी .	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21.09.2020 को लगभग 19:00 बजे, चरार-ए-शरीफ पुलिस स्टेशन के नौहर गांव में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) नामक प्रतिबंधित संगठन के आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 53 आरआर, डी/188 सीआरपीएफ और 181 सीआरपीएफ के साथ एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी, तथापि, जब घेराबंदी की जा रही थी, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी करने वाली पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका एस.जी.सीटी. क़ुसर अहमद सं. 837/एपी 13वीं बटालियन, एआरपी-096078, एस.जी.सीटी. अब्दुल कयूम 336/बीडी, ईएक्सके 984001 तथा अन्य कार्मिकों के साथ श्री मंसूर अयाज़, जेकेपीएस 125685, पुलिस उपाधीक्षक पीसी चडूरा द्वारा प्रभावी रूप से जवाब दिया गया और इस प्रकार आतंकवादी को घेराबंदी को तोड़ने और वहां से बचकर भागने से रोक दिया गया। देर शाम को वहां पर छिपे हुए आतंकवादी द्वारा आत्मसमर्पण करने के लिए लाउडस्पीकरों से उद्घोषणाएं की गईं, लेकिन वहां छिपे हुए आतंकवादी ने आत्मसमपर्ण करने के प्रस्ताव पर कोई ध्यान नहीं दिया और इसके बजाय, उसने घेराबंदी पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन को रोक दिया गया और अगले दिन (22.09.2020) को तड़के दुबारा तलाशी शुरू की गई। एस.जी.सीटी. क़ुसर अहमद सं. 837/एपी 13वीं बटालियन एआरपी- 096078 तथा एस.जी.सीटी. अब्दुल कयूम 336/बीडी, ईएक्सके- 984001 के साथ श्री मंसूर अयाज़ सं. 125685- जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी चडूरा के नेतृत्व वाली सर्च पार्टी, ठोस कवर फायरिंग की मदद से, लक्षित घर की ओर आगे बढ़ी और प्रभावी ढंग से तथा सटीकता के साथ गोलीबारी की तथा छिपे हुए आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया। एस.जी.सीटी. क़ुसर अहमद सं. 837/एपी 13वीं बटालियन एआरपी- 096078, एस.जी.सीटी. अब्दुल कयूम 336/बीडी तथा ईएक्सके- 984001 के साथ श्री मंसूर अयाज़ सं. 125685- जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी चडूरा के नेतृत्व वाली सर्च पार्टी ने मारे गए आतंकवादी का शव बरामद कर लिया, जिसकी पहचान बाद में आदिल मुजफ्फर शाह, पुत्र मुजफ्फर अहमद शाह, निवासी संबूरा पम्पोर, जिला पुलवामा के रूप में की गई। इस संबंध में, चरार-ए-शरीफ पुलिस स्टेशन में विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19, 20 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 102/2020 दर्ज है। मुठभेड़ स्थल से 01 चाइनीज पिस्तौल, पिस्तौल की 03 मैगजीनें (जिनमें से 02 क्षतिग्रस्त) और पिस्तौल के 07 राउण्ड बरामद किए गए।

उपर्युक्त आतंकवादी का सफाया लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) गुट के लिए एक बड़ा झटका है। पुलिस तथा सुरक्षा बलों द्वारा की गई त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई से आतंकवादी द्वारा अंजाम दी जा सकने वाली एक बड़ी/घातक त्रासदी टल गई। यह ऑपरेशन पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। उकसाए जाने के बावजूद, पेशेवर तरीके से कार्रवाई करते हुए, पुलिस और सुरक्षा बलों ने किसी भी आम नागरिक को हताहत नहीं होने दिया। श्री मंसूर अयाज़ जेकेपीएस 125685, पुलिस उपाधीक्षक पीसी चडूरा और एस.जी.सीटी. क़ुसर अहमद एआरपी- 096078 ने अपनी निर्धारित सामान्य ड्यूटी से आगे बढ़कर लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी को मार गिराने में अदम्य वीरतापूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मंसूर अयाज़, पुलिस अधीक्षक और क़ुसर अहमद, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/09/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/145/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 247-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	औमर इक़्बाल	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मंज़ूर अहमद भट	एस.जी .सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.03.2020 को शोपियां पुलिस ने इस आशय की एक विशिष्ट खुफिया जानकारी जुटाई कि लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के आतंकवादी नामत: आमिर अहमद डार, पुत्र गुलाम मुहम्मद डार, निवासी- वंदिना मेलहुरा और शबीर अहमद मलिक, पुत्र अब्दुल अहद मलिक, निवासी- तंगदुना-यारीपोरा, कुलगाम किसी अब्दुल समद डार पुत्र अशूर डार, निवासी- रेबन-ख्वाजापोरा के रिहायशी घर में छिपे हुए हैं। तद्नुसार, शोपियां के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अम्रितपाल सिंह-आईपीएस की कमान में सेना की प्रथम आरआर तथा 178वीं बटालियन सीआरपीएफ के सहयोग से शोपियां पुलिस द्वारा उक्त गांव में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (सीएएसओ) चलाने की योजना बनाई गई तथा शुरू भी कर दी गई और उन्होंने छिपे हुए आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए तलाशी करनी शुरू कर दी।

ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए दो संयुक्त टीमों का गठन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में शोपियां पुलिस और प्रथम आरआर तथा 178वीं बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी वाली पहली टीम ने लक्षित क्षेत्र की आंतरिक घेराबंदी कर दी और श्री औमर इक़्बाल, पुलिस उपाधीक्षक (पीसी) जैनापोरा जेकेपीएस-116049 के नेतृत्व में शोपियां पुलिस की टीम तथा प्रथम आरआर और 178वीं बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी वाली दूसरी टीम को लक्षित क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

जब पहली पार्टी ने तलाशी के लिए रणनीतिक ढंग से लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़ना शुरू किया, तो यह पता चला कि परिवार के कई सदस्य घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए हैं। अपनी ओर किसी भी क्षति से बचने के लिए, संयुक्त ऑपरेशनल पार्टी-2 ने स्वेच्छा से परिवार के सदस्यों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की जिम्मेदारी उठाई। कई प्रयासों के बाद पार्टी नागरिकों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बाहर निकालने में सफल हो गई। सुरक्षित रूप से बाहर निकाले गए परिवार के सदस्यों ने घर के भीतर दो आतंकवादियों के मौजूद होने की पुष्टि की और संदिग्ध घर को घेर लिया गया तथा अवैध हथियारों के साथ उक्त अब्दुल समद डार के रिहायशी घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने सैन्य दस्ते की गतिविधि का पता चलते ही तलाशी दल को जान से मारने और घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस परिस्थिति में संयुक्त सैन्य दलों ने तुरंत कवर ले लिया और गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया तथा आतंकवादियों को घेराबंदी को तोड़ने का कोई मौका नहीं दिया। छिपे हुए आतंकवादियों की वास्तविक पोजीशन का पता लगाने के लिए एक ड्रोन/क्वाड-कॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। तथापि, जैसे ही ड्रोन लक्षित घर के पास पहुंचा, आतंकवादियों ने ड्रोन पर गोलीबारी शुरू कर दी। ड्रोन से मिली जानकारी और आतंकवादियों की गोलीबारी से उनकी पोजीशन का पता चल गया। गोलीबारी के बाद कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा और ऑपरेशनल कमांडर ने आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। आतंकवादियों ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और वे अलग-अलग दिशाओं से सैन्य दस्ते पर अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां, श्री औमर इक़्बाल, पुलिस उपाधीक्षक (पीसी) जैनापोरा जेकेपीएस-116049, हेड कांस्टेबल सफर अहमद 1515/एस, एस.जी.सीटी. मंज़ूर अहमद भट सं. 696/आईआरपी 18वीं बटालियन एआरपी 109218, एस.जी.सीटी. मनोज कुमार सं. 522/आईआरपी 6ठीं बटालियन, एस.जी.सीटी. मोहम्मद इब्राहिम सं. 704/आईआरपी 11वीं बटालियन, सिपाही अर्शीद अहमद 468/एसपीएन और सिपाही लियाकत अली पर्रे सं. 469/एसपीएन ईएक्सके-116523 वाले संयुक्त सैन्य दस्ते ने अपनी जान की परवाह किए बिना उच्चकोटि के साहस और अत्यधिक पेशेवरता का प्रदर्शन किया और वे रेंगकर लक्षित घर के नजदीक गए तथा बिलकुल नजदीक से गोलीबारी का जवाब दिया और नजदीकी बंदूक की लड़ाई में, आतंकवादी बार-बार अपना स्थान बदल रहे थे तथा जैसे ही उन्हें लक्षित स्थान दिखाई दिया, उन्होंने लक्षित घर के पीछे की ओर एक आतंकवादी को मार गिराया। दूसरा आतंकवादी संयुक्त सैन्य दलों पर गोलीबारी को टालता रहा और अपनी पोजीशन बदलकर पास में स्थित दो मंजिला लक्षित घर में चला गया। दूसरे आतंकवादी का सफाया करने के लिए कुछ यूबीजीएल और हैंड ग्रेनेड का प्रयोग भी किया गया, परंतु वांछित परिणाम नहीं मिल सका।

पुराने और कमजोर लक्षित घर को समानांतर क्षति से बचाने के लिए, सैन्य दस्ते रणनीतिक ढंग से गोलीबारी कर रहे थे। आतंकवादी को बैचेन करने और उसके गोलाबारूद को समाप्त करने के लिए, लक्षित घर पर यूबीजीएल की गोलीबारी के साथ-साथ सभी दिशाओं से भारी गोलीबारी की गई तथा आतंकवादी ने धूल और धुंए की आड़ में लक्षित घर से एक अन्य घर में भागने का प्रयास किया, परंतु सैन्य दस्ते लगातार गोलीबारी करते रहे और उसे लक्षित घर के पास स्थित घर के गेट में प्रवेश नहीं करने दिया। ऑपरेशनल कमांडर ने इस गतिविधि के बारे में सैन्य दस्तों को हैंडसेट पर अलर्ट कर दिया। इस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में प्रथम आरआर, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन और शोपियां पुलिस की संयुक्त टीमों ने उस गली की ओर सीधी गोलीबारी की, जिसमें से उक्त आतंकवादी बाहर आने की कोशिश कर रहा था और अंतत: उसे मार गिराया गया। यह आतंकवादी पूर्णरूपेण प्रशिक्षित था और वह कमांड पोस्ट से केवल 40-50 फीट दूर रह गया था। यदि उक्त आतंकवादी उस गली से बाहर निकलने में सफल हो जाता, तो सैन्य दस्तों को भारी समानांतर क्षति पहुंच सकती थी।

ऑपरेशन समाप्त होने के बाद, संयुक्त टीमों द्वारा घेराबंदी को बरकरार रखते हुए सतर्कतापूर्वक गहन तलाशी की गई। तलाशी के दौरान, दो अज्ञात आतंकवादियों के शव बरामद हुए, जिनकी पहचान बाद में आमिर अहमद डार, पुत्र गुलाम मुहम्मद डार, निवासी- वंदिना, मेलहुरा, जैनापोरा और शबीर अहमद मलिक, पुत्र अब्दुल अहद मलिक, निवासी- तंगदुना-यारीपोरा, कुलगाम के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन जैनापोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 तथा विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19, 20 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 11/2020 दर्ज है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां, श्री औमर इक़्बाल, पुलिस उपाधीक्षक (पीसी) जैनापोरा जेकेपीएस-116049, हेड कांस्टेबल सफर अहमद 1515/एस, एस.जी. सीटी. मनोज कुमार सं. 522/आईआरपी 6ठीं बटालियन, एस.जी. सीटी. मोहम्मद इब्राहिम सं. 704/आईआरपी

11वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. मंज़ूर अहमद भट सं. 696/आईआरपी 18वीं बटालियन एआरपी-109218, सिपाही अर्शीद अहमद 468/एसपीएन और सिपाही लियाकत अली पर्रे सं. 469/एसपीएन सहित जम्मू और कश्मीर पुलिस के कार्मिकों/अधिकारियों, जो स्वयं को गंभीर खतरे में डालकर पूरी दक्षता से लड़े, द्वारा प्रदर्शित विलक्षण साहस और पेशेवरता सराहनीय है। इन अधिकारियों/कार्मिकों ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए साहस का प्रदर्शन किया। यद्यपि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए सैन्य बलों को क्षति पहुंचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन ये सभी अधिकारी/कार्मिक बाल-बाल बच गए। तथापि, ये अधिकारी/कार्मिक अपनी एकाग्रता को खोए बिना बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करते हुए बहादुरी के साथ लड़े और उनके नापाक मंसूबों को विफल कर दिया। ऐसी खतरनाक स्थिति में ऑपरेशन स्थल पर सुरक्षित रूप से मिशन को पूरा करना इस ऑपरेशन की प्रमुख विशेषता रही है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री औमर इक़्बाल, पुलिस उपाधीक्षक और मंज़ूर अहमद भट, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/03/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/146/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 248-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
श्री शबीर अहमद वानी	एस.जी .सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.01.2020 को, किसी मंजूर अहमद मकरू, पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला मकरू, निवासी- मकरू महोल्ला अरवानी बिजबेहरा के घर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय सूत्रों से विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। यह सूचना प्राप्त होने पर, प्रथम आरआर और 90वीं बटालियन सीआरपीएफ के सैन्य दस्तों के साथ एसओजी अनंतनाग की एक संयुक्त टीम ने 17:25 बजे उपर्युक्त गांव की घेराबंदी कर दी। तलाशी ऑपरेशन के दौरान, उक्त घर में छिपे हुए आतकंवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परंतु उन्होंने इनकार कर दिया और सुरक्षा बलों पर अंधाधुध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें सेना के एक कार्मिक नामत: मोहम्मद शरीफ घायल हो गए। यह उल्लेख करने की आवश्यक नहीं है कि घर के भीतर छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों को अधिकतम क्षति पहुंचाने के इरादे से दो बार घर की पहली मंजिल पर जाने का प्रयास किया।

योजना के अनुसार कार्रवाई करते हुए, संयुक्त ऑपरेशनल टीमों ने लक्षित स्थल पर पहुंचने के तुरंत बाद, उक्त क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और संपूर्ण सैन्य दल को तीन भागों में बांट दिया गया। सैन्य दल के एक भाग को केवल कानून और व्यवस्था के प्रबंधन का कार्य सौंपा गया, ताकि शरारती तत्व ऑपरेशन में बाधा उत्पन्न न कर सकें और शेष दो सैन्य दलों को बाहरी/आंतरिक घेराबंदी करने के लिए कहा गया। तलाशी ऑपरेशन के दौरान, उक्त घर में छिपे हुए आतकंवादियों से पुन: आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परंतु उन्होंने इनकार कर दिया और पुलिस/सुरक्षा बलों पर पुन: अंधाधुध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे वहां पर मुठभेड़ शुरू हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग के समग्र पर्यवेक्षण में ऑपरेशनल पार्टी, जिसमें पुलिस अधीक्षक परबीत सिंह केपीएस-045846, सहायक उप निरीक्षक अरफत अहमद राथर सं. 488/एस ईएक्सके-108383, एस.जी.सीटी. अब हेड कांस्टेबल शबीर अहमद वानी सं. 2692/एस ईएक्सके112308, एस.जी.सीटी. इम्तियाज अहमद 400/एडब्ल्यूपी, एस.जी.सीटी. तनवीर अहमद 620/एडब्ल्यूपी, एसपीओ मुनीब अहमद 1827/एसपीओ, एसपीओ यूनिस हुस्सैन 1802/एसपीओ, एसपीओ माजिद अहमद 1742/एसपीओ तथा एसपीओ मुशताक अहमद 483/एसपीओ शामिल थे, ने भारी गोलीबारी का जवाब दिया और वहां पर हुई गोलीबारी में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन के एक आतंकवादी नामत: शाहिद अहमद खार, पुत्र गुलाम अहमद खार, निवासी- रेडवानी पाईन, जिला- कुलगाम को मार गिराया गया।

मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में आगे जांच के लिए पुलिस स्टेशन बिजबेहरा में आईपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 04/2020 दर्ज है।

हेड कांस्टेबल शबीर अहमद, ईएक्सके112308 ने अपनी जांच की परवाह किए बिना इस ऑपरेशन में शुरू से अंत तक अनुकरणीय भूमिका निभाई। वे अपनी बहुमूल्य जान की परवाह किए बिना आगे रहकर बहादुरी से लड़े। उनकी सतर्कता, समर्पण और साहस की वजह से ही यह ऑपरेशन अपनी ओर किसी क्षति के बिना सफल हुआ।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री शबीर अहमद वानी, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27/01/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/151/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 249-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	फुर्कान क़ादिर	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	मोहम्मद इर्फान मलिक	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	तारिक़ अहमद राथर	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

नवम्बर, 2015 के महीने में, ईएसयू साउथ जोन श्रीनगर को इस आशय की एक तकनीकी सूचना प्राप्त हुई कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) आधारित एलईटी कमांडर बाबर वलीद ने घाटी आधारित अपने एलईटी कमांडर अबु हुर्रेरा, निवासी पाकिस्तान को अपने काडरों के माध्यम से गणतंत्र दिवस, 2016 के अवसर पर श्रीनगर में आतंकवादी हमले को अंजाम देने का निर्देश दिया है। यह सूचना प्राप्त होने पर, ईएसयू साउथ श्रीनगर के सहायक उप निरीक्षक अथर परवेज 2084/पीडब्ल्यू ने अपनी टीम के साथ एलईटी डिवीजनल कमांडर अबु हुर्रेरा, निवासी पाकिस्तान के ऑपरेशन वाले क्षेत्र अर्थात हरवान, जकूरा, चत्तरहामा, गासू तथा सौरा का दौरा किया और उक्त क्षेत्र के स्थानीय स्रोतों को सक्रिय कर दिया।

दिनांक 11.01.2016 को, 09:00 बजे, सहायक उप निरीक्षक अथर परवेज 2084/पीडब्ल्यू द्वारा तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से पुनः इस आशय की सूचना जुटाई गई कि लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन का एलईटी कमांडर नामतः सजाद अहमद भट उर्फ पीर साब उर्फ शादक, निवासी अरीपोरा जेवान, गांव गासू जकूरा श्रीनगर में छिपा हुआ है। सहायक उप निरीक्षक अथर परवेज 2084/पीडब्ल्यू की कमान में ईएसयू साउथ श्रीनगर की एक विशेष टीम ने उस मोहल्ले अर्थात जामिया मस्जिद के निकट स्थित निशात कॉलोनी, गासू श्रीनगर का पता लगा लिया, जिसमें उक्त एलईटी कमांडर छिपा हुआ था। उसी दिन लगभग 1400 बजे, श्री श्रीधर पाटिल-आईपीएस (तत्कालीन पुलिस अधीक्षक सिटी साउथ जोन श्रीनगर) के पर्यवेक्षण में ईएसयू साउथ जोन श्रीनगर की पर्याप्त नफरी के साथ एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। ऑपरेशन शुरू करने से पहले, पुलिस अधीक्षक सिटी हजरतबल जोन श्रीनगर के साथ सहयोग करने का निर्णय लिया गया, क्योंकि उक्त गांव पुलिस स्टेशन जकूरा, श्रीनगर और पुलिस घटक श्रीनगर के अधिकार-क्षेत्र में आता है, ताकि अपनी ओर किसी भी क्षति से बचा जा सके और ऑपरेशन को सुरक्षित रूप से अंजाम दिया जा सके।

ऑपरेशन की समस्त नफरी को तीन दलों में बांट दिया गया। पुलिस अधीक्षक हजरतबल के नेतृत्व में पहले दल को लक्षित क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। पुलिस घटक श्रीनगर वाले दूसरे दल को लक्षित मोहल्ले की घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। ईएसयू साउथ की नफरी वाले तीसरे दल को जामिया मस्जिद के निकट स्थित निशात कॉलोनी, गासू, जहां उक्त आतंकवादी छिपा हुआ था, की भीतरी घेराबंदी करने और यदि आवश्यक हो, तो पूर्ण समन्वय के साथ श्री श्रीधर पाटिल-आईपीएस (तत्कालीन पुलिस अधीक्षक सिटी साउथ जोन श्रीनगर) की कमान में भीतर प्रवेश करने (इंटरवेंशन) का कार्य सौंपा गया। सभी दलों ने ऊपर उल्लिखित योजना के अनुसार अपनी-अपनी पोजीशन संभाल ली। लगभग 1745 बजे, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक साउथ श्रीनगर, जो भीतरी घेराबंदी वाले दल के प्रभारी थे, ने पास के घर के निवासियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पुलिस उपाधीक्षक फुर्कान क़ादिर-जेकेपीएस, सं. केपीएस-116039 की कमान में श्रीनगर पुलिस की एक छोटी टीम गठित की, जिसमें उप निरीक्षक अब निरीक्षक आरिफ अहमद शेख, सं. ईएक्सके-109225, उप निरीक्षक अब निरीक्षक मोहम्मद इर्फान मलिक, सं. ईएक्सके- 109318, सहायक उप निरीक्षक अथर परवेज सं. 2084/पीडब्ल्यू, एस.जी.सीटी. अब हेड कांस्टेबल तारिक़ अहमद राथर सं. 142/एस, सिपाही अब एस.जी.सीटी. गुल मोहम्मद वानी सं. 2703/एस, सिपाही अब एस.जी.सीटी. मुदासिर बशीर शीरगोजरी सं. 4537/एस, सिपाही अब एस.जी.सीटी. मुदासिर इस्माइल गनैई सं. 4539/एस और अन्य लोग शामिल थे। उक्त टीम ने अत्यधिक रणनीतिक ढंग से और बहादुरी के साथ नजदीकी घर के निवासियों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। सर्वप्रथम आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उसने इनकार कर दिया। उसने आत्मसमर्पण करने की बजाय, ऑपरेशन पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी। लगभग 1815 बजे, जैसे ही पार्टी ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, आतंकवादी ने घेराबंदी को तोड़ने और बच कर भागने के प्रयास में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उसी समय, पुलिस उपाधीक्षक फुर्कान क़ादिर-जेकेपीएस, सं. केपीएस-

116039, उप निरीक्षक अब निरीक्षक आरिफ अहमद शेख सं. ईएक्सके-109225, उप निरीक्षक अब निरीक्षक मोहम्मद इर्फान मलिक सं. ईएक्सके- 109318, सहायक उप निरीक्षक अथर परवेज सं. 2084/पीडब्ल्यू, एस.जी.सीटी. अब हेड कांस्टेबल तारिक़ अहमद राथर सं. 142/एस, सिपाही अब एस.जी.सीटी. गुल मोहम्मद वानी सं. 2703/एस, सिपाही अब एस.जी.सीटी. मुदासिर बशीर शीरगोजरी सं. 4537/एस तथा सिपाही अब एस.जी.सीटी. मुदासिर इस्माइल गनैई सं. 4539/एस ने धावा बोल दिया और अपनी जान की परवाह किए बिना रेंगकर आगे बढ़ते हुए गोलीबारी का प्रभावकारी रूप से जवाब दिया। इसके परिणामस्वरूप एलईटी संगठन का शीर्ष कमांडर सजाद अहमद भट उर्फ पीर साब उर्फ शादक, पुत्र मोहम्मद अमीन भट, निवासी अरीपोरा जेवान श्रीनगर मारा गया और मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन जकूरा, श्रीनगर में आरपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 04/2016 दर्ज है।

वर्तमान ऑपरेशन में, सूचना जुटाने से लेकर ऑपरेशन को अंजाम देने तक पुलिस उपाधीक्षक फुर्कान क़ादिर, सं. केपीएस-116039, निरीक्षक मोहम्मद इर्फान मलिक, सं. ईएक्सके- 109318 और हेड कांस्टेबल तारिक़ अहमद राथर, ईएक्सके 065646 की भूमिका अनुकरणीय और सराहनीय रही।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री फुर्कान क़ादिर, पुलिस उपाधीक्षक, मोहम्मद इर्फान मलिक, उप निरीक्षक और तारिक़ अहमद राथर, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11/01/2016 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/153/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 250-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	आरिफ अमीन शाह	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	नजीर अहमद तांत्र्य	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	रेयाज़ अहमद शाह	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	जनक राज़	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	मुशताक़ अहमद वानी	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.06.2020 को, शोपियां पुलिस को इस आशय की विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई कि हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम)/जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आतंकवादी शोपियां जिले में विध्वंसकारी कार्रवाई को अंजाम देने हेतु अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा करने के लिए गांव रेबान, जैनापोरा में एक बैठक कर रहे हैं। तदनुसार, श्री अम्रितपाल सिंह- आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की समग्र कमान में प्रथम आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की सहायता से उक्त गांव में एक त्वरित घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू करने का निर्णय लिया गया।

इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए, श्री अम्रितपाल सिंह- आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के समग्र पर्यवेक्षण में संयुक्त सैन्य दस्तों की दो हमलावर पार्टियों का गठन किया गया। श्री औमर इक्बाल-केपीएस पुलिस उपाधीक्षक पीसी जैनापोरा के नेतृत्व में शोपियां पुलिस, प्रथम आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी वाली पहली पार्टी, जिसमें उप निरीक्षक नजीर अहमद तांत्र्य सं. एआरपी-109228, एस.जी.सीटी. रेयाज़ अहमद शाह सं. 756/आईआरपी 18वीं बटालियन (एआरपी-066641), एस.जी.सीटी. जनक राज़ सं. 676/एपी 14वीं बटालियन (एआरपी-078463) तथा एस.जी.सीटी. मुशताक़ अहमद सं. 762/एपी 12वीं बटालियन (एआरपी-109202) शामिल थे, को उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व की ओर से तथा श्री आरिफ अमीन शाह-केपीएस एएसपी शोपियां (जेकेपीएस-045843) के नेतृत्व में प्रथम आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी वाली दूसरी पुलिस पार्टी, जिसमें सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद फारूक सं. 116/एपी 12वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. बशीर उल रमजान सं. 481/एपी 8वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. आबिद अली

सं. 644/आईआरपी 18वीं बटालियन तथा सिपाही हिलाल अहमद सं. 302/आईआरपी 18वीं बटालियन शामिल थे, को उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम की ओर से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

सभी पार्टियों ने तैयार की गई ऊपर उल्लिखित योजना के अनुसार पोजीशन संभाल ली। घेराबंदी वाला इलाका बहुत दुर्गम क्षेत्र था, जिसमें छिट-पुट रिहायशी घर, घने बगीचे, गहरे नाले और अन्य प्रकार की घनी झाड़ियां थीं। क्षेत्र को सील कर दिया गया और बगीचों की ओर जाने वाले रास्तों, भीतर की सड़कों एवं मार्गों/उप मार्गों समेत बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को मजबूती से सील कर दिया गया। इसी बीच, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां और उनकी क्यूआरटी ऑपरेशन का पर्यवेक्षण करने के लिए ऑपरेशन स्थल पर पहुंच गई।

तलाशी की कार्रवाई के दौरान, छिपे हुए आतंकवादियों ने वहां पर तैनात सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने और घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से सैन्य दस्तों पर ग्रेनेड फेंके और उसके बाद विभिन्न दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी की। छिपे हुए आतंकवादी अपनी विशिष्ट लोकेशन को छिपाने के लिए बार-बार अपना स्थान बदलते रहे। तलाशी दल ने तुरंत कवर ले लिया तथा रणनीति और सटीकता के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिसकी वजह से आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने का कोई अवसर नहीं मिला। नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए, ऑपरेशनल पार्टियों से घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए कहा गया। जब लोगों को वहां से बाहर निकालने का कार्य चल रहा था, तभी श्री आरिफ अमीन शाह, एएसपी शोपियां के नेतृत्व वाला हमलावर समूह भारी गोलीबारी की चपेट में आ गया। तथापि, उन्होंने अपनी एकाग्रता नहीं खोई तथा अपनी जान की परवाह किए बिना वहां से लोगों को बाहर निकालने की प्रक्रिया को जारी रखा और उसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इस बात की पूरी संभावना थी कि घिरे हुए आतंकवादी घेराबंदी से बचकर भागने का प्रयास कर सकते हैं, इसलिए घेराबंदी को सुदृढ़ कर दिया गया और सैन्य दस्तों को घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) को सख्त एवं मजबूत बनाए रखने का निर्देश दिया गया, ताकि फंसे हुए आतंकवादी घेराबंदी से भाग न सकें। इसी बीच, घेराबंदी करने वाली पार्टी घेराबंदी में फंसे आतंकवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई। ऑपरेशनल पार्टी ने गोलीबारी का प्रभावकारी रूप से जवाब दिया और उनकी नापाक योजना को विफल कर दिया।

तथापि, वहां फंसे हुए आतंकवादियों ने घने बगीचों का लाभ उठाकर घेराबंदी करने वाली पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए घेराबंदी से बाहर निकलने के अनेक प्रयास किए। घेराबंदी करने वाली पार्टी द्वारा गोलीबारी का प्रभावकारी रूप से जवाब दिया गया और उन्होंने फंसे हुए आतंकवादियों को वापस घेराबंदी वाले क्षेत्र में खदेड़ दिया। फंसे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु उन्होंने इनकार कर दिया और ऑपरेशनल पार्टियों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। ऑपरेशनल पार्टी, जिसमें श्री आरिफ अमीन-केपीएस एएसपी शोपियां, उप निरीक्षक नजीर अहमद तांत्र्य सं. एआरपी 109228, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद फारूक सं. 116एपी 12वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. रेयाज़ अहमद शाह सं. 756/आईआरपी 18वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. जनक राज़ सं. 676/एपी 14वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. मुशताक़ अहमद वानी सं. 762/एपी 12वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. बशीर-उल-रमजान सं. 481/एपी 8वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. आबिद अली सं. 644/आईआरपी 18वीं बटालियन, कांस्टेबल हिलाल अहमद सं. 302/आईआरपी 18वीं बटालियन और आरआर एवं सीआरपीएफ के सैन्य दस्ते शामिल थे, ने साहस/बहादुरी के साथ गोलीबारी का प्रभावकारी रूप से जवाब दिया और सभी पांच आतंकवादियों को ढेर कर दिया, जिनकी पहचान बाद में इशफाक अहमद ईटू, पुत्र मोहम्मद यूसुफ ईटू, निवासी हंगलबुच कुलगाम (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन के श्रेणी "ए"), ओवैस अहमद मलिक, पुत्र मोहम्मद यूसुफ मलिक, निवासी अरवानी बिजबेहरा अनंतनाग (जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन), बिलाल अहमद भट, पुत्र गुलाम मोहम्मद भट, निवासी हरदू- हंगर कुलगाम (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन), आदिल अहमद मीर, पुत्र मोहम्मद यूसुफ मीर, निवासी सौच कुलगाम (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन) और सजाद अहमद वागे, पुत्र मोहम्मद शफी वागे, निवासी हंगलबुच कुलगाम (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन) के रूप में की गई।

मारे गए आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन जैनापोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20, 23 एवं 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 55/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

संस्तुत अधिकारी और अन्य ऑपरेशनल पार्टियां अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों से प्रभावकारी ढंग से तथा बुद्धिमानी के साथ लड़ीं और उनके द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता एवं असाधारण साहस सराहनीय है, क्योंकि अत्यधिक प्रतिकूल स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। संस्तुत अधिकारी अपनी एकाग्रता को खोए बिना बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करते हुए बहादुरी के साथ लड़े और उनके नापाक मंसूबों को विफल कर दिया तथा ऐसी खतरनाक स्थिति में मिशन को सुरक्षित तरीके से पूरा करना इस ऑपरेशन की प्रमुख विशेषता रही है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री आरिफ अमीन शाह, पुलिस अधीक्षक, नजीर अहमद तांत्र्य, उप निरीक्षक., रेयाज़ अहमद शाह, एस.जी.सीटी., जनक राज़, एस.जी.सीटी. और मुशताक़ अहमद वानी, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/155/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 251-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सयेद ज़हीर अबास	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	गुलाम हस्सन शैख	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	आशक़ हुस्सैन लोन	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.06.2020 को, लगभग 04:30 बजे, श्री आशीष मिश्रा- आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा (आईपीएस-136010) को जिला पुलवामा के बंदजू क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, इस सूचना को श्री तनवीर अहमद- अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा (केपीएस-क्यू 85555), 55 आरआर और 182/83 बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा किया गया तथा उक्त गांव में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू करने का निर्णय लिया गया। निर्णय के अनुसार, 55 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की पार्टियों के साथ पीसी पुलवामा और पीसी लिट्टर की पुलिस पार्टियां तत्काल उक्त स्थान की ओर निकल पड़ीं और इन पार्टियों द्वारा लक्षित स्थान पर एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया तथा प्रवेश/निकासी के सभी स्थानों को अच्छी तरह से बंद कर दिया गया।

घेराबंदी को सुदृढ़ करने के बाद, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने लक्षित स्थान की तलाशी करने के लिए पुलिस, 55 आरआर तथा 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की एक टीम गठित की और तलाशी पार्टी की सहायता के लिए एक अन्य संयुक्त पार्टी को लक्षित क्षेत्र के पीछे की ओर तैयार पोजीशन में रखा गया। जैसे ही 55 आरआर एवं 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के छोटे घटकों के साथ श्री गुलाम हस्सन शैख, पुलिस उपाधीक्षक पीसी लिट्टर (केपीएस-116210), निरीक्षक सरफराज अहमद डार सं. ईएक्सके-109304, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद रफी मलिक सं. 2709/एस (ईएक्सके- 012527) और हेड कांस्टेबल आशक़ हुस्सैन लोन सं. 788/पीएल (ईएक्सके-116710) वाली तलाशी पार्टी किसी बशीर अहमद वानी, पुत्र गुलाम मोहम्मद वानी, निवासी बंदजू के रिहायशी घर के निकट पहुंची, तभी छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने और वहां से बचकर भागने के लिए तलाशी पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तलाशी पार्टी ने तुरंत कवर ले लिया और गोलीबारी का प्रभावकारी ढंग से जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप लक्षित घर के गेट पर एक आतंकवादी मारा गया। शुरूआती गोलीबारी के दौरान, 182 बटालियन के एक सीआरपीएफ कार्मिक को गोली लग गई, जिसे तत्काल बाहर निकाला गया और नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां अपनी चोटों के कारण उसने दम तोड़ दिया और शहादत प्राप्त की। आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए, ऑपरेशनल कमांडर (पुलिस अधीक्षक पुलवामा) ने तत्काल श्री सयेद ज़हीर अबास जाफरी, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन पुलवामा (केपीएस- 116057), सहायक उप निरीक्षक शाह फैसल खान सं. 427/पीएल (ईएक्सके-962190), हेड कांस्टेबल तनवीर अहमद सं. 773/ए (ईएक्सके-983572) और 55 आरआर तथा 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के घटकों वाली दूसरी संयुक्त पार्टी, जिसे शुरू में लक्षित क्षेत्र के पीछे की ओर तैयार पोजीशन में रखा गया था, को घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले जाने का निदेश दिया। दिए गए निदेश के अनुसार, पुलिस/सुरक्षा बलों की उक्त टीम ने आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बचाव कार्य के पूरा होने के बाद, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने उक्त टीम को उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पोजीशन लेने और सभी भीतरी सड़कों/पगडंडियों तथा गलियों/उप मार्गों को पूरी तरह से बंद करने और लक्षित क्षेत्र में आतंकवादी की गतिविधियों की गहन निगरानी करने का निदेश दिया। तत्पश्चात, घिरे हुए दूसरे आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उसने इनकार कर दिया और इसकी बजाय उसने श्री सयेद ज़हीर अबास जाफरी, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन पुलवामा के नेतृत्व में उत्तर-पूर्व क्षेत्र में तैनात संयुक्त पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी तथा मौके से बचकर भागने का प्रयास किया। तथापि, पुलिस/सुरक्षा बलों की पार्टी ने आगे रहकर आतंकवादी की गोलीबारी का बहादुरी से जवाब दिया और उसका सफाया कर दिया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में ओवैस अहमद भट, पुत्र स्व. मोहम्मद यूसुफ भट, निवासी मोलू चित्रगाम, जैनापोरा, जिला शोपियां (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन) और ऐजाज अहमद गनैई, पुत्र बशीर अहमद गनैई, निवासी रामनगरी, जिला शोपियां (जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन) के रूप में की गई। मारे गए आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन पुलवामा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 150/2020 दर्ज है।

संस्तुत अधिकारियों ने इस ऑपरेशन में शुरू से अंत तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित होने के बाद, वे अपनी कीमती जान की परवाह किए बिना आगे रहकर बहादुरी से लड़े और उन्होंने छिपे हुए आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने का कोई अवसर नहीं दिया। उनकी सतर्कता, समर्पण और साहस के कारण ही यह ऑपरेशन सफल रहा।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री सयेद ज़हीर अबास, पुलिस उपाधीक्षक, गुलाम हस्सन शैख, पुलिस उपाधीक्षक और आशक़ हुस्सैन लोन, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/157/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 252-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	आशक़ हुस्सैन डार	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	विशाल शूर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	सयेद सजाद हुस्सैन	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	परवेज़ अहमद वानी	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.06.2020 को, कुलगाम पुलिस को गांव लकड़ीपोरा निहामा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना के आधार पर, 34 आरआर/सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की सहायता से कुलगाम पुलिस की एक संयुक्त टीम ने उक्त गांव की घेराबंदी कर दी। तलाशी ऑपरेशन के दौरान, घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने बचकर भागने का प्रयास किया और घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका तलाशी दल द्वारा भी जवाब दिया गया। तदनुसार, आतंकवादी का यथासंभव शीघ्र सफाया करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम के पर्यवेक्षण में 34 आरआर/सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के साथ एक सुनियोजित रणनीति तैयार की गई।

श्री मोहम्मद यौसिफ, अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम, श्री आशक़हुस्सैन डार, पुलिस उपाधीक्षक जेकेपीएस 125798 एसडीपीओ डीएच पोरा, निरीक्षक विशाल शूर सं. 5904/एनजीओ (एआरपी-985505), हेड कांस्टेबल मोहम्मद सुभान सं. 284/केजीएम ईएक्सके-971812, एस.जी.सीटी. सयेद सजाद हुस्सैन सं. 1504/बी (ईएक्सके-116181), एस.जी.सीटी. परवेज अहमद वानी सं. 719/केजीएम (ईएक्सके-118062), सिपाही यासीर अरफात सं. 441/आईआरपी 17वीं बटालियन, सिपाही पंकज कुमार सं. 355/एपी 5वीं बटालियन, सिपाही जावेद अहमद तीलि सं. 742/केजीएम ईएक्सके-168042, सिपाही मोहम्मद इमरान 901/केजीएम ईएक्सके-112297, सिपाही बिलाल अहमद 950/केजीएम ईएक्सके-119972, एसपीओ दानिश हुस्सैन भट सं. 693/के, एसपीओ सुब्जार अहमद डार सं. 208/के, एसपीओ अब्दुल मजीद सं 418/आर, एसपीओ तारिक अब्दुल्ला सं. 876/एस, एसपीओ मुजफ्फर अहमद सं. 228/के, एसपीओ जॉन मोहम्मद सं. 1726/ए और एसपीओ पृथ्वी राज सं. 03/एसपीओ बीपीआर वाले तलाशी दल ने घेराबंदी की और तत्पश्चात तलाशी दल/घेराबंदी वाली पार्टियों ने गोलीबारी का जवाब दिया तथा वहां पर हुई मुठभेड़ में "जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम)" संगठन के "ए+" श्रेणी के एक विदेशी आतंकवादी नामतः तैयब वालीद उर्फ इमरान भाई का सफाया कर दिया गया। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में यारीपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20, 38 एवं 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 100/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन के दौरान, कुलगाम पुलिस के अधिकारियों/कार्मिकों, विशेष रूप से श्री आशक़हुस्सैन डार, एसडीपीओ डीएच पोरा, निरीक्षक विशाल शूर, एस.जी.सीटी. सयेद सजाद हुस्सैन ईएक्सके-116181 और एस.जी.सीटी. परवेज अहमद वानी सं. 719/केजीएम (ईएक्सके-118062) द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और असाधारण साहस सराहनीय था। ऐसी परिस्थितियों में, जब पूरे देश में लॉकडाउन लगा हुआ था और सामाजिक दूरी का पालन किया जा रहा था, तब उनके द्वारा कमान, नियंत्रण और ऑपरेशनल कौशल के साथ प्रभावकारी घेराबंदी करना एक बड़ी चुनौती थी।

ऑपरेशनल पार्टी को कानून और व्यवस्था बनाए रखने वाली पार्टी द्वारा भी सहायता प्रदान की गई और उन्होंने कोई भी भीड़ एकत्र नहीं होने दी, जिसकी वजह से राष्ट्र–विरोधी तत्व ऑपरेशनल पार्टी के समक्ष बाधा उत्पन्न करने के लिए शरारती तत्वों को इकट्ठा नहीं कर सके और यह ऑपरेशन अपनी ओर किसी क्षति के बिना सफल रहा। इस विशिष्ट ऑपरेशन में सुरक्षा बलों और पुलिस की समग्र कार्रवाई सराहनीय थी, जिसके परिणामस्वरूप यह मिशन पूरा हुआ। संस्तुत कार्मिकों के साथ कुलगाम जिले के अधिकारियों/कार्मिकों द्वारा किए गए अथक प्रयासों के कारण इस विशिष्ट ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया, जिसमें एक खूंखार आतंकवादी का सफाया कर दिया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री आशक़ हुस्सैन डार, पुलिस उपाधीक्षक, विशाल शूर, निरीक्षक, सयेद सजाद हुस्सैन, एस.जी.सीटी. और परवेज़ अहमद वानी, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/06/2020 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/158/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 253-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सुनील सिंह	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	पर्वीन कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	मोहम्मद सादिक़ कुरेशि	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.04.2020 को, लगभग 17:10 बजे, गुलाबाद आरामपोरा में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय आसूचना/इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, सोपोर पुलिस ने सेना की 22-आरआर और 92/177/179 बटालियन सीआरपीएफ के साथ इस क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और तलाशी ऑपरेशन शुरू कर दिया। तलाशी ऑपरेशन के दौरान, उस आतंकवादी से संपर्क स्थापित हो गया, जो एक आवासीय घर में छिपा हुआ था। आतंकवादी से संपर्क स्थापित हो जाने के बाद भी, सुरक्षा बल आक्रामक हमला नहीं कर सके, क्योंकि लक्षित घर और उसके आस-पास स्थित घरों में काफी आम नागरिक फंसे हुए थे। चूंकि उक्त क्षेत्र बहुत भीड़-भाड़ वाला और आतंकवादी गतिविधियों तथा कानून एवं व्यवस्था की समस्याओं के कारण अत्यधिक संवेदनशील था, क्योंकि इस क्षेत्र में हाल के दिनों में राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा की गई अनेक हिंसक गतिविधियां देखी गई हैं, इसलिए छिपे हुए आतंकवादी पर उसी समय हमला करना बहुत मुश्किल था और यदि सुरक्षा बल उस समय हमला करते, तो आम नागरिकों के हताहत होने तथा अपनी ओर भी क्षति होने की पूरी संभावना थी। इसलिए आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए, सीआरपीएफ/सेना के अन्य समकक्ष अधिकारियों के साथ सर्वसम्मति से ऑपरेशन को रोकने का निर्णय लिया गया, ताकि सर्वप्रथम आम नागरिकों की वहां से निकासी सुनिश्चित की जा सके। तदनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के समग्र पर्यवेक्षण में ऑपरेशन के सभी मानदंडों पर विचार करते हुए श्री सुनील सिंह – जेकेपीएस 127947 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) वडूरा के नेतृत्व में निरीक्षक पर्वीन कुमार सं. एआरपी- 085601, हेड कांस्टेबल मोहम्मद सादिक़ कुरेशि सं.235/एसपीआर, एस.जी.सीटी महादीप सिंह सं. 693/आईआरपी 05वीं बटालियन, सिपाही महज़ूर अहमद सं. 686/एसपीआर, सिपाही इरशाद अहमद सं. 784/एसपीआर, एसपीओ फरहत मुशताक सं. 757/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल रशीद सं. 766/एसपीओ तथा एसपीओ शम्स तबरेज सं. 490/एसपीओ-एसजीआर वाली एडवांस पार्टी और श्री मोहम्मद अमीन भट- जेकेपीएस 125758 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) सोपोर के नेतृत्व में निरीक्षक आजिम इक्बाल सं. ईएक्सके-115658, सिपाही अब्दुल कयूम वानी सं. 829/एसपीआर, सिपाही इश्तियाक अहमद सं. 793/एसपीआर, सिपाही गुलाम हस्सन सं. 783/एसपीआर, एसपीओ नासिर हुस्सैन सं. 738/एसपीओ तथा एसपीओ आदिल फारूक सं. 244/एसपीओ वाली बैकअप पार्टी के रूप में पुलिस/सीआरपीएफ और सेना की दो संयुक्त पार्टियों का गठन किया गया तथा पूरी सावधानी के साथ आम नागरिकों को बाहर निकालने का कार्य शुरू किया गया। आम नागरिकों के बचाव ऑपरेशन की प्रक्रिया के दौरान, श्री सुनील सिंह- जेकेपीएस 127947 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) वडूरा ने निरीक्षक पर्वीन कुमार सं. एआरपी – 085601, हेड कांस्टेबल मोहम्मद सादिक़ कुरेशि सं. 235/एसपीआर, एस.जी.सीटी. महादीप सिंह सं. 693/आईआरपी 05वीं बटालियन, सिपाही महज़ूर अहमद सं. 686/एसपीआर, सिपाही इरशाद अहमद सं. 784/एसपीआर, एसपीओ फरहत मुशताक सं. 757/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल रशीद सं. 766/एसपीओ और एसपीओ शम्स तबरेज सं. 490/एसपीओ - एसजीआर वाली पुलिस/सेना की एक छोटी सी टीम का नेतृत्व किया और इस टीम ने वहां फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकालने के लिए लक्षित घर की ओर आगे बढ़ना शुरू कर दिया, जिसके दौरान छिपे हुए आतंकवादी ने बचाव पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप एडवांस पार्टी कुछ समय के लिए लक्षित घर की ओर आगे नहीं बढ़ सकी। विधिवत सोच-विचार और ऑपरेशन के सभी पहलुओं का आकलन करने के बाद, अंततः श्री सुनील सिंह- जेकेपीएस 127947 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) वडूरा ने निरीक्षक पर्वीन कुमार सं. एआरपी – 085601, हेड कांस्टेबल मोहम्मद सादिक़ कुरेशि सं. 235/एसपीआर, एस.जी.सीटी. महादीप सिंह सं. 693/आईआरपी 05वीं बटालियन, सिपाही महज़ूर अहमद सं. 686/एसपीआर, सिपाही इरशाद अहमद सं. 784/एसपीआर, एसपीओ फरहत मुशताक सं. 757/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल रशीद सं. 766/एसपीओ और एसपीओ शम्स तबरेज सं. 490/एसपीओ - एसजीआर वाली अपनी पार्टी के साथ पुनः उन विशिष्ट स्थानों की ओर रेंगकर आगे बढ़ना शुरू कर दिया, जहां आम नागरिक वास्तव में फंसे हुए थे। इस प्रक्रिया के दौरान, छिपे हुए आतंकवादी ने आगे बढ़ रही पार्टी को विशिष्ट क्षेत्रों की ओर बढ़ने से रोकने के लिए उनके ऊपर पुनः भारी गोलीबारी की और यहां तक कि कुछ गोलियां उक्त अधिकारी और उनकी

टीम के सदस्यों के आस-पास आकर लगीं, परन्तु काफी नाजुक स्थिति के बावजूद उन्होंने अपना हौसला नहीं छोड़ा। लक्षित घर के पास पहुंचने के बाद, उपर्युक्त अधिकारी ने विवेकपूर्ण तरीके से अपना दिमाग लगाकर घर के पीछे एक सीढ़ी लगाई और फंसे हुए सभी आम नागिरकों को घर के पीछे लगाई गई सीढ़ी के जरिए बाहर निकाला और इस दौरान बैक-अप पार्टी ने आतंकवादी को तब तक उलझाए रखा, जब तक कि लक्षित घर और उसके आस-पास के क्षेत्र से प्रत्येक आम नागरिक को सुरक्षित रूप से बाहर नहीं निकाल लिया गया। सभी फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकालने के बाद, प्रवेश और निकास के सभी स्थानों को बंद करके घेराबंदी को और अधिक सख्त कर दिया गया तथा लाइटें भी लगा दी गईं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी अंधेरे और घनी झाड़ियों का लाभ उठाकर घेराबंदी से बचकर भाग न जाए। सुबह होते ही, श्री सुनील सिंह – जेकेपीएस 127947 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) वड़ूरा के नेतृत्व में निरीक्षक पर्वीन कुमार सं. एआरपी – 085601, हेड कांस्टेबल मोहम्मद सादिक़ कुरेशि सं. 235/एसपीआर, एस.जी.सीटी. महादीप सिंह सं. 693/आईआरपी 05वीं बटालियन, सिपाही महज़ूर अहमद सं. 686/एसपीआर, सिपाही इरशाद अहमद सं. 784/एसपीआर, एसपीओ फरहत मुशताक सं. 757/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल रशीद सं. 766/एसपीओ और एसपीओ शम्स तबरेज सं. 490/एसपीओ - एसजीआर वाली पुलिस/सेना और सीआरपीएफ की एडवांस संयुक्त टीम तथा श्री मोहम्मद अमीन भट- जेकेपीएस 125758 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) सोपोर के नेतृत्व में निरीक्षक आजिम इक्बाल सं. ईएक्सके- 115658, सिपाही अब्दुल कयूम वानी सं. 829/एसपीआर, सिपाही इश्तियाक अहमद सं. 793/एसपीआर, सिपाही गुलाम हस्सन सं. 783/एसपीआर, एसपीओ नासिर हुस्सैन सं. 738/एसपीओ और एसपीओ आदिल फारूक सं. 244/एसपीओ वाली बैकअप पार्टी द्वारा पुनः तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसके दौरान आतंकवादी से संपर्क स्थापित हो गया और घिरे हुए उस आतंकवादी ने अपने अत्याधुनिक हथियारों से दोबारा गोलीबारी शुरू कर दी, तथापि घिरे हुए आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु उसने चेतावनी को तुरंत नजरअंदाज कर दिया और उसने एडवांस पार्टी पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी तथा एडवांस पार्टी ने भी इस गोलीबारी का जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप वहां पर बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। यद्यपि वह क्षेत्र घनी आबादी वाला क्षेत्र था और अपनी ओर भी क्षति होने की पूरी संभावना थी, तथापि उक्त अधिकारी श्री सुनील सिंह- जेकेपीएस 127947 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) वड़ूरा ने विधिवत सोच-विचार करके और ऑपरेशन के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम का नेतृत्व किया तथा वे अंतिम और निर्णायक हमला करने के लिए स्वयं आगे आए। एडवांस पार्टी ने सुनियोजित रणनीति के अनुसार लक्षित घर की ओर आगे बढ़ना शुरू कर दिया, जिसके दौरान आतंकवादी ने दोनों संयुक्त पार्टियों पर भारी गोलीबारी की, परन्तु श्री सुनील सिंह- जेकेपीएस- 127947 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) वड़ूरा के नेतृत्व वाली एडवांस पार्टी ने अपना हौसला नहीं खोया और श्री मोहम्मद अमीन भट- जेकेपीएस 125758 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) सोपोर के नेतृत्व वाली बैक-अप पार्टी की कवर गोलीबारी में रेंगते हुए लक्षित घर की ओर आगे बढ़ते रहे।

जैसे ही संयुक्त पार्टी लक्षित घर के पास पहुंची, तभी वहां पर छिपे हुए आतंकवादी ने यह भांपते हुए कि सुरक्षा बल अंतिम एवं आक्रामक हमले के लिए लक्षित घर के भीतर प्रवेश करने वाले हैं, एडवांस पार्टी पर गोलियों की बौछार करते हुए तुरंत एक खिड़की से घर के बाहर छलांग लगा दी, परन्तु एडवांस पार्टी, विशेष रूप से श्री सुनील सिंह- जेकेपीएस- 127947 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) वड़ूरा, निरीक्षक पर्वीन कुमार सं. एआरपी-085601 और हेड कांस्टेबल मोहम्मद सादिक़ कुरेशि सं. 235/एसपीआर ने बैकअप पार्टी, विशेष रूप से श्री मोहम्मद अमीन भट- जेकेपीएस 125758 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) सोपोर, निरीक्षक आजिम इक्बाल सं. ईएक्सके – 115658 और सिपाही अब्दुल कयूम वानी सं. 829/एसपीआर द्वारा प्रदान की गई यथोचित कवर फायरिंग की सहायता से उच्चकोटि के साहस, दृढ़ निश्चय एवं पेशेवरता का प्रदर्शन करते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना एक चट्टान की तरह डटकर प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई की और वहां पर हुई बंदूक की लड़ाई में प्रतिबंधित जेईएम (जैश-ए-मोहम्मद) आतंकी संगठन के सजाद नवाब डार, पुत्र स्व. मोहम्मद नवाब डार, निवासी सैदपोरा सोपोर जिला बारामूला के एक स्थानीय खूंखार आतंकवादी को ढेर कर दिया गया। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन सोपोर में आईपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 68/2020 दर्ज है।

उपर्युक्त क्षेत्र सेब के बगीचों से घिरा हुआ घनी आबादी वाला क्षेत्र था, जो सदैव आतंकवादियों की गतिविधियों एवं उनकी मौजूदगी के लिए एक पसंदीदा स्थान रहा है और अपनी ओर किसी क्षति के बिना ऐसे कठिनाई भरे क्षेत्र में आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन चलाना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती थी, परन्तु श्री सुनील सिंह – जेकेपीएस 127947 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) वड़ूरा, निरीक्षक पर्वीन कुमार सं. एआरपी-085601 और हेड कांस्टेबल मोहम्मद सादिक़ कुरेशि सं.235/एसपीआर द्वारा प्रदर्शित अदम्य वीरता, नेतृत्व के गुण, पेशेवरता और अतुलनीय दृढ़ निश्चय के परिणामस्वरूप यह ऑपरेशन अपनी ओर किसी क्षति के बिना लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक खूंखार आतंकवादी के सफाए के साथ समाप्त हुआ और इस प्रकार उक्त अधिकारियों एवं कार्मिकों ने भारत की सुरक्षा/संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखने के लिए इस ऑपरेशन में अपनी जान को गंभीर खतरे में डाल दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री सुनील सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, पर्वीन कुमार, निरीक्षक और मोहम्मद सादिक़ कुरेशि, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/159/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 254-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद अमीन भट	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	आज़िम इक़्बाल	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	मंज़ूर अहमद मल्ला	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	महज़ूर अहमद ग़नैई	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.06.2020 को, हरदिशिवा क्षेत्र के गांव रेशीपोरा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे एक विश्वसनीय सूचना के आधार पर, सोपोर पुलिस, सेना की 22-आरआर और सीआरपीएफ की 92/179/177 बटालियन द्वारा लगभग 05:05 बजे उस क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी एवं तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया। जब घेराबंदी की जा रही थी, तभी एक रिहायशी घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की और मौके से बचकर भागने का प्रयास किया, परन्तु सुरक्षा बलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की और उन्हें एक रिहायशी घर में वापस लौटने पर विवश कर दिया। चूंकि, यह ऑपरेशन भोर से पहले लगभग 05:05 बजे शुरू किया गया था, इसलिए लोग गहरी नींद में सोए हुए थे और यदि उसी समय जवाबी कार्रवाई की जाती, तो आम नागरिकों के हताहत होने की पूरी संभावना थी। अतः, यह निर्णय लिया गया कि छिपे हुए आतंकवादियों पर आक्रामक हमला करने से पहले, वहां फंसे हुए सभी आम नागरिकों को बचाकर बाहर निकाला जाए। तदनुसार, श्री मोहम्मद अमीन भट-जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) सोपोर के नेतृत्व में निरीक्षक आज़िम इक़्बाल सं. ईएक्सके- 115658, हेड कांस्टेबल मंज़ूर अहमद मल्ला सं. 292/एसपीआर, एस.जी.सीटी. चानबीर सिंह सं. 44/एसपीआर, सिपाही महज़ूर अहमद ग़नैई सं. 868/एसपीआर, सिपाही जहूर अहमद सं. 797/एसपीआर, सिपाही अब्दुल रशीद सं. 798/एसपीआर, सिपाही ऐजाज अहमद

सं. 806/एसपीआर, एसपीओ इमरान अहमद सं. 418/एसपीओ-एसजीआर, एसपीओ मेहराज-उद-दीन सं. 313/एसपीओ, एसपीओ फिरदौस अहमद सं. 800/एसपीओ, एसपीओ वसीम अकरम सं. 88/एसपीओ तथा एसपीओ मोहम्मद सादिक सं. 546/एसपीओ के साथ एडवांस पार्टी के रूप में और श्री सुनील सिंह- जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) वडूरा के नेतृत्व में उप निरीक्षक सजाद अहमद ग़नैई सं. एआरपी-109307, उप निरीक्षक शम्स-उद-दीन खान सं. 103/टी, हेड कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद भट सं. 749/एसपीआर, हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद भट सं. 709/एसपीआर, एस.जी.सीटी. सैयद आरिफ जिया सं. 788/एसपीआर, सिपाही निसार अहमद सं. 830/एसपीआर, सिपाही जाविद अहमद सं. 861/एसपीआर, सिपाही मंज़ूर अहमद सं. 733/एसपीआर, सिपाही इश्तियाक अहमद शैख सं. 793/एसपीआर, एसपीओ प्रदीप कुमार सं. 177/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद अल्ताफ सं. 54/एसपीओ-आरबीएन, एसपीओ यासर समद सं. 458/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद रमजान सं. 762/एसपीओ तथा एसपीओ फैजान असादुल्ला सं. 748/एसपीओ के साथ बैकअप पार्टी के रूप में पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की दो संयुक्त टीमें गठित की गईं और उन्हें फंसे हुए सभी आम नागरिकों को बचाकर बाहर निकालने का कार्य सौंपा गया। संयुक्त पार्टी हरकत में आई तथा फंसे हुए सभी आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला और निकासी की प्रक्रिया के दौरान भी छिपे हुए आतंकवादियों ने संयुक्त पार्टी पर छिट-पुट गोलीबारी की, परन्तु पार्टी ने अपना हौसला नहीं छोड़ा और प्रत्येक आम नागरिक को उक्त क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाले जाने तक अपनी कार्रवाई जारी रखी। आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिए जाने के बाद, प्रवेश और निकास के सभी मार्गों को बंद करके घेराबंदी को और अधिक सख्त कर दिया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छिपे हुए आतंकवादी मौके से बचकर भाग न पाएं। ऑपरेशन वाला क्षेत्र अत्यधिक ऊबड़-खाबड़ था और लक्षित घर भी पहाड़ी की तलहटी में स्थित था। इसलिए अपनी ओर किसी क्षति के बिना आतंकवादियों का पता लगाना बहुत मुश्किल था। अतः, सेना और सीआरपीएफ के समकक्ष अधिकारियों के साथ विधिवत सोच-विचार के बाद, सर्वसम्मति से पार्टी को अंतिम हमले के लिए लक्षित घर की ओर आगे भेजने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, श्री मोहम्मद अमीन भट- जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) सोपोर के नेतृत्व में निरीक्षक आज़िम इक़्बाल सं. ईएक्सके- 115658, हेड कांस्टेबल मंज़ूर अहमद मल्ला सं. 292/एसपीआर, एस.जी.सीटी. चानबीर सिंह सं. 44/एसपीआर, सिपाही महज़ूर अहमद ग़नैई सं. 868/एसपीआर, सिपाही जहूर अहमद सं. 797/एसपीआर, सिपाही अब्दुल रशीद सं. 798/एसपीआर, सिपाही ऐजाज अहमद सं. 806/एसपीआर, एसपीओ इमरान अहमद सं. 418/एसपीओ-एसजीआर, एसपीओ मेहराज-उद-दीन सं. 313/एसपीओ, एसपीओ फिरदौस अहमद सं. 800/एसपीओ, एसपीओ वसीम अकरम सं. 88/एसपीओ तथा एसपीओ मोहम्मद सादिक सं. 546/एसपीओ वाली एडवांस संयुक्त पार्टी ने आक्रामक हमले के लिए स्वेच्छा से लक्षित घर की ओर आगे बढ़ने का निर्णय लिया। इसलिए, सुनियोजित रणनीति के अनुसार, संयुक्त एडवांस पार्टी हरकत में आई और रेंगकर लक्षित घर की ओर बढ़ना शुरू कर दिया तथा श्री सुनील सिंह- जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) वडूरा के नेतृत्व में उप निरीक्षक सजाद अहमद ग़नैई सं. एआरपी-109307, उप निरीक्षक शम्स-उद-दीन खान सं. 103/टी, हेड कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद भट सं. 749/एसपीआर, हेड

कांस्टेबल बिलाल अहमद भट सं. 709/एसपीआर, एस.जी.सीटी. सैयद आरिफ जिया सं. 788/एसपीआर, सिपाही निसार अहमद सं. 830/एसपीआर, सिपाही जाविद अहमद सं. 861/एसपीआर, सिपाही मंज़ूर अहमद सं. 733/एसपीआर, सिपाही इश्तियाक अहमद शैख सं. 793/एसपीआर, एसपीओ प्रदीप कुमार सं. 177/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद अल्ताफ सं. 54/एसपीओ-आरबीएन, एसपीओ यासर समद सं. 458/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद रमजान सं. 762/एसपीओ तथा एसपीओ फैजान असादुल्ला सं. 748/एसपीओ वाली पुलिस/सीआरपीएफ की दूसरी पार्टी को बैकअप गोलीबारी के लिए पीछे रखा गया।

जब संयुक्त पार्टी घिरे हुए आतंकवादियों पर अंतिम हमला करने के लिए लक्षित घर के नजदीक पहुंचने वाली थी, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादी यह भांपने के बाद कि सुरक्षा बल अंतिम और आक्रामक हमला करने के लिए लक्षित घर में प्रवेश करने वाले हैं, तुरंत मुख्य द्वार से कूद कर घर के बाहर आ गए और घर से बाहर निकलते समय उन्होंने एडवांस पार्टी पर गोलियों की बौछार की, परन्तु एडवांस पार्टी, विशेष रूप से श्री मोहम्मद अमीन भट-जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) सोपोर के नेतृत्व में निरीक्षक आज़िम इक़्बाल सं. ईएक्सके 115658, हेड कांस्टेबल मंज़ूर अहमद मल्ला सं. 292/एसपीआर तथा सिपाही महज़ूर अहमद ग़नैई सं. 868/एसपीआर अपनी जान की परवाह किए बिना उच्चकोटि के साहस, दृढ़निश्चय और पेशेवरता का प्रदर्शन करते हुए डटे रहे और गोलीबारी का प्रभावकारी रूप से जवाब दिया तथा खुले क्षेत्र में हुई आमने-सामने से बंदूक की लड़ाई में दो स्थानीय आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया, जिनकी पहचान बाद में वलीद बशीर मीर, पुत्र स्व. बशीर अहमद मीर, निवासी बेहरामपोरा राफियाबाद और बिलाल अहमद पर्रे उर्फ बशरत बाही, पुत्र गुलाम मोहि-उद-दीन पर्रे, निवासी यमबरजलवारी बाला बोनपोरा सोपोर के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए बोमई पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 23 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 48/2020 दर्ज है।

श्री मोहम्मद अमीन भट जेकेपीएस 125758 पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) सोपोर, निरीक्षक आज़िम इक़्बाल ईएक्सके 115658, हेड कांस्टेबल मंज़ूर अहमद मल्ला ईएक्सके 026147 और सिपाही महज़ूर अहमद ग़नैई सं. 868/एसपीआर द्वारा प्रदर्शित विशिष्ट वीरता, पेशेवरता और अतुलनीय दृढ़निश्चय के फलस्वरूप ही यह ऑपरेशन अपनी ओर किसी क्षति के बिना लश्कर-ए-तैयबा संगठन के दो खूंखार आतंकवादियों के सफाए के साथ समाप्त हुआ।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहम्मद अमीन भट, पुलिस उपाधीक्षक, आज़िम इक़्बाल, निरीक्षक, मंज़ूर अहमद मल्ला, हेड कांस्टेबल और महज़ूर अहमद ग़नैई, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/06/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/160/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 255-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अम्रितपाल सिंह, आईपीएस	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	मुश्ताक़ अहमद	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	ऐजाज़ अहमद डार	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.04.2020 को, शोपियां पुलिस ने गांव दियारू, शोपियां में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक खुफिया जानकारी जुटाई। इस सूचना को उच्च फार्मेशनों/सेना की 44 आरआर/सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के साथ साझा किया गया और उक्त गांव की घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। 0320 बजे घेराबंदी करने के बाद तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया। तलाशी ऑपरेशन के दौरान, गांव दियारू, शोपियां के बाहर एक बगीचे में स्थित दो मंजिला भवन में प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हो गई। सर्वप्रथम संदिग्ध घर के चारों ओर घेराबंदी को सख्त कर दिया गया और आतंकवादियों को बचकर भागने से रोकने के लिए शुरूआती अवरोध लगाकर सभी मार्गों को बंद कर दिया गया। इसी बीच, उस क्षेत्र में छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल टीमों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दस्तों ने तत्काल कवर ले लिया और गोलीबारी का प्रभावकारी रूप से जवाब दिया। लक्षित घर बहुत बड़ा था और

विशिष्ट रूप से 10 फीट ऊंची टिन की ऐसी शीटों से सुरक्षित था, जो वहां छिपे हुए आतंकवादियों को काफी अधिक सुरक्षा प्रदान कर रही थीं तथा आतंकवादियों का पता लगाने में ऑपरेशनल पार्टियों के समक्ष रणनीतिक दृष्टि से बाधा उत्पन्न कर रही थीं। इन टिन की शीटों को हटाने वाले कार्मिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक भारी कवर गोलीबारी करके इस बाधा को दूर करने का निर्णय लिया गया; तदनुसार पुलिस, आरआर और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों ने टिन की शीट से बनी बाउंड्री को हटाया। दोनों तरफ से हो रही भारी गोलीबारी के कारण टिन की शीट से बने कवर को हटाने में काफी समय लग गया। एक बार बाधा को हटा लेने और गोलीबारी हेतु क्षेत्र बना लेने पर, वहां छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए इमारत की ओर नियंत्रित गोलीबारी की गई। बचकर भागने के प्रयास में, उनमें से एक आतंकवादी घर से बाहर आया और उसने ऑपरेशनल पार्टियों पर भारी गोलीबारी की। ऑपरेशनल पार्टियों ने आतंकवादी को यथोचित रूप से जवाब देते हुए उसे घायल कर दिया और वह आतंकवादी वापस घर के भीतर भाग गया।

स्थिति का विश्लेषण करने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां ने सैन्य दस्तों को सतर्क कर दिया और उन्हें रणनीतिक स्थानों पर तैनात कर दिया। इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए, श्री अम्रितपाल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां, आईपीएस145795 और श्री माजद अली, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर की कमान में दो हमलावर समूहों का गठन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में एस.जी.सीटी ऐजाज़ अहमद डार सं. 543/एसपीएन (ईएक्सके-145563), सिपाही गुलाम मोहम्मद सं. 514/एसपीएन, सिपाही उत्तम कुमार सं. 231/आईआरपी 18वीं बटालियन, सिपाही मुजफ्फर अहमद सं. 880/एसपीएन, सिपाही तहजीम खान सं. 867/एपी 8वीं बटालियन तथा एसपीओ जावेद अहमद सं. 319/एसपीएन वाले प्रथम समूह ने मोर्चा संभाल लिया और 44 आरआर एवं सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की क्यूआरटी लक्षित घर के सामने की ओर तैनात रही, जबकि श्री माजद अली, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर के नेतृत्व में उप निरीक्षक इम्तियाज अहमद सं. एआरपी 115628, सहायक उप निरीक्षक मुश्ताक़ अहमद सं. 62/एसपीएन (ईएक्सके-961421), एस.जी.सीटी. संजीव सिंह सं. 565/एपी 12वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. जनक राज सं. 676/एपी 14वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. बशीर-उल-रमजान सं. 481/एपी 8वीं बटालियन, एसपीओ अफाक रशीद सं. 311/एसपीएन, एसपीओ कुलदीप सिंह सं. 175/जीबीएल और 44 आरआर एवं सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की टीम वाले दूसरे समूह ने लक्षित घर के पीछे की ओर पोजीशन संभाल ली।

पहली प्राथमिकता उक्त घर के निवासियों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने की थी। तदनंतर, ऑपरेशनल कमांडर श्री अम्रितपाल सिंह- आईपीएस के नेतृत्व में संयुक्त ऑपरेशनल टीम अन्य सैन्य दस्तों की कवर गोलीबारी में रणनीतिक ढंग से घर के निवासियों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में सफल हो गई। घर के निवासियों को बचाकर बाहर निकालने के बाद, घेराबंदी को और भी अधिक सख्त कर दिया गया तथा आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इसके बदले हमलावर समूहों पर गोलीबारी कर दी तथा मौके से बचकर भागने का प्रयास किया, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां, उप निरीक्षक इम्तियाज अहमद एआरपी 115628 और सहायक उप निरीक्षक मुश्ताक़ अहमद सं. 62/एसपीएन बाल-बाल बच गए। इस पर वरिष्ठ पुलिस शोपियां, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केल्लर एवं अन्य कार्मिक अपनी बहुमूल्य जान की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़े और जवाबी कार्रवाई के दौरान हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन का एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया, जिसकी पहचान बाद में आशिफ अहमद डार, पुत्र गुलाम मोहम्मद डार, निवासी आरामबाग, बाटापोरा शोपियां के रूप में की गई। तथापि, दूसरा आतंकवादी, जो अभी छिपने के ठिकाने में था, सुरक्षा बलों को व्यस्त रखने के इरादे से नियमित अन्तराल पर सैन्य दस्तों पर गोलीबारी करता रहा, ताकि वह घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भाग सके। वहां पर सन्नाटा छा गया और छिपने के ठिकाने में मौजूद आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु उसने ग्रेनेड फेंके और वह सैन्य दस्तों के ऊपर नियमित अंतराल पर गोलीबारी करता रहा। अपराह्न में दूसरी ओर से गोलीबारी रूक गई। सैन्य दस्तों ने कुछ समय तक इंतजार किया और जब लक्षित घर से गोलीबारी रूक गई, तो यह मान लिया गया कि घर के भीतर मौजूद आतंकवादी का भी सफाया हो गया है। तत्पश्चात, उक्त घर की तलाशी करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के पर्यवेक्षण में पुलिस, आरआर और सीआरपीएफ की एक संयुक्त पार्टी का गठन किया गया। जैसे ही पार्टियां लक्षित घर के मुख्य द्वार पर पहुंची, घिरे हुए आतंकवादी ने उन्हें मारने के इरादे से ग्रेनेड फेंके और उसके बाद अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें सर्च पार्टियां बाल-बाल बच गईं। तथापि, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में पुलिस पार्टी ने बहादुरी और समर्पण के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन के एक अन्य अज्ञात आतंकवादी का भी सफाया हो गया, जिसकी पहचान बाद में राहिल हमीद, पुत्र अब्दुल हमीद माग्रे, वासी गनोवपोरा, कीगम शोपियां (ए-श्रेणी) के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, शोपियां पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 62/2020 दर्ज है।

श्री अम्रितपाल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां आईपीएस-145795, उप निरीक्षक इम्तियाज अहमद सं. एआरपी115628, सहायक उप निरीक्षक मुश्ताक़ अहमद सं. 62/एसपीएन (ईएक्सके-961421), एस.जी.सीटी. ऐजाज़ अहमद डार सं. 543/एसपीएन (ईएक्सके-145563), कांस्टेबल उत्तम कुमार सं. 231/आईआरपी 18वीं बटालियन, सिपाही गुलाम मोहम्मद सं. 514/एसपीएन, सिपाही तहज़ीम खान सं. 867/एपी 8वीं बटालियन और सिपाही मोहम्मद अशरफ सं. 500/आईआरपी 19वीं बटालियन अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों से दक्षतापूर्वक और बुद्धिमानी से लड़े और इनके द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता तथा असाधारण साहस सराहनीय है, क्योंकि अत्यधिक विपरीत स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। इन अधिकारियों/कार्मिकों ने घर के सदस्यों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने में साहस का प्रदर्शन किया। यद्यपि आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने का भरसक प्रयास किया, फिर भी इसमें ये सभी अधिकारी/कार्मिक बाल-बाल बच गए। तथापि, ये अधिकारी/कार्मिक अपनी एकाग्रता खोए बिना और अपनी बुद्धि

का अच्छी तरह से इस्तेमाल करते हुए बहादुरी से लड़े और उनके नापाक मंसूबों को विफल कर दिया। ऐसी नाजुक स्थिति में ऑपरेशन स्थल पर सुरक्षित रूप से इस मिशन को पूरा करना वर्तमान ऑपरेशन की मुख्य विशेषता रही है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री अम्रितपाल सिंह, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुश्ताक़ अहमद, सहायक उप निरीक्षक और ऐजाज़ अहमद डार, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/163/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 256-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अब्दुल लतीफ शब्नम	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	बशीर-उल-रम्ज़ान	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	मोहम्मद यौनिस धोबि	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	पर्वीन सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21.04.2020 को, शोपियां पुलिस को किसी गुलाम हसन मलिक, पुत्र अम्मा मलिक, निवासी मेलहुरा जैनपोरा के घर में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई और 55 आरआर एवं सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की सहायता से लक्षित घर के चारों ओर घेराबंदी कर दी गई। परिणाम-उन्मुखी ऑपरेशन के लिए दो तलाशी पार्टियों का गठन किया गया, जिसमें से एक पार्टी का गठन श्री औमर इक्बाल-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी जैनपोरा के नेतृत्व में और दूसरी पार्टी का गठन उप निरीक्षक अब्दुल लतीफ शब्नम सं. ईएक्सके-115708, एसएचओ पुलिस स्टेशन जैनपोरा के नेतृत्व में किया गया। इसी बीच, ऑपरेशनल कमांडर श्री अम्रितपाल सिंह-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां ने उक्त घर के मालिक और उनके परिवार के सदस्यों को घर से बाहर आने के लिए कहा और जब वे घर से निकलने ही वाले थे, तभी उक्त घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने विभिन्न दिशाओं से एडवांस टीमों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके कारण उस घर के मालिक और उनके परिवार के सदस्य लक्षित घर के भू-तल में फंस गए। उनकी गोलीबारी का जवाब दिया गया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां ने आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने और फंसे हुए परिवार के सदस्यों को बाहर निकलने की अनुमति देने के लिए कहा, परन्तु उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। इसी बीच, सर्वप्रथम वहां फंसे हुए परिवार के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकालने का निर्णय लिया गया और इस उद्देश्य से श्री औमर इक्बाल जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक जैनपोरा के नेतृत्व में एस.जी.सीटी मंजूर अहमद सं. 270/एसपीएन, एस.जी.सीटी. इश्तियाक अहमद सं. 760/आईआरपी 16वीं बटालियन तथा सिपाही दीपक कुमार सं. 3871/एस और आरआर एवं सीआरपीएफ की सैन्य टुकड़ियों के साथ ऑपरेशनल पार्टियां लक्षित घर की ओर आगे बढ़ीं। जैसे ही पार्टी ने घर के परिसर में प्रवेश किया, वह दो अलग-अलग दिशाओं से भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई, जिसमें पार्टी बाल-बाल बच गई। तथापि, उप निरीक्षक अब्दुल लतीफ शब्नम ईएक्सके-115708 एसएचओ पुलिस स्टेशन जैनपोरा के नेतृत्व में एस.जी.सीटी बशीर-उल-रमजान सं. 481/एपी 8वीं बटालियन एआरपी-066082, सिपाही मोहम्मद यौनिस धोबि सं. 809/आईआरपी 8वीं बटालियन एआरपी-175624 तथा सिपाही पर्वीन सिंह सं. 810/आईआरपी 11वीं बटालियन एआरपी-105785 वाली दूसरी ऑपरेशनल पार्टी ने आतंकवादियों को उलझाए रखा और पहली पार्टी कमरे में प्रवेश करने के लिए सावधानीपूर्वक आगे बढ़ी।

एडवांस पार्टी की गतिविधि को देखकर, वहां पर घिरा हुआ एक आतंकवादी उनका सामना करने के लिए घर से बाहर आ गया। श्री औमर इक्बाल-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी जैनपोरा ने अपनी टीम के साथ आतंकवादी का सामना किया और बंदूक की लड़ाई में उसे मार गिराया। एस.जी.सीटी बशीर-उल- रम्ज़ान सं. 481/एपी 8वीं बटालियन, सिपाही मोहम्मद यौनिस धोबि सं. 809/आईआरपी 8वीं बटालियन तथा सिपाही पर्वीन सिंह सं. 810/आईआरपी 11वीं बटालियन सहित उप निरीक्षक अब्दुल लतीफ शब्नम एसएचओ पुलिस स्टेशन जैनपोरा वाली पार्टी ने सावधानीपूर्वक उक्त घर में प्रवेश किया, तथापि उन्हें एक अन्य आतंकवादी द्वारा चुनौती दी गई, जो बरामदे में

छिपा हुआ था। पुलिस पार्टी ने सीढ़ियों के पीछे आड़ ले ली और उस पर गोलीबारी की तथा बंदूकों की लड़ाई के बाद सफलतापूर्वक उसका सफाया कर दिया। ऑपरेशनल टीमों ने, वहां फंसे हुए परिवार के सदस्यों को लक्षित घर से भागने का अवसर मिलने तक, जीवित बचे आतंकवादियों को बंदूक की लड़ाई में उलझाए रखा। परिवार के कुछ सदस्य सदमे में थे और वे चलने में भी असमर्थ थे। उप निरीक्षक अब्दुल लतीफ शब्नम ईएक्सके- 115708 के नेतृत्व वाली टीम ने उन्हें अपने कंधों पर उठाया और अपनी जान की परवाह किए बिना उन्हें मुख्य द्वार तक पहुंचाया। उन्हें सुरक्षित रूप से बाहर निकालने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, श्री औमर इक्बाल-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी जैनपोरा के नेतृत्व वाली एडवांस पार्टी ने सावधानीपूर्वक लक्षित घर में प्रवेश किया। तथापि, संयुक्त ऑपरेशनल पार्टी ने अत्यधिक सावधानी बरतते हुए प्रभावकारी/पेशेवर तरीके से तथा निपुणता के साथ उनकी गोलीबारी का जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप आमने-सामने की भीषण लड़ाई शुरू हो गई, जो दो अन्य आतंकवादियों के सफाए के साथ समाप्त हुई। वर्तमान मामले की जांच के दौरान, मारे गए आतंकवादियों की पहचान तारिक अहमद भट (एलईटी संगठन), पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला भट, निवासी खासीपोरा शोपियां, बशरत अहमद शाह (एजीएच संगठन), पुत्र मोहम्मद अकबर शाह, निवासी निकलूरा पुलवामा, वकील अहमद डार (जेईएम संगठन), पुत्र गुलाम नबी डार, निवासी निकलूरा पुलवामा और उजैर अमीन भट (एचएम संगठन), पुत्र मोहम्मद अमीन भट, निवासी चेस्टी कालोनी बारामूला के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन जैनपोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19, 23 एवं 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 28/2020 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री अब्दुल लतीफ शब्नम, उप निरीक्षक, बशीर-उल-रम्ज़ान, एस.जी.सीटी., मोहम्मद यौनिस धोबि, सिपाही और पर्वीन सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/164/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 257-प्रेज2022/-राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद मुज़फ्फर जान	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	प्रेम पाल	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	मुश्ताक़ अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.07.2020 को कुलगाम पुलिस को मुश्ताक़ अहमद भट, पुत्र-गुल मोहम्मद भट, निवासी- अर्रेह मोहनपोरा के आवासीय घर में आतंकवादियों के मौजूद होने के संबंध में विशेष सूचना मिली। कुलगाम पुलिस, 09 आरआर और 18वीं बटालियन सीआरपीएफ ने उक्त गांव को घेर लिया और तलाशी ऑपरेशन शुरू किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कुलगाम की देखरेख में और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कुलगाम की समग्र कमांड/कंट्रोल में एक टीम का गठन श्री मोहम्मद मुजफ्फर जान-जेकेपीएस के नेतृत्व में किया गया। इसके बाद, क्षेत्र को सील करने और घेराबंदी करने के लिए एक ऑपरेशनल रणनीति बनाई गई। श्री मोहम्मद मुजफ्फर जान-जेकेपीएस, श्री अरविंद कुमार जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक पीसी कुलगाम के नेतृत्व वाले प्रारंभिक दलों और उनके अपने अनुरक्षकों तथा 9-आरआर एवं 18वीं बटालियन सीआरपीएफ में उनके समकक्षों ने क्षेत्र को घेर लिया और भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद कर दिया। प्रारंभिक घेराबंदी करने और साथ ही इस बात की पुष्टि करने के बाद, कि लक्षित घर में आतंकवादी छिपे हुए हैं, उक्त गांव में घेरेबंदी को और अधिक सुदृढ़ कर लिया गया और तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया। लक्षित घर का पता लगाया गया और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, लेकिन इसके लिए उन्होंने इनकार कर दिया। तलाशी के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों ने आपराधिक मंशा से ऑपरेशनल पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। आगे बढ़ते तलाशी दलों ने भी प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप बंदूक की लड़ाई तेज हो गई। भीषण गोलाबारी शुरू हुई और काफी देर तक चलती रही। पुलिस पार्टी ने धैर्य/सहनशीलता दिखाई और युद्ध का मैदान नहीं छोड़ा। टीमों के बीच तालमेल और पहले से

तैयार की गई रणनीतिक योजना ने प्रभावी ढंग से काम किया। अधिकारी और उनके साथी मौके से नहीं हटे और उन्होंने हिम्मत/बुद्धिमानी दिखाते हुए अलग-अलग तरफ से टारगेट एरिया में घुसकर 02 खूंखार आतंकियों को मार गिराया।

अपने व्यक्तिगत जीवन की सुरक्षा की परवाह किए बिना 02 खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में पुलिस घटक, जिसमे विशेष रूप से श्री गुरिंदरपाल सिंह आईपीएस वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम, श्री मोहम्मद मुजफ्फर जान सं. (जेकेपीएस-116076), पुलिस उपाधीक्षक डीएआर डीपीएल कुलगाम, हेड कांस्टेबल प्रेम पाल सं. 187/आईआरपी-11वीं (एआरपी-951303), हेड कांस्टेबल मुश्ताक़ अहमद सं. 263/आईआर 3 (एआरपी-036732), हेड कांस्टेबल मुजामिल हयात सं. 43/एपी 9वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल मोहम्मद सैय्यद सं. 40/एपी 9वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. रजाक अहमद सं. 508/आईआरपी 6वीं बटालियन, सिपाही जोगिंदर सिंह सं. 821/एपी 9वीं बटालियन, सिपाही मोहम्मद अशफाक सं. 565/आईआरपी 11वीं बटालियन, सिपाही फारूक अहमद सं. 889/केजीएम, सिपाही आशिक हुसैन सं. 839/केजीएम, सिपाही सजाद हुसैन 1047/केजीएम, एसपीओ मोहम्मद आरिफ शेख सं. 424/के, एसपीओ बिलाल अहमद बेग सं. 549/के, एसपीओ मनमीत सिंह सं. 419/के, एसपीओ वीरेंद्र पाल सिंह सं. 609/के, एसपीओ सुहैल अहमद वानी सं. 2014/ए, एसपीओ मोहम्मद शफी सं. ओ6/के, इम्तियाज अहमद गनी सं. 105/के और एसपीओ सजाद अहमद खान सं. 686/के शामिल थे, द्वारा प्रदर्शित तालमेल अनुकरणीय था। विशेष नाका पार्टी ने हिम्मत/बुद्धिमानी दिखाई और संदिग्ध वाहन को रोककर आतंकवादियों के एक सहयोगी को भी गिरफ्तार किया, जो आतंकवादी द्वारा अपराध के लिए इस्तेमाल किए गए वाहन को चला रहा था। इस ऑपरेशन की समाप्ति प्रतिबंधित संगठन के 02 कट्टर आतंकवादियों के खात्मे के साथ हुआ। कुछ और आतंकवादियों का पता लगाने के लिए इलाके की गहन तलाशी ली गई और बाद में इलाके को सेनिटाइज किया गया। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान अली भाई उर्फ अबू उकाशा, निवासी- पाकिस्तान (एचएम संगठन की श्रेणी "ए") और हिलाल अहमद मलिक, पुत्र मोहम्मद मकबूल मलिक, निवासी- ताज़ीपोरा कुलगाम (एचएम संगठन) के रूप में की गई। मारे गए आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया है। इस संबंध में, आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13,16,19, 20 एवं 38 के तहत पुलिस स्टेशन- कुलगाम में मामलागत एफआईआर संख्या 132/2020 दर्ज है।

ऑपरेशनों की लगातार सफलता ने आतंकवादी को अपनी जान बचाने के लिए बैकफुट पर ला दिया। ऊपर उल्लखित कार्मिकों समेत जिला- कुलगाम के अधिकारियों/कर्मचारियों के अथक प्रयासों से 02 खूंखार आतंकवादियों के खात्मे के साथ ही इस विशेष ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहम्मद मुज़फ्फर जान, पुलिस उपाधीक्षक, प्रेम पाल, हेड कांस्टेबल और मुश्ताक़ अहमद, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/166/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 258-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद यौसिफ	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	सुरिंदर मोहन	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	खलिल-उ-रेहमान	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.04.2020 को कुलगाम पुलिस को इस संबंध में विशेष सूचना मिली कि लोवरमुंडा गांव में अब्दुल गनी शेख, पुत्र अब्दुल समद शेख, दामाद-अली मोहम्मद, निवासी- मटनपोरा लोवरमुंडा काजीगुंड के घर में कुछ अज्ञात आतंकवादी छिपे हुए हैं। पुलिस अधीक्षक कुलगाम की समग्र कमान के तहत श्री मोहम्मद यौसिफ (केपीएस-017324), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुलगाम और श्री सुरिंदर मोहन

(जेकेपीएस 155786), पुलिस उपाधीक्षक (पीसी) मीरबाजार के नेतृत्व में दो विशेष कॉडन एवं सर्च टीमें बनाई गईं। इसके बाद, क्षेत्र को सील करने और घेरने के लिए एक ऑपरेशनल रणनीति बनाई गई। प्रारंभिक दलों ने क्षेत्र की घेराबंदी की और भागने के सभी संभावित मार्गों को सील/बंद कर दिया। प्रारंभिक घेराबंदी करने के बाद और उस घर में आतंकवादियों के छिपे होने की पुष्टि होने पर उक्त गांव में घेराबंदी को मजबूत किया गया और तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया।

लक्ष्य के आसपास के घरों की रणनीतिक दृष्टि से गहन तलाशी ली गई। विशेष रूप से श्री मोहम्मद यौसिफ (केपीएस 017324), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुलगाम के नेतृत्व वाली ऑपरेशनल पार्टी, जिसमें एस.जी.सीटी. खलिल-उ-रेहमान सं. 985/केजीएम (ईएक्सके 116602) सम्मिलित थे और श्री सुरिंदर मोहन (जेकेपीएस 155786), पुलिस उपाधीक्षक (पीसी) मीरबाजार के नेतृत्व वाली दूसरी टीम ने सभी जोखिम उठाते हुए, वहां रहने वाले नागरिकों को देर रात में बाहर निकाल कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया। लक्षित घर का पता लगा लिया गया और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिसे उन्होंने नकार दिया। तलाशी के दौरान, छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टी पर उन्हें मारने की नीयत से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। एडवांस सर्च पार्टियों द्वारा गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप मुठभेड़ शुरू हुई।

पुलिस पार्टी ने धैर्य और संयम का परिचय दिया गया और एक इंच भी पीछे नहीं हटे। इसके कारण, आतंकवादियों को अंधाधुंध गोलीबारी करनी पड़ी और वे कई तरफ से सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए मजबूर हो गए, क्योंकि उनकी संख्या 03 थी। टीमों के बीच तालमेल और पहले से तैयार रणनीतिक योजना ने प्रभावी ढंग से कार्य किया; तथापि रूक-रूक कर गोलीबारी चल रही थी। लेकिन अधिकारी अपने साथियों के साथ मौके से नहीं हटे और उन्होंने हिम्मत दिखाई तथा अलग-अलग दिशाओं से लक्ष्य क्षेत्र में घुस गए और एक आतंकवादी को मार गिराया, जो उनकी ओर एक ग्रेनेड फेंककर मुठभेड़ स्थल से भागने की कोशिश कर रहा था। अन्य दो आतंकवादियों ने पास में ही पनाह ले ली और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। दोनों टीमें गोलीबारी के दायरे में थीं और उन्होंने आतंकवादियों को भागने नहीं दिया। अंततः संयुक्त ऑपरेशनल टीम द्वारा अन्य दो आतंकवादियों को भी मार दिया गया। फ्रंट लाइन ऑपरेशनल पार्टी में श्री मोहम्मद शफीक, एसडीपीओ काजीगुंड केपीएस-116207, एस.जी.सीटी. सैयद सजाद हुसैन शाह 1504/बी ईएक्सके116181, एस.जी.सीटी. रोहित कुमार छिब सं. 944/केजीएम ईएक्सके 118896, हेड कांस्टेबल औरंगजेब सं. 207/आईआरपी 11वीं बटालियन एस.जी.सीटी. मोहम्मद आरिफ सं. 571/केजीएम, एस.जी.सीटी. हिलाल अहमद सं. 106/आईआरपी 11वीं बटालियन, एस.जी.सीटी. सजाद हुसैन सं. 807/ए, एस.जी.सीटी. मंजूर अहमद सं. 1851/ए, एस.जी.सीटी. ओमर बशीर सं. 1419/ए, सुखमिंदर सिंह सं. 2026/एसपीओ, मोहम्मद इशाक सं. 564/एसपीओ, मोहम्मद यासीन सं. 367/एसपीओ, मुहम्मद इरफान सं. 18/एपी 9वीं बटालियन, एसपीओ शब्बीर अहमद सं. 678/के, एसपीओ आकिब हुसैन 478/के, एसपीओ रफीक अहमद सं. 201/के, एसपीओ वजीर अहमद सं. 409/के, एसपीओ मोहम्मद अशरफ सं. 263/के, एसपीओ सब्जार अहमद सं. 635/के भी सहायता कर रहे थे। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना इन खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में अनुकरणीय भूमिका निभाई। मारे गए आतंकवादियों की पहचान रेयाज अहमद इटू, पुत्र- मोहम्मद अकबर इटू, निवासी- संग्रान काजीगुंड, बिलाल अहमद वागे, पुत्र- बशीर अहमद वागे, निवासी- पंजगाम और आसिफ अहमद डार, पुत्र- अब्दुल मजीद डार, निवासी- डांगेरपोरा काकापोरा के रूप में हुई थी।

मुठभेड़ के दौरान राष्ट्र विरोधी तत्वों द्वारा उपद्रवियों को एकत्र करने की प्रवृत्ति रही थी, जिस कारण मुठभेड़ स्थल पर प्रभावी कानून और व्यवस्था ग्रिड तैनात करके इसे काफी हद तक विफल कर दिया गया और किसी प्रकार की भीड़ को बढ़ने नहीं दिया गया और ऑपरेशन सुचारू रूप से चलाया गया। इन आतंकवादियों की मौत प्रतिबंधित "हिजबुल मुजाहिदीन" आतंकी संगठन के ढांचे और कार्यप्रणाली के लिए एक बड़ा झटका था। इस वीरतापूर्ण कार्रवाई से हमारे वीर अधिकारियों/कार्मिकों ने एक बड़े आतंकी खतरे को समाप्त कर दिया।

मारे गए आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया है। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन काजीगुंड में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/25 तथा विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 116/2020 दर्ज है।

उपरोक्त अधिकारियों के साथ जिला कुलगाम के अधिकारियों/कार्मिकों के अथक प्रयासों से 03 खूंखार आतंकियों के सफाए के साथ इस विशेष ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। संस्तुत अधिकारियों ने अपने सामान्य कर्तव्यों से आगे बढ़कर विशिष्ट भूमिका निभाई और वीरतापूर्ण कार्रवाई की।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहम्मद यौसिफ, पुलिस अधीक्षक, सुरिंदर मोहन, पुलिस उपाधीक्षक और खलिल-उ-रेहमान, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/170/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 259-प्रेज2022/-राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मंज़ूर अहमद	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	शकील-उल-रेहमान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सज्जाद अहमद पर्रे	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.07.2020 को पुलिस कुलगाम को ग्राम- चिम्मर नागनाड में आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी के संबंध में एक विशेष सूचना प्राप्त हुई। कुलगाम पुलिस, 09 आरआर और 18वीं बटालियन सीआरपीएफ ने उक्त गांव को घेर लिया और घर-घर जाकर तलाशी शुरू दी। श्री मोहम्मद यूसिफ-जेकेपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुलगाम की देखरेख में और श्री गुरिंदरपाल सिंह-आईपीएस पुलिस अधीक्षक कुलगाम की समग्र कमान एवं नियंत्रण में टीमों का गठन किया गया। इन टीमों का नेतृत्व श्री मोहम्मद मुजफ्फर जान-जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक (डीएआर) डीपीएल कुलगाम और श्री आशक हुसैन-जेकेपीएस एसडीपीओ डीएच पोरा के साथ साथ श्री अरविंद कुमार-जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक पीसी कुलगाम, श्री जोहैब हसन-जेकेपीएस पुलिस उपाधीक्षक पीसी हातीपोरा, श्री सुरिंदर मोहन-जेकेपीएस, पुलिस उपाधीक्षक पीसी मीरबाजार ने किया। आशक हुसैन-जेकेपीएस एसडीपीओ डीएच पोरा के नेतृत्व वाले प्रारंभिक दलों, उनके अपने अनुरक्षकों और 09 आरआर/सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन में उनके समकक्षों ने क्षेत्र की घेराबंदी की और भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद कर दिया। प्रारंभिक घेराबंदी करने और इस बात की पुष्टि करने के बाद कि लक्षित घर में आतंकवादी छिपे हुए हैं, उक्त गांव में घेराबंदी को और अधिक मजबूत कर लिया गया तथा साथ ही तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया। लक्षित घर का पता लगाकर आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिसके लिए उन्होंने इनकार कर दिया। तलाशी के दौरान ही, छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टी को मारने के इरादे से अपने हथियारों से उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। आगे बढ़ते तलाशी दलों ने भी फायरिंग का जबाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप मुठभेड़ शुरू हो गई। भीषण गोलाबारी भी शुरू हुई और काफी देर तक चलती रही। पुलिस पार्टी ने धैर्य/सहनशीलता दिखाई और अपना मोर्चा नहीं छोड़ा। पुलिस टीमों के बीच आपसी तालमेल और पहले से तैयार की गई रणनीतिक योजना ने प्रभावी ढंग से काम किया और इस प्रकार रुक-रुक कर गोलियां चल रही थी। लेकिन अधिकारी और उनके साथी मौके से नहीं हटे। उन्होंने हिम्मत/बुद्धिमानी का प्रदर्शन करते हुए अलग-अलग तरफ से टारगेट एरिया में प्रवेश कर लिया और 03 खूंखार आतंकियों को मार गिराया।

अपनी जान की सुरक्षा की परवाह किए बिना 03 खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में पुलिस घटक, जिसमे विशेष रूप से श्री मोहम्मद मुजफ्फर जान-जेकेपीएस116076, उप निरीक्षक मंज़ूर अहमद सं. 82/एपी7वीं एआरपी 801316, जो वर्तमान में आई/सी डीबी स्क्वाड डीपीएल कुलगाम रूप में तैनात है, सहायक उप निरीक्षक मुख्तार अहमद सं. 70/केजीएम, सहायक उप निरीक्षक सुखदेव सिंह सं. 04 के/आईआर 11वीं, हेड कांस्टेबल मोहम्मद सादिक सं. 55/आईआरपी 11वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद सं. 55/आईआर 11वीं, हेड कांस्टेबल जाविद अहमद सं. 181/केजीएम., एस.जी.सीटी. मोहम्मद अशरफ सं. 255/केजीएम, एस.जी.सीटी. मोहम्मद इशाक दास सं. 405/केजीएम, सिपाही शकील-उल-रेहमान नाइक सं. 740/केजीएम ईएक्सके 168620, सिपाही सज्जाद अहमद पर्रे सं. 934/केजीएम ईएक्सके-111524, सिपाही अश्वनी भान सं. 938/केजीएम, एसपीओ मोहम्मद इमरान नाइक सं. 87/के, एसपीओ मोहम्मद आसिफ सं. 984/आर, एसपीओ मोहम्मद शफी सं. 584/के, एसपीओ मोहम्मद हुसैन सं. 204/के, एसपीओ मुदासिर अहमद सं. 595/के, एसपीओ मोहम्मद इमरान सं. 638/के, एसपीओ अरशद हुसैन सं. 43/के, एसपीओ शाबिर अहमद सं. 443/के, एसपीओ शाबिर अहमद सं. 672/के, लेडी एसपीओ समीह परवीन सं. 474/के, एसपीओ मोहम्मद आरिफ सं. 672/आर, एसपीओ मोहम्मद ताहिर सं. 1065/पी और एसपीओ जावेद अहमद सं. 27/के शामिल थे, ने तालमेल के प्रदर्शन के साथ एक अनुकरणीय भूमिका निभाई। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में अबू बकर उर्फ वालीद उर्फ अबू माविया, निवासी- पाकिस्तान, रौफ अहमद डार, पुत्र- अब हामिद डार, निवासी- आव्हाटू कुलगाम और रईस अहमद नाइक, पुत्र- अली मोहम्मद नाइक, निवासी-चिम्मर कुलगाम के रूप में हुई। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि उप निरीक्षक मंज़ूर अहमद सं. 82/एपी 7वीं बटालियन एआरपी-801316 ने मुठभेड़ के दौरान जिंदा ग्रेनेड और विस्फोटक के खतरे को समाप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए, जिससे नागरिकों के हताहत होने की संभावना समाप्त हो गई।

हालांकि, ये आतंकवादी तीन अलग-अलग संगठनों से जुड़े थे, लेकिन वे स्थानीय ओजीडब्ल्यू के समर्थन से एक साथ मिलकर काम कर रहे थे और सुरक्षा बलों पर हमले करने की योजना बना रहे थे। इन आतंकवादियों की मौत हो जाने से संबंधित प्रतिबंधित आतंकी संगठनों की दांचागत और कार्यात्मक इकाई को एक बहुत बड़ा झटका लगा है, क्योंकि ये संगठन सेवारत पुलिस अधिकारियों और दक्षिण कश्मीर में रहने वाले अन्य कर्मियों पर दबाव बनाना चाहते थे। ये दोनों आतंकवादी कई आपराधिक मामलों में शामिल थे। उनका मुख्य उद्देश्य एवं लक्ष्य अपने संबंधित ओजीडब्ल्यू को उन लोगों को मारने के लिए निर्देशित करना था, जो शांतिप्रिय नागरिक हैं। इस प्रकार उनका उद्देश्य शांति को भंग करना था और लोकतंत्र के समर्थक लोगों के बीच अराजकता पैदा करके लोकतंत्र के मूल प्रहरियों को चोट पहुचाना था। मारे गए आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया है। इस संबंध में, आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की

धारा 7/25, 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20, 38 एवं 39 के तहत पुलिस स्टेशन- डीएच पोरा में मामलागत एफआईआर संख्या 115/2020 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मंज़ूर अहमद, उप निरीक्षक, शकील-उल-रेहमान, सिपाही और सज्जाद अहमद पर्रे, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/172/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 260-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	रमीज़ राजा	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	खुशीद अहमद खान	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	फयाज़ अहमद जुस्कुम	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.08.2020 को लगभग 09:20 बजे, आतंकवादियों ने नवां मोड़, क्रीरी में नाका पार्टी पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप 01 एसपीओ और 02 सीआरपीएफ कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद अन्य सीआरपीएफ और पुलिस कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की और अतिरिक्त सुरक्षा बलों के आने तक उन्हें क्रॉस फायरिंग में उलझाए रखा। यह अतिरिक्त सुरक्षा बल, जिसमें सेना की 29 आरआर एवं सीआरपीएफ की 176वीं बटालियन शामिल थी, और बारामूला पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद बारामूला पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने कुशल तैयारी के साथ एक कार्रवाई योग्य योजना बनाई। एसओजी बारामूला, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टियों द्वारा संदिग्ध क्षेत्र की घेराबंदी की गई और संस्तुत अधिकारियों ने ऑपरेशनल टीम का नेतृत्व किया। सुरक्षा बलों ने एक अत्यंत मजबूत घेरा बनाए जाने तक उच्च स्तर की गोपनीयता को बनाए रखते हुए अपरंपरागत मार्गों को अपनाया। तीन स्तरों में घेरा डालकर इसे मजबूत किया गया और संस्तुत अधिकारी सबसे आगे थे। दोनों ओर से हो रही भारी गोलीबारी के कारण, स्थिति बहुत प्रतिकूल बनी हुई थी, लेकिन सुरक्षा बल, जिनमें संस्तुत अधिकारी भी शामिल थे, इन शत्रुतापूर्ण बाधाओं से निपटने के लिए प्रतिबद्ध थे।

घेराबंदी करने के बाद, दो बचाव दल, एक पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बारामूला श्री मुकेश कुमार कक्कड़ की कमान में और दूसरा श्री रमीज़ राजा पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) क्रीरी की कमान के तहत गठित किए गए। संस्तुत अधिकारी स्वेच्छा से इन दलों का हिस्सा बनने के लिए आगे आए। इन दलों ने सबसे पहले स्थानीय नागरिकों को मुठभेड़ स्थल के आस-पास के घरों से बाहर निकाला लिया। इसके बाद, संयुक्त दलों ने घेराबंदी को सुदृढ़ कर लिया। आतंकवादियों ने संयुक्त दलों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसमें सेना के दो जवान घायल हो गए। आतंकवादियों ने घेरा तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन संयुक्त दलों ने सुरक्षित पोजीशन में रहते हुए अपने जीवन की परवाह किए बिना, प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। श्री मुकेश कुमार कक्कड़ पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बारामूला ने संयुक्त पार्टियों में शामिल एस.जी.सीटी. इरशाद हुसैन सं.720/आईआर 13वीं पीआईडी सं. एआरपी 097579, एस.जी.सीटी. आरिफ रसूल सं. 754/आईआर 13वीं पीआईडी सं. एआरपी 066397, सिपाही शहजाद खान सं.1626/बी ईएक्सके167339 और सिपाही इरफान अब्दुल्ला सं.1703/बी पीआईडी सं. ईएक्सके 175558 को घायल सुरक्षा कर्मियों को बाहर निकालने की जिम्मेदारी सौंपी, जिन्होंने घायल सुरक्षा कर्मियों को बहादुरी से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, जहां से उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

घायल कर्मियों को सुरक्षित निकालने के बाद, हेड कांस्टेबल खुशीद अहमद खान सं. 2167/एस के साथ पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बारामूला श्री मुकेश कुमार कक्कड़ उत्तर दिशा से लक्ष्य स्थल पर पहुंचे, जहां से एक आतंकवादी घनी झाड़ियों से ढके एक गॉर्ज से सुरक्षा बलों पर गोलीबारी कर रहा था। अधिकारी ने श्री रमीज़ राजा, पुलिस उपाधीक्षक ओपीएस क्रीरी और संयुक्त दल के कवर फायर की मदद से एक आतंकवादी को घेर लिया, जिसने सुरक्षा बलों पर हथगोला फेंका और अंधाधुंध फायरिंग की तथा मुठभेड़ स्थल से भागने की कोशिश की, लेकिन श्री मुकेश कुमार कक्कड़ और हेड कांस्टेबल खुशीद अहमद खान सं. 2167/एस ने भी आतंकवादियों पर गोलियां चलाईं और एक आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी पहचान बाद में सज्जाद अहमद मीर उर्फ हैदर लश्करी के रूप में हुई, दूसरे आतंकवादी ने मुठभेड़ स्थल से भागने की

कोशिश की, जबकि श्री मुकेश कुमार कक्कड़ और हेड कांस्टेबल खुशीद अहमद खान सं. 2167/एस ने घायल आतंकवादी का पीछा किया और कई प्रयासों के बाद इसे भी मार गिराया। तीसरा आतंकवादी हथगोले फेंकते हुए और गोलीबारी करते हुए फरार हो गया, जिसमें सेना का 01 जवान घायल हो गया, लेकिन श्री रमीज़ राजा पुलिस उपाधीक्षक ओपीएस क्रीरी और एस.जी.सीटी. फयाज़ अहमद जुस्कुम सं 3928/पीडब्ल्यू ने बहादुरी और चतुराई से उसका पीछा किया और उस पर हमला किया, लेकिन यह आतंकवादी दो बार भागने में कामयाब हो गया। श्री रमीज़ राजा पुलिस उपाधीक्षक, ओपीएस क्रीरी और एस.जी.सीटी. फयाज़ अहमद जुस्कुम सं. 3928/पीडब्ल्यू तीसरी बार फिर उसके करीब आ गए और उन्होंने इस आतंकवादी पर हमला कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप इस आतंकवादी का भी सफाया हो गया।

यहां यह उल्लेख करने योग्य है कि प्रतिकूल स्थिति में भी उपरोक्त संस्तुत अधिकारी जीवन को गंभीर खतरे में डालने वाले कार्य के लिए स्वेच्छा से आगे आए, जबकि इसी कार्य में उनके एक सहयोगी और 04 सुरक्षा कर्मियों को शहादत मिली। संस्तुत अधिकारियों द्वारा प्रदर्शित उल्लेखनीय बहादुरी और साहस के कारण ही, 36 घंटे तक चली इस भारी गोलाबारी के परिणामस्वरूप अंततः 02 स्थानीय और 01 विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया।

बंदूक की इस लड़ाई में, लश्कर-ए-तैयबा संगठन के 03 खूंखार आतंकवादी मारे गए, जिनकी पहचान बाद में सज्जाद अहमद मीर उर्फ हैदर लश्करी पुत्र- गुलाम कादिर मीर, निवासी- बार्थ कलां सोपोर, "ए+" श्रेणी, उस्मान भाई, निवासी- पाकिस्तान, "ए" श्रेणी और अनायतुल्ला मीर उर्फ फ्लैमद लश्करी, पुत्र- मुश्ताक अहमद मीर, निवासी- अंदरगाम पट्टन, "सी" श्रेणी के रूप में हुई।

मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला बारूद बरामद किया गया था। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन-क्रीरी में आईपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 85/2020 दर्ज है। पूरे ऑपरेशन में, श्री रमीज़ राजा केपीएस 125827, हेड कांस्टेबल खुशीद अहमद खान इएक्सके 021665 और एस.जी.सीटी. फयाज़ अहमद जुस्कुम सं.3928/पीडब्ल्यू ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के (03) हार्ड कोर आतंकवादियों को मार गिराने में एक विशिष्ट और प्रशंसनीय भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री रमीज़ राजा, पुलिस उपाधीक्षक, खुशीद अहमद खान, हेड कांस्टेबल और फयाज़ अहमद जुस्कुम, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/08/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/173/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 261-प्रेज2022/—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ऐजाज़ अहमद	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार
2	यौनिस खान	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	परवैज़ अहमद शाह	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.04.2020 को, पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा को विश्वसनीय स्रोतों से विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई, कि गांव गोरीपोरा अवंतीपोरा में एक व्यक्ति नामशः मंसूर अली सोफी, पुत्र- अली मोहम्मद सोफी, निवासी- गोरीपोरा आतंकवादियों के सहयोगी के रूप में काम कर रहा है और वह आतंकवादियों को इस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियां चलाने के लिए सहायता प्रदान कर रहा है और यह भी कि आतंकवादियों के उक्त सहयोगी ने उनके लिए एक ठिकाना भी बनाया है और उसे गोरीपोरा क्षेत्र में उक्त ठिकाने के आस पास के स्थान की समस्त जानकारी है।

जांच के दौरान पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा ने 50 आरआर और 130वीं बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से गांव- गोरीपोरा के बागों में तलाशी ऑपरेशन शुरू किया। तुरंत ही, श्री ताहिर सईम- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा और श्री ऐजाज अहमद जेकेपीएस 125830 एसडीपीओ अवंतीपोरा की कमान में एक संयुक्त तलाशी दल का गठन किया गया। इस दल में निरीक्षक मुदासिर नसीर-एसएचओ अवंतीपोरा, उप निरीक्षक आदिल अशरफ सं. 338/पीएयू (ईएक्सके-109538), उप निरीक्षक यौनिस खान सं. 175/पीएयू, हेड कांस्टेबल

नाजिर अहमद जाटल सं. 826/आईआरपी 11वीं (एआरपी 076602), हेड कांस्टेबल दाऊद खान सं. 105/आईआरपी 20वीं, हेड कांस्टेबल फयाज सं. 290/एडब्ल्यूटी, हेड कांस्टेबल मुख्तार अहमद सं. 39/एपी, एस.जी.सीटी. जगजीत सं. 409/एडब्ल्यूटी, एस.जी.सीटी. बशीर अहमद सं. 280/एडब्ल्यूटी, सिपाही मुजफ्फर सं. 770/एडब्ल्यूटी, एस.जी.सीटी. मुनीर अहमद सं. 785/एडब्ल्यूटी, एस.जी.सीटी परवैज अहमद शाह सं. 784/एडब्ल्यूटी, एसपीओ रॉबिंदर सिंह सं. 413/एसपीओ, एसपीओ मुदासिर सं. 380/एसपीओ, एसपीओ मंजीत सिंह सं. 972/एसपीओ, एसपीओ दविंदर सिंह सं. 2156/एसपीओ, एसपीओ लियाकत सं. 881/एसपीओ-राजौरी और एसपीओ उमर रहनन सं. 85/एसपीओ शामिल किये गए।

तलाशी ऑपरेशन के दौरान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा और एसडीपीओ अवंतीपोरा तथा साथ ही उप निरीक्षक आदिल अशरफ सं. 338/पीएयू, उप निरीक्षक यौनिस सं. 175/पीएवाई, हेड कांस्टेबल नाजिर अहमद सं. 826/आईआरपी 11वीं, हेड कांस्टेबल मुख्तार अहमद सं. 39/एपी, एस.जी.सीटी. जगजीत सं. 409/एडब्ल्यूटी, एस.जी.सीटी. बशीर अहमद सं. 280/एडब्ल्यूटी, सिपाही मुजफ्फर अहमद सं. 770/एडब्ल्यूटी, एस.जी.सीटी. मुनीर अहमद शाह सं. 785/एडब्ल्यूटी (ईएक्सके-155460), एस.जी.सीटी. परवैज़ अहमद सं. 784/एडब्ल्यूटी, एसपीओ रॉबिंदर सिंह सं. 413/एसपीओ, एसपीओ मुदासिर सं. 330/एसपीजी, एसपीओ मंजीत सिंह सं. 972/एसपीओ, एसपीओ दविंदर सिंह सं. 2156/एसपीओ, एसपीओ लियाकत सं.881/एसपीओ और एसपीओ उमर रहमान सं. 95/एसपीओ सर्च पार्टी और सुरक्षा बलों को उस ठिकाने तक ले गए। जैसे ही लक्ष्य स्थान की पहचान हुई, छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दलों को मारने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसमें आतंकवादियों का उक्त सहयोगी मंसूर अली सोफी, जो तलाशी दल को ठिकाने की ओर ले जा रहा था, गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसने चोटों के कारण दम तोड़ दिया। सर्च पार्टी ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। संयुक्त तलाशी दल आगे बढ़ा और दल ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप छिपे हुए आतंकवादी घायल हो गए। पुलिस उपाधीक्षक ऐजाज अहमद, उप निरीक्षक यौनिस और एस.जी.सीटी. परवैज अहमद शाह की एक छोटी सी हमला पार्टी ने अपनी त्वरित/सटीक कार्रवाई से सभी आतंकवादियों को मार गिराया, जिनकी पहचान बाद में शाहिद मौज़ूर पिंचू, पुत्र- मंजोकर अहमद, निवासी- न्यू कॉलोनी जौबर्स (एचएम संगठन के सी-श्रेणी), स्नाफत अहमद मीर, पुत्र- गुलाम नबी मीर, निवासी- ट्राई-ए-पायीन (एचएम संगठन के सी-श्रेणी) और मैपबुर अली सोफी, पुत्र-अली मोहम्मद, निवासी- गोरीपोरा अवंतीपोरा (आतंकवादियों का सहयोगी) के रूप में हुई।

मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, थाना- अवंतीपोरा में एफआईआर सं. 49/2020 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री ऐजाज़ अहमद पुलिस उपाधीक्षक, यौनिस खान, उप निरीक्षक और परवैज़ अहमद शाह, एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/02/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 262-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ताहिर अशर्फ	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार
2	साहिल महाजन	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	राहुल नागर	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	फीरोज़ अहमद डार	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	उमर हमीद वानी	एस.जी.सीटी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के चीफ कमांडर रेयाज नाइकू के मारे जाने के बाद, सीमापार बैठे हिजबुल मुजाहिदीन के उस्तादों ने जुनैद अशरफ खान उर्फ अरनार भाई (एचएम गुट के डिवीजनल कमांडर) को कुछ सनसनीखेज हमले करने के इरादे से मध्य कश्मीर में हिजबुल

मुजाहिदीन नेटवर्क को मजबूत करने की दृष्टि से अपना बेस श्रीनगर में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। इन इरादों में शांतिप्रिय लोगों में दहशत पैदा करने के लिए ग्रेनेड फेंकना, सिविल सचिवालय/सुरक्षा बल प्रतिष्ठानों पर हमला करना और पुलिस की हत्या आदि शामिल हैं। इसके अलावा, ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बीच में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर आत्मघाती हमला करना भी शामिल है। इस संबंध में, पुलिस घटक श्रीनगर के फील्ड स्रोतों को उसकी उपस्थिति के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए सतर्क किया गया था। इसके अतिरिक्त, श्रीनगर शहर में किसी भी अप्रिय घटना को विफल करने के लिए सभी संबंधित सम्प्रेषणों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने हेतु पुलिस घटक श्रीनगर की तकनीकी इंटेलीजेंस को भी तैयार किया गया था।

दिनांक 18.05.2020 को पुलिस घटक श्रीनगर को कनिमाजार, नवाकदल, जिला- श्रीनगर में आतंकवादियों के मौजूद होने के बारे में विश्वसनीय स्रोत से जानकारी मिली। श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी-आईपीएस डीआईजी, सीकेआर, श्रीनगर और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर की समग्र निगरानी में पुलिस अधीक्षक पुलिस घटक, श्रीनगर के नेतृत्व वाले पुलिस दल ने वैली क्यूएटी सीआरपीएफ के साथ मिलकर इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए दिनांक 18/19.05.2020 की मध्यरात्रि में कनिमाजार, नवाकदल श्रीनगर में घेराबंदी की और तलाशी ऑपरेशन चलाया।

प्रारंभिक घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन के दौरान, पुलिस/ऑपरेशन दल की मौजूदगी का संदेह करते हुए, आतंकवादियों, जो नूर मोहम्मद शेख पुत्र स्वर्गीय गुलाम मोहम्मद शेख, निवासी- कनिमाजार, नवाकदल के घर में छिपे हुए थे, ने भागने की दृष्टि से पुलिस/सीआरपीएफ दलों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं और साथ ही हथगोले भी फेंके। घेराबंदी और तलाशी दलों ने भी जवाबी कार्रवाई प्रभावी ढंग से की। बंदूक की इस लड़ाई में एक पुलिस कर्मी नामत: एस.जी.सीटी. मोहम्मद अमीन सं. 512/आईआर छठी बटालियन और सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। शुरुआती गोलीबारी के बाद, आतंकवादियों ने नूर मोहम्मद शेख, पुत्र-स्वर्गीय गुलाम मोहम्मद शेख के घर से भागने की दृष्टि से आस-पास के घरों में अपना स्थान बदल लिया। लेकिन पुलिस/सीआरपीएफ क्यूएटी दलों ने इन आतंकवादियों को हर तरफ से घेर लिया और सभी गलियों को बंद कर दिया। बाद में, इन आतंकवादियों ने आसपास के अन्य घरों में शरण ली। इसके बाद, इन आतंकवादियों को लाउडस्पीकर के माध्यम से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने नकार दिया और हथगोले फेंके, जिनके छर्रे लगने से भी कुछ पुलिस कर्मी और सीआरपीएफ कर्मी घायल हो गए।

तुरंत ही, पुलिस अधीक्षक, पुलिस घटक श्रीनगर द्वारा ऑपरेशनल एसओपी के अनुसार एक ऑपरेशनल योजना बनाई गई और लक्षित घरों के पास आने वाली सभी गलियों और निकास द्वारों को बंद कर दिया गया। चूंकि यह क्षेत्र बहुत घनी आबादी वाला था, इसलिए आसपास के घरों से निकासी प्रक्रिया पुलिस अधीक्षक, पुलिस घटक श्रीनगर की देखरेख में की गई। जिस घर में आतंकवादी छिपे हुए थे, वह पूरी तरह से ढका हुआ था और इसलिए श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक, पुलिस घटक श्रीनगर की कमान में इंटर्वेंशन करने का निर्णय लिया गया था, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर सीआरपीएफ की जोनल क्यूएटी के साथ पूर्ण समन्वय रखने का निर्णय भी लिया गया। तदनुसार, पुलिस अधीक्षक, पुलिस घटक श्रीनगर द्वारा वैली सीआरपीएफ क्यूएटी के साथ एक सामरिक योजना बनाई गई।

नफरी को योजना के अनुसार तैनात किया गया था और ऑपरेशनल पार्टी ने बहुत ही चतुराई एवं बहादुरी से आस-पास के घरों में फंसे लोगों को बाहर निकाला और उन्हें पास के सुरक्षित स्थान पर भेज दिया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अपनी ओर कोई क्षति न हो। प्रथम दृष्टांत में, छिपे हुए दो आतंकवादियों को फिर से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने ऑपरेशन पार्टी पर गोलियां चला दीं। तुरंत ही इमारत में घुसने के लिए, सीआरपीएफ अधिकारियों के साथ चर्चा कर इसकी योजना बनाई गई। श्री ताहिर अशर्फ, पुलिस अधीक्षक, पुलिस घटक श्रीनगर की कमान के तहत इंटर्वेंशन दल ने पूरी सावधानी बरतते हुए घर-घर जाकर इंटर्वेंशन की प्रक्रिया शुरू की। तथापि, जैसे ही इंटर्वेंशन दल लक्ष्य मकान के पास पहुँचा, उस पर आतंकवादियों की भारी गोलीबारी हुई, जिन्होंने घर के अंदर पोजीशन ली हुई थी। छिपे हुए आतंकवादियों ने हथगोले फेंके और आगे बढ़ने वाली पार्टी की ओर फायरिंग की, इसलिए इंटर्वेंशन पार्टी दूसरी तरफ से ही घर में घुसने के लिए पीछे हट गई।

इस स्तर पर, श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी-आईपीएस, डीआईजी सीकेआर, श्रीनगर, जो ऑपरेशनल पार्टियों के प्रभारी थे, ने दो छोटी पार्टियों का गठन किया। एक पार्टी में श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक, पुलिस घटक श्रीनगर, पुलिस उपाधीक्षक साहिल महाजन-जेकेपीएस, पीसी श्रीनगर और सहायक उप निरीक्षक फिरोज अहमद डार सं. 450/आईआरपी प्रथम बटालियन को सम्मानित करते हुए पुलिस घटक श्रीनगर एवं सीआरपीएफ की जोनल क्यूएटी को शामिल किया गया और दूसरी पार्टी में पुलिस उपाधीक्षक शैद नाहिम-जेकेपीएस, पीसी श्रीनगर, पुलिस उपाधीक्षक राहुल नागर जेकेपीएस 155777, पुलिस उपाअधीक्षक मोहम्मद आसियाम, एसडीपीओ एमआर गुंज, पुलिस नॉर्थ जोन श्रीनगर, एस.जी.सीटी. उमर हामिद वानी सं. 797/एस के साथ पीसी श्रीनगर और सीआरपीएफ की जोनल क्यूएटी की पर्याप्त नफरी शामिल थी, जिन्होंने घर में पीछे की ओर से और साथ ही सामने से उस घर में प्रवेश करने का फैसला किया। जैसे ही आगे बढ़ने वाली पार्टियों ने इमारत में पीछे/सामने से घुसने की कोशिश की, छिपे हुए आतंकवादियों ने ग्रेनेड फेंके और उस तरफ से आ रही पार्टियों की ओर खिड़की से अंधाधुंध फायरिंग की।

इस स्तर पर, प्रभारी पार्टियों ने अंधेरे के कारण ऑपरेशन को स्थगित करने का फैसला किया। सुरक्षा कर्मियों के हताहत होने की आशंका थी और तदनुसार ऑपरेशन को सुबह तक के लिए स्थगित कर दिया गया। तथापि, दिनांक 18/19.05.2020 की मध्य रात्रि में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। अगले दिन अर्थात दिनांक 19.05.2020 को सुबह तड़के पुलिस अधीक्षक, पुलिस घटक श्रीनगर द्वारा ऑपरेशन दोबारा शुरू किया गया। परिणामस्वरूप पूरी सावधानी बरतने के बाद, लगभग 05:00 बजे ऑपरेशनल

एसओपी के अनुसार एक कमरे के बाद दूसरे कमरे में इंटर्वेंशन करने की फिर से योजना बना ली गई और बाद में यह कार्य शुरू किया गया। रूम इंटर्वेंशन के दौरान, पार्टी लगभग 07:00 बजे आतंकवादियों, जो घर के निचले हिस्से में छिपे हुए थे, की गतिविधियों का पता लगाने में सफल रही और तदनुसार, वरिष्ठ फॉरमेशनों को भी पुलिस अधीक्षक, पुलिस घटक श्रीनगर द्वारा सूचित किया गया तथा आतंकवादियों पर अंतिम निर्णायक हमला किया गया। तथापि, छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दल को देखते ही उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन तलाशी दल ने वीरता के साथ अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से जवाबी फायरिंग की, जिसके परिणामस्वरूप एक कट्टर आतंकवादी जुनैद अशरफ खान उर्फ अमार भाई (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन का डिवीजन कमांडर) को मार गिराया गया। बंदूक की इस लड़ाई के दौरान, पुलिस घटक श्रीनगर के उपाधीक्षक साहिल महाजन घायल हो गए। एक आतंकवादी के खात्मे के बाद, तलाशी दल ने दूसरे आतंकवादियों की तलाश जारी रखी और अंत में उससे संपर्क हो गया। छिपे हुए आतंकवादी ने उक्त तलाशी दल को देखकर उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका तलाशी दल द्वारा अपनी जान की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और उक्त आतंकवादी को मार गिराया गया, जिसकी पहचान हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के तारिक अहमद शेख के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, डीआईजी सीकेआर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर और पुलिस अधीक्षक, पुलिस घटक श्रीनगर द्वारा प्रदर्शित भूमिका और उनका नेतृत्व अनुकरणीय था, विशेष रूप से उस समय जब उन्होंने पुलिस और वैली क्यूएटी सीआरपीएफ के संयुक्त ऑपरेशनल दलों के बीच शुरू से लेकर ऑपरेशन की समाप्ति तक समन्वय स्थापित किया। इन अधिकारियों ने ऑपरेशनल रणनीति जैसे कि आस-पास के नागरिकों को बाहर निकालने, सफल ऑपरेशनल प्लान तैयार करने और अपनी ओर बिना किसी क्षति के आतंकवादियों पर सफल आक्रमण करने आदि के माध्यम से उक्त ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद में, दोनों स्थानीय आतंकवादियों की पहचान जुनैद अशरफ खान उर्फ सेहराई उर्फ अमार, पुत्र-मोहम्मद अशरफ खान, निवासी-तकीपोरा लोलाब कुपवाड़ा ए/पी जहांगीर कॉलोनी बघाट-ए-बरजुल्ला, श्रीनगर (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के ए-श्रेणी) और तारिक अहमद शेख, पुत्र- अब्दुल अहद शेख, निवासी-डंगेरपोरा (वाशिबग) पुलवर्ना (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन की बी-श्रेणी) के रूप में हुई।

मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन सफकदल, श्रीनगर में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 तथा विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 67/2020 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री ताहिर अशर्फ, पुलिस अधीक्षक, साहिल महाजन, पुलिस उपाधीक्षक, राहुल नागर, पुलिस उपाधीक्षक, फीरोज़ अहमद डार, सहायक उप निरीक्षक और उमर हमीद वानी एस.जी.सीटी. ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/05/2020 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/31/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 263-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, झारखंड के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ऋषभ कुमार झा, आईपीएस	अनुमंडल पुलिस अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अनुराग राज	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

झारखंड राज्य सीपीआई (माओवादी) और पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) जैसे अलग-अलग समूहों के लिए एक प्रमुख और रणनीतिक महत्व वाला स्थान रहा है। ये दोनों संगठन विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित हैं। खूंटी, झारखंड के अतिरिक्त भारत में भी सबसे अधिक नक्सल प्रभावित जिलों में से एक है। खूंटी ऐसे जिलों से घिरा हुआ है, जो स्वयं भी नक्सल प्रभावित हैं। क्षेत्र में पहाड़ी इलाके, उबड़-खाबड़ ढालें, खड़ी चट्टानें, जहां से दूर-दराज के इलाके नजर आ जातें हैं, घनी वनस्पति वाली टूटी-फूटी जमीन और नक्सलियों का समर्थन करने वाली मजबूर आबादी अथवा नक्सलियों के प्रति सहानुभूति रखने वाली आबादी की मौजूदगी आदि, इस क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बल के लिए इस काम को कठिन और चुनौतीपूर्ण बना देतें हैं। यहां ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां नक्सली समूह बैठकें

आयोजित करते हैं, शिविर चलाते हैं, प्रशिक्षण आयोजित करते हैं, भर्तियां करते हैं तथा सुरक्षा बलों एवं विकास कार्यों के खिलाफ हिंसक गतिविधियों का सहारा लेते हैं। पीएलएफआई का इस जिले में अपना विशाल नेटवर्क और कैडर है। हाल ही के दिनों में, खूंटी जिले में पीएलएफआई के कैडरों द्वारा कई क्रूर और हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया गया है।

13 फरवरी, 2019 की शाम को, पुलिस अधीक्षक खूंटी, श्री आलोक को एक विश्वसनीय और कार्रवाई योग्य इनपुट प्राप्त हुआ कि पीएलएफआई के लगभग 7-8 सशस्त्र कैडर अपने सुप्रीमो दिनेश गोप के नेतृत्व में रानिया पुलिस थाना के मोराम्बिर और जामटोली गांवों के आसपास की पहाड़ियों और जंगलों में घूम रहे हैं। उन्होंने तुरंत श्री अनुराग राज और श्री ऋषभ कुमार झा तथा 209 कोबरा बटालियन के अधिकारियों को बुलाया और दोनों अधिकारियों के नेतृत्व में एक ऑपरेशन शुरू करने की योजना बनाई, क्योंकि इन दोनों अधिकारियों ने पूर्व में भी इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम किया था और उन्हें इस भूभाग की भलीभांति जानकारी थी। योजना का मुख्य फोकस नागरिक क्षेत्रों के आसपास नक्सलियों की आवाजाही का पता लगाने और उनकी खोज के संबंध में शून्य त्रुटि सुनिश्चित करना था। ऑपरेशन में शामिल सभी कर्मियों को इन मुद्दों के बारे में भी ठीक से ब्रीफ किया गया था। श्री अनुराग राज और श्री ऋषभ कुमार झा के नेतृत्व में लक्षित क्षेत्र की तलाशी के लिए जिम्मेदार एक स्ट्राइक टीम, जिसमें जिला पुलिस और कोबरा के जवान शामिल थे, बाद में कोबरा अधिकारी श्री जिया-उल-हक, डीसी के साथ दिनांक 14.02.2019 को लगभग 0100 बजे खूंटी से रवाना हो गई और टीम ने टेंगरकेला गांव से लगभग 0200 बजे डिब्यू किया। श्री अनुराग राज और श्री ऋषभ कुमार झा ने नियोजित क्षेत्र की ओर जाते समय अत्यधिक गोपनीयता बरतते हुए और आश्चर्य के साथ घने एवं अंधेरे जंगलों में अपनी टीम का नेतृत्व किया, क्योंकि वे इस इलाके, यहाँ की स्थलाकृति और इलाके के आसपास की बसावट से अच्छी तरह वाकिफ थे। चूंकि, पीएलएफआई के पास एक बहुत ही कुशल नेटवर्क उपलब्ध था और वे बल की हर आवाजाही से परिचित थे, फिर भी इन दोनों अधिकारियों ने स्वयं को उजागर किये बिना, कुशलता के साथ इस लक्षित क्षेत्र तक पहुंचने में कामयाबी हासिल कर ली। ऑपरेशन की योजना इस तरह से बनाई गई थी कि सुबह होने से ठीक पहले ही निर्धारित सामान्य क्षेत्र तक पहुंचा जा सके। सुबह लगभग 0630 बजे, जब वे घनी वनस्पतियों के बीच स्थित एक पहाड़ी के पास पहुँच रहे थे, तभी उन पर अचानक स्वचालित हथियारों से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गई। उनकी टीम तीन तरफ से पहाड़ियों से घिर गई थी। दोनों अधिकारियों ने अनुकरणीय सूझबूझ और नेतृत्व कौशल दिखाते हुए, तुरंत टीम कर्मियों को पेड़ों और चट्टानों के पीछे कवर लेने का आदेश दिया। इसके बाद, इन दोनों अधिकारियों ने नक्सलियों को सरेंडर करने के लिए संबोधित करना शुरू कर दिया और उन्हें फायरिंग रोकने की बार-बार चेतावनी दी, लेकिन चेतावनियों पर ध्यान देने के बजाय, नक्सलियों ने आक्रामक शब्दों के साथ जोर की आवाज़ में उन्हें वापस चुनौती देना शुरू कर दिया और तीनों तरफ की पहाड़ियों पर सामरिक दृष्टि से ऊँचाई वाली भूमि पर कब्जा करने तक समय का बुद्धिमानी से उपयोग किया। दोनों अधिकारी बहुत जल्दी समझ गए कि केवल अपने कवर वाले स्थान को पकड़े रखने से ही काम नहीं चलेगा और वस्तुतः उनकी टीम के कर्मी हताहत भी हो सकते हैं।

उन्होंने अपनी टीम को ऊँचाई वाले स्थान पर ले जाने तक अत्यंत बहादुरी और साथ ही, जंगल युद्ध के कौशल का प्रदर्शन किया तथा यह भी सुनिश्चित किया कि उनकी टीम के किसी भी व्यक्ति को चोट न पहुंचे। पीएलएफआई नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने की बार-बार चेतावनी दी गई, लेकिन उन्होंने स्वचालित हथियारों से गोलीबारी और अधिक तेज कर दी। फायरिंग की मात्रा के साथ-साथ टीमों की जीवन हानि और हथियारों के प्रति खतरे का आकलन करने के बाद, दोनों अधिकारियों ने कोबरा अधिकारियों के साथ परामर्श करके नक्सलियों के ठिकानों पर नपी-तुली और रुक-रुक कर गोलीबारी शुरू करने का फैसला किया, क्योंकि ऐसा करना ही वक्त की मांग थी। इन दोनों अधिकारियों ने बहुत साहस और नेतृत्व का प्रदर्शन किया तथा अपनी सर्विस एके-47 राइफल से खुद ही फायरिंग शुरू कर दी। यह लड़ाई करीब 25 मिनट तक चलती रही। इसके बाद फायरिंग रोक दी गई। रणनीतिक दृष्टि से प्रतीक्षा करने के बाद, कोबरा अधिकारियों समेत दोनों अधिकारियों ने अपनी टीमों को इलाके की घेराबंदी करने का आदेश दिया और मुठभेड़ स्थल की सावधानीपूर्वक तलाशी शुरू कर दी गई। उक्त मुठभेड़ के दौरान, इन अधिकारियों और उनके साथियों ने 01 पीएलएफआई नक्सली को ढेर कर दिया। पीएलएफआई के बाकी नक्सली पुलिस फायरिंग में हताश होने के बाद घने जंगल का फायदा उठाकर मुठभेड़ स्थल से भागने में सफल रहे। श्री आलोक, पुलिस अधीक्षक, खूंटी अतिरिक्त बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्होंने पीएलएफआई के फरार कैडरों की व्यापक स्तर पर तलाश की। 209 कोबरा के वरिष्ठ अधिकारी और कार्यकारी मजिस्ट्रेट, खूंटी भी मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गए और फिर वहां आवश्यक कार्रवाई की गई।

पूरे ऑपरेशन में, श्री अनुराग राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ओपीएस) और श्री ऋषभ कुमार झा, आईपीएस, एसडीपीओ, तोरपा ने टीमों के चयन, मार्ग के चयन, आगे बढ़ने के तरीकों और मौके पर निर्णय लेने में अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया और दिमाग का इस्तेमाल किया। नक्सलियों की भारी गोलीबारी, नक्सलियों के साथ हाथापाई और साथ ही उनकी स्वयं की जान को खतरा होने की अधिक संभावना होने के बावजूद, श्री अनुराग राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ओपीएस) और श्री ऋषभ कुमार झा, आईपीएस, एसडीपीओ, तोरपा ने स्वयं को सौंपे गए काम को अंजाम देने की दिशा में एक अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया। उन्होंने इस ऑपरेशन के दौरान, सैनिकों की कमान, नियंत्रण, नेविगेशन और सैन्य दल के उपयोग के संबंध में उच्च स्तर की पेशेवरता का प्रदर्शन किया। अपने जीवन के प्रति खतरें की परिस्थितियां पैदा होने की स्थिति में दोनों अधिकारियों द्वारा प्रदर्शित धैर्य न केवल अनुकरणीय है, बल्कि यह इस पूरे ऑपरेशन में उनके उच्चकोटि के साहस, वीरता, समर्पण और प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है, जिसके परिणामस्वरूप 01 खूंखार नक्सली का सफाया हुआ और साथ ही भारी मात्रा में गोला-बारूद के साथ विदेशी निर्मित एचके-33 राइफल की बरामदगी हुई। इस पूरे ऑपरेशन में नक्सलियों और उनकी गोलीबारी से बहुत ही नजदीकी से सामना करने के कारण, मौत सिर पर मंडराती रही, इसलिए अत्यंत वीरता के इस कार्य के लिए इन अधिकारियों द्वारा प्रदर्शित अनुकरणीय वीरता और बहादुरी को उपयुक्त रूप से पुरस्कृत किये जाने की आवश्यकता है।

इस ऑपरेशन में, झारखंड पुलिस के सर्व/श्री ऋषभ कुमार झा, आईपीएस, अनुमंडल पुलिस अधिकारी और अनुराग राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/02/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/110/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 264-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	हिम्मत सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	बैशाखू लाल	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री हिम्मत सिंह, उप निरीक्षक/जीडी और बैशाखू लाल, हेड कांस्टेबल/जीडी को नक्सल विरोधी ऑपरेशन ड्यूटी के लिए मलैयाडा कैंप, पुलिस थाना- गाटापार (छ.ग.) में तैनात किया गया था। दोनों अधिकारियों ने तलाशी, घेराबंदी और क्षेत्र नियंत्रण के कई ऑपरेशनों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

09 फरवरी 2018 को, जिला राजनंदगांव (छ.ग.) में गाटापार थाना क्षेत्र के कटीमा, नक्कीघाटी जंगल क्षेत्र और गांव- महुआधार में 80-90 नक्सलियों की मौजूदगी होने की सूचना के आधार पर, कमांडेंट हॉक फोर्स, पुलिस अधीक्षक राजनंदगांव, पुलिस अधीक्षक बालाघाट और कमांडेंट 40वीं बटालियन आईटीपीबी द्वारा महुआधार-कटीमा के बीच पड़ने वाले क्षेत्र की तलाशी लेने के लिए एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी। हॉक फोर्स, डीआरजी और सीओबीज नामतः सीओबी कन्हारगांव, 40वीं बटालियन की सीओबी गाटापार और 44वीं बटालियन की सीओबी बोर्तालाओ द्वारा इसे ऑपरेशन कोड के रूप में ट्राई-XII नाम दिया गया था। हॉक के उप निरीक्षक श्री हिम्मत सिंह के नेतृत्व वाली मलैदा की ऑपरेशन पार्टी में अधीनस्थ अधिकारी-01, अन्य रेंक-24 (कुल-25) शामिल थे, श्री अशोक कुमार, सहायक कमांडेंट/जीडी 40वीं बटालियन के नेतृत्व वाली पार्टी में राजपत्रित अधिकारी-01, अधीनस्थ अधिकारी-07 और अन्य रेंक-42, (कुल -50) शामिल थे तथा छत्तीसगढ़ पुलिस के निरीक्षक नीलेश पांडे के नेतृत्व वाली डीईएफ राजनंदगांव में अधीनस्थ अधिकारी-03, अन्य रेंक-06 (कुल -09) शामिल थे।

लगभग 1100 बजे, जब ऑपरेशन पार्टी बोडला गाँव से लगभग 15 किमी. दूर एसक्यू-2576 एम/एस संख्या - 64 सी/15 पर पहुँची, तो डीआरजी की ऑपरेशन पार्टी जीआर-255760 एम/एस संख्या-64, सी/15 पर लगभग 12-15 नक्सलियों की गोलीबारी की चपेट में आ गई। हॉक के उप निरीक्षक श्री हिम्मत सिंह और हेड कांस्टेबल/जीडी बैशाखू लाल ने अपने सैनिकों को प्रेरित किया और गोलीबारी के प्रति बेसिक रणनीति को अपनाते हुए नक्सलियों की घेराबंदी जारी रखी तथा सावधानीपूर्वक आगे बढ़ते गए। दोनों साहसी अधिकारियों ने सैनिकों को प्रेरित किया और अपनी पार्टी के साथ क्षेत्र को घेर लिया। सभी कार्मिक नक्सलियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए। पार्टी कमांडर से निर्देश मिलने के बाद, हॉक के उप निरीक्षक श्री हिम्मत सिंह और हेड कांस्टेबल/जीडी बैशाखू लाल तुरंत हरकत में आ गए और उन्होंने स्थिति का विश्लेषण करके अपनी टीम को इस लड़ाई में साहसपूर्वक आगे बढ़ाया तथा नक्सलियों पर जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बल, हॉक फोर्स पार्टी और नक्सलियों के बीच करीब 20 मिनट तक फायरिंग चलती रही। उप निरीक्षक हिम्मत सिंह और हेड कांस्टेबल बैशाखू लाल, दोनों ने कर्तव्य के निर्वहन में अत्यधिक साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया।

हॉक के उप निरीक्षक श्री हिम्मत सिंह और हेड कांस्टेबल/जीडी बैशाखू लाल के नेतृत्व में ऑपरेशन पार्टी ने जवाबी फायरिंग करते हुए इलाके की घेराबंदी की, जिससे नक्सलियों पर व्यापक दबाव पड़ गया और इसके परिणामस्वरूप दो (02) नक्सली मारे गए। बाद में, वहाँ से 7.65 एम.एम. की एक पिस्तौल, जीवित गोला बारूद के साथ 12 बोर की दो राइफलों और अन्य वस्तुओं एवं उपकरणों की बरामदगी हुई। बाद में, मारे गए नक्सलियों की पहचान गरचिरौली से विनोद उर्फ़ देवन डिप्टी कमांडर, आयु- लगभग 30 वर्ष और बीजापुर से सागर, प्लाटून-55 का सदस्य, आयु-25 वर्ष के रूप में हुई, जिनके उपर क्रमशः 8 लाख रुपये और 2 लाख रुपये का नकद इनाम घोषित था।

ऑपरेशन की यह सफलता चमत्कारिक योजना के फलस्वरूप हासिल हुई। हॉक के उप निरीक्षक श्री हिम्मत सिंह और हेड कांस्टेबल/जीडी बैशाखू लाल ने अपनी सटीक कार्रवाई और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन करते हुए, पार्टी कमांडर के रूप में नपा-तुला जोखिम लिया है और उनकी टीम के सदस्यों ने नक्सलियों की ओर से लगातार होने वाली नजदीकी गोलीबारी का बहादुरी से सामना किया। इस प्रकार, सभी सामरिक ड्रिल और साथ ही नियंत्रित, लेकिन प्रभावकारी गोलीबारी का इस्तेमाल करते हुए, इस ऑपरेशन को पेशेवर तरीके से अंजाम दिया गया और अपने सैनिकों के हताहत हुए बिना, टीम को अपार सफलता हासिल हो गई।

इस ऑपरेशन में, मध्य प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री हिम्मत सिंह, उप निरीक्षक और बैशाखू लाल, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/02/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/171/2019-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 265-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
श्री तरूण नायक, आईपीएस	कमांडेन्ट	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस अधीक्षक बालाघाट श्री अभिषेक तिवारी को खुफिया सूचना मिली थी, कि 10-12 नक्सलियों का एक दल पुलिस थाना- लांजी के अंतर्गत गाँव- नेवरवाली के पुजारीटोला में प्रेमलाल टेकम के घर आने वाला है और वे गांव में कुछ बड़ी घटनाओं को अंजाम दे सकतें हैं और साथ ही निर्दोष नागरिकों की हत्या कर सकते हैं। जानकारी से यह भी संकेत मिलता था कि यह वही दल हो सकता है, जिसने कुछ दिन पहले मुंडा गांव में बृजलाल पंड्रे की हत्या (पुलिस थाना- लांजी में आईपीसी की धारा, 302, 452, 365, 147, 148, 149, 120 बी; आयुध अधिनियम की धारा 25, 27 तथा यूएपीए की धारा 11,13 के तहत दिनांक 22/6/19 की एफआईआर संख्या 177/19) की थी। इस इनपुट के आधार पर, श्री तरुण नायक, कमांडेंट हॉक फोर्स और श्री अभिषेक तिवारी, पुलिस अधीक्षक बालाघाट द्वारा गांव में एक संयुक्त कार्डन एंड सर्च ऑपरेशन की योजना बनाई गई। हॉक फोर्स और जिला कार्यकारी बल (डीईएफ) की एक टीम को उक्त ऑपरेशन के उद्देश्य से तथा साथ ही निर्दोष नागरिकों की हत्या और अन्य किसी बड़ी घटना को रोकने के लिए रवाना किया गया।

गांव के पास पहुंचने पर 4 पार्टियों वाले एक संयुक्त दल का गठन किया गया था, पार्टी संख्या-1 का नेतृत्व हेड कांस्टेबल 1184 अजीत सिंह ने किया और इस पार्टी में हेड कांस्टेबल 1301 विपिन खल्को, हेड कांस्टेबल 1407 रामपदम और अन्य सैनिक शामिल किये गए। पार्टी संख्या-2 का नेतृत्व श्री तरुण नायक, कमांडेंट हॉक फोर्स ने किया और इसमें अन्य सैनिक शामिल किये गए। पार्टी संख्या-3 का नेतृत्व श्री अभिषेक तिवारी ने किया और इस पार्टी में भी अन्य सैनिकों को शामिल किया गया। पार्टी संख्या-4 का नेतृत्व हेड कांस्टेबल 679 सुनील सोनकर ने किया और इस पार्टी में भी अन्य सैनिकों को शामिल किया गया था।

टीमों को ब्रीफ करने के बाद, उन्हें निर्धारित स्थानों पर भेजा गया। यह एक अंधेरी रात थी और इलाका बहुत दुर्गम था। चूंकि समस्त टीमों के लिए जीवन का खतरा था, इसलिए सभी टीमें बहुत बहादुरीपूर्वक और बहुत चतुराई के साथ वहाँ पहुँची। मौके पर पहुंचने के बाद, टीमों ने घर की घेराबंदी कर दी और भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद कर दिया तथा नक्सलियों को गिरफ्तार करने की योजना बना ली।

कुछ देर बाद, करीब 1.00 बजे अपराह्न से 1.30 बजे अपराह्न के बीच कुछ लोग टार्च लेकर घर से बाहर निकले। चांदनी रात में वे लोग माओवादियों की वर्दी पहने हुए और हथियार साथ में लिए नजर आ रहे थे। माओवादी के रूप में उनकी पहचान होने के बाद, उन्हें चुनौती दी गई और उन्हें बताया गया कि पुलिस ने उन्हें घेर लिया है और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। यह जानने के बाद और अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए, नक्सलियों ने पुलिसकर्मियों को मारने अथवा उन्हें घायल करने के उद्देश्य से उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। वे पुलिस पार्टी की ओर बढ़ते गए और लगातार फायरिंग करते हुए पुलिस के काफी करीब आ गए। पुलिस टीम ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत कवर लिया और फिर से माओवादियों को चुनौती दी और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने पुलिस पार्टी पर फायरिंग जारी रखी। नक्सलियों की अंधाधुंध फायरिंग ने पुलिस दल और आसपास के घरों में मौजूद ग्रामीणों के जीवन के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया था। इसलिए, जैसा कि श्री तरुण नायक और श्री अभिषेक तिवारी इस ऑपरेशन की योजना के दौरान ही आदेश दे चुके थे, पुलिस टीम ने उसी अनुरूप अपनी जान के साथ-साथ ग्रामीणों की जान बचाने के लिए आत्मरक्षा में फायरिंग कर दी। अगर पुलिस पार्टी ने आत्मरक्षा में नियंत्रित फायरिंग का सहारा न लिया होता, तो नक्सली कई लोंगो को हताहत कर लेते और सुरक्षा बलों के हथियार लूट लेते।

इस दौरान, पार्टी संख्या 1 से हेड कांस्टेबल 1184 अजीत सिंह, हेड कांस्टेबल 1407 राम पदम और हेड कांस्टेबल 1301 विपिन खल्को ने भीषण गोलीबारी होने के बाबजूद, नक्सलियों की ओर आगे बढ़ते हुए असाधारण साहस और सूझबूझ का परिचय दिया तथा नक्सलियों पर गोलियां चलाई। कुछ देर बाद, जब पार्टी संख्या 1 की ओर से गोलीबारी बंद हो गई, तो नक्सलियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन उसी दिशा में पार्टी संख्या 2 और 3 को क्रमशः श्री तरुण नायक और श्री अभिषेक तिवारी के नेतृत्व में तैनात किया गया था। कमांडर के आदेश पर माओवादियों को फिर से चुनौती दी गई और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय पार्टी संख्या 2 और 3 पर पुलिसकर्मियों को मारने अथवा उन्हें घायल करने के उद्देश्य से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। माओवादियों की भारी गोलीबारी का सामना करते हुए, श्री तरुण नायक और श्री अभिषेक तिवारी ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए, क्रमशः पार्टी

संख्या 2 और 3 का बहादुरी से नेतृत्व किया तथा माओवादियों को दो तरफ से घेर लिया। दोनों अधिकारियों और अन्य पुलिसकर्मियों ने नियंत्रित और प्रभावी फायरिंग करते हुए नक्सली हमले का बहादुरी से जवाब दिया। चूँकि, माओवादियों को पुलिस ने दोनों तरफ से घेर लिया था, इसलिए उन्होंने पुलिस पर भारी फायरिंग शुरू कर दी, लेकिन वे पुलिस पार्टी की जवाबी कार्रवाई और रणनीति का मुकाबला नहीं कर सके और वे अंधेरे एवं घने जंगल का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग गए। अगर पुलिस पार्टी ने आत्मरक्षा में नियंत्रित फायरिंग का सहारा न लिया होता, तो नक्सली कई लोगों को हताहत कर लेते और सुरक्षा बलों के हथियार लूट लेते।

फायरिंग बंद होने के बाद, क्षेत्र की तलाशी ली गई और एक एसएलआर राइफल और एक 0.315 राइफल, लाइव गोला बारूद, वायरलेस संचार उपकरण, नक्सल साहित्य, कुछ नक्सलियों द्वारा अन्य नक्सलियों को लिखे गए पत्र और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के साथ एक पुरुष और एक महिला माओवादी के दो शव मिले। घटना के बाद, आईपीसी की धारा 307, 120बी, 147, 148,149; आयुध अधिनियम की धारा 25,27 और यूएपीए की धारा 11, 13 के तहत पुलिस थाना- लांजी में दिनांक 10/7/19 को एक एफआईआर संख्या 200/19 दर्ज की गई तथा मामले पर जांच शुरू हो गई। बाद में शवों की पहचान इस प्रकार की गई:—

1 मंगेश अका अशोक, एसीएम टांडा क्षेत्र समिति

2 नन्दे, एसीएम टांडा क्षेत्र समिति

इस ऑपरेशन में, मध्य प्रदेश पुलिस के श्री तरूण नायक, आईपीएस, कमांडेन्ट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/07/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/229/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 266-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	गोपाल मनीराम उसेंडी	सहायक पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	महेंद्र गणु कुलेटी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	संजय गणपति बाकमवार	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.07.2019 को यह खुफिया जानकारी प्राप्त हुई कि गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) के नक्सलवादी सदस्य हरे-काले वस्त्रों में इरुपगुट्टा पुसेर के जंगल में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को अंजाम देने तथा प्रजातांत्रिक ढंग से निर्वाचित सरकार को गिराने की मंशा से शिविर लगाये हुए थे। इसके अलावा, नक्सलवादियों द्वारा 'नक्सल शहीद सप्ताह' के अवसर पर दिनांक 28.07.2019 से 03.08.2019 तक आवाहन किए गए 'बंद' के दौरान उनकी विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की मंशा थी। जिले में विधान सभा चुनाव भी आयोजित किए जाने थे और यह आशंका थी कि नक्सलवादी शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव नहीं होने देंगे। अतः गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री शैलेश बलकावड़े के कहने पर गढ़चिरौली के अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन)श्री अजय कुमार बंसल द्वारा एक नक्सलरोधी अभियान की योजना बनाई गई।

तद्नुसार, दिनांक 29.07.2019 को 3.00 बजे सहायक उप-निरीक्षक 2191 गोपाल उसेंडी के नेतृत्व में 27 पुलिस कर्मियों वाले C-60 पुलिस दल को नक्सल-रोधी अभियान को अंजाम देने के लिए भेजा गया। पुलिस दल इरुपगुट्टा ग्राम के जंगलों में पहुंचा और 3 समूहों में विभाजित हो गया। मध्य समूह का नेतृत्व पार्टी कमांडर द्वारा किया गया जिसमें पीसी/5395 संजय बाकमवार एनपीसी/3006 महेंद्र कुलेटी, एनपीसी/306 विलास सिदम, एनपीसी/2730 मनोज धर्वा, पीसी/3808 जगनाथ पोटावी, पीसी/4424 ईश्वर वेलाड़ी, पीसी/3399 गोविंदा चापले, पीसी/5031 संतोष रापंजी तथा एनपीसी/5037 नरेश रापंजी शामिल थे। बाईं ओर से जाने वाले समूह का नेतृत्व एचसी/1769 प्रभुदास दुग्गा कर रहे थे जिसमें एचसी/1496 अशोक गटघुमर, एनपीसी/2723 नीलेश्वर पाडा, एनपीसी/3308 संतोष पोटावी, एनपीसी/3091 जीवन उसेंडी, पीसी/5696 दिनेश गावड़े, पीसी/5399 गंगाधर कराड, पीसी/5757 शिवाजी उसेंडी और पीसी/2509 संतोष नरोटे शामिल थे। दाईं ओर से जाने वाले समूह का नेतृत्व एनपीसी/2744 दिवाकर नरोटे कर रहे थे जिसमें एनपीसी/2620 बापू गोटा, एनपीसी/3043 मधुकर गोटा, पीसी/5217

मनेश्वर रापंजी, पीसी/5585 दिलीप गोटा, पीसी/416 उमेश पोटिवी, पीसी/3813 एकनाथ सिदाम, पीसी/2477 साईनाथ नरोटे और पीसी/5761 शंकर पुंगती शामिल थे। तब उन्होंने इरुपगुट्टा के जंगल से अपना तलाशी अभियान प्रारंभ किया और वे पुसेर के जंगल की ओर बढ़ चले।

पुलिस दल ने फिर जंगल में तलाशी करते हुए पुसेर के जंगल में स्थित एक पहाड़ी पर चढ़ना शुरू किया। पहाड़ी पर चढ़ते समय लगभग 11.30 बजे हथियारबंद नक्सलियों ने उन पर पहाड़ी की चोटी से हमला कर दिया। हरे-काले रंग के कपड़े पहने नक्सलवादी गोलियां चला रहे थे। पुलिस दल ने नक्सलवादियों से गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने की अपील की। लेकिन की गई अपील पर कोई ध्यान न देते हुए नक्सलवादियों ने गोलीबारी जारी रखी। सी-कमांडो ने आत्मरक्षा में बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की। पुलिस और नक्सलियों के बीच करीब 25 से 30 मिनट तक मुठभेड़ चलती रही। इसके बाद, पुलिस दल के दृढ़ निश्चय और जवाबी कार्रवाई को देखते हुए, नक्सलवादी भाग खड़े हुए।

इस भीषण मुठभेड़ में सी-60 कमांडो ने एक कट्टर महिला नक्सली का सफाया कर दिया और उसकी 8 एमएम राइफल जब्त कर ली। इसके अलावा, पुलिस ने घटनास्थल से नक्सलवादियों के सामान के साथ-साथ बहुत सारे हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के सर्व/श्री गोपाल मनीराम उसेंडी, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महेंद्र गणु कुलेटी, नायक पुलिस कांस्टेबल और संजय गणपति बाकमवार, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक प्रदान करने को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/07/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/24/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 267-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र .सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	भरत चिंतामण नागरे	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	दिवाकर केसरी नरोटे	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	नीलेश्वर देवाजी पदा	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	संतोष विजय पोटावी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25/03/2018 को यह खुफिया जानकारी प्राप्त हुई कि एओपी कोटामी के अधिकार-क्षेत्र के तहत आने वाले मेंधरी के जंगल में बड़ी संख्या में नक्सलवादियों ने डेरा डाला हुआ है। नक्सलवादियों की तोड़फोड़ करने एवं कानून-व्यवस्था को बुरी तरह अस्त-व्यस्त करने की योजना थी। उनका उद्देश्य विभिन्न जेलों में बंद नक्सलवादी काडरों की रिहाई के लिए दिनांक 23/03/2018 से 29/03/2018 तक के लिए किए गए 'बंद' के आह्वान का समर्थन करना था। इसलिए, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), डॉ हरि बालाजी के कहने पर उक्त वन क्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियान चलाने के लिए तुरंत एक योजना तैयार की गई।

तदनुसार, पीएसआई भरत नागरे ने एओपी कोटमी के अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर ऑपरेशन के लिए दो निजी वाहनों की व्यवस्था की। पीएसआई भरत नागरे के नेतृत्व में पुलिस टीम में पीएसआई मिथुन भोइर, पीएसआई गिरिधर पेंडोर, पीएसआई प्रशांत भागवत, पीएसआई तेजस मोहिते, पीएसआई लहू आर सतपुते, एओपी कोटमी के 21 पुलिसकर्मी शामिल थे और इसमें पीएसआई अभिजीत पाटिल सहित गोपाल उसेंडी की कमान वाले सी-60 दस्ते के 24 अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे। वे सभी एक साथ मिलकर दिनांक 25/03/2018 को 13:15 बजे वाहनों में नक्सल विरोधी अभियान के लिए निकल पड़े। कोइंदुल के झे जंगल के पास पहुंचकर वे वाहनों से उतरे और आगे की रणनीति बनाई। फिर वे ऑपरेशन को ध्यान में रखते हुए दो छोटे समूहों में विभाजित हो गए। एक दल में एओपी कोटमी के पुलिसकर्मी और दूसरे दल में गोपाल उसेंडी का सी-60 दल एवं अधिकारी शामिल थे। पीएसआई भरत नागरे के नेतृत्व में एओपी कोटमी के पुलिस कर्मियों का समूह दाहिनी ओर से आगे बढ़ा तथा एक अन्य समूह बाईं ओर से काफी सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए आगे बढ़ा। फिर, कोइंदुल के जंगल में तलाशी लेते हुए, वे एक गहरे झरने को पार करके मेंधारी के जंगल में प्रवेश कर गए।

दिनांक 25/03/2018 को अचानक लगभग 1530 बजे, पीएसआई भरत नागरे के नेतृत्व में दूसरा समूह लगभग 40-45 सशस्त्र नक्सलवादियों के हमले का शिकार हो गया। हमलावर पुलिस दल की ओर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे, क्योंकि वे सामरिक दृष्टि से बहुत बेहतर स्थान पर मौजूद थे जिससे उन्हें इलाके का बेहतर फायदा हुआ। फिर भी, पीसी/3108 संतोष पोटावी, एनपीसी/2744 दिवाकर नरोटे और एनपीसी/नीलेश्वर पाडा के साथ पीएसआई भरत नागरे ने उस इलाके में उपयुक्त स्थान ढूंढ लिया और सामरिक रूप से कमजोर स्थान पर होने के बावजूद मजबूत जवाबी कार्रवाई की। उनकी सामरिक रणनीति और पुख्ता गोलीबारी की वजह से विषम परिस्थितियों में भी नक्सलवादी पुलिस कार्मियों पर हावी नहीं हो पाए।

जब पीएसआई अभिजीत पाटिल को वॉकी-टॉकी सेट पर नक्सलवादियों द्वारा किए गए इस घातक हमले की जानकारी मिली तो वे कीमती समय बर्बाद किए बिना पीछे से उन पर हमला कर रहे नक्सलवादियों की ओर कुछ लोगों के साथ आगे बढे और भीषण गोलीबारी की। इन पुलिस कर्मियों के साहसिक कार्य और जोखिम भरे निपुणता के कारण एक बंदूकधारी महिला नक्सली को मार गिराया गया और नक्सलवादियों के बहुत से सामान को जब्त कर लिया गया।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के सर्व/श्री भरत चिंतामण नागरे, पुलिस उप निरीक्षक, दिवाकर केसरी नरोटे, नायक पुलिस कांस्टेबल, नीलेश्वर देवाजी पदा, नायक पुलिस कांस्टेबल और संतोष विजय पोटावी, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस प्रदान करने को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/03/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं-11020/45/2021 -पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 268-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, मणिपुर के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
श्री निङथीजम इबीतीम्बा सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

5 नवंबर, 2019 को सुबह लगभग 9.15 बजे, सिटी पुलिस स्टेशन में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि अज्ञात आतंकवादियों द्वारा आईईडी से लैस एक कार्टन बॉक्स खुयाथोंग रोड (राधा स्टोर के समीप), थंगल बाजार, इम्फाल पश्चिमी जिला, मणिपुर के फुटपाथ पर रखा हुआ पाया गया है। यह स्थल सिटी पुलिस स्टेशन से करीब 500 मीटर की दूरी पर है। सूचना के आधार पर, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक (एएसआई), एन. इबीतीम्बा सिंह के नेतृत्व में सिटी पुलिस स्टेशन की एक टीम को लोगों के जान-माल की हिफाजत करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने के लिए तुरंत घटनास्थल पर जाने का निर्देश दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), इम्फाल, पश्चिमी जिला श्री एल अमरजीत सिंह, एमपीएस, के नेतृत्व में इम्फाल पश्चिमी जिला के पुलिस कमांडो की एक टीम, भी कुछ ही समय में घटनास्थल पर पहुंच गयी। इस दौरान बम निरोधक दस्ता भी मंगवाया गया।

उल्लेखनीय है कि थंगल बाजार वाणिज्यिक गतिविधियों का केंद्र है और इम्फाल शहर का सबसे व्यस्त हिस्सा है। अधिकांश दुकानें यहां स्थित हैं और दिन के व्यस्ततम समय के दौरान भारी यातायात और स्कूली बच्चों सहित अनगिनत संख्या में नागरिक यहां मौजूद रहते हैं। सुबह करीब 9.18 बजे मौके पर पहुंचने पर एएसआई एन. इबीतीम्बा सिंह और उनकी पुलिस टीम ने उस इलाके में यातायात को तत्काल प्रवेश करने से रोक दिया जहां संदिग्ध आईईडी लगाया गया था और आस-पास के दुकानदारों से भी अपनी दुकानें बंद करने का अनुरोध किया। बम के खतरे के बावजूद, एएसआई एन. इबीतीम्बा ने क्षेत्र की घेराबंदी करने का भरसक प्रयास किया और बम निरोधक दस्ते के पहुंचने तक जनता को उस स्थान पर आने से रोका। ऐसा करते हुए, उन्होंने देखा कि कुछ पांच/छह नागरिक उस स्थान के पास चल रहे थे जहां आईईडी लगाया गया था। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना वे चिल्लाते हुए उन नागरिकों के पास पहुंचे और अपने दोनों हाथों को फैलाकर एक मानव ढाल के रूप में उन्हें क्षेत्र में प्रवेश करने से रोका, आईईडी उनसे कुछ ही मीटर की दूरी पर था। लेकिन दुर्भाग्य से, उसी क्षण, सुबह लगभग 9.20 बजे, आईईडी में विस्फोट हो गया। वहां चारों ओर धूल ही धूल थी और मौके पर खलबली मच गई। कुछ क्षण के लिए अफरा-तफरी का माहौल था। शुरुआती दहशत और दुविधा के बाद, आसपास मौजूद पुलिस-कर्मियों ने तुरंत मौके पर किसी घायल व्यक्ति के होने की तलाश की और एएसआई, एन. इबीतीम्बा सिंह को विस्फोट के कारण गंभीर रूप से घायल लेकिन चमत्कारिक रूप से जीवित पाया।

चार अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मी, अर्थात् (i) एल. अमरजीत सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), इम्फाल वेस्ट, (ii) टीएच. देवन सिंह, कमांडो के एसआई, इम्फाल पश्चिम, (iii) केएच. बोनी सिंह इम्फाल वेस्ट के कमांडो के एएसआई और (iv) इम्फाल वेस्ट के कमांडो से जुड़े 7-आईआरबी के राइफलमैन एच. बोबॉय सिंह को भी मामूली चोटें आईं। यह सिटी पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा

121/121-क/307/326/427/34, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 20/16 (1) (ख) तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3 के तहत दर्ज एफआईआर केस नंबर 96(11)2019 के मामले से संबंधित है।

इस भीषण आतंकी घटना के दौरान सिटी थाने के एएसआई एन. इबीतीम्बा सिंह ने सबसे पेशेवर और साहसी ढंग से कार्य किया। यदि उन्होंने एक पल के लिए भी अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना तेजी और साहस से काम नहीं लिया होता, और इस तरह दुकानदारों और यात्रियों को उस जगह, जहां आईईडी लगाया गया था, के पास प्रवेश करने से नहीं रोका होता, तो कई लोगों की जान चली गई होती और कई लोग घायल भी हो गए होते। जांच के दौरान, बाद में यह पुष्टि हुई कि आईईडी को मणिपुर में सक्रिय प्रतिबंधित पीएलए (पीपुल लिबरेशन आर्मी) आतंकवादी समूह द्वारा लगाया गया था। घायल एएसआई एन. इबीतीम्बा ने ठीक होने के बाद, जांच अधिकारी (उसी पुलिस स्टेशन से) की सहायता की और दोषियों को सजा दिलाने के अपने दृढ़ संकल्प के कारण, आईईडी लगाने में शामिल कुल मिलाकर सोलह पीएलए काडरों तथा सभी दोषी कार्यकर्ताओं को एक-एक करके पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में, मणिपुर पुलिस के श्री निङथीजम इबीतीम्बा सिंह, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक प्रदान करने को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/11/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/206/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 269-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, ओडिशा के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरान्त)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं: -

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्वर्गीय जयराम कबासी	ओ.ए.पी.एफ	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरान्त)
2	ऋषिकेश दन्यँडो खिलारी, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	रामु दुरुआ	ओ.ए.पी.एफ	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	बंधू हंताल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	घेनु हंताल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
6	प्रवीन थापा	हवलदार	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	राजेश बिस्वकर्मा	हवलदार	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
8	जीवन शाही	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	ओसधिनाथ बेहेरा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.08.2019 को अपराह्न लगभग 06.00 बजे आईपीएस, श्री खिलारी ऋषिकेश दन्यँडो, पुलिस अधीक्षक, मलकानगिरी को सैन्य पलटन -1 के राकेश सोडी (डीसीएम) के नेतृत्व में आंध्र ओडिशा सीमा विशेष क्षेत्रीय समिति (एओबीएसजेडसी) के सशस्त्र माओवादी काडरों की संदिग्ध आवाजाही और 15-20 सदस्यों के मुदुलीपाड़ा पीएस अधिकार क्षेत्र के तहत पाकनागुडा-सोनुगुडा गांव से सटे जंगल में एकत्रित होने के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिली। प्राप्त जानकारी से पता चला कि वे मलकानगिरी जिले के सुरक्षा बलों को निशाना बनाने, नागरिकों की हत्या करके इलाके में आतंक फैलाने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। उप निरीक्षक, माधब बेहेरा तथा एसएचओ, मुदुलीपाड़ा पुलिस स्टेशन द्वारा शाम 07.00 बजे तक और जिला आसूचना और संचालन सेल (डीआईओसी), मलकानगिरी के माध्यम से विश्वस्त एवं विश्वसनीय स्थानीय स्रोतों को भेजकर सूचना का अतिरिक्त सत्यापन किया गया।

खुफिया जानकारी से संतुष्ट होने और झूठे इनपुट की संभावना से इन्कार करते हुए तथा माओवादियों द्वारा जाल न बिछाए जाने के प्रति आश्वस्त हो जाने के पश्चात पुलिस अधीक्षक, मलकानगिरी के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में डीआईओसी, मलकानगिरी में तत्काल अभियान की योजना बनाई गई थी। इसके अलावा सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर शाम के समय पुलिस दल को पहुंचाए जाने का जोखिम उठाए जाने का भी निर्णय लिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपर महानिदेशक पुलिस (ऑपरेशन) तथा उप महानिरीक्षक पुलिस, दक्षिणी-पश्चिमी रेंज

(एसडब्ल्यूआर), कोरापुट के साथ अंतिम योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। उनके बहुमूल्य सुझावों को अंतिम योजना में शामिल किया गया और उनके उचित अनुमोदन के बाद, आईपीएस, श्री खिलारी ऋषिकेश दन्यँडो, पुलिस अधीक्षक, मलकानगिरी द्वारा विस्तृत ब्रीफिंग के उपरांत उनके नेतृत्व में डीवीएफ टीम तथा एसओजी टीम द्वारा सभी मानक प्रचालन प्रक्रियाओं का अनुपालन करते हुए एक ऑपरेशन चलाया गया।

ऑपरेशन के दौरान अगले दिन दिनांक 28.08.2019 को सुबह करीब 5:30- 6:00 बजे सुरक्षाबलों ने पाकनागुड़ा-सोनगुड़ा जंगल के लक्षित क्षेत्र में और उसके आसपास तलाशी अभियान चलाया। उस समय, उन्होंने दाबुगुडा गांव के पास महिला काडर सहित 15-20 सशस्त्र काडरों के एक समूह की आवाजाही और कुछ शिविर देखें। उनके पास स्वचालित हथियार थे और कुछ ऑलिव ग्रीन माओवादी वर्दी पहने हुए थे। उन्होंने सीपीआई (माओवादी) का झंडा लगाया हुआ था और अपनी सुरक्षा के लिए संतरी तैनात किए हुए थे। जब सुरक्षा बल सीपीआई (माओवादी) काडरों की विध्वंसक गतिविधियों का जायजा लेने के लिए समूह के करीब पहुंचे, तो संतरी ने उन्हें देख लिया और तुरंत छिपकर अपने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी करनी शुरू कर दी।

पुलिस दल ने तुरंत कवर लिया और गैर-कानूनी माओवादियों को ओड़िया और हिंदी, दोनों भाषाओं में हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने के लिए तेज और स्पष्ट आवाज में कहा। पुलिस दल के कानून सम्मन निर्देश की ओर ध्यान दिए बिना, सशस्त्र माओवादियों ने अचानक बिना उकसावे के स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध लक्षित गोलीबारी शुरू कर दी और पलटवार कर हमला कर दिया जिससे पुलिस दल विभिन्न दिशाओं से भारी गोलाबारी का शिकार हो गया। उन्होंने ग्रेनेड भी फेंके जिससे कई कमांडो घायल हो गए। गोलीबारी से विचलित हुए बिना, पुलिस टीम के लीडर ने ऑपरेशनल टीम को छोटी टीमों में विभाजित कर दिया और विद्रोहियों को दोनों तरफ से घेर लिया।

तदनुसार, हवलदार प्रवीण थापांड के नेतृत्व में बाईं ओर की टीम और डीवीएफ कार्मिक जयराम कबासी के नेतृत्व में दाहिनी ओर की टीम ने क्रमशः बाईं ओर और दाईं ओर से माओवादियों की गोलीबारी का जवाब देते हुए प्रतिकारात्मक कार्रवाई की। श्री खिलारी ऋषिकेश दन्यँडो, पुलिस अधीक्षक, मलकानगिरी ने फ्रंटल चैलेंज में मुख्य आक्रमण दल का नेतृत्व किया। असंख्य चुनौतियों, गंभीर क्षेत्रीय सीमाओं एवं भारी व्यक्तिगत जोखिम के बावजूद पुलिस दल ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और आत्मरक्षा में नियंत्रित गोलीबारी की। लगभग 45 मिनट तक रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। इस गोलीबारी के दौरान, माओवादी विद्रोहियों ने पुलिस दल के मुख्य आक्रमण दल की तीनों टीमों (अर्थात दाहिनी ओर, बायीं ओर और मुख्य हमला दल) पर भारी गोलीबारी की, साथ ही साथ हथगोले भी दागे।

पूरे ऑपरेशन के परिणामस्वरूप न केवल माओवादियों के विध्वंसक और राष्ट्र-विरोधी, भयावह मंसूबों को विफल किया गया, बल्कि 10.02.2012 को बीएसएफ द्वारा तलाशी के दौरान, जिसमें 107वीं बटालियन के कमांडेंट, उप कमांडेंट एवं 2 अन्य कर्मियों सहित बीएसएफ के 4 जवान शामिल थे, शहीद हो गए और हथियार लूट लिए गए (चित्रकोंडा पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 147/148/121/121-क/122/124-क/324/326/307/395/149, शस्त्र अधिनियम की धारा 25/27, एलए अधिनियम की 17, ईएस अधिनियम की धारा 3/4/5, विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा 10/13/16/18, के तहत दर्ज मामला संख्या 7/2012 (vi) दिनांक 22.03.2012 को खैरपुट मार्केट में मुदलीपाड़ा थाने के उप निरीक्षक के.सी. एच रथ की दिनदहाड़े हत्या (मुदलीपाड़ा पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 147/148/121/121-क/124-ए/307/302/149, शस्त्र अधिनियम की धारा 25/27/एलए अधिनियम की धारा 17सीआर तथा विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा 16/18/20 के तहत दर्ज मामला संख्या 12/2012) और (vii) आंध्र प्रदेश के पूर्व विधायक श्री के.एस.राव और पूर्व विधायक श्री एस.सोमा की दिनांक 23.09.2018 को थुटांगी गांव, अर्कू घाटी, विशाखापत्तनम के पास हत्या)।

ऑपरेशन की पूरी प्रक्रिया के दौरान खुफिया जानकारी इकट्ठा करने से लेकर, योजना बनाने, छोड़ने, क्रियान्वयन, निगरानी, पर्यवेक्षण, एसओपी का पालन करने वाली टीम की वापसी और टीम वर्क के द्वारा किया गया निरंतर प्रयास काबिले तारीफ है। निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मियों ने उच्च स्तर के विश्लेषणात्मक कौशल का प्रदर्शन किया है और साथ ही कुछ ही समय में टीमों को तैयार करने में दृढ़ संकल्प और धैर्य, विस्तृत ब्रीफिंग, सटीक ड्रॉपिंग, करीबी निगरानी के साथ-साथ पूरे ऑपरेशन के दौरान भाग लेने वाली टीमों को निरंतर मार्गदर्शन के साथ खुफिया जानकारी के विश्लेषण, संचालन की योजना बनाने में अत्यधिक जोखिम लेने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। अंत में, उन्होंने देश की सेवा में ड्यूटी करते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर, दुश्मन के सामने ऑपरेशन में अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। इनमें से किसी भी एक अधिकारी और कर्मी के योगदान को न तो कम करके आंका जा सकता है और न ही एक दूसरे के साथ इनकी तुलना की जा सकती है क्योंकि हर व्यक्ति ने मातृभूमि के लिए ऑपरेशन के दौरान अपने-अपने कार्य में अनुकरणीय धैर्य, उत्साह और दृढ़ संकल्प दिखाया है। उनकी ईमानदारी, कड़ी मेहनत, समर्पण और परिश्रम के कारण ही यह ऑपरेशन सफल रहा।

ऑपरेशन के बाद, एक एके-47 राइफल, 48 लाइव राउंड वाली एके-47 की दो मैगजीन, मैगजीन के साथ एक .303 राइफल और 43 लाइव राउंड, दो वॉकी टॉकी सेट जैसे अत्याधुनिक हथियारों के साथ छह किटबैग, आईईडी/बम बनाने की सामग्री, माओवादी साहित्य, दवाएं और अन्य विविध सामग्री सहित गोली लगने से घायल एक पुरुष का शव बरामद किया गया। हालांकि, ऑपरेशन के दौरान, पुलिस दल ओ.ए.पी.एफ के एक कमांडो श्री जयराम कबासी माओवादियों द्वारा की गई गोलीबारी के दौरान शौर्यपूर्वक लड़ते हुए तथा अन्य पुलिस कर्मियों के जीवन की साहसिकता से रक्षा करते हुए गोली लगने से मौके पर ही शहीद हो गए। एक अन्य कमांडो रामुदुरुआ के भी सीने में गोली लगी। इस संबंध में मुदुलीपाड़ा पुलिस स्टेशन में दिनांक 28.08.2019 को भारतीय दंड संहिता की धारा 120(ख)/121/121 (क)/124(क)/307/302/149, शस्त्र अधिनियम की धारा 25/27/सीआरएलए अधिनियम की धारा 17/विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा 16 (1) (क) (ख)/18 (ए)/20 तथा ईएस अधिनियम की धारा 4/5 के तहत मामला संख्या 54/2019 दर्ज किया गया और

इसकी जांच चल रही है। बाद में मारे गए माओवादी की पहचान खूंखार राकेश सोडी, डीसीएम और एओबी मिलिट्री प्लाटून के कमांडर के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, ओडिशा के पुलिस सर्व/श्री स्वर्गीय जयराम कबासी, ओ.ए.पी.एफ, ऋषिकेश दन्यँडो खिलारी, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, रामु दुरुआ, ओ.ए.पी.एफ, बंधू हंताल, सिपाही, घेनु हंताल, सिपाही, प्रवीन थापा, हवलदार, राजेश बिस्वकर्मा, हवलदार, जीवन शाही, सिपाही तथा ओसधिनाथ बेहेरा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक प्रदान करने को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28/08/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/38/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 270-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
श्री प्रशांत कुमार, आईपीएस	अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18-02-2020 को दोपहर 16:25 बजे श्री प्रशांत कुमार, आईपीएस, अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ अंचल, उत्तर प्रदेश एवं श्री अजय कुमार साहनी आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेरठ, उ.प्र. को थाना कंकरखेड़ा के तहत घनी आबादी वाली रिहायशी बस्ती आर्क सिटी के एक फ्लैट में अपराधियों द्वारा फायरिंग की घटना की सूचना जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष से वायरलेस पर प्राप्त हुई। वे फौरन मौके पर पहुंचे।

विश्वसनीय मुखबिर से अपराधियों की मौजूदगी की सूचना प्राप्त होने पर श्री जितेंद्र कुमार, सर्कल ऑफिसर दौराला और श्री बृजेंद्र पाल राणा थाना प्रभारी, कंकरखेड़ा पुलिस स्टेशन पहले से ही वहां मौजूद थे।

अपराधी फ्लैट के फर्स्ट फ्लोर की खिड़की से रुक-रुककर गोलीबारी कर रहा था, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, प्रशांत कुमार ने ऑपरेशन की कमान संभाली। उन्होंने तुरंत स्थिति का मूल्यांकन किया और रणनीतिक तरीके से पुलिस बल को तैनात किया। अपराधी को एडीजी प्रशांत कुमार और उनकी टीम ने गोलीबारी रोकने और सरेंडर करने की चेतावनी दी लेकिन अपराधी ने गोलीबारी जारी रखी।

श्री प्रशांत कुमार और उनकी टीम अपराधी द्वारा की जा रही जानलेवा गोलीबारी की परवाह किए बिना अपराधी को पकड़ने के लिए सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ी। इस दौरान वे अपराधी की अंधाधुंध गोलीबारी का शिकार हो गए। बहरहाल, श्री प्रशांत कुमार, एडीजी मेरठ जोन और श्री अजय कुमार साहनी, एसएसपी मेरठ घायल नहीं हुए क्योंकि वे बुलेट प्रूफ जैकेट पहने हुए थे, लेकिन श्री जितेंद्र कुमार सर्कल अधिकारी, दौराला घायल हो गए।

इसके बावजूद एडीजी, श्री प्रशांत कुमार अपनी टीम के साथ चतुराई से अपराधी की ओर आगे बढ़े और उन्होंने आत्मरक्षा में गोलीबारी करते हुए अपराधी को घायल कर दिया। घायल अपराधी की पहचान बाद में एक खूंखार लुटेरे, कुख्यात अंतरराज्यीय गैंगस्टर शिव शक्ति नायडू, पुत्र श्री कालिदास निवासी एच-1, डीडीए फ्लैट, गली नंबर 25, पुलिस स्टेशन, अंबेडकर नगर, जिला दक्षिण पूर्वी दिल्ली के रूप में हुई, जिस पर 1,00,000 रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी। घावों की वजह से बाद में उसने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद पुलिस की तलाशी के दौरान एक फैक्टरी निमित परिष्कृत स्वचालित 9 मिमी कार्बाइन, एक 12 बोर डीबीबीएल बंदूक और उसके गोला-बारूद और एक लूटी हुई सफेद रंग की फॉर्च्यूनर कार सफलतापूर्वक बरामद की गई।

दिनांक 23.12.2005 को कुख्यात मृत अपराधी ने दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल राम सिंह मीणा की अदालत परिसर के अंदर अंधाधुंध गोलीबारी करके हत्या कर दी थी और वह सिनेस्टार श्रीमती शिल्पा शेट्टी के पति की कंपनी से दिल्ली में दिनदहाड़े नकद लूट के लिए भी जिम्मेदार था। उसे कई सालों तक मकोका के तहत हिरासत में भी रखा गया था।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के श्री प्रशांत कुमार, आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक प्रदान करने को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/02/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/99/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 271-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
श्री आनंद ओरान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.08.2019 को, संख्या 130853619 कांस्टेबल आनंद ओरान और संख्या 120604069 कांस्टेबल सुरेश चंद को बीओपी गोबरधा, एक्स-153वीं बटालियन बीएसएफ में क्रमशः एसीपी बिंदु संख्या 04 और 5 बी पर दूसरी शिफ्ट की एसीपी ड्यूटी (00:01 से 06:00) पर तैनात किया गया। लगभग 01:45 बजे, उन्होंने देखा कि बांग्लादेश की ओर से 10-12 मवेशी भरतकी ओर बढ़ रहे हैं। तस्कर धारदार दाह और लाठी लिए हुए आक्रामक मुद्रा में थे। कांस्टेबल आनंद ओरान ने उन्हें रुकने को कहा किंतु उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया, बल्कि उन्होंने एसीपी पार्टी पर लाठी से हमला किया और कांस्टेबल आनंद ओरान पर पथराव किया। कांस्टेबल आनंद ओरान ने तत्काल नजदीकी जांच चौकी और क्यूआरटी (रेडियो सेट के माध्यम से) को बल भेजने के लिए सूचित किया। तभी कांस्टेबल आनंद ओरान और एक बीडी तस्कर के बीच हाथापाई हो गई। इस बीच, कांस्टेबल सुरेश चंद, जो साथ वे ही एसीपी प्वाइंट पर ड्यूटी कर रहे थे, मदद के लिए कांस्टेबल आनंद ओरान की मदद के लिए दौड़े। हाथापाई के दौरान, बीडी तस्कर ने कांस्टेबल आनंद ओरान के पीएजी को उसके बट से पकड़ लिया और बीडी तस्कर द्वारा पीएजी को छीनने की प्रक्रिया में, बीडी तस्कर द्वारा पीएजी का ट्रिगर दब गया और पीएजी (लॉट केएफ-12) बट का एक राउंड नंबर 04 12162-ए चल गया जो कांस्टेबल आनंद ओरान को लगा। परिणामस्वरूप, कांस्टेबल आनंद ओरान को पेट के नीचे बाईं ओर की कमर में चोट लग गई। गंभीर चोट लगने के बाद भी, कांस्टेबल आनंद ओरान ने पीएजी पर अपनी पकड़ ढीली नहीं की और बीडी तस्कर को पकड़ लिया। इसी दौरान पास की ही एसीपी से कांस्टेबल सुरेश चंद तथा सीमा जांच चौकी गोबरदाह से क्यूआरटी दल पी.ओ.ओ. पहुंच गया और बीडी तस्करों पर काबू पा लिया। इसके बाद, कांस्टेबल आनंद ओरान को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया और कोलकाता के मेडिका सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में उनका ऑपरेशन किया गया।

पूरे क्षेत्र की गहन तलाशी के दौरान पी0ओ0ओ0 से लगभग 83,690/- रु. मूल्य के 10 मवेशी, 02 लाठियां एवं 01 दाह जब्त किया गया और लगभग- 25 वर्ष (मुस्लिम/पुरुष) की उम्र के 01 बीडी तस्कर मिंटू सरदार, पुत्र नूर इस्लाम, गांव-जहानाबाद, डाकघर+पुलिस थाना+जिला-सतखिरा, बांग्लादेश को पकड़ा गया।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के श्री आनंद ओरान, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक प्रदान करने को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/08/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/80/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 272-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते —

पुरस्कार प्राप्त करने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
श्री सुन्दर सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.01.2021 को, बीओपी किस्टोपुर की दूसरे शिफ्ट की एसीपी पार्टी, जिसमें सं. 886888055 सहायक उप निरीक्षक/सामान्य ड्यूटी राकेश कुमार 09 ओआर सहित शामिल थे, को 00:01 बजे से 06:00 बजे तक सीमा चौकी सं.198/4-एस से सीमा चौकी सं.200/1-एस के बीच के सामान्य क्षेत्र में घात और गश्त (एसीपी) के माध्यम से इस क्षेत्र पर अधिकार स्थापित करने के लिए कहा गया।

लगभग 03:20 बजे, सहायक उप निरीक्षक/सामान्य ड्यूटी राकेश कुमार ने आईबीबी रोड पर गश्त करते समय आईबीबी रोड पर आईबीबी बाड़ गेट सं. 49 के समीप 2-3 लोगों की संदेहास्पद गतिविधि देखी, जो आईबीबी बाड़ के ऊपर से बांग्लादेश की तरफ कुछ फेंक रहे थे। वह तुरंत "पकड़ो-पकड़ो" चिल्लाए और उन्हें रुकने के लिए कहा किंतु भारतीय तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग गए।

अपने एसीपी कमांडर की आवाज सुनकर, सं. 012213263 कांस्टेबल/सामान्य ड्यूटी सुन्दर सिंह जो आईबीबी बाड़ के आगे गश्त कर रहे थे, गेट सं. 49 की ओर दौडे और आईबीबी बाड़ के आगे उन्होंने दो बांग्लादेशी तस्करों की उपस्थिति देखी। कांस्टेबल/सामान्य ड्यूटी को अपनी ओर आते हुए देखकर, दोनों बांग्लादेशी उपद्रवी बांग्लादेश की और भागने लगे। कांस्टेबल सुन्दर सिंह ने उन्हें रुकने के लिए कहा और लगभग 40 मीटर तक पीछा किया। उनका पीछा करते हुए, कांस्टेबल सुन्दर सिंह ने देखा कि 3-4 बांग्लादेशी उपद्रवी पास की झाड़ियों में भी छिपे हुए थे। एक अकेले बीएसएफ जवान को अपनी ओर आते हुए देखकर, 5-6 बांग्लादेशी तस्करों ने उन्हें घेर लिया। बांग्लादेशी तस्करों के पास तेज हथियार थे। स्वयं को तस्करों से घिरा पाकर, कांस्टेबल सुन्दर सिंह एक क्षण के लिए रुके, अपना राइफल लोड की और स्थिति का आकलन किया। इस बीच, एक बांग्लादेशी तस्कर ने अपनी टॉर्च की रोशनी उनकी आंख पर मारी जिससे उनकी आंखे कुछ समय के लिए चौंधिया गईं। कुछ समय के लिए उन्हें लगभग अंधा करके, एक तस्कर ने कूदकर उनके सिर पर जोर से वार किया, जबकि एक अन्य ने उन्हें पकड़ लिया और उनका हथियार छीनने की कोशिश की। बांग्लादेशी तस्करों से घिरे होने के बावजूद, कांस्टेबल सुन्दर सिंह ने अपने को छुड़ाया और भय में प्रतिक्रिया न देते हुए केवल तस्करों को अपने शरीर से और अपने हथियार से दूर रखने के आशय से आत्मरक्षा में एक राउंड गोली चलाई। उनका यह उपाय काम कर गया और अन्य तस्कर, यद्यपि वहां से नहीं भागे तथापि वे उनके नजदीक आने की हिम्मत नहीं कर सके। और, जो बांग्लादेशी तस्कर उनका हथियार छीनने की कोशिश कर रहे थे उन्होंने भय से उनका हथियार छोड़ दिया। जिस तस्कर ने कांस्टेबल सुन्दर सिंह के सिर पर वार किया था, उसने फिर से उन पर वार करने की कोशिश की, किन्तु इस बार कांस्टेबल सुन्दर सिंह ने न केवल उसके हमले से अपना बचाव किया बल्कि घायल होने के बावजूद अपनी राइफल के बट से उस पर जवाबी हमला किया। तस्कर उनके हमले को सह नहीं सका और गिर गया। कांस्टेबल सुन्दर सिंह उस पर कूद पड़े और उसे कसकर पकड़ लिया। इसी बीच, समीप ही ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ के कर्मी भी घटना स्थल की ओर दौड़े। अन्य बीएसएफ कर्मियों को अपनी ओर आते देख, बाकी बांग्लादेशी तस्कर भाग गए। घायल होने के बावजूद, कांस्टेबल सुन्दर सिंह ने जिस तस्कर को पकड़ा हुआ था, उसे नहीं भागने दिया।

जब समीप के बीएसएफ कर्मी घटना स्थल पर पहुंचे, तब उन्होंने बांग्लादेशी उपद्रवी को गिरफ्तार कर लिया और कांस्टेबल सुन्दर सिंह को बचाकर प्राथमिक चिकित्सा के बाद संयुक्त अस्पताल एसएचक्यू बीएसएफ मालदा ले जाया गया।

कांस्टेबल सुन्दर सिंह के बुद्धिमत्तापूर्ण, तेज और वीरतापूर्ण कार्य से न केवल कम से कम बल का प्रयोग करके एक बांग्लादेशी उपद्रवी को पकड़ा गया बल्कि 175 बोतल फैंसिडिल, एक मोबाइल फोन, एक लोहे के दाह और एक मेटल टॉर्च भी बरामद हुई। बांग्लादेशी तस्कर के पकड़े जाने और मोबाइल फोन बरामद होने से भारत-बांग्लादेश सीमा के दोनों तरफ उसके साथियों का पता लगाकर जांच में आगे मदद मिलेगी।

संख्या 012213263 कांस्टेबल सुन्दर सिंह एकनिष्ठ रहे, अपनी क्षमताओं पर विश्वास किया और पूरी घटना के दौरान स्थिति का अच्छी तरह से आकलन किया। उनके व्यक्तिगत स्वास्थ्य और उन्होंने जो किया उसमें उनके मंजे हुए तरीके ने तस्करी के प्रयास को निष्फल करने में बड़ी भूमिका निभाई। अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए उन्होंने निजी सुरक्षा पर विचार नहीं किया, अघातक तरीका अपनाया और इस ऑपरेशन को पूरा करने में न्यूनतम बल का प्रयोग किया। सिर पर चोट लगने और तस्करों के साथ लड़ाई में अकेला होने के बावजूद, कांस्टेबल सुन्दर सिंह ने 5-6 तस्करों को अकेले ही चुनौती देने के लिए दृढ़ संकल्प, बिना शस्त्र के मुकाबले में पेशेवर कौशल और असाधारण बहादुरी का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, बीएसएफ के श्री सुन्दर सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30/01/2021 से दिया जाएगा।

(फाइल सं. 11020/203/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 273-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पुरस्कार प्राप्त करने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	रोहित तिवारी	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	गणेश हलदर	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

थाना रनिया, जिला खूंटी, झारखंड के पहाड़ी/जंगली क्षेत्र में दिनेश गोप (पीएलएफआई सुप्रीमो) और गुज्जू गोप (जोनल कमांडर) के नेतृत्व में आधुनिक हथियारों से लैस 8-10 खतरनाक माओवादियों के उपस्थित होने की जानकारी प्राप्त हुई थी। तत्काल, 209 कोबरा द्वारा एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई, जिसमें क्षेत्र के भूगोल, निकलने के रास्ते, छिपने के संभावित ठिकाने और ऑपरेशन में शामिल टीमों के बीच समन्वय के तत्वों का अच्छी तरह विश्लेषण किया गया। 06 टीमों को मिलाकर, 03 टीमों को तलाशी और ध्वस्त करने के इस चुनौतीपूर्ण मिशन को पूरा करने का काम सौंपा गया।

श्री रोहित तिवारी, सहायक कमांडेंट टीम-1 की टीम संख्या 17 का नेतृत्व कर रहे थे। विस्तृत ब्रीफिंग के बाद सैनिक दस्ता 13 फरवरी, 2019 को 23:50 बजे मुख्यालय 209 कोबरा से लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ा। दस्ते समयांतराल रखते हुए एक-एक कर आगे बढ़े। टीम नम्बर 17 अग्रिम टुकड़ी थी। श्री रोहित तिवारी, सहायक कमांडेंट अपनी टीम के साथ, कुशलता से सबसे आगे चल रहे थे और अंधेरी रात में, कठिन परिस्थितियों के बीच घने जंगली इलाके/पहाड़ी क्षेत्र में आगे बढ़ रहे थे। वे पूरी गोपनीयता और औचकता बनाए रखते हुए मूवमेंट में समन्वय भी सुनिश्चित कर रहे थे।

चिन्हित क्षेत्र के नजदीक पहुंचने पर, श्री रोहित तिवारी, सहायक कमांडेंट ने अपने स्काउट ग्रुप को सचेत किया, आगे के इलाके का मुआयना किया और पूरी सतर्कता से, सूखे पत्तों और छोटे पत्थरों का कम से कम आवाज करते हुए आगे बढ़ते रहे। पौ फटने के साथ ही मूवमेंट खतरनाक होता जा रहा था। आगे बढ़ने के दौरान पहाड़ी की चोटी की ढलान पर और क्षितिज पर पहली रोशनी पड़ते ही घने जंगल में और झाड़ियों के बीच आगे कुछ संदेहास्पद गतिविधि देखी गई।

समय बर्बाद नहीं करते हुए श्री रोहित तिवारी, सहायक कमांडेंट ने टीम-1 और 2 के कमांडरों को अपनी स्थिति की जानकारी दी। साथ ही, अपने सैनिकों को शांत हो जाने तथा सतर्कता से गतिविधि पर नजर रखने का संकेत किया। अचानक, कुछ नक्सली, पेड़ के तने की ओट में दिखे। श्री रोहित तिवारी, सहायक कमांडेंट ने बिना समय गंवाए अन्य टीमों को नक्सलियों की स्थिति की जानकारी दी और उनसे बचने के रास्तों को घेरने के लिए कहा। नक्सली एक मजबूत घेराबंदी में फंस गए। अपने आस-पास सैनिक टुकड़ी की गतिविधि का आभास होने पर, उन्होंने टुकड़ी पर जोरदार गोलीबारी शुरू कर दी। एएनई से पहली गोली चलते ही श्री रोहित तिवारी, सहायक कमांडेंट यह समझ गए कि यह गोलीबारी आधुनिक हथियारों से की जा रही थी। तत्काल, उन्होंने अपनी टीम के साथ पोजिशन ले ली और नक्सलियों को सरेंडर करने के लिए कहा, किंतु इन्होंने इसे अनसुना कर दिया और घातक स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। अत: विकल्पों के अभाव में सैन्य टुकड़ी ने नियंत्रित तरीके से हमले का जवाब दिया।

श्री रोहित तिवारी, अपने दुश्मन को छोड़ना नहीं चाहते थे। भारी गोलीबारी के बीच, वह एचसी/जीडी गणेश हैदर के साथ मैदान में डटे रहे और नक्सलियों पर जोरदार जवाबी हमला किया। गोलियों की गूँज से शांत जंगल एक भयंकर युद्ध क्षेत्र में बदल गया और वहां मौत का साया मंडराने लगा।

इस बीच, अन्य टीमों को माओवादियों को पीछे से घेरने के लिए कहा गया। दोनों माओवादी सीधे गोलीबारी की जद में थे और वे दुश्मन के विरुद्ध बहादुरी से जवाबी कार्रवाई कर रहे थे। श्री रोहित तिवारी, एसी, अच्छी तरह से जानते थे कि उनके साथी सैनिक उनका सहयोग नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने भागने के सामरिक रास्तों पर कब्जा कर रखा है; जिसे यदि छोड़ दिया जाता तो पूरी टीम की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती। इसलिए, विकल्प और समय नहीं होने के कारण, उन्होंने माओवादियों से आमने-सामने की लड़ाई का फैसला किया। पल भर में ही, वे तमाम खतरों को धता बताते हुए, अपनी आड़ से बाहर निकल आए और नक्सलियों के ठिकानों पर गोलियों की बौछार कर दी। फायरिंग करते हुए उन्होंने अपने स्काउट्स को नक्सलियों पर पीछे से हमला करने का निर्देश दिया। अपने बहादुर कमांडर के नक्शेकदम पर चलते हुए, एचसी/जीडी गणेश हैदर भी साहसपूर्वक गोलियों के बीच आगे बढ़े और माओवादियों पर हमला कर दिया।

जैसा कि कहा गया है, "भाग्य बहादुरों का साथ देता है", उस दिन, दोनों बहादुरों ने मौके को अपने नाम करने का दृढ़ संकल्प कर लिया था। दोनों के साहसी जवाबी हमले से नक्सली अचंभित रह गए। उन्होंने नक्सलियों की ताकत और बढ़त को तोड़ने के लिए उन पर फायरिंग तेज कर दी। दोनों डरने वाले नहीं थे। उन्होंने सभी बाधाओं को धता बताते हुए जवाबी हमला जारी रखा और आगे बढ़ते रहे। दोनों की बहादुरी को देखकर नक्सलियों में भय व्याप्त हो गया, और उनकी ओर से गोलीबारी कम हो गई और वे पीछे हटने की तैयारी करने लगे। उनकी योजना को भांपते हुए तथा उन्हें और कमजोर करने के लिए, श्री रोहित तिवारी, एसी, एचसी/जीडी गणेश हैदर ने अन्य सैनिकों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए नियंत्रित तरीके से जोरदार जवाबी हमला किया। दोनों के जोरदार हमले से विदेश निर्मित एचके -33 राइफल से लैस एक सशस्त्र नक्सली की मौत हो गई।

वे यहीं नहीं रुके। उनके हमले को नाकाम करने के बाद, दोनों ने भागते हुए नक्सलियों का पीछा किया, लेकिन उन्हें पकड़ नहीं पाए क्योंकि वे जंगल का फायदा उठाकर मौके से भागने में सफल रहे। शीघ्र ही पीछे की टुकड़ियां भी पीछे से कवर करते हुए मौके पर पहुंच गईं और घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के सर्व/श्री रोहित तिवारी, सहायक कमांडेंट और गणेश हलदर, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/02/2019 से दिया जाएगा।

(फाइल सं. 11020/62/2020 -PMA)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 274-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पुरस्कार प्राप्त करने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	संजीत कुमार सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	स्वर्गीय रोहित कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3	विनित अशोक मेश्राम	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	हनुमान राम	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	अजय सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	सुधिर कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	बलबीर कुमार सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	मुकेश कुमार रंजन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	अभिषेक कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
10	विजय उरॉव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
11	कामठे सोमनाथ पोपटराव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
12	भीम सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
13	कुम्भार नितिन सदाशिव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

209 कोबरा को डूमरटोली/आमटोली गांव, थाना कमदारा, गुमला, झारखंड के पहाड़ी/जंगली इलाके में दिनेश गोप, जोनल कमांडर के नेतृत्व में पीएलएफआई सशस्त्र काडरों के एक समूह की उपस्थिति की सूचना मिली थी। तदनुसार, नक्सलियों को पकड़ने के लिए एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। दो स्ट्राइक टीमों को इस ऑपरेशन को पूरा करने का काम सौंपा गया।

दिनांक 23 फरवरी, 2019 को, दोनों स्ट्राइक टीम उबड़-खाबड़ जमीन, बड़े पत्थरों, घनी झाड़ियों और विषम रास्तों को पार करते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ी और सुबह होने से पहले लक्ष्य के समीप पहुंच गईं। उस स्थान का विश्लेषण करते हुए, पार्टी कमांडर ने लक्षित क्षेत्र के चारों ओर बच निकलने के संभावित रास्तों पर सामरिक रोक लगा दी। नक्सली पत्थरों के पीछे छिप गए, सुरक्षा बलों की उपस्थिति भांपते हुए जवानों, कांस्टेबल/जीडी विजय उरॉव और हैड कांस्टेबल/जीडी बलवीर कुमार सिंह पर गोलियों की बौछार कर दी।

तत्काल, टीम कमांडर, श्री संजीत कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने सैन्य दल को सर्तक किया और क्षेत्र का मुआइना किया तथा पाया कि 06-08 सशस्त्र काडर सैनिकों पर गोलीबारी कर रहे हैं। उन्होंने उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, किंतु नक्सलियों ने उनकी बात नहीं सुनी। नक्सली घातक स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। श्री संजीत कुमार सिंह, एसी, ने पहले स्काउट्स की सहायता करने का निर्णय लिया और, तदनुसार, वे कांस्टेबल/जीडी अभिषेक कुमार और कांस्टेबल/जीडी कुम्भार नितिन सदाशिव के साथ जवाबी हमले में सहायता के लिए उनकी ओर बढ़े। गोलियों की बौछार के बीच, वे स्काउट के पास पहुंच गए और नक्सलियों से सीधी लड़ाई शुरू हो गई।

चूंकि नक्सली मजबूत सुरक्षा के पीछे थे, इसलिए जवाबी हमले का प्रभाव नहीं पड़ रहा था। इस बीच श्री संजीत कुमार सिंह, एसी ने नजदीक में ही एक सुरक्षित और बेहतर जगह देखी जहां से नक्सलियों पर अधिक प्रभावी तरीके से हमला किया जा सकता था। उन्होंने स्काउट को उस जगह की ओर संकेत किया और कांस्टेबल/जीडी अभिषेक कुमार और कांस्टेबल/जीडी कुम्भार नितिन सदाशिव की गोलीबारी के कवर में हैंड कांस्टेबल/जीडी बलबीर कुमार सिंह और कांस्टेबल/जीडी विजय उरॉव के साथ उस ओर बढ़े। गोलियों की बौछार के बीच उन तीनों ने उस

मजबूत जगह पर कब्जा कर लिया और नक्सलियों पर साहसपूर्ण जवाबी हमला किया, जिसमें नक्सलियों की सुरक्षा टूट गई और उनमें से कई घायल हो गए। नक्सलियों ने पीछे हटना शुरू किया और उस स्थान से भागने की कोशिश की।

श्री संजीत कुमार सिंह, एसी, ने अपने छोटी सी टीम के साथ भागते हुए नक्सलियों का पीछा किया, और साथ ही नजदीक के सैन्य दल को उनके बचने के रास्ते बंद करने के लिए कहा। उप निरीक्षक/जीडी अजय सिंह, जो रास्ता रोके हुए थे, तुरंत अपनी टीम को लेकर भागते हुए नक्सलियों की दिशा में गए और उन्हें रोक लिया। इस बीच, श्री संजीत कुमार सिंह, एसी, भी अपनी एसएटी के साथ भागते हुए नक्सलियों के समीप पहुंच गए। एक ओर से कांस्टेबल/जीडी मुकेश कुमार रंजन, कांस्टेबल/जीडी रोहित कुमार और कांस्टेबल/जीडी भीम सिंह के साथ एसआई/जीडी अजय सिंह और दूसरी ओर से, श्री संजीत कुमार सिंह, एसी, ने अपनी टीम के साथ नक्सलियों को घेर लिया। बचने के अपने प्रयास में, नक्सलियों ने सैन्य दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। हमारे सैन्य दल ने बहादुरी से इसका जवाब दिया और दो सशस्त्र नक्सलियों को मार गिराया। किंतु, बाकी नक्सली ऊंची-नीची जमीन और जंगल का फायदा उठाकर उस स्थान से भागने में सफल रहे।

अब तक, श्री विनित अशोक मेश्राम, एसी, ने दूसरी स्ट्राइक टीम का नेतृत्व करते हुए दुश्मन की स्थिति को भांप लिया। उन्होंने अपने साथी कमांडर श्री हनुमान, एसी से इस स्थिति पर चर्चा की और बचने के संभावित रास्तों पर तैनात हो गए। इस बीच श्री हनुमान राम, एसी ने कुछ नक्सलियों को देखा जो उस क्षेत्र से निकलने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने उन्हें रुकने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, किंतु नक्सलियों ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। नक्सलियों ने सैनिकों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। श्री हनुमान राम, एसी, नक्सलियों पर हमला करने के लिए सैनिकों के साथ गोलीबारी करते हुए और चपलता के साथ अपनी स्थिति बदलते रहे। उन्होंने नक्सलियों पर हमला किया और उनमें से कुछ को घायल कर दिया। एक बार फिर नक्सली पीछे हटने लगे, किंतु इस बार वह दूसरी दिशा में हटने लगे।

जब नक्सली छिपकर उस क्षेत्र से निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी एसआई/जीडी सुधिर कुमार और कांस्टेबल/जीडी कामठे सोमनाथ पोपटराव ने उन्हें देख लिया, एसआई/जीडी ने तुरंत इसकी सूचना श्री विनित अशोक मेश्राम, एससी, को दी और कांस्टेबल/जीडी कामठे सोमनाथ पोपटराव के साथ नक्सलियों की ओर बढ़े। उन्हें आते देखकर, नक्सलियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। श्री विनित अशोक मेश्राम, एससी, कांस्टेबल/जीडी सुधिर कुमार और कांस्टेबल/जीडी कामठे सोमनाथ पोपटराव के साथ रेंगते हुए नक्सलियों की ओर बढ़े और उन पर हमला किया। बहादुर सिपाहियों के साहसपूर्ण हमले से नक्सलियों में भगदड़ मच गई। अपनी सटीक गोलीबारी से इन तीनों ने एक सशस्त्र नक्सली को मार गिराया और कई अन्य को घायल कर दिया। यह मुठभेड़ लगभग एक घंटे चली, जिसके बाद अलग-अलग दिशाओं से लगातार गोलीबारी होती रही।

पूरी तरह गोलीबारी रुकने के बाद, सैनिकों ने उस क्षेत्र में गहन तलाशी की। तलाशी के दौरान सैनिकों को दो एके 47 राइफल, दो .315 राइफल, तीन पिस्तौल, बड़ी मात्रा में गोला बारूद, और अन्य आपत्तिजनक सामानों के साथ तीन नक्सलियों के शव बरामद हुए।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के सर्व/श्री संजीत कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट, स्वर्गीय रोहित कुमार, सिपाही, विनित अशोक मेश्राम, सहायक कमांडेंट, हनुमान राम, सहायक कमांडेंट, अजय सिंह, उप निरीक्षक, सुधिर कुमार, उप निरीक्षक, बलबीर कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, मुकेश कुमार रंजन, सिपाही, अभिषेक कुमार, सिपाही, विजय उरांव, सिपाही, कामठे सोमनाथ पोपटराव, सिपाही, भीम सिंह, सिपाही और कुम्भर नितिन सदाशिव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/02/2019 से दिया जाएगा।

(फाइल सं. 11020/69/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 275-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पुरस्कार प्राप्त करने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	विशाल कन्डवाल	कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अजय बारो	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	चन्दन कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17 जून, 2020 को, चार आतंकवादियों की उपस्थिति की सूचना के आधार पर, 14 सीआरपीएफ, एसओजी शोपियां/जेकेपी और 44 आरआर द्वारा थाना और जिला शोपियां, जम्मू और कश्मीर के पिंजूरा गांव के मीर मोहल्ला में 23:30 बजे एक सीएएसओ लांच किया गया। श्री विशाल कन्डवाल, कमांडेंट 14 सीआरपीएफ, संयुक्त सैन्य दल के साथ लक्ष्य क्षेत्र पर पहुंचा और संदिग्ध लक्ष्य क्षेत्र के चारों ओर घेराबंदी कर दी।

आतंकवादियों के वहां होने की पुष्टि हो गई और तदनुसार, उनके बच निकलने को रोकने के लिए घेराबंदी सख्त कर दी गई। पुलिस ने आतंकवादियों से समर्पण करने की अपील की, किंतु उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। श्री विशाल कन्डवाल, कमांडेंट, कांस्टेबल/जीडी चंदन कुमार, एसओजी और आरआर को मिलाकर एक तलाशी दल लक्षित घरों की ओर बढ़ा। जब तलाशी दल लक्षित घरों की ओर बढ़ रहा था, तब 03 आतंकवादी घरों से बच निकलने की कोशिश कर रहे थे, किंतु तलाशी दल ने उन्हें देख लिया और उन्हें चुनौती दी। आतंकवादियों ने तलाशी दल पर गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें आरआर के 03 कर्मी घायल हो गए। संयुक्त सैन्य दल ने उन्हें तुरंत वहां से निकाल लिया।

श्री विशाल कन्डवाल, कमांडेंट और उनकी टीम लगातार आतंकवादियों से मुकाबला करती रही जिसके कारण वे आंतरिक घेराबंदी को नहीं तोड़ सके। इस गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया। स्थान और अंधेरे का फायदा उठाकर अन्य आतंकवादी पुन: घर के अंदर भागने में सफल रहे। यह मुठभेड़ कुछ देर चली।

आतंकवादी एक दो मंजिले कंक्रीट के मकान में छिपे थे जिसमें 12 फिट की टिन शीट की चारदीवारी थी। भारी गोलाबारी के बीच, आतंकवादियों ने पुन: बच निकलने का प्रयास किया, किंतु संयुक्त सैन्य दल की मजबूत और सामरिक घेराबंदी के कारण वे सफल नहीं हो पाए। आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच भारी गोलाबारी 08:30 बजे तक चलती रही जिसमें सैनिकों ने दो और आतंकवादियों को मार गिराया। तथापि, एक आतंकवादी फिर भी अलग-अलग स्थानों से गोलीबारी कर रहा था। इसी समय, श्री विशाल कन्डवाल, कमांडेंट और उनकी टीम लक्षित घर के और समीप बढ़े तथा आतंकवादियों पर लक्ष्य करके गोलीबारी की। भारी गोलाबारी के कारण, लक्षित घर में आग लग गई और आतंकवादी बचने के लिए घर से बाहर कूदा। श्री विशाल कन्डवाल, कमांडेंट और उनके साथी कांस्टेबल/जीडी अजय बारो, कांस्टेबल/जीडी चंदन कुमार के साथ आतंकवादियों से भीड़ गए और आमने-सामने की गोलीबारी में उसे मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद तलाशी के दौरान, चार आतंकवादियों के शव बरामद हुए। उनकी पहचान हिजबुल मुजाहिदीन के रईस अहमद खान ऊर्फ इमाद खान, श्रेणी ए+, हिजबुल मुजाहिदीन के उमर अहमद धोबी, श्रेणी बी, हिजबुल मुजाहिदीन के सकलैन अमीन, श्रेणी सी और हिजबुल मुजाहिदीन के वकील अहमद नायक श्रेणी के रूप में की गई। मुठभेड़ स्थल से 1 एसएलआर, 2 एस के 56 राइफल, 1 पिस्तौल, मैगजीन, गोलियां, हथगोले और अन्य विविध समान बरामद हुए।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के सर्व/श्री विशाल कन्डवाल, कमांडेंट, अजय बारो, सिपाही और चंदन कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/06/2020 से दिया जाएगा।

(फाइल सं. 11020/90/2021 -पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 276-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पुरस्कार प्राप्त करने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अखण्ड प्रताप सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	स्वर्ण गयारी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24 अप्रैल, 2020 को, एसएसपी अवंतीपुरा से लगभग 23:00 बजे यह जानकारी प्राप्त हुई कि भारी हथियारों से लैस 2-3 आतंकवादी ग्राम गोरीपोरा, थाना अवंतीपुरा, जिला पुलवामा, जम्मू और कश्मीर में हैं। तदनुसार, 130 सीआरपीएफ, 50 आरआर और एसओजी/जेकेपी द्वारा एक सीएएसओ चलाया गया। श्री अखण्ड प्रताप सिंह, सहायक कमांडेंट को सीटीटी 130 सीआरपीएफ के साथ ऑपरेशन

के लिए आगे बढ़ने का निदेश दिया गया। सैन्य दल ने गोरीपोरा गांव के लगभग 5-6 संदिग्ध घरों की घेराबंदी की। तब, लगभग 03:45 बजे ओजीडब्ल्यू से गोरीपोरा गांव के दक्षिण पूर्व किनारे पर स्थित एक जंगली क्षेत्र में एक छिपने का ठिकाना होने की सूचना मिली।

आंतरिक घेराबंदी में सैनिकों के लिए यह वास्तव में एक कठिन और चुनौतीपूर्ण मुठभेड़ थी क्योंकि वे ठिकाने के लगभग तीन तरफ धान के खेत होने के कारण खुले में थे। सीटीटी 130 सीआरपीएफ को दो टीमों में बांटा गया। श्री अखण्ड प्रताप सिंह, एससी के नेतृत्व में टीम 1 लक्षित क्षेत्र के बाईं ओर से आगे बढ़ी, जबकि हेड कांस्टेबल/जीडी नंद किशोर के नेतृत्व में टीम 2 ने टीम 1 को सामरिक कवर दिया। लगभग 04:25 बजे तलाशी शुरू हुई और जब श्री अखण्ड प्रताप सिंह, एसी अपनी टीम के साथ संदिग्ध ठिकाने की ओर बढ़ने लगे तब आतंकवादियों ने उन पर ग्रेनेड से हमला किया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दल ने तत्काल अपना मोर्चा संभाल लिया और प्रभावी तरीके से जवाबी हमला किया।

दोनों ओर से गोलीबारी के बीच, आतंकवादी अपने छिपने के ठिकाने से बाहर आए और पहले से खोद कर रखे गए गड्ढों में छिपकर अपने को पोजीशन कर लिया तथा गोलीबारी जारी रखी। टीम 1 आतंकवादियों के गोलीबारी के सामने थी। गंभीर खतरे की चिंता न करते हुए, वह टीम 2 की कवर फायरिंग की सहायता से सतर्कता से आतंकवादियों की ओर बढ़े। श्री अखण्ड प्रताप सिंह, एसी ने उत्कृष्ट युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया और आतंकवादियों की स्थिति के पास पहुंच गए और एक आतंकवादी को देखा जो टीम 1 पर अंधाधुंध फायरिंग कर रहा था। तत्काल कार्रवाई करते हुए वे हेड कांस्टेबल/जीडी स्वर्ण गयारी के साथ उस आतंकवादी की ओर बढ़े। दोनों ने अपनी प्रभावी गोलीबारी से उस आतंकवादी को नजदीक से मार गिराया। बाकी आतंकवादियों के साथ यह मुठभेड़ कुछ देर और चली, जिसमें सुरक्षा बलों ने उन सभी को मार गिराया और मुठभेड़ समाप्त हो गयी।

तलाशी के दौरान, तीन आतंकवादियों के शव बरामद हुए जिनकी पहचान शहीद मंजूर पिंचू ऊर्फ रिजवान भाई, श्रेणी "सी", शफात अहमद मीर, श्रेणी "सी" और मंसूर अहमद सौफी, ओजीडब्ल्यू के रूप में की गई। सभी आतंकवादी हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के थे। घटना स्थल से 1 एके-47 राइफल, 1 9एमएम पिस्तौल, 2 यूबीजीएल लॉन्चर, मैगजीन, गोलियां, हैंड ग्रेनेड और अन्य विविध सामान तथा 30,000 रुपये नकद बरामद हुए।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के सर्व/श्री अखण्ड प्रताप सिंह, सहायक कमांडेंट और स्वर्ण गयारी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/04/2020 से दिया जाएगा।

(फाइल सं. 11020/95/2021 -पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 277-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पुरस्कार प्राप्त करने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सतनाम सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक के लिए प्रथम बार
2	जयंता हजोंग	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सरोज कुमार प्रधान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	राकेश पाटिल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी फैयाज अहमद थोकर और एक अन्य आतंकवादी के छिपे होने की सूचना के आधार पर दिनांक 30 जुलाई, 2019 को लगभग 16:15 बजे, जेकेपी, 3 आरआर और 90 सीआरपीएफ द्वारा गांव काटू, थाना बिजबेहरा, जिला अनंतनाग में एक संयुक्त सीएएसओ लॉन्च किया गया था। क्यूएटी 90 सीआरपीएफ ने एसओजी अनंतनाग और 3 आरआर के साथ मिलकर 16:55 बजे गांव के दो संदिग्ध घरों की घेराबंदी की।

काटू गांव के बाहरी इलाके में घने बागों के बीच स्थित दो मंजिला इमारत के आसपास चार फायरिंग दलों को तैनात किया गया। कांस्टेबल/जीडी सतनाम सिंह और कांस्टेबल/जीडी राकेश पाटिल को घर की पश्चिमी छोर पर, श्री हेमंत कुमार, 90 सीआरपीएफ के 2 आईसी

ऑपरेशन को अपनी पार्टी के साथ पूर्वी छोर पर और कांस्टेबल/जीडी, जयंता हाजोंग और कांस्टेबल/जीडी सरोज कुमार प्रधान घर के दक्षिणी भाग की ओर तैनात थे। घर के उत्तरी हिस्से एसओजी और 3 आरआर ने कवर किया।

घर की घेराबंदी करने के बाद, घर के मालिक और उसके परिवार के सदस्यों तथा आस-पास के घरों में रहने वालों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। आतंकियों को समर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। लगभग 17:20 बजे, एक संयुक्त रूम इंटरवेंशन दल लक्षित घर के प्रवेश द्वार पर पहुंचा। आतंकवादियों ने पहले तल से इस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया और जवाबी कार्रवाई की।

घेरा तोड़ने और बागों में भागने के लिए, आतंकवादी अचानक घर के पश्चिमी दरवाजे से दिखाई दिए और सैनिकों पर हमला कर दिया। वहां तैनात कांस्टेबल/जीडी सतनाम सिंह और कांस्टेबल/जीडी राकेश पाटिल सतर्क थे और तुरंत हरकत में आ गए। आतंकवादियों की गोलीबारी से विचलित हुए बिना और जान गवाने के गंभीर खतरे के बावजूद, दोनों अपने मोर्चे से उठे और आतंकवादियों की ओर गोलियां चलाईं, जिनमें से एक की मौत हो गई। इस बीच, दूसरा आतंकवादी घर के दक्षिणी हिस्से की ओर भागा, जहां उसका सामना कांस्टेबल/जीडी जयंता हाजोंग और कांस्टेबल/जीडी सरोज कुमार प्रधान के दल से हुआ। भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें कांस्टेबल/जीडी जयंत हाजोंग और कांस्टेबल/जीडी सरोज कुमार प्रधान ने अनुकरणीय साहस का परिचय देते हुए आतंकवादी पर हमला कर दिया। अपनी सटीक फायरिंग से, उन्होंने आतंकवादी को मौके से भागने से पहले ही मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद की तलाशी के दौरान, शान शौकत भट, निवासी असवारा, थाना बिजबेहरा, जिला अनंतनाग, जैश-ए-मोहम्मद का श्रेणी बी और फैयाज अहमद थोकर, निवासी पंजू, त्राल, जैश-ए-मोहम्मद का श्रेणी सी नामक 2 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकियों के पास से 1 एके 47 राइफल, 1 पिस्टल, मैगजीन और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के सर्व/श्री सतनाम सिंह, सिपाही, जयंता हजोंग, सिपाही, सरोज कुमार प्रधान, सिपाही और राकेश पाटिल, सिपाही, ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30/07/2019 से दिया जाएगा।

(फाइल सं. 11020/175/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 278-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्वर्गीय दीप चंद वर्मा	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक(मरणोपरांत)
2	जोहन बेक	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	डी अययप्पन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	चावरे निलेश रमेश	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01/07/2020 को, श्री जोहन बेक, सहायक कमांडेंड के नेतृत्व में जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के जवानों के साथ जी/179 सीआरपीएफ की 02 टुकड़ियां मॉडल टाउन, नोपोरा क्रांसिंग, सोपोर, बारामुला (जम्मू एवं कश्मीर) में नाका/सी.ई. आपरेशन ड्यूटी के लिए तैनात की गई। लगभग 0730 बजे, जब ये टुकड़ियां अपने ड्यूटी स्थल पर तैनात हो रहे थे और मोबाइल बी.पी. मोर्चा बना रहे थे अज्ञात आंतकवादियों, जो एक मस्जिद के भीतर पहले से ही स्थिति लिए हुए थे, क्रांसिंग को देख रहे थे, उनपर अंधाधुंद गोलीबारी चालू कर दी। सं. 031503039 एचसी/जोडी दीप चंद वर्मा ने मस्जित के अंदर से गोलीबारी कर रहे आंतकवादियों को भांप लिया और तुरंत ही एक चीनार के पेड़ के पास जगह बनाकर जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। वे आंतकवादियों की सीधी गोलीबारी की जद में थे। इस गोलीबारी के दौरान, एचसी/जीडी दीप चंद वर्मा को आतंकवादी की गोली लगी, परंतु उन्होंने घायल होने के बावजूद आंतकवादियों पर गोलीबारी जारी रखी। बाद में वे अपने घावों की वजह से वीरगति को प्राप्त हुए। यह एमसी/जीडी दीप चंद वर्मा की आतंकवादियों पर जवाबी कार्रवाई और मुठभेड़ ही थी जिससे श्री जोहन बेक, ए/सी, सं. 981160918 सीटी/जीडी डी. अययप्पन और सं. 055214758 सीटी/जीडी चावरे निलेश रमेश को अपनी स्थिति लेने और जवाबी कार्रवाई शुरू करने का मौका मिला।

मस्जिद से भारी गोलीबारी के कारण, श्री जोहन बेक, सहायक कमांडेंट ने क्रॉसिंग के नजदीक खड़ी हुई जिप्सी के पीछे जगह बनाते हुए तुरंत ही जवाबी गोलीबारी शुरू की। सं. 981160918, सीटी/जीडी डी. अययप्पन रणनीति के साथ बीपी ट्रक के निकट सड़क को पार करते हुए पहुँचे जोकि सड़क के दूसरी तरफ खड़ा हुआ था और बीपी ट्रक का आड़ लेते हुए अपनी जगह संभाली तथा भारी गोलीबारी करते हुए दूसरी तरफ से आतंकवादियों को उलझाया। इसके बाद, सीटी/जीडी डी. अययप्पन ने सोची समझी रणनीति के साथ अपनी जगह बदली और आंतकवादियों के ऊपर गोलीबारी करते रहे और टुकड़ी को हो सकने वाले भारी नुकसान से बचाया। सं. 055214758 सीटी/जीडी चावरे निलेश रमेश ने मस्जिद के पीछे की ओर की स्थिति संभाली जिस ओर से आंतकवादी टुकड़ियों के ऊपर गोली चला रहे थे और जो आंतकवादियों के संभवतः बच निकलने का रास्ता था।

गोलीबारी से बचकर निकलने का प्रयास कर रहे आंतवादियों पर गोलीबारी के दौरान, सीटी/जीडी चावरे निलेश रमेश को उनके दाए हाथ पर आंतकवादी की गोली लगी। सीटी/जीडी चावरे निलेश रमेश को घायल करने के बाद, आंतकवादी टीम की चादर वाले बाड़े को फांद कर बचकर निकल गए। सीटी/जीडी निलेश रमेश ने गोलीबारी जारी रखी। यह आपसी गोलीबारी लगभग 15 से 20 मिनट चली जिसमें आंतकवादी को भी गोली लगी और इसका पता घटना स्थल पर खून के निशान से चला। टुकड़ियों ने आंतकवादियों को प्रभावी डंग से उलझाए रखा, जिससे तकवादी पीछे हटने को मज़बूर हो गए। सं. 031503039 एचसी/जीडी दीप चंद वर्मा ने बल की सर्वोच्च परंपरा को निभाते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए वीरगति प्राप्त की।

इस अभियान के दौरान, 179 वाहिनी के सं. 031503039 शहीद एससी/जीडी दीप चंद वर्मा, श्री जोहन बेक, सहायक कमांडेट (आईआरएलए.11174), सं. 055214758 सीटी/जीडी चावरे निलेश रमेश और सं. 981160918 सीटी/जीडी डी.अययप्पन ने उच्चतम स्तर की वीरता, कर्तव्य के प्रति समर्पण प्रोफेशनलिज्म और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया। उनके साहस, सतर्कता, निडरता और निःस्वार्थ कार्रवाई ने हमले से घिरी हुई टुकड़ियों के लोगों की जान की रक्षा की। इसके अतिरिक्त, 02 एके मैग्जीन, 20 एके राउंड (7.62x39 एमएम) तथा 52 खाली एके खोखे (7.62 x 39 एमएम) बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के सर्व/श्री स्व. दीप चंद वर्मा, हेड कांस्टेबल, जोहन बेक, सहायक कमांडेंट, डी अययप्पन, सिपाही और चावरे निलेश रमेश, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/181/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 279-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
स्व. श्री कनई माजी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक(मरणोंपरांत)

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18 फरवरी 20 को, पीएलजीए वाहिनी 1 और सीआरसी सदस्यों की सशस्त्र माओवादियों के बड़ी संख्या में इकट्ठा होने के संबंध में मिली जानकारी के आधार पर, सुकमा जिले के सालाटोंग गांव के जंगली क्षेत्र में, लगभग 15:50 बजे पलोदी शिविर, पीएस किस्टाराम से 208 कोबरा की 9 टीमों ने एक अभियान की शुरुआत की।

सभी सैन्य दस्ते टीम संख्या 14 के नेतृत्व में गांव से गुजरते हुए अपने लक्ष्य क्षेत्र की ओर आगे बढ़े। जैसे ही सैन्य दस्ते ने पालोदी शिविर से लगभग 1.7 किलोमीटर की दूरी को पूरा कर किया तभी उत्तर और उत्तर उत्तर पश्चिम से सैन्य दस्ता संख्या 14 के ऊपर अचानक भारी गोलीबारी शुरू हो गई। माओवादी ऑटोमैटिक हथियारों और बमों का उपयोग करके कोबरा सैन्य दस्ते के ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे।

सैन्य दस्ते ने तुरंत ही मोर्चा संभाला और जवाबी गोलीबारी शुरू की। पार्टी कमांडर ने महसूस किया कि वह एक एंबुश में फंस गए हैं और खतरे वाली जगह के बीच में आ गए हैं। इस गंभीर कठिनाई के क्षण में, और उन्होंने माओवादियों से लोहा लेने के लिए अपने सैन्य दस्ते का उत्साहवर्धन करते हुए जवाबी गोलीबारी का निर्देश दिया। इस आपसी भयानक गोलीबारी के दौरान, स्काउट सीटी/जीडी इंदरजीत सिंह को उनके जांघ पर गोली लगी। गोली लगने और बहुत ज्यादा खून बहने के बावजूद, बहादुर कमांडो जवाबी गोलीबारी करते रहे। अपने जवान की घायल अवस्था को देखते हुए, पार्टी कमांडर श्री बृजेश कुमार दुबे, डीसी अपने साथी सिटी/जीडी कनई माजी के साथ उनकी तरफ बढ़े ताकि उनके मोर्चे को संभाला जा सके और चिकित्सा सहायता के लिए उनको बाहर निकाला जा सके।

इस गोलियों की बौछार के बीच, कोबरा कमांडो गोलीबारी और युद्ध रणनीति का उपयोग करते हुए सीटी/जीडी इंद्रजीत सिंह के नजदीक पहुंच गए और माओवादियों के ऊपर गोलीबारी करने लगे। कवर फायर के बीच में उन दोनों ने घायल कमांडो को बचाना शुरू किया। तथापि इसी प्रक्रिया में सीटी/जीडी कनई माजी को भी गोली लग गई। सच्ची वीरता का प्रदर्शन करते हुए, सीटी/जीडी कनई माजी गंभीर रूप से घायल होते हुए भी डटे रहे और माओवादियों के साथ दो-दो हाथ करते रहे। गंभीर रूप से घायल सीटी/जीडी कनई माजी द्वारा दी गई सहायता से, जो माओवादियों के ऊपर गोलीबारी करते रहे, श्री बृजेश कुमार दुबे, डीसी सीटी/जीडी इंद्रजीत सिंह को सुरक्षित बाहर निकालने में सफल रहे। उसके बाद सीटी/जीडी कनई माजी को भी बाहर निकाला गया।

तदुपरांत, सैनिकों ने पूरी ताकत से जवाबी हमला शुरू किया और 45 मिनट की लंबी भीषण गोलाबारी में, माओवादी रैंक को तहस-नहस कर दिया और उनकी रक्षापंक्ति को भी नष्ट कर दिया। घने जंगल का फायदा उठाकर माओवादी घटना स्थल से भाग गए। शत्रु पक्ष की तरफ को इंटरसेप्ट करने से पता चला कि इस मुठभेड़ के दौरान 4 माओवादी मारे गए थे। 1710 बजे, घायल कमांडो को पालो शिविर में पहुंचाया गया। दुर्भाग्यवश, बचाव कार्य के दौरान, सीटी/जीडी कनई माजी घायल होने के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के स्व. श्री कनई माजी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/02/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/190/2021-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 280-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, सीआरपीएफ के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
श्री नरपत	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पीएस गंगलूर, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ के पुसनार गांव के आम क्षेत्र में गंगलूर एलओएस कमांडर दिनेश के नेतृत्व में सीपीआई माओवादी कैडर के एक समूह और पीएस गंगलूर के मुटूवंडी के आम क्षेत्र में राकेश कोरसा, कमांडर, गंगलूर क्षेत्र समिति के नेतृत्व में एक और कंपनी तथा मिलिट्री कंपनी संख्या 2 की उपस्थिति के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर, पीएस गंगलूर, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ के पुसनार, मालुर, हिरमागुंडा, इरसामेत्ता, कावडगांव, कुरुस और मुटूवंडी गांव के सामान्य क्षेत्र में 2 दिन और 2 रातों के लिए एक संयुक्त तलाशी और विध्वंस अभियान की योजना बनाई गई। सहायक कमांडेंट श्री नरपत और श्री कार्तिक के नेतृत्व में राज्य पुलिस और डीआरजी के दल के साथ 204 कोबरा के दो सैन्य दस्तों को इस अभियान को पूरा करने का काम सौंपा गया था।

अवसरों और खतरों को भांपकर, ये संयुक्त सैन्य दस्ते अंधेरे में ही दिनांक 04 जनवरी 2018 को 2200 बजे गंगलूर के बेस कैंप से रवाना हो गए। घने जंगल के बीच रास्ता बनाते, तलाशते हुए और इस सैन्य संचालन को गुप्त बनाए रखने के लिए, वे रात भर आगे बढ़ते रहे और पौ फटने से पहले ये सैन्य दस्तों कावडगांव के निकट एक जंगल तक पहुंचे। इसके बाद, सहायक कमांडेंट श्री नरपत और श्री कार्तिक ने योजनाबद्ध ढंग से कावडगांव और मुटूवंडी गांव के दक्षिणी भाग के 3 अलग अलग स्थानों पर 3 सैन्य दल को तैनात कर दिया और दो कोबरा सैन्य दस्तों के साथ घेराबंदी और तलाशी अभियान करने के लिए मुटूवंडी गांव की ओर बढ़ गए।

लगभग 7:30 बजे, जब टीमें अपने लक्ष्य के करीब एक पहाड़ी पर बातचीत कर रही थीं, तो टीम संख्या 6 के जवान सीटी/जीडी एन दुर्गापति को संदेह हुआ कि पहाड़ी के ऊपर कुछ हलचल हो रही है। तुरंत ही, वे चकमा देते हुए आड़ लेकर छिप गए और साथ ही उन्होंने आसन्न खतरे की सूचना अपने दल तक भी पहुंचा दी, इसी बीच उनपर और साथ ही उनके दल के दूसरे साथियों के ऊपर गोलियों की बौछार शुरू हो गई। यह एंबुश का समय पर पता कर पाना और साथ ही टीम के सदस्यों की त्वरित प्रतिक्रिया ही थी कि उस दिन प्रारंभिक गोलीबारी में भी कोई भी घायल नहीं हुआ। यह सीटी/जीडी एन दुर्गापती का सटीक निरीक्षण ही था जिसकी वजह से माओवादियों के एंबुश में फंसने और खतरे वाली जगह तक पहुंचने से टीम को बचाया जा सका। सैन्य दस्ते का नेतृत्व कर रहे सहायक कमांडेंट श्री कार्तिक के. ने अपने सैन्य दस्ते को जवाबी कार्यवाही करने का आदेश दिया ताकि माओवादियों को घात लगाकर निशाना लगाने से रोका जा सके और साथ ही माओवादियों की सही स्थिति का पता लगाने के लिए कुछ समय मिल सके। जैसे ही उन्होंने एंबुश के खुले हिस्से का पता लगा लिया उन्होंने एसआई/जीडी बृजानंद कुमार सिंह और सीटी/जीडी एन दुर्गापति के साथ निरंतर चल रही गोलीबारी के बीच आगे बढ़ते ऐसी जगह पहुंचे जो उनके लिए लाभकारी थी। साथ ही सहायक कमांडेंट श्री नरपत एक छोटे सैन्य दस्ते के साथ दूसरी तरफ से माओवादियों की ओर कदम बढ़े।

एक बार जब रणनीतिक जीत हासिल हो गई, सहायक कमांडेंट श्री कार्तिक के. और एसआई/जीडी बृजानंद कुमार सिंह और सीटी/जीडी एन दुर्गापति ने मुठभेड़ के लिए एक नया मोर्चा खोल दिया और माओवादियों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। खुले हुए किनारे पर एक नए मोर्चे के खुल जाने से माओवादियों को उस किनारे को कवर करने के लिए मजबूर होना पड़ा। खुली जगह और नए बने अंतराल का लाभ लेते हुए श्री नरपत, सहायक कमांडेंट अपने जवान साथी सीटी/जीडी संदीप शर्मा के साथ उनकी ओर से हो रही भारी गोलाबारी के बावजूद माओवादियों की तरफ एक रणनीति के साथ धीरे-धीरे बढ़ते रहें। वे दोनों अपनी प्रभावी गोलीबारी के साथ माओवादियों के ऊपर बरस पड़े। उनके साहस और अदम्यता को देखकर उनके दूसरे साथी भी उत्प्रेरित हुए और उन्होंने बढ़त बनाने के लिए मौके तलाशने शुरू कर दिए। सैन्य दस्ते की इस बढ़त ने माओवादियों के मनोबल को तोड़ दिया और उनके रैंक में खलबली सी मच गई। इस स्थिति का लाभ उठाते हुए, सहायक कमांडेंट श्री कार्तिक के. और एसआई/जीडी बृजानंद कुमार सिंह और सीटी/जीडी एन दुर्गापति की तिकड़ी अपने कवर से बाहर निकलकर आ गए और धीरे धीरे आगे बढ़कर माओवादियों के ठिकाने के नजदीक पहुंच गए तथा एकदम नजदीक की लड़ाई में एक माओवादी को मार गिराया। उनकी रक्षा की स्थिति कमजोर पड़ने और दोतरफा सैन्य दस्ते के आगे बढ़ते रहने और माओवादियों के कैडर के कुछ लोगों के गोली से घायल हो जाने के कारण, माओवादियों को तुरंत पीछे हटना पड़ा। सहायक कमांडेंट श्री नरपत और श्री कार्तिक के अपने एक छोटे से दल के साथ माओवादियों की तरफ से आ रही जवाबी गोलीबारी के बावजूद पूरे साहस के साथ 1 किलोमीटर तक पीछा करते रहे।

फिर से इकट्ठे होने और मुठभेड़ के बाद तलाशी के दौरान, सैन्य दस्ते ने काले सैनिक यूनिफॉर्म में सीपीआई माओवादियों के दो मृत शव अर्थात ओरम क्रांति उर्फ़ शांति पुनेम उर्फ़ करणा (23 वर्ष, महिला), निवासी सवानार, मिलिट्री टुकड़ी संख्या 2 में कार्यरत एक सशस्त्र सीपीआई (माओवादी) कैडर और डोडी बुधराम उर्फ़ राजू हेमल्प उर्फ़ सुधा (23 वर्ष, पुरुष), निवासी ग्राम सवानार, एलओएस कमांडर और गंगलूर क्षेत्र समिति सदस्य बरामद किए, इसके साथ ही एक .303 राइफल, एक 12 बोर की बंदूक, एक पिस्टल, गोलाबारूद और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए। मुठभेड़ वाली जगह और बचकर निकलने वाले मार्ग में काफी खून के निशान भी देखने को मिले जिससे यह पता चला कि इस भयंकर मुठभेड़ में और भी माओवादी घायल हुए हैं।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के श्री नरपत सिंह, सहायक कमांडेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/01/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/198/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 281--प्रेज/2022—राष्ट्रपति, भारतीय तिब्बत-सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अशोक कुमार	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सुरेश लाल	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	नीला सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

40वीं वाहिनी के श्री अशोक कुमार, सहायक कमांडेंट, निरीक्षक/जीडी सुरेश लाल और एसआई/जीडी (अब निरीक्षक/जीडी) नीला सिंह 40 वाहिनी एएनओ ड्यूटी पर तैनात थे। कठोर भर्ती-पूर्व प्रशिक्षण को पूरा करने के पश्चात, अधिकारी और एसओ नक्सल-विरोधी अभियान के लिए सीओबी गटपार जंगल में नक्सल-विरोधी अभियान ड्यूटी में शामिल हुए। इन सभी तीन अधिकारियों ने तलाशी, गहन तलाशी और क्षेत्र पर वर्चस्व कायम करने वाले कई सारे अभियानों में भाग लिया।

दिनांक 09 फरवरी, 2018 को, राजनांदगांव जिले के गटपार पुलिस थाने (छत्तीसगढ़) के अंतर्गत कटेमा, नक्तीघाटी और महुआधार गांव के आम क्षेत्र में 80-90 नक्सलियों की उपस्थिति के संबंध में मिली जानकारी के आधार पर, महुआधार-कटेमा के बीच के क्षेत्र में तलाशी करने के लिए पुलिस अधीक्षक, राजनांदगांव के समन्वयन में कमांडेंट 40वीं वाहिनी आईटीबीपी ने एक संयुक्त अभियान की योजना तैयार की। इस अभियान का कोड नाम त्रिदेव-XII था, इस अभियान की शुरुआत तीन (03) सीओबी ने की थी, ये तीन सीओबी हैं- सीओबी कन्हारगाँव, सीओबी गाटापार 40वीं वाहिनी और सीजी पुलिस और म.प्र. की हॉक के साथ सीओबी 44वीं वाहिनी बोरतालाओ। श्री अशोक कुमार,

एसी/जीडी, 40वीं वाहिनी, आईटीबीपी ने गाटापार की इस अभियान दल का नेतृत्व किया। इस अभियान में थानेदार निरीक्षक, लक्षमण केवट के नेतृत्व में एसओ-07 तथा अन्य-42 कुल-50, डीईएफ राजनांदगांव (एसओ-03, अन्य-06 कुल-09) शामिल थे, थानेदार निरीक्षक निलेश पांडे, छत्तीसगढ़ पुलिस ने छत्तीसगढ़ पुलिस के डीआरजी फोर्स (एसओ-02, अन्य-24 कुल-26) का नेतृत्व किया और हॉक के उप निरीक्षक, हिम्मत सिंह ने हॉक फोर्स मध्य प्रदेश (एसओ-01,अन्य-24 कुल-25) का नेतृत्व किया।

लगभग 1100 बजे जब अभियान दल बोदला गाँव से एसक्यू-2576 एम/एससंख्या- 64 सी/15 पर लगभग 15 किमी. दूर पहुँचा, डीआरजी के अभियान दलजीआर-255760 एम/एसक्रमांक-64 सी/15पर लगभग 12-15 नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। श्री अशोक कुमार, एसी/जीडी ने छत्तीसगढ़ पुलिस अभियान दल के साथ समन्वय बिठाते हुए नक्सलियों की घेराबंदी की। जब अभियान दल कार्रवाई कर रहा था, नक्सलियों ने दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। श्री अशोक कुमार, एसी/जीडी ने अपने सैन्य दल का उत्साहवर्धन किया तथा गोलीबारी और आगे बढ़ते रहने तथा उचित सावधानी बरतने जैसी सामान्य रणनीतियों का पालन करते हुए इन नक्सलियों की घेराबंदी जारी रखी। इस स्थिति को संभालने के लिए श्री अशोक कुमार, एसी/जीडी ने निरीक्षक/जीडी सुरेश लाल और एसआई/जीडी (अब निरीक्षक/जीडी) नीला सिंह को सैन्य दल के साथ आगे बढ़ने के लिए कहा जिन पर नक्सलियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी। पार्टी कमांडर से अनुदेश मिलने के पश्चात, निरीक्षक/जीडी सुरेश लाल और एसआई/जीडी (अब निरीक्षक/जीडी) नीला सिंह तुरंत ही हरकत में आ गए और स्थिति का जायजा लेने लगे और उचित सावधानी बरतते हुए सैन्य दल को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और नक्सलियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। अभियान दल और नक्सलियों के बीच यह आपसी गोलीबारी लगभग 20 मिनट तक चलती रही।

श्री अशोक कुमार, एसी/जीडी के नेतृत्व में अभियान दल ने इस इलाके की घेराबंदी की और नक्सलियों के ऊपर बहुत ज्यादा दबाव बनाया जिसके परिणामस्वरूप दो (2) नक्सली मारे गए तथा जिंदा गोलाबारूद और अन्य वस्तुओं तथा उपकरणों के साथ 7.65 एमएम पिस्तौल, दो 12 बोर राइफल बरामद की गई। मारे गए नक्सलियों की पहचान बाद में गढ़चिरौली निवासी विनोद उर्फ देवन उप कमांडर प्लाटून के रूप में की गई जिसकी उम्र लगभग 30 वर्ष थी तथा दूसरे की पहचान बीजापुर निवासी प्लाटून-55 के सदस्य सागर के रूप में हुई जिसकी उम्र लगभग 25 वर्ष थी। इन पर क्रमश: 8 लाख और 2 लाख रु. का नकद पुरस्कार रखा गया था।

इस अभियान की इस सफलता का श्रेय श्री अशोक कुमार, एसी/जीडी और उनकी टीम में शामिल निरीक्षक/जीडी सुरेश लाल और एसआई/जीडी (अब निरीक्षक/जीडी) नीला सिंह की सावधानीपूर्वक योजना, सटीक कार्यान्वयन और अनुकरणीय वीरता को जाता है। पार्टी कमांडर ने सोच-समझकर खतरा उठाया और उनकी टीम के सदस्य नक्सलियों के साथ इस निरंतर चली गोलीबारी में बहादुरी के साथ लड़े। सभी रणनीतिक अभ्यासों और प्रभावी नियंत्रित गोलीबारी करते हुए पेशेवर ढंग से अभियान को अंजाम दिया गया। इस दल ने इस अभियान में अपार सफलता प्राप्त की और साथ ही इसमें सैन्य दल से कोई भी हताहत नहीं हुआ।

इस ऑपरेशन में, आईटीबीपी के सर्व/श्री अशोक कुमार, सहायक कमांडेंट, सुरेश लाल, निरीक्षक और नीला सिंह, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/02/2018 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/04/2019-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 282-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ललित साह	उप कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	नरपत सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह घटना दिनांक 13.01.2019 को 06:55 बजे की है जब उपर्युक्त एसएसबी और राज्य पुलिस अधिकारियों/कर्मियों ने अपनी वीरता का परिचय दिया, इसमें कोई और नहीं बल्कि एसएसी सदस्य विजयदा उर्फ नंदलाल मांझी, जोनल कमांडर तलादा उर्फ सहदेव राय और भाकपा (माओवादी) के उनके सहयोगी, घातक हथियार ले जाने वाले प्रतिबंधित संगठन द्वारा आगामी चुनाव में पुलिस कर्मियों को बड़ी क्षति पहुंचाने, धन की जबरन वसूली, ग्रामीणों के बीच आतंक फैलाने की योजना के बारे में दिनांक 12.01.2019 को सबसे विश्वसनीय सूत्रों से खबर मिली।

इसी सूचना के क्रम में, एसपी दुमका ने अपर एसपी (ओपीएस), कमांडिंग अधिकारी 35वीं बटालियन एसएसबी दुमका, श्री आरसी मिश्रा, एएसपी (ओपीएस), श्री ललित साह उप कमांडेंट, 35वीं बटालियन, श्री नरपत सिंह,सहायक कमांडेंट (अब उप कमांडेंट), 35वीं बटालियन, प्रभारी अधिकारी जामा, पुलिस थाना उप निरीक्षक फागु होरो और अन्य सहित कोर कमांडर के साथ बैठक बुलाई।इस बैठक में, विस्तृत नक्सल विरोधी अभियान की योजना बनाई गई इस अभियान में अधिकारी, स्मॉल एक्शन टीम (सैट) (सैट-1 और 2) और जिला पुलिस के जवानों का दल शामिल था। अधिकारियों को सैट (1 और 2) के साथ हमलावर सैन्य दलों का नेतृत्व करने के लिए कहा गया था। सैट-1 की कमान उप कमांडेंट श्री नरपत सिंह ने और सैट-2 की कमान उप कमांडेंट श्री ललित साह ने संभाली। दिनांक 13.01.2019 को कमांडरों नेतृत्व में हमलावर सैन्य दल ने पैदल चलना शुरू किया और आधी रात में 15 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद लगभग 0430 बजे चट्टूपारा जंगल क्षेत्र में पहुंच गई और उस क्षेत्र में अभियान शुरू कर दिया। आखिरकार सुबह 06 बजकर 55 मिनट पर,सैट-I और सैट-II ने देखा कि सीपीआई माओवादी उनके ऊपर भारी गोलीबारी कर रहे हैं। सैन्य दल के सभी सदस्यों ने पेट के बल लेट गए और मोर्चा लेना शुरू किया और देखा कि हरे रंग की ओजी ड्रेस पहने स्वचालित हथियारों के साथ लगभग 12-15 नक्सली मोर्चा संभाल रहे थे और वे एक-दूसरे को कह रहे थे कि कॉमरेड "पोजिशन लो और सभी पुलिसकर्मियों को मार डालो। सैट -1 कमांडर श्री नरपत सिंह, उप कमांडेंट ने चरमपंथियों को चिल्ला कर बताया कि वे पुलिस वाले हैं और उन्होंने उन्हें कहा कि वे आत्मसमर्पण कर दें। उनमें से एक उग्रवादी ने आत्मसमर्पण करने के बजाए सैट-1 को निशाना बनाकर फिर से गोलीबारी शुरू कर दी। ठीक उसी समय, श्री ललित साह, उप कमांडेंट ने अपनी टीम सैट-2 के साथ दाहिनी ओर से चिल्ला कर कहा किवे आत्मसमर्पण कर दें, लेकिन उनमें से कुछ ने अपनी बंदूक की नाल की दिशा बदली और सुरक्षा बल (एसएफ) को डराने और मारने के इरादे से उनपर नवीनतम अत्याधुनिक हथियारों से गोलियों की बौछार शुरू कर दी। वे कट्टर नक्सली थे और उनके साथियों के कृत्यों से यह जाहिर भी हो रहा था, वे सभी सुरक्षा बलों (एसएफ) पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। सुरक्षा बलों (एसएफ) के अधिकारी बार-बार चरमपंथियों पर चिल्लाते रहे, उन्हें गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन वे कट्टर उग्रवादी छिपने के लिए एक नाले की ओर भागते समय भी गोलीबारी करते रहे।

स्थिति को भांप कर, नेतृत्व कर रहे श्री ललित साह, उप कमांडेंट और श्री नरपत सिंह, उप कमांडेंट दोनों ने एक दूसरे से बात की और अपने सैन्य दल के सदस्यों की जान बचाने और नक्सलियों के स्वचालित हथियार लेने हेतु उन्हें बेअसर करने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ने की योजना बनाई। श्री ललित साह, उप कमांडेंट सीटी (जीडी) अरुण कुमार के साथ अपने सैन्य दल के सदस्यों की जान बचाने के लिए खुद की परवाह न करते हुए ऊबड़-खाबड़ जमीन, घनी झाड़ियों के बीच धीरे-धीरे रेंगकर आगे बढ़ते रहे। ठीक उसी समय श्री नरपत सिंह, उप कमांडेंट और एसआई (जिला पुलिस) फागु होरो ने अदम्य वीरता का प्रदर्शन किया और अपनी जान की चिंता न करते हुए एक दूसरे को कवर फायर देते हुए आगे बढ़ते रहे।

श्री ललित साह, उप कमांडेंट, श्री नरपत सिंह, उप कमांडेंट, एसआई (जिला पुलिस) फागू होरो और सीटी (जीडी) अरुण कुमार ने जानबूझकर आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं, जिससे कि सैन्य दल के सदस्यों की जान बचाई जा सके।

परिणामस्वरूप गोलीबारी का सहारा लेना पड़ा। निस्संदेह, उपर्युक्त पुलिस अधिकारियों/कर्मियों ने उस समय असाधारण साहस और उत्साह का प्रदर्शन किया, जब उनके सिर के ऊपर से गोलियां निकल रही थीं, वे उस भारी गोलीबारी की बौछार के बीच बचते रहे और पूरी निडरता के साथ उन चरमपंथियों की ओर बढ़ते गए जो लगातार सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। दोनों कमांडरों ने जोरदार हमला करते हुए माओवादियों के सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया और अपना बचाव करते हुए उनकी गोलीबारी भी शांत कर दी। इसी बीच एक-दूसरे की ओर से दी गई गोलीबारी की आड़ लेकर, उग्रवादी नाले के सहारे जंगल के अंदर तक भागने में सफल रहे। इलाके को सुरक्षित कर लिए जाने के बाद तलाशी अभियान चलाया गया जिसके परिणामस्वरूप एक उग्रवादी का शव बरामद हुआ जिसके दाहिने हाथ में एक लोडेडएके-47 हथियार था। इसके अतिरिक्त, इस इलाके की तलाशी करने पर एक और लोडेड इन्सास, एक एआर-41, एके-47 के 175 कारतूस, इन्सास के 201कारतूस, 45 कारतूस के खोखे, 1,03,000/- रु. (एक लाख तीन हजार) की वसूली के संग्रहण की रसीद का लेटर-पैड, मोबाइल सेट, वायरलेस सेट, ट्रांजिस्टर, चार्जर्स के साथ लाइव राउंड्स, कुछ खाने-पीने की चीजें, पिट्ठस इत्यादि बरामद हुए। आगे जांच करने पर, मृत चरमपंथी की पहचान तलदा के रूप में हुई जो वहां का क्षेत्रीय कमांडर था जिसने उस समय के पुलिस अधीक्षक पाकुर श्री अमरजीत बलिहार, आईपीएस की दिनांक 02.07.2013 को एक एम्बुश में बड़ी बर्बरता के साथ हत्या कर दी थी। आमतौर पर इस तरह के अभियान के दौरान मारे गए चरमपंथी का शव बरामद नहीं होता है, लेकिन यह एक दुर्लभ अवसर था जब न केवल एक चरमपंथी का शव बल्कि कई हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए थे, और यह केवल उपर्युक्त पुलिस कर्मियों के साहस और कुशल नेतृत्व के कारण संभव हो पाया।

इस अभियान के बाद, स्वतंत्र गवाह की उपस्थिति में जब्ती, सूचियां तैयार की गईं और शिकारीपारा पुलिस थाना में दिनांक 13.01.2019 को भारतीय दंड संहिता की धारा 147,148,149,307 और 353, 25(1-क), 27/35 के अंतर्गत मामला संख्या 06/2019 दर्ज किया गया। कमांडेंट और एसआई (जिला पुलिस) फागु होरो ने अदम्य वीरता का प्रदर्शन किया और अपनी जान की चिंता न करते हुए एक दूसरे को कवर फायर देते हुए आगे बढ़ते रहे।

श्री ललित साह, उप कमांडेंट, श्री नरपत सिंह, उप कमांडेंट, एसआई (जिला पुलिस) फागू होरो और सीटी (जीडी) अरुण कुमार ने जानबूझकर आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं, जिससे कि सैन्य दल के सदस्यों की जान बचाई जा सके।

इसके कारण गोलीबारी करनी पड़ी। निस्संदेह, उपर्युक्त पुलिस अधिकारियों/कर्मियों ने उस समय असाधारण साहस और उत्साह का प्रदर्शन किया, जब उनके सिर के ऊपर से गोलियां निकल रही थीं, वे उस भारी गोलियों की बौछार के बीच बचते रहे और वे पूरी निडरता के

साथ उन चरमपंथियों की ओर बढ़ते गए जो लगातार सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे।दोनों कमांडरों ने जोरदार हमला करते हुए माओवादियों के सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया और अपना बचाव करते हुए उनकी गोलीबारी भी शांत कर दी। इसी बीच एक-दूसरे की ओर से दी गई गोलीबारी की आड़ लेकर, उग्रवादी नाले के सहारे जंगल के अंदर तक भागने में सफल रहे। इलाके को सुरक्षित कर लिए जाने के बाद तलाशी अभियान चलाया गया जिसके परिणामस्वरूप एक उग्रवादी का शव बरामद हुआ जिसके दाहिने हाथ में एक लोडेड एके-47 हथियार था। इसके अतिरिक्त, इस इलाके की तलाशी करने पर एक और लोडेड इन्सास, एक एआर-41, एके-47 के 175 कारतूस, इन्सास के 201 कारतूस, 45 कारतूस के खोखे, 1,03,000/- रु. (एक लाख तीन हजार) की वसूली के संग्रहण की रसीद का लेटर-पैड, मोबाइल सेट, वायरलेस सेट, ट्रांजिस्टर, चार्जर्स के साथ लाइव राउंड्स, कुछ खाने-पीने की चीजें, पिट्ठस इत्यादि बरामद हुए। आगे जांच करने पर, मृत चरमपंथी की पहचान तलदा के रूप में हुई जो वहां का क्षेत्रीय कमांडर था जिसने उस समय के पुलिस अधीक्षक पाकुर श्री अमरजीत बलिहार, आईपीएस की दिनांक 02.07.2013 को एक एम्बुश में बड़ी बर्बरता के साथ हत्या कर दी थी। आमतौर पर इस तरह के अभियान के दौरान मारे गए चरमपंथी का शव बरामद नहीं होता है, लेकिन यह एक दुर्लभ अवसर था जब न केवल एक चरमपंथी का शव बल्कि कई हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए थे, और यह केवल उपर्युक्त पुलिस कर्मियों के साहस और कुशल नेतृत्व के कारण संभव हो पाया।

इस अभियान के बाद, स्वतंत्र गवाह की उपस्थिति में जब्ती, सूचियां तैयार की गईं और शिकारीपारा पुलिस थाना में दिनांक 13.01.2019 को भारतीय दंड संहिता की धारा 147,148,149,307 और 353, और शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1-क), 27/35, दांडिक विधि संशोधन अधिनियम, 17 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा 16/17 के अंतर्गत मामला संख्या 06/2019 दर्ज किया गया।

इस ऑपरेशन में, एसएसबी के सर्व/श्री ललित साह, उप कमांडेंट और श्री नरपत सिंह, सहायक कमांडेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/01/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/201/2019-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 283-प्रेज/2022—राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
स्व. श्री नीरज छेत्री	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उस सेवा का विवरण जिसके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

विश्वसनीय स्रोत से एक खास जानकारी मिली कि कथलिया गांव पुलिस थाना- रानेस्वर, जिला- दुमका झारखंड के पास के जंगली इलाके में 10-12 दूसरे नक्सलियों के साथ बीजेएसएसी सदस्य विजय दा उर्फ नंदलाल मांझी की कमान में नक्सलियों का एक दल मौजूद था। इस जानकारी का हम-इंट के साथ टेक-इंट मिलान किया गया और उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी गई। पुष्टि होने और चर्चा करने के बाद, एक संयुक्त अभियान की योजना तैयार की गई, इस संयुक्त अभियान में 35वीं वाहिनी एसएसबी, दुमका और राज्य पुलिस के जवान शामिल थे। 35वीं वाहिनी एसएसबी के श्री गुलशन कुमार, उप कमांडेंट, श्री नरपत सिंह, उप कमांडेंट, श्री विनायक, सहायक कमांडेंट और श्री इमानुएल बास्की, एएसपी (ओपीएस), दुमका के नेतृत्व में दो सैन्य दलों का गठन किया गया था। यह अभियान सैन्य दल 35वीं वाहिनी एसएसबी, दुमका में लगभग 2130 बजे एकत्र हुआ और आगे के अभियान की ब्रीफिंग श्री परीक्षित बेहरा, कमांडेंट 35वीं वाहिनी, श्री वाई.एस. रमेश, आईपीएस, एसपी दुमका और श्री संजय कुमार गुप्ता, सेकेंड-इन-कमांड, 35वीं वाहिनी एसएसबी, दुमका (झारखंड) ने दी।

अभियान योजना के अनुसार, यह सैन्य दल दिनांक 02.06.19 को 01 बजकर 10 मिनट पर 35वीं वाहिनी मुख्यालय से कथलिया के लिए वाहन (ड्रॉप प्वाइंट) से टिटाडीह के लिए रवाना हुआ और आगे यह अभियान दल सधे हुए कदमों के साथ गांव को पार करते हुए टिटाडीह से कथलिया के पास के जंगल क्षेत्र की ओर आगे बढ़ गया।

कथलिया गांव के जंगली इलाके में पहुंचने के बाद, दोनों सैन्य दलों को उस इलाके की घेराबंदी करने का काम सौंपा गया जहां नक्सलियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी। यह नक्सलियों के ठिकाने से लगभग 500 मीटर पश्चिम में था। सैन्य दलों से कहा गया था कि वे छुप कर हमले के लिए तैयार रहें और पौं फटने के समय का इंतजार करें तब तक वे नक्सलियों के ठिकाने से 500 मीटर की दूरी बनाकर क्षेत्र की घेराबंदी करें। लगभग 03 बजकर 50 मिनट पर, घेराबंदी शुरू करने के बाद, पहाड़ी की ओर से हमारे सैन्य दल पर अचानक अंधाधुंध गोलीबारी की जाने लगी। तुरंत, अभियान दल चतुराई के साथ जमीन पर लेट गया और जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। यह महसूस हो गया था

कि नक्सलियों की स्थिति मजबूत थी और वे सुरक्षा बलों को भारी नुकसान पहुंचा सकते थे। सीटी (जीडी) नीरज छेत्री टीम कमांडर के साथ तालमेल बिठाते हुए आगे बढ़े और नक्सलियों पर जवाबी गोलीबारी करने लगे। सैन्यदल के अन्य सदस्यों ने भी जवाबी गोलीबारी की। सीटी (जीडी) नीरज छेत्री की वीरता के इस कारनामे से, नक्सलियों को उस ऊंची जगह से भागने के लिए मजबूर कर दिया जहां से वे सैन्य दल पर भारी पड़ रहे थे और इस प्रकार सुरक्षा बलों को भारी नुकसान पहुंचाने की उनकी योजना विफल हो गई। रणनीति के हिस्से के रूप में टीम कमांडर ने अभियान दल को मुठभेड़ स्थल से हटने और नक्सलियों से पूरी आक्रामकता के साथ भिड़ने का आदेश दिया ताकि उनकी उस ऊंची जगह पर वे कब्जा कर सकें।

गोलीबारी रुकने के बाद पता चला कि हमारे सैन्य दल के पांच जवानों को गोली लगी थी उनके नाम इस प्रकार हैं:—

पंजीकरण सं. 140992165 सीटी/जीडी, नीरज छेत्री

पंजीकरण सं. 130421691 सीटी/जीडी, राजेश कुमार राय

पंजीकरण सं. 110695102 सीटी/जीडी, करण कुमार

पंजीकरण सं. 140422449 सीटी/जीडी, सतीश कुमार गुर्जर

पंजीकरण सं. 110420671 सीटी/जीडी, सोनू कुमार

श्री नरपत सिंह, उप कमांडेंट ने तुरंत ही इस घटना और उसकी स्थिति के बारे में सूचना श्री परिक्षित बेहरा, कमांडेंट, 35वीं वाहिनी को दी। तत्काल ही, श्री संजय कुमार गुप्ता, द्वितीय कमान अधिकारी घटनास्थल की ओर तुरंत ही रवाना हो गए और लगभग 04 बजकर 30 मिनट पर कथलिया गांव पहुंचे। उन्होंने सभी घायल जवानों को वहां से निकाला और लगभग पांच बजे इलाज के लिए सदर अस्पताल दुमका में उन्हें भर्ती किया।

इलाज के दौरान, पंजीकरण सं. 140992165 सीटी/जीडी, नीरज छेत्री घायल होने के कारण वीरगति को प्राप्त हुए। सीटी/जीडी, राजेश कुमार राय को उनकी दोनों जांघों पर गोलियां लगी थीं और सीटी/जीडी करण कुमार को उनके बांए हाथ की कलाई और कनपटी पर गोली लगी थी, वे दोनों सुरक्षित थे। उन दोनों को आगे विशेष इलाज के लिए हैलीकॉप्टर से दिनांक 02.06.2019 को मेडिका अस्पताल, रांची भेज दिया गया। पंजीकरण सं. 140422449 सीटी/जीडी, सतीश कुमार गुर्जर और पंजीकरण सं. 110420671 सीटी/जीडी, सोनू कुमार को गोली की खरोंच लगी थी और उन्हें सदर अस्पताल, दुमका में चिकित्सकों की देखरेख में ही भर्ती रखा गया।

पंजीकरण सं. 140992165 सीटी/जीडी, नीरज छेत्री ने पूरे अभियान के दौरान समर्पण, सतर्कता, साहस और शक्ति का प्रदर्शन किया। उन्होंने गोलियों से घायल होने के बावजूद जवाबी गोलीबारी जारी रखी। बचाव अभियान के दौरान, वे एकदम शांत थे और अपने सैन्य दल के सदस्यों के साथ अपनी इस गंभीर चोट के बारे में थोड़ी भी चर्चा नहीं की और उन्हें घबराते हुए भी नहीं देखा गया, सही कहें तो वे दूसरे घायल जवानों का उत्साहवर्धन कर रहे थे।

उस पूरे इलाके की तलाशी करने के बाद, यह पता चला कि संभवत: कुछ नक्सली भी घायल हुए क्योंकि वहां घटनास्थल पर खून के धब्बे मिले थे। इस अभियान को दिनांक 02.06.19 को 18:00 बजे समाप्त कर दिया गया।

दोतरफा गोलीबारी के दौरान, हमारे अभियान दल के द्वारा दागे गए गोलाबारूद इस प्रकार हैं:—

7.62 मिमी. इंटरमीडिएट	-	202 राउंड्स
5.56 मिमी. सीटीएन	-	36 राउंड्स
कुल	-	238 राउंड्स

पोस्टमार्टम के बाद सीटी/जीडी स्वर्गीय नीरज छेत्री के पार्थिव शरीर को दुमका हवाई अड्डे पर श्रद्धांजलि देने के बाद हेलीकॉप्टर से रांची भेजा गया। एएसआई/जीडी अशोक चंद मंडल प्रासंगिक दस्तावेजों और तत्काल वित्तीय सहायता के साथ पार्थिव शरीर को लेकर गए।

इस ऑपरेशन में, एसएसबी के स्व. श्री नीरज छेत्री, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/06/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/101/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2022

No. 226—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallatnry to the under mentioned officers of Chhattisgarh :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Rameshwar Deshmukh	Inspector	1st BAR TO PMG
2	Sannu Hemla	Assistant Constable	PMG
3	Niranjan Tigga	Assistant Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On receiving of reliable information about the presence of 40-50 armed Maoists in the axis of village Chinna Borkel, Komatpalli and Bhattiguda, Distt.-Bijapur, a joint ops consisting of 04 teams of DRG, along with STF and Cobra 204 was planned and launched from different camps of Bijapur District.

Accordingly, on 03.01.2017 at about 04:30 hours, the troops left the Base camp from Basaguda and Tarrem for operation and reached the jungle area of Peddagelur at around 16:10 hours. Suddenly, armed Maoists opened heavy fire on the troops with automatic and semi automatic weapons with the intention to kill them and loot their weapons. The troop commander instructed his troops to take position with available cover in the forest. Later he disclosed his identity to the Maoist cadres, who were still continuing to fire upon the troops and asked them to surrender. Ignoring the warning of the police officer, the Maoists continued to carry out their predetermined plan of attacking police personnel. Armed Maoist cadres opened indiscriminate fire upon the security personnel with automatic and Semi automatic weapon. The intention of the banned armed Maoist cadres was to harm the security personnel and loot their weapons. In this exchange of fire, a DRG HC/71 Somaru Hernia, got injured. The timely display of bravery and camaraderie by Inspector Rameshwar Deshmukh and his men ensured timely evacuation of the injured jawan to base camp and troops continued the operation with strong determination.

On 04.01.2017, when the parties were moving in jungle area of Bhattiguda Village for ops, the Police Party splitted into 04 parties. At about 16:00 hours, around 70-80 Armed Maoists hiding in ambush fired heavily and lobed HE grenades on Party No. 02. Since the party No. 02 was outnumbered, party commander asked the Ops commander for support. Quickly, Party No.01 Commander Inspector Rameshwar Deshmukh and other Commanders launched a counter attack on Maoists to support party No. 02. Party No. 01 Commander Inspector Rameshwar Deshmukh was asked to lay cut off from the right side and parties 03 and 04 laid cut off from the left side. Sensing the danger of being small party completely coming under the heavy fire of Naxals, Ins. Rameshwar Deshmukh, AC/1243 Sannu Hemla, AC/1417 Niranjan Tigga and other mens boldly moved forward and fired heavily on naxals. Motivated by the courageous and gallant action of Ins. Rameshwar Deshmukh, troops involved in operation also started firing and moved forward. Surprised by the fierce firing and courageous advancement of police party, naxals were forced to retreat and tried to flee. Troops chased the naxals but they managed to escape taking cover of the jungle and mountainous terrain. Once the exchange of fire stopped, incident site was thoroughly searched in which dead-body of a naxal along with one Insas LMG & Magzine, 16 nos. live rounds, 02 nos. Hand Grenade, Rucksacks, Detonators, Gun Powder, Camera Flash, Electric Wire, Solar Plate, Medicines, Literatures etc. were recovered.

Inspector Rameshwar Deshmukh of DEF Bijapur has displayed an extreme courage and bravery not only did they retaliate the volley of fire coming from naxals but motivated the men to retaliate fiercely and advance towards naxal positions without caring for their life resulting which they are able to successfully counter ambush laid by armed hardcore naxals. The bravery exhibited by Inspector Rameshwar Deshmukh, AC/1243 Sannu Hemla, AC/1417 Niranjan Tigga is extra ordinary and shows that they have great presence of mind, superb operational sense, extra ordinary courage, valor and conspicuous gallant attitude. In the operation Inspector Deshmukh had led the troops from front, motivated them during operation and also saved the life of his men. By the virtue of their excellent operational aptitude, they played a key role in leading successful counter ambush on naxals which is very difficult to achieve in such circumstances and difficult terrain and successfully foiled the naxal attack.

In this operation, S/Shri Rameshwar Deshmukh, Inspector, Sannu Hemla, Assistant Constable and Niranjan Tigga, Assistant Constable of Chhattisgarh police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/01/2017.

(File No.-11020/15/2020 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 227—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry / 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisharh :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Kamlochan Kashyap, IPS	Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Suresh Lakra	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Jitendra Kumar Sahu	Inspector	PMG
4	Ajay Kumar Sinha	Inspector	PMG
5	Shil Aditya Singh	Inspector	PMG
6	Sanjay Potam	Sub Inspector	1st BAR TO PMG
7	Jaiviresh Yadav	Platoon Commander	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

A reliable intelligence was received about presence of large number of Maoists led by Ganesh Uikey (Secretary, South Sub Zone Bastar) in the forests between deposit No. 10 of Bailadila and Village Timenar of Bijapur District. This was a core area of west Bastar division of Dandkaranya Special Zonal Committee of CPI (Maoist). There have been very few naxal operations in this area due to difficult terrain, hostile population and high concentration of Maoists. An operation plan was immediately prepared and detailed briefing done to special forces [(District Reserve Group (DRG) and Special Task Force (STF) by superintendent of police Dantewada, Shri Kamlochan Kashyap and Additional SP Shri. Gorakhnath Baghel.]

Team No. 01 of Total 39 troops with Commander Inspector Sangram Singh, Team No. 02 of total 44 troops with Commander Inspector Jitendra Sahu, Team No. 03 of total 48 Troops in the commandership of Inspector Govind Yadav, Team No. 04 of total 35 troops in the commandership of Inspector Sheel Aditya Singh, Team No. 05 of total 35 troops in the leadership of Inspector Vinton Sahu & Inspector Ajay Kumar Sinha. STF Bravo 09 Palnar team of total 30 troops in Commandership of P.C. Jaiviresh Yadav, STF Bravo 22 Barsoor team of total 45 troops in Commandership of P.C. Dinesh Bahekar thus total 277 troops were dispatched from Reserve line Dantewada at 3:00 pm.

After the bus at Deposit No. 10, Bacheli the troops got divided into two flanks, the left flank consisting of DRG No. 01, 03 and STF 22 advancing from left side while Right flank consisting DRG-02, 04, 05 & STF-09. The troops took LUP near Timenar at a strategic location in the night. Next morning at around 5:00 AM, SI Sanjay Potam along with DRG-2 did advance recce of about 300 meters and detected the presence of Maoists camping in tents. The recce team came back and informed about the presence of Maoists to their own police teams (DRG 02, 04, 05 & STF 09) and also to teams on the left flank (DRG 1, 03, and STF 22). The Police parties on the right flank further divided themselves in two groups and started encircling Maoists camps. The Maoists saw the police parties approching and started firing indiscriminately on the police parties. Police Parties also took position and retaliated in self defenses. The role of SI Sanjay Potam, DRG-2, Inspector Jitendra Sahu (DRG-2), Inspector Sheel Aditya Singh DRG-4, Inspector Ajay Kumar Sinha (DRG-5) and PC Jaiviresh Yadav STF-9 was crucial in encirling Maoists. They led the troops bravely and led the troops from front. They fought putting their lives at grave risk. It was only with their leadership at battle field that naxalites had to flee the scene taking cover of dense forests, hillocks and water stream. The fleeing Maoists fled rightwards towards the police parties on the right (DRG- 01,03 & STF-22) and on seeing police parties, Maoists started firing indiscriminately. The police parties on the right flank too fired in retaliation. After 01 hour of intense firing when areas was searched. At the place of firing with left police flank, police parties recovered the site of firing with left police flank, police parties recovered dead bodies of 06 women naxals and 02 men naxals (1) Chandru, Section Commander, Platoon No. 13. R/o village Koter. PS Gangalur Distt. Bijapur,

(2) Sugna, Section Commander, Platoon No. 13 & PPC member. R/o Vill. Sagmeta, PS Farsegarh, Distt. Bijapur, (3) Mangli, Supply Commander of Bhairamgarh area committee & area committee member of platoon no. 13. R/o Vill. Korma, PS Gangaloor. Distt. Bijapur, (4) Bheeme. Member of platoon No. 13. R/o Mardoom, PS Mirtur, Bijapur. (5) Kumari d/o Aytu Hernia, platoon No. 13, R/o Vill. Fuladi, PS Mirtur, Distt. Bijapur. (6) Jankoo, R/o Gaddi Hapka, Matwara Janmilitia Commander R/o Fulgatta, PS Mirtur., Distt. Bijapur. (7) Hadme, Member Bhairamgarh CNM, R/o Mankeli Gorna, PS j Gangaloor, Bijapur and (8) Jaini D/o Lakkho, Member of Bhairamgarh area committee & president KAMS, R/o Keshkutul, PS Bhairamgarh, Bijapur. SI Sanjay Potam alias Badru (DRG Group-2), Inspector Jitendra Sahu (DRG Group-2), Inspector Sheel Aditya Singh (DRG Group-4), Inspector Ajay Kumar Sinha (DRG Group-5) and PC Jayviresh Yadav (STF Bravo-09) had major role in neutralizing eight dreaded Maoists and recovering weapons.

The role of Superintendent of Police Dantewada in planning coordinating and executing the operation was unparalleled. He personally planned return of forces to Gangaloor PS and further to Dantewada. He maintained telephonic and satellite communication with troops and shaved real time intelligence. As de-induction and retreat is most risky for troops, he went to Gangaloor PS with reinforcement. DSP (Ops) Shri Suresh Lakra led DRG troops and STF. The unparalleled success was possible only due to his on field leadership. He marshaled his troops brilliantly and coordinated with the district.

This was the single most biggest casualty incurred by naxalites in their core area of Gangaloor - Mirtur - Kirandul PS area. The naxalites were inflicted with big losses of their important cadres and quality weapons were recovered (2 Nos. INSAS Rifle and 2 Nos. 303 Rifle weapon). This operation helped police penetrating into naxal core area and establishing police dominance.

In this operation, S/Shri Kamlochan Kashyap, IPS, Superintendent of Police, Suresh Lakra, Deputy Superintendent of Police, Jitendra Kumar Sahu, Inspector, Ajay Kumar Sinha, Inspector, Shil Aditya Singh, Inspector, Sanjay Potam, Sub Inspector and Jaiviresh Yadav, Platoon Commander of Chhattisgarh police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/07/2018.

(File No.-11020/42/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 228—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 9th Bar to Police Medal for Gallatnry to the under mentioned officers of Delhi :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sanjeev Kumar Yadav, IPS	Deputy Commissioner of Police	9th BAR TO PMG
2	Jasbir Singh	Assistant Commissioner of Police	PMG
3	Ravi Tushir	Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

A Special Cell team under the supervision of Sh. Sanjeev Kumar Yadav, DCP/Spl. Cell and led by Sh. Jasbir Singh, ACP/NR was working tirelessly to burst the nefarious modules of BKI (Babbar Khalsa International), a terrorist organization. Huge inputs and information was collected by Sh. Sanjeev Kumar Yadav regarding the members and activities of this banned terrorist organization and their movements were circumscribed. On 05.09.2020, a secret information was received through Sh. Sanjeev Kumar Yadav, DCP/Spl. Cell regarding the activities of two members of Babbar Khalsa International terrorist organization namely Bhupinder @ Dilawar Singh and Kulwant Singh who were planning to commit a terrorist activity in North India and had come to Delhi to receive huge cache of arms and ammunition to execute the conspiracy. Acting on this input, a trap was laid down near underpass on Burari to Majlis Park road, Delhi and accused were overpowered by the team members after exchange of fierce gunfire, during which one bullet hit the BP jacket worn by ACP Jasbir Singh. In retaliation and in self-defense, one bullet each was fired by Sh. Sanjeev Kumar Yadav, DCP/Spl. Cell and SI Ravi Tushir while two bullets were fired by ACP Jasbir Singh. Sh. Sanjeev Kumar Yadav, Sh. Jasbir Singh and SI Ravi

Tushir faced direct threat to their personal life during the encounter. During interrogation, accused disclosed their identity as (1) Bhupinder singh @ Dilawar Singh S/o Saudagar Singh R/o Village Tajpur, Tehsil Raikot, Ludhiana, Punjab and (2) Kulwant Singh S/o Karam Singh R/o Village Binjal, PS Raikot Distt. Ludhiana, Punjab. Two sophisticated loaded pistols were recovered from their possession while five sophisticated pistols and 40 live cartridges were recovered from the bag of accused Bhupinder. Two Android phones have also been recovered with many incriminating videos and photographs related to Khalistani movement and their propagators. Case vide FIR No. 224/20 dated 06.09.2020 u/s 186/353/307/34 IPC & 25/27.

Arms Act, was registered at PS Special Cell, Delhi and later on sections 18/20 UAP Act was added in the case.

Both the terrorists have close contacts with leaders of BKI and were actively involved in terrorist activities. They were tasked to eliminate political leaders of Punjab by the handler of BKI. Bhupinder Singh was in touch with Harbinder Singh, Amritpal Kaur, Randeep Singh and Jarnail Singh who were arrested by Punjab Police in year 2017 being member of banned terror group Babbar Khalsa International, and was allegedly being financed by Khalistan sympathizers from Pakistan, Saudi Arabia and UK. Bhupinder Singh got inspired by Dilawar Singh Babbar who assassinated Sh. Beant Singh (Former C.M. of Punjab) and hence adopted alias name as Dilawar Singh. He has strong objection SYL (Satluj Yamuna Link) Canal and was conspiring to kill engineers working on this project.

In this operation, S/Shri Sanjeev Kumar Yadav, IPS, Deputy Commissioner of Police, Jasbir Singh, Assistant Commissioner of Police, Ravi Tushir, Sub Inspector of Delhi police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/09/2020.

(File No.-11020/139/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 229—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallatnry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Aejaz Ahmad Malik	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Shabir Ahmad	Head Constable	2nd BAR TO PMG
3	Shabir Ahmad Dar	SgCT	PMG
4	Fida Hussain	Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22.10.2019, following a credible lead, Awantipora Police in assistance with 42 RR and 130 Bn CRPF launched a joint operation in orchard land of Village Rajpora Awantipora. Accordingly, a joint search party consisting of Shri Tahir Saleem Khan, SSP Awantipora alongwith Shri Rashid Akbar-SDPO Awantipora, Shri Ajaz Ahmed- DySP PC Tral, Dr. Aejaz Ahmad Malik JKPS116060, DySP DAR Awantipora, Shri Rakesh Akram-DySP (PC) Awantipora, Inspector Madasar Naseer-SHO P/S Awantipora, Inspector Gh. Mohammad Rather No.7150/NGO, HC Shabir Ahmad No. 204/IRP 11th Bn, SgCt Shahnawaz No. 436/Awt, SgCt Shabir Ahmad Dar No. 591/IRP 11th Bn, Ct. Fida Hussain Shah No. 2600/S, Ct. Bilal Ahmad No. 416/Awt, SPO Arshid Qayoom No. 58/SPO, SPO Faiz Ahmad No. 60/SPO, SPO Muzamil Maqbool No. 81/SPO, SPO Surjeet Singh No. 30/SPO, Shabir Allie No.52/SPO and Mushtaq Ahmad No.118/SPO, Naseer Ahmad No. 33/SPO and SPO Surjeet Singh No.1752/SPO- Jammu was formed to prevent the escape of hiding terrorists.

The hiding terrorists were asked to surrender which they declined. The joint search party moved meticulously towards the hiding terrorists & while noticing the movement of search party, terrorists fired indiscriminately towards them. The joint search party without caring for their lives moved forward and retaliated the fire effectively which resulted into injuries to all the three terrorists. Meanwhile, the terrorists lobbed a couple of grenades towards joint search party but fortunately the grenades exploded without causing any damage to the joint search party. The terrorists again fired heavy volume of gun shots towards joint search party in order to make their escape good. The movement of the terrorists was noticed by the joint search party and with prompt/accurate fire eliminated all the terrorists who were later-on identified as

Ab.Hamid Lone @ Hamid Lelhari (A-Category) S/o Late Mohammad Ismail R/o Lelhar Kakapora Junaid Rashid Bhat S/o Ab. Rashid Bhat R/o Nowdal Tral and Naveed Ahmad Tak S/o Gh. Nabi Tak R/o Naina Batapora (both C-category). Large amount of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. For the incident, case FIR No.132/2019 U/S 307 RPC, 7/27 A. Act, 16, 18, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in Police Station Awantipora and investigation taken-up.

During this operation DySP Aejaz Ahmad Malik No. JKPS-116060 played an commendable role as the said officer proceeded meticulously without carrying for his life towards the target area but while entering the premises of the area he came under heavy volume of fire. The said officer played commendable role alongwith HC Shabir Ahmad No. 204/IRP 11th Ct. Fida Hussain No. 2600/S and Sgct Shabir Ahmad No. 591/Awt in eliminating the hiding terrorists.

In this operation, S/Shri Aejaz Ahmad Malik, Deputy Superintendent of Police, Shabir Ahmad, Head Constable, Shabir Ahmad Dar, SgCT and Fida Hussain, Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 22/10/2019.

(File No.-11020/128/2020-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 230—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallatnry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mohamad Yesser Parray	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Imtiyaz Ahmad Wani	Sub Inspector	1st BAR TO PMG
3	Shabir Ahmad Parray	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26.10.2018 at about 04:05 hours acting upon a credible intelligence regarding presence of terrorists in Village Pazalpora Malgonipora falling under Police Station Dangiwacha, a joint cordon and search operation was launched by Sopore Police along with the police contingent of District Kupwara, Army 22-RR and 92 Bn. CRPF. During the course of search, a contact was established with the terrorists who were hiding in a residential house in the area.

As the terrorists were holed up in a residential area, the operational parties decided to evacuate the civilians first before launching any assault, in order to avoid any civilian causality / collateral damage.

To carry out the operation, two joint parties of Army. CRPF and Police were formed. 1st team (as advance party) headed Mohamad Yeseer Parrey, DySP (Hqrs) Kupwara, comprised of SI Imtiyaz Ahmad Wani ARP115601, Sgct Shabir Ahmad Parray 768/Spr, Sgct Fayaz Ahmad 224/IR 3rd, Sgct Bilal Ahmad 600/KP, Ct. Nisar Ahmad 610/Spr & Ct. Imtiyaz Ahmad 653/Spr, SPO Abdul Khaliq 551/SPO-KP, SPO Mushtaq Ahmad 368/SPO-KP, SPO Nazir Ahmad 601/SPC-KP, SPO Mohammad Akbar 339/SPO-Spr, SPO Waseem Ahmad 237/SPO-Spr, SPO Showkat Ahmad 415/SPO-Spr.

2nd Team (as backup party) comprising of SI Parveen Kumar ARP085601, Sgct Haneef Mohmad Bhat 760/Spr, Sgct Zaheer Abass Awan 688/KP, Sgct Mohammad Shafi 691/KP, Sgct Nisar Ahmad 405/KP, Sgct Abdul Jabbar 464/AWP, Sgct Sajad Ahmad 560/Spr, Ct. Zahoor Ahmad 1315/B, SPO Imran Dhobi 834/SPO-KP, SPO Naseer Ahmad 850/SPO-KP, SPO Manzoor Ahmad 168/SPO-KP, SPO Mohammad Muzaffar 1502/SPO-Bla, SPO Ashiq Hussain 269/SPO-Spr headed by Shri Javaid Iqbal-JKPS SSP Sopore was tasked to manage the evacuation of trapped civilians.

The joint parties with great prudence approached the residential houses and ensured the evacuation of all civilians from the area. The holed up terrorists fired intermittently to hinder the civilian evacuation, however the joint parties successfully evacuated all the trapped civilians.

The holed up terrorists were urged to surrender, but they instantly turned down the offer and opened heavy volume of firing which was retaliated leading to a fierce encounter. Since the terrorists were holed up in a residential area with narrow lanes and by-lanes, rendering the movement armoured / BP vehicles towards the spot impossible, Security Forces / Police made every effort to move ahead, but they faced tough resistance. Ultimately the joint party lead by Shri Mohamad Yesser Parrey-JKPS, DySP Hqrs Kupwara decided to approach the target house for final assault. The party started to crawl to wards the target house under the cover firing of Police / SFs.

As soon as the party reached close to the target house, the holed up terrorists jumped out from the house firing indiscriminately on both the parties. However, the party headed by Mohamad Yesser Parrey-JKPS DySP Hqrs Kupwara, by exhibiting extraordinary presence of mind, fired back effectively gunning down two foreign terrorists, belonging to Lashker-i-Toiba (LeT) During the exchange of firing one Army Jawan of 22-RR namely Barjesh Kumar sustained bullet injuries who later on succumbed to his injuries.

The slain terrorists were later on identified as Zahid R/o Pak and Usama R/o Pak. Both the slain terrorists were of A-Category belonging to Lashker-i-Toiba (LeT) outfit. Large amount of war like items was recovered from the possession of slain terrorists. For the incident, case FIR No. 147/2018 U/S 307, 302 /RPC, 7/27 Arms Act stands registered in Police Station Dangiwacha and investigation taken up.

In this operation, S/Shri Mohamad Yesser Parray, Deputy Superintendent of Police, Imtiyaz Ahmad Wani, Sub Inspector and Shabir Ahmad Parray, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 26/10/2018.

(File No.-11020/133/2020-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 231—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Adil Rashid	Inspector	PMG
2	Asif Iqbal Qureshi	SgCT	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 31.03.2018, a specific input about the presence of terrorists was received in village Dialgam, following which Anantnag Police in assistance with 19 RR and 40 Bn. CRPF laid a joint cordon of said village. During search operation, terrorists hiding in the house of Imran Ahmad Khan S/o Assadullah Khan R/o Peth Dialgam tried to escape from the cordon. On being given an opportunity to surrender, one terrorist namely Imran Rashid Bhat S/o Ab. Rashid Bhat R/o Sirhama Bijbehara came out of the house and surrendered before Police whileas other terrorist confirmed as Rouf Bashir Khanday S/o Bashir Ahmad Khanday R/o Ara-Dehruna Anantnag refused to surrender. Accordingly, his parents were brought to persuade their son to surrender which he again refused to do and instead resorted to indiscriminate fire upon the search party consisting of Shri Altaf Ahmad Khan SSP Anantnag, Shri Mohammad Yousuf-Dy. SP, SgCt Showkat Ali 513/AP 7th, SgCt (Now HC) Asif Iqbal No. 1344/A, SgCt Manzoor Ahmad 1068/A, SgCt Parveez Ahmad 753/A, Ct. Ajaz Ahmad 1996/A, Sudarshan Singh No. 249/SPO, Rayees Ahmad 546/SPO, Tariq Ahmad 476 /SPO, Ab. Rashid Paddar 300/SPO, SPO Manzoor Ahmad 1429/SPO and Showkat Ahmad Mir 307/SPO. The search party retaliated the fire effectively and in exchange of fire the said hardcore terrorist of HM outfit Rouf Bashir Khanday S/o Bashir Ahmad Khanday R/o Ara-Dehruna Anantnag (Category "C") was eliminated and arms/ammunition were recovered from his possession. In this regard, a Case FIR No. 55/2018 U/S 7/27 A. Act stands registered in P/S Anantnag.

In this operation, S/Shri Adil Rashid, Inspector and Asif Iqbal Qureshi, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 31/03/2018.

(File No.-11020/134/2020-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 232—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mubbasher Hussain	Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Mohmad Anzar Khan	Inspector	1st BAR TO PMG
3	Sham Lal	SgCT	PMG
4	Ghulam Rasool Mir	Follower	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.04.2019, specific information was received from reliable sources regarding the presence of terrorists in the residential house of Showket Ahmad S/o Nazir Ahmad R/o Baginder Mohalla Bijbehara. The information was shared with 3rd RR / 90 Bn. CRPF and it was decided to cordon off the area after proper strategy to encircle the hiding terrorists and not to give them any chance to break the cordon. The challenging task was dealt very tactfully by Shri Mubbasher Hussain SP (PC) Anantnag & finally well planned cordon was laid at about 02:40 hrs.

During search operation presence of dreaded terrorists were confirmed from Baginder Mohalla Bijbehara. Proper nakas were laid on all exit points, whole cordoned area was sealed & proper lighting arrangements were made for successful operation. In order to make the operation successful, 02 teams under the supervision of SSP Anantnag were constituted and consisting of Police/CRPF/Army under the command of SP (PC) Anantnag assisted by DySP Mohammad Rafee JKPS155771, DYSP Perweiz Ahmad, DySP Sharad JKPS155774, Insp. Mohmad Anzar Khan 7545/NGO, SgCt. Mohd Suhail 749/A, SgCt. Reyaz Ahmad 482/AP 9th Bn, Sgct Sham Lal 527/IR 12th Bn, Sgct Shabir Ahmad 577/A, Sgct Syed Jahenghir 1206/KP, Sgct Murtaza Nazir 1353/A, Sgct Zakir Hussain 648/IR 12th Bn, Ct. Bilal Ahmad 1875/A, Foll Mohd Maqbool 29/F, Foll. Ghulam Rasool Mir 28/F/AP-9TH, SPO Mohd Shafi 47/SPO, SPO Mohd Yaseen 781/SPO, SPO Nisar Ahmad 824/SPO, SPO Ab Rashid 456/SPO, SPO Ishfaq Amin 37/SPO, SPO Mohd Iqbal 09/SPO, SPO Mohd Yousuf 922/SPO, SPO Gull Mohd Wani 734/SPO, SPO Yousuf Sajad 853/SPO and SPO Mohd Ramzan 370/SPO-Sgr for entering the house in which the terrorists were hiding.

After laying the strong cordon, terrorists were offered to surrender but there was no positive response from the terrorist's side and they fired indiscriminately upon the party led by SP (PC) Anantnag and SDPO Bijbehara. They had a very narrow escape but the party retaliated very effectively and the terrorists back-tracked. The well trained terrorists tried to break the cordon on other side & threw many grenades on the said advance Police party & fired indiscriminately on the other deployed forces. But the officers and their party without caring for their lives retaliated very effectively and resulting in killing of two dreaded terrorists who were later on identified as Safdar Amin Bhat S/o Mohammad Amin Bhat (Cat-A) R/o Zairpora Bijbehara and Burhan Ahmad Ganie. S/o Ab. Sadiq Ganie (Cat -C) R/o SK Colony Anantnag both of HM outfit. Large amount of arms/ammunition were recovered from the possession of slain terrorists. In this connection, case FIR No. 53/2019 U/S 307 RPC 7/27 I.A. Act stands registered in Police Station Bijbehara.

Needless to mention that the eliminated terrorists were active and posed a great threat to South Kashmir particularly, main towns of District Anantnag and were planning to carry out terrorist attacks on security forces. They were also involved in many weapon snatching incidents in South Kashmir.

In this operation, S/Shri Mubbasher Hussain, Superintendent of Police, Mohmad Anzar Khan, Inspector, Sham Lal, SgCT and Ghulam Rasool Mir, Follower of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/04/2019.

(File No.-11020/155/2020 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 233—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry / 3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Tahair Ashraf	Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2	Javid Ahmad Zagoo	Head Constable	PMG
3	Mohd Junaid Akhter	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.08.2018, specific information was received from reliable sources about the presence of terrorists in Muniward area of Anantnag. Accordingly, a joint team of SOG Anantnag/ Police Component Srinagar alongwith the troops of 1st RR and 40 Bn CRPF cordoned off village Muniward in wee hours. During the search operation, terrorists were found hiding in the house of one Mohammad Altaf Dar S/o Mohammad Afzal R/o Khahpora Muniward and were asked to surrender, which they declined and instead fired upon the deployed forces. Accordingly, a joint team of police, 1st RR and 40 Bn CRPF was constituted to carry out the assault. The Police party comprising Shri Amritpal Singh-IPS SP, Shri Tahair Ashraf KPS-045839 SP PC Srinagar, Shri Sachit Sharma KPS135821 Dy. SP, HC Nisar Ahmad 2258/A, HC Javid Ahmad 2218/PW, HC Shahwanaz Ahmad 347/3rd Sec, SgCt Sanjeet Singh 2112/A, SgCt Mohammad Abdulla 300/A, SgCt Manzoor Ahmad 540/IRP 12th, SgCt Tanveer Ahmad 578/IRP 12th, SgCt Aasif Iqbal 1344/A, SgCt Altaf Hussain 1114/A, Ct. Mohammad Junaid 722/AP 7th, Ct Reyaz Ahmad 776/A, Reyaz Ahmad 89/ SPO, Mudasir Ahmad 1112/SPO, Bashir Ahmad 1151/SPO, Mohammad Sadeeq 1122/SPO, Shabir Ahmad 440/SPO-BD, Bashir Ahmad 211/SPO, Muzaffar Hussain 220/SPO, Manzoor Ahmad 178/SPO, Mudasir Ahmad 244/SPO and Hilal Ahmad 292/SPO fought bravely without caring for their lives and succeeded in eliminating both the hiding terrorists namely Mohammad Altaf Dar @ Altaf Kachroo of (A++ category of HM outfit) S/o Ghulam Mohammad Dar R/o Hawoora Mishpora (District Commander) and Umar Rasheed Wani of (C-category of HM outfit) S/o Abdul Rasheed Wani R/o Khudwani Kulgam who were active in District Anantnag/Kulgam since long and were great threat for main towns of both the Districts especially NHW and Railway track. They were also involved in many weapon snatching incidents that occurred in South Kashmir. Arms/ammunition was also recovered from the possession of eliminated terrorists on which case FIR No.158/2018 U/S 307, RPC 7/25 A. Act. 18,19,20,38 ULA (P) Act stands registered in P/S Anantnag for investigation.

In this operation, S/Shri Tahair Ashraf, Superintendent of Police, Javid Ahmad Zagoo, Head Constable and Mohd Junaid Akhter, Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/08/2018.

(File No.-11020/164/2020 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 234—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Matloob Hussain Shah	Constable	PMG

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
2	Asrar Ahmad Mir	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30.06.2019, Budgam Police received information from reliable sources regarding the presence of armed terrorists in village Bugam Tehsil Chadoora of District Budgam. On the basis of this information, joint operation team comprising of troops of Budgam police along with 53 RR was constituted. Joint operation party was tasked to launch an operation late at night on foot taking cover of darkness. Without losing any time, four cordon parties were formed to cordon the targeted house of one person namely Bilal Ahmad Ganie S/o Mohd Akram Ganie R/o Bugam Chadoora District Budgam.

First team led by Shri Aakash Kohli-JKPS155781, DySP (PC) Chadoora, Major Piyusn Mittal SS-45107F of 53 RR, Ct. Asrar Ahmad Mir 729/BD, Ct. Tanveer Ahmad 1465/BD, Ct. Mushtaq Ahmad 1399/BD, SPO Ab Rashid Lone 291/SPO & SPO Nazir Ahmad 240/SPO were given the responsibility of the northern side of the target house.

Second team led by SP Budgam Shri Amod Ashok Nagpure IPS 136011, aiongwith Capt. Suriya Prakash IC-79612W of 53 RR, HC Firdous Ahmad 522/BD, Ct. Matloob Hussain Shah 475/IR 6TH. Ct. Mehraj Ahmad 1164/BD, SPO Mukhtar Ahmad Dar 126./SPO & SPO Bilal Ahmad Lone 437/SPO were given the responsibility of covering southern side of the target house.

Third team led by Insp. Shri Mehboob Hussain 7176/NGO, SHO P/S Chadoora alongwith Capt. Rohit Sharrna IC-79318W of 53 RR, Ct. Manzoor Ahmad 837/BD & SPO Ali Mohmad Mir 398/SPO were given the responsibility to cover easter n side of the target house Fourth team led by AS1 Khursheed Ahmad 212/BD alongwith Capt. Varun Tomar IC 79153-H of 53 RR alongwith HC Ab Majeed 124/BD, SgCt Jahangir Ahmad 783/JKAP 13TH Bn, Ct Umer Farooq 1395/BD, SPO Altaf Ahmad 1197/SPO & SPO Shahnawaz Ahmad 09/SPO were given the responsibility to cover the western side of the target house.

Fourth team led by ASI K hursheed Ahmad 212/BD alongwith Capt. Varun Tomar IC 79153-H of 53 RR alongwith HC Ab Majeed 124/BD, SgCt Jahangir Ahmad 783/JKAP 13TH Bn, Ct Umer Farooq 1395/BD, SPO Altaf Ahmad 1197/SPO & SPO Shahnawaz Ahmad 09/SPO were given the responsibility to cover the western side of the target house.

The operation was coordinated and supervised by SP Budgam Shri Amod Ashok Nagpure IPS136011, CO 53 BN RR Col. M.K.Rana IC-63430Y and Sh. Muneer Ahmad ASP Budgam at village Bugam Tehsil Chadoora District Budgam. All tne four parties laid down the cordon and after establishing the communication and coordination among all four parties, it was ensured that the civilians residing in nearby houses are evacuated safely and any kind of damage to the houses is avoided. Terrorists hiding inside were asked to surrender, to which they paid no heed.

As soon as parties moved towards the target house, terrorists hiding inside in an attempt to escape and break cordon, fired a volley of fire and lobbed grenade. During the initial exchange of firing, 02 police personnel namely HC Ab Majeed 124/BD, SPO Altaf Ahmad 1197/SPO and 02 army personnel of 53 RR were injured, who were immediately evacuated to 92 Base Camp Army Hospital Srinagar. Joint operation parties in lack of any hard cover managed to safeguard themselves from indiscriminate fire opened by terrorists and without losing cool tactfully retaliated with fire power which forced terrorists to step back. There after terrorists positioned themselves again in the house located at a dominating position and started targeting the security forces personnel deployed in cordon, which were easily detectable by flashes of their firing weapons. In order to avoid any kind of causality, operational parties were directed to hold fire and to wait for the first light so as to move as close as possible to the target location for effective retaliation.

In the wee hours, a search party was formed comprising of Shri Magpure Amod Ashok SPS136011 SP Budgam, Shri Muneer Ahmad EXJ-832519 ASP Budgarn, Col M.K.Rana IC-63430Y, Major Piyush Mittal SS-45107F, Capt. Suriya Prakash IC-79612W, Capt. Rohit Sharma IC-79318W, Capt. Varun Tomar IC- 79153H, Shri Aakash Kohli-JKPSI55781 OySP PC Chadoora, Shri Syed Fayaz Ahmad 3041/NGO SDPO Charar-i-Sharief, Inspr. Mehboob Hussain 7176/NGO SHO P/S Chadoora, ASI Khursheed Ahmad 212/BD , HC Firdous Ahmad 522/BD, CT Asrar Ahmad 729/BD, CT Matloob Hussain 475/IR 6TH, CT Sartaj Ahmad 26/BD, CT Mushtaq Ahmad 1399/BD, CT Mehraj-u-din 1164/BD, CT Manzoor Ahmad 837/BD, CT Umer Farooq Ahmad 1395/BD. The above mentioned officerS/officials after moving close to the target house and occupying strategic positions made a final assault which resulted in the killing of the terrorist.

A small search party without caring for their personal safety and by exhibiting extraordinary bravery and valour in the line of duty completed the assigned task meticulously which resulted in elimination of 01 dreaded terrorist. By the time large number of people gathered on spot and started pelting stones on operational party. To control the mob, police reinforcement fired tear smoke shells due to which security forces succeeded in withdrawing from the spot along with dead body of eliminated terrorist. During the said gun battle, SgCt Matloob Hussain Shah ARP 112244 and SgCt. Asrar Ahmad Mir EXK-27253 exhibited valour of the highest order and as a result one terrorist was eliminated who was later-on identified as Hilal Ahmad Bhat S/o Habibullah Bhat R/o Armullaha Pulwama of HM, a "O' Category terrorist. Large Quantity of

arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. For the incident, case FIR NO. 115/2019 U/S 307 RPC, 7/27 I A. Act, 18, 19, 20 ULA (P) Act stands registered at Police Station Chadoora.

The elimination of the above mentioned terrorist is a major setback to the HM outfit, as said outfit was trying to lure local boys towards terrorism. The swift and gallant action displayed by recommendees has averted a major/disastrous tragedy which could have been, caused by said terrorist. This operation was a challenging task for Police and SFs as the cover of darkness provided an added advantage to the hiding terrorist.

In this operation, S/Shri Matloob Hussain Shah, Constable and Asrar Ahmad Mir, Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/06/2019.

(File No.-11020/25/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 235—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry / 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Raj Kumar	Additional Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Abdul Qayoom	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17.05.2020, acting on a specific information a joint operation was launched during night hours of by Doda police, 10 RR, 33 Bn CRPF and SSB 7th Bn in village Tashnal (Khutra) falling in the jurisdiction of P/S Doda, Tehsil Gundna and District Doda.

The searching parties cordoned off the suspected area to minimize the chance of escape of terrorist from any side. During search operation, terrorist hiding in the house of one Nazir Ahmed Mir S/o Gh. Ali Mir R/c Khutra opened indiscriminate fire upon the searching party. The fire was retaliated by the search party and an encounter ensued which continued for hours together. The assault team of Shri Raj Kumar Addl.SP Ops. Doda and HC Abdul-Qayoorn No 112/D EXJ-977030 approached the target house and in a close quarter gun battle they managed to eliminate the terrorist who was later on identified as Tahir Ahmed Bhat @ Anzar-ul-Islam @ Uqab S/o Mohd. Shaban Bhat R/'o Malangpora District Pulwama. The killed terrorist was active in Doda-Kishtwar for one and half years and was affiliated with HM outfit. He was assigned the task by his mentors to revive militancy in Chenab Vally by recruiting youth of the area in terrorist cadre. In the instant encounter, one Army jawan of 10 RR lnk. Raj Singh also achieved martyrdom on spot. In this connection case FIR No. 87/2020 U/'S 302, 307,120-B IPC. 7/27 AA, : 13 ULA has been registered at P/S Doda and investigation of the case set into motion.

During this operation, ASP Raj Kumar and HC Abdul Qayoom, EXJ977080 played a conspicuous role and exhibited gallantary beyond the call of their normal duties.

In this operation, S/Shri Raj Kumar, Additional Superintendent of Police and Abdul Qayoom, Head Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/05/2020.

(File No.-11020/34/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 236—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mukesh Singh, IPS	Inspector General of Police	2nd BAR TO PMG
2	Vivek Gupta, IPS	Deputy Inspector General	1st BAR TO PMG
3	Shridhar Patil, IPS	Senior Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
4	Naresh Singh	Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
5	Dewakar Singh	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
6	Parupkar Singh	Sub Divisional Police Officer	1st BAR TO PMG
7	Balbir Singh	Assistant Sub Inspector	PMG
8	Vinod Kumar	Head Constable	PMG
9	Javed Iqbal	SgCT	PMG
10	Rakesh Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.11.2020, during evening hours on the basis of specific input regarding the movement of heavily armed terrorists of special suicide squad of Jaish-e- Mohammed towards valley through Jammu-Samba National Highway, SOG Jammu along with District Police led by SHO *P/S* Nagrota laid special Nakas at various places on the highway including Nud, Samba, Kunjwani Jammu and Ban Toll Plaza Nagrota, Jammu. Input also revealed that this special squad of JeM was planning to indulge in an attack bigger than that of Pulwama attack in which 40 CRPF personnel were martyred. The Police teams deployed at all the locations were directed to conduct thorough checking of all the Kashmir based vehicles. IGP Jammu Sh. Mukesh Singh, IPS, DIG JSK Range Sh. Vivek Gupta, IPS, and SSP Jammu Shridhar Patil-IPS, personally visited all the nakas on way from the international border towards the valley and briefed the men on duty to be alert and to follow the drills for vehicular checking. Next day morning on 19.11.2020 at around 04:50 hours when police search team was conducting checking of the vehicles at Ban Toll Plaza Nagrota, searching Police party intercepted a Truck bearing registration no. JK 01 AL 1055 and upon seeing the Police party, the driver of the truck fled away from the spot leaving the vehicle behind. This led to suspicion and Police team immediately passed information to SP Ops Jammu, Sh. Naresh Singh-KPS and all the senior formations including SSP Jammu Sh. Shridhar Patil- IPS, DIG Jammu-Samba-Kathua Range, Sh. Vivek Gupta- IPS and IGP Jammu Zone Sh. Mukesh Singh- IPS. In the meantime Police party started thorough search of the vehicle. When police tried to open the side small window on the left side of the truck, the terrorists hiding inside the truck opened fire on Police party leading to the onset of encounter.

Immediately, one team which was already out on the highway in view of the input led by SP OPS Jammu and assisted Dy. SP OPS Jammu along with Jawans of SOG Jammu and one CTT of 160 Bn. CRPF reached the spot and immediately cordoned the area and ensured that none of the hiding terrorists could break the cordon and escape from the encounter site .The 2nd team led by SSP Jammu, SDPO Nagrota along with their teams also reached the spot and cordoned the entire area tactically. SSP Jammu and SP OPS Jammu immediately planned the operation on the spot and divided the operation teams into two striking teams. One party under the command of SSP Jammu assisted by SOG Jammu cordoned and covered the left side of the said vehicle and another party under the command of SP OPS Jammu assisted by SDPO Nagrota were placed immediately on the backside of the said vehicle along with other Jawans also deployed at strategic and tactical locations. Both the teams were located very close to the truck and were in the firing range of terrorists but despite this the officerS/officials displayed utmost courage and bravery in holding their positions and retaliated the fire of the terrorists.

Both the striking teams one led by SP OPS Jammu Sh. Naresh Singh-JKPS and 2nd team led by SSP Jammu Sh. Shridhar Patil-IPS were fired upon by the hiding terrorists very heavily with automatic weapons, UBGL Grenades as they were desperate and tried to break the cordon to escape from the encounter site, but both the striking parties retaliated professionally and fighted very bravely and tactically. In the meantime DIG Jammu, Sh. Vivek Gupta-IPS and IGP Jammu Zone Sh. Mukesh Singh- IPS along with reinforcement/additional force assisted by SP Rural also reached the spot and tightened the cordon from all sides to ensure that terrorists engaged in the fire fight could not escape in any situation. The operational Command of the spot was now taken over by IGP Jammu Zone, who was being assisted by DIG JSK Range.

A command vehicle was placed near the encounter site with PTE Cameras to monitor the movement of each party and also to monitor the movement and action of the hiding terrorists.

The terrorists kept on repeatedly firing from inside the vehicle on police party but the Police party did not let them escape and kept them contained and engaged inside the vehicle only. The terrorists immediately started firing with UBGL and also threw grenades on the vehicle of SP Ops Jammu Sh. Naresh Singh and the officer had a narrow escape and some of the AP (Armor-piercing) rounds also passed through from the BP Bunker which was just behind the vehicle of SP Ops Jammu but both the striking parties one led by SP OPS Jammu and second by SSP Jammu retaliated with full force and in the initial exchange of fire with police striking parties resulted in the elimination of two terrorists. The other two terrorists remained holed up inside the truck and kept on firing upon the Security Forces as they had made proper bunker with rice bags which were available inside the truck.

During the heavy exchange of fire from both sides, two Police Jawans of SOG Jammu namely Ct. Kuldeep Kumar No. 752/K and SgCt Mohammad Ishaq No 949/R got injured. Sensing the gravity of the situation, DIG Jammu Sh. Vivek Gupta assisted by HC Vinod Kumar No. 132/J EXJ-955737 unmindful of their own safety braved the bullets and reached to the location of injured Ct. Kuldeep Kumar No. 752/K and evacuated him to safety. The second injured Jawan Sgct. Mohamad Ishaq No. 949/R, who was also lying in the pool of blood at the encounter site was evacuated after a very hectic efforts by Sh. Mukesh Singh IGP Jammu Zone assisted by his QRT In-charge ASI Balbir Singh N0.1511/PW PID Tel-977482. The rescue team showed great courage and bravery in rescuing the injured Jawans by braving the bullets. The timely brave action by the rescuing officers was instrumental in saving the precious lives of the injured Jawans.

IGP Jammu Zone Sh. Mukesh Singh-IPS, DIG JSK Range Sh. Vivek Gupta- IPS were supervising the operation at the encounter site and coordinating /leading the troops from the front. The aim was to neutralize the terrorists without any collateral damage. IGP Jammu Zone Sh. Mukesh Singh, IPS took over the mike of the command vehicle and he himself announced the terrorists to surrender and made repeated announcements to come out of the vehicle but the terrorists who were fidayeens, hardcore and highly trained kept on firing on the operational party.

Subsequently, as the encounter progressed the troops of 09 PARA also joined the encounter at the later stage. They reported to the IGP for direction and were briefed about the situation and elimination of 2/3 terrorists so far The prompt and tactical maneuver of the operational teams helped in elimination of all the four terrorists during the fierce gun fight which lasted for more than three hours. To ensure effective aerial surveillance of the encounter site and to ensure elimination of terrorists, the drone of 09 PARA was also flown over the target area as per the directions of IGP Jammu Zone. Soon after that, the bodies of all four terrorists (All FT's and Unidentified affiliated with JeM Outfit) were recovered from encounter site alongwith huge cache of Arms and Ammunition and other incriminating material. Accordingly Case FIR NO. 426/2020 U/S 307,120-B, 121,122,123 IPC, 7/25/26/27 Arms Act, 16/18 UAPA Act stands registered in P/S Nagrota into the matter. All the foreign terrorists were suicide attackers based on the facts that in all previous suicide attack, the full body of terrorists involved in the attack was found to be cleaned shaven.

Each foreign terrorist was carrying two to three weapons at the time of infiltrating, apart from one pistol each and at-least 10 to 12 grenades each. They were also in possession of SOS injections. These consignments are invariably carried by Fidayeen attackers. Recovery of IEDs, GPS devices & Satellite phones indicates the presence of a high level Commander among the terrorists.

The above conclusion indicates that a big terror attack was foiled by timely action of the J&K Police. The apprehension of the local terrorists who had gone to receive the foreign terrorists has also prevented many more such infiltration attempts across the border since it takes time to terrorists to build a support.

The whole operation was conducted without the iota of collateral damage only because of the outstanding command and control exercised by operational teams conjugated with the display of the rarest of the rare bravery and extreme devotion to the duty by them. The members of the operational team especially Sh. Mukesh Singh-IPS IGP Jammu Zone, Sh. Vivek Gupta-IPS DIG Jammu, Sh. Shridhar Patil-IPS SSP Jammu, Sh. Naresh Singh-KPS SP OPS jammu, Sh. Dewakar Singh Dy. SP OPS Jammu, Sh. Parupkar Singh-KPS SDPO Nagrota, ASI Balbir Singh NO. 1511/PW PID NO. Tel-977482, HC Vinod Kumar No. 132/j EXJ -955737, SGCT Javed Iqbal No. 905/J PID No. EXJ987037 and CT Rakesh Singh No.1876/J PID No. EXJ-118482 saved JK UT from extreme danger of terror attack as the eliminated terrorists were highly motivated trained and were carring war like stores with them with the motive to de-stabilize the DDC Election process in the JK UT and subsequently committed to give big fight for longer duration.

In this operation, the operational team led by Shri Mukesh Singh IGP Jammu Zone, Shri Vivek Gupta DIG Jammu, Shri Shridhar Patil-IPS SSP Jammu, Shri Naresh Singh-KPS SP OPS Jammu and Shri Javed Iqbal Sgct PID No. 987037 has displayed conspicuous gallantry, courage, bravery and devotion of the highest order.

In this operation, S/Shri Mukesh Singh, IPS, Inspector General of Police, Vivek Gupta, IPS, Deputy Inspector General, Shridhar Patil, IPS, Senior Superintendent of Police, Naresh Singh, Superintendent of Police, Dewakar Singh, Deputy Superintendent of Police, Parupkar Singh, Sub Divisional Police Officer, Balbir Singh, Assistant Sub Inspector, Vinod Kumar, Head Constable, Javed Iqbal, SgCT and Rakesh Singh, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/11/2020.

(File No.-11020/ 118/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 237—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Aijaz Ahmad Dar	SgCT	PMG
2	Nazir Ahmad Lone	SgCT	PMG
3	Jahangeer Hussain Magray	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12.07.2020, based upon a specific intelligence regarding presence of terrorists in Gulshanabad Reban a joint cordon and search operation was launched in the area by Sopore Police, Army 22RR and 179 /177/92 Bn. CRPF. Since there were already credible inputs that the terrorists were hiding in a residential house possessing sophisticated weapons, besides it was pre-dawn hours, all the civilians were in deep asleep in their residential houses and in such a hostile situation there was every apprehension of civilians causality, if the search operation was intensified at the very movement. So, in order to ensure that the operation should be a clean one, first and foremost priority was given to the civilian's evacuation with the consultation of Army Counterparts.

Thus a joint team of Police/Army/CRPF including SI Sajad Ahmad No. 109303-ARP, Sgct Altaf Hussain N0.698/Spr, Sgct Shabir Hussain N0.714/Spr, Sgct Mohd Haneef NO.760/Spr, Sgct Reyaz Ahmad NO. 776/Spr, Sgct Nazir Ahmad Lone No. 593/Spr, Sgct Aijaz Ahmad Dar No. 870/Spr Ct. Jahangeer Ahmad Magray No. 856/Spr ,Vippin Kumar NO. 35/SPO, Nisar Ahmad NO.760/SPO, Tufail Ahmad N0.778/SP0, Muzamil Ahmad N0.769/SPO, Umeed Khan N0.793/SPO, Gurdeep Singh N0.799/SPO, Sameer Ahmad N0.782/SPO, Qadeer Ahmad NO. 722/SPO led by Shri Javaid Iqbal SSP Sopore was constituted to evacuate the trapped civilians and 2nd team of Police/CRPF Including Shri Raja Majid ,SDPO Sopore , Sgct Mohd Yousf NO. 778/Spr, Ct. Fayaz Ahmad No. 841/Spr, Ct Syed Amir NO. 842/Spr, Ct. Ab. Qayoom NO. 829/Spr . Ct. Aijaz Ahmad No. 863/Spr , Ct. Bilal Ahmad NO. 800/Spr, Hafiz Ahmad N0.775/SPO, Majid Amin N0.774/SPO, Jahangir Ahmad No.557/SPO,Mohd Iqbal N0.585/SPO, Manzoor Ahmad N0.715/SPO, Shamshair Singh N0.682/SPO, Irfan Ahmad NO. 439/SPO led by Shri Mohd Ameen Dy. SP (OPS) Police Component Sopore was placed as a backup party to provide covering firing.

The 1st joint team led by Shri Javaid Iqbal SSP Sopore put their lives in a great risk and evacuated all trapped civilians and even during the course of evacuation , the terrorists fired intermittently on the joint party with the intention to halt the evacuation process and to make the civilians hostage and even some bullets hit the closest the officers , but the team members led by SSP Sopore did not lose their morale and evacuated all trapped civilians. Once the civilians evacuation process was completed, the cordon was more tightened by sealing all entry and exist points and the search operation was intensified during which the holed up terrorists fired indiscriminately on the advance search party which was retaliated leading to an encounter.

Since the terrorists were hiding in a two storied concreted house who tactfully kept changing their positions in the house and engaged the security forces for a long time, besides the target house was located in a congested location and the security forces could not easily approach the target house for a long time due to fear of collateral damage. Eventually the 1st joint team led Shri Javaid Iqbal -SSP Sopore volunteered themselves to approach the target house for final assault and the

2nd Team led consisting upon CRPF and Police led by Shri Mohd Ameen Dy. SP (OPS) PC Sopore was kept on the back up of 1st team to provide covering firing and to engage the terrorists till the 1st team approaches the target house.

Accordingly, the 1st advance team led by Shri Javaid Iqbal -SSP Sopore started crawling towards the target house under the backup firing of 2nd Party, as soon the advance team was about to reach the target house, the terrorists after sensing that the security forces have reached the target house, they (terrorists) suddenly jumped out from the house through the main front door while showering volume of bullets and tried to escape from the spot by taking advantage of narrow streets, but before that the advance team especially Shri Javaid Iqbal - SSP Sopore, Sgct Nazir Ahmad Lone No. 593/Spr, Sgct Aijaz Ahmad Dar No. 870/Spr and Ct Jahangeer Hussain Magray No. 856/Spr remained determent like and retaliated the fire effectively with the back up of 2nd joint party and in the ensuing face to face gunfight three dreaded terrorists belonging to proscribed Lashker-i-Toiba terror outfit were neutralized who were later on identified as Abu Rafia @ Usman R/o Pak (A-Category terrorist of LeT outfit), Kalimullah @ Saifullah R/o Pak (A-Category terrorist of LeT outfit) and Shahid Ahmad Bhat S/o Bashir Ahmad Bhat R/o Haffoo Nageenpora Tral District Pulwama (JeM/LeT outfit). Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 185/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act & 16 ULA(P) Act stands registered in P/S Sopore for further investigation.

The area of operation was densely populated, also covering by orchards in all four sides which always remained hot bed for the terrorists movement/presence. In such a volatile situation, it was a big challenge for the security forces to launch such a successful clean anti-terroprist operation in such a problematic area without any collateral damage, but it was conspicuous bravery, leadership qualities, professionalism and matchless resilience exhibited by Shri Javaid Iqbal-SSP Sopore, Sgct Nazir Ahmad Lone No. 593/Spr, Sgct Aijaz Ahmad Dar No. 870/Spr & Ct. Jahangeer Hussain Magray No. 856/Spr that the operation was concluded with the elimination of three dreaded terrorists of Lashker-i-Toiba terror outfit without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Aijaz Ahmad Dar, SgCT, Nazir Ahmad Lone, SgCT and Jahangeer Hussain Magray, Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/07/2020.

(File No.-11020/119/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 238—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Aejaz Ahmad Malik	Deputy Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2	Sanjeev Dev Singh	Sub Inspector	2nd BAR TO PMG
3	Manzoor Ahmad	Head Constable	PMG
4	Javaid Ahmad Sheikh	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.01.2021 based on a specific input regarding presence/hiding of 03 local terrorists of HM proscribed terrorist outfit in the residential house of Bashir Ahmad Bhat S/o Ab.Samad Bhat R/o Mandoora Tral, a joint cordon and search operation was launched by Awantipora Police with the assistance of Army 42 RR and CRPF 180 Bn in village Mandoora Tral at around 2PM. Since the terrorists were hiding in the congested area i.e. in centre of village Mandoora Tral in the said house, as such, it was a challenging task for the cordon party to reach the target area/house and lay the cordon by maintaining the highest degree of alertness and surprise to the hiding terrorists. Despite of this challenging task, the joint operational party laid the cordon of the target house by negotiating the risky routes.

As soon as the cordon was being laid, the hiding terrorists lobbed grenades and fired upon the operational parties by taking advantage of congested area and made unsuccessful attempts to breach the cordon. However, the target area, which

the terrorist chose to flee, was already covered by the team led by Dy. SP Aejaz Ahmad Malik,JKPS-SDPO Tral, SI Sanjeev Dev Singh I/C SOG Tral, HC Manzoor Ahmad No.140/Awt EXK-085811 & SgCt Javid Ahmad No.815/Awt, EXK-112056 and they maintained the highest degree of professionalism .bravery and engaged the terrorists in fire, by virtue of which they failed to break the cordon. The cordon was further tightened around the target house where the terrorists were hiding. This was a threat prone situation to evacuate the civilians from the adjoining houses of the target area to safer places. The operational team which was led by the above officers/ officials, voluntarily exposed themselves to the imminent threat and opted to evacuate the civilians from the adjoining houses of the target area to safer places. The said team preferred in the first instance, the evacuation of the all the civilians from the house which are surrounding the target area to safer places. After following the meticulous security drill, the cordon/assault party moved forwarded and reached near the target area/house and made announcements to inmates of house in which the terrorists were hiding and also to inmates of other houses falling adjacent to the target house to come out from their houses and get evacuated to safer places. All the house inmates were then safely evacuated to the secured locations by the said team. However, the terrorists were also given opportunity to lay down their arms/ammunition and surrender but they declined to surrender and instead lobbed grenades coupled with indiscriminate firing upon the evacuating/assault party. The evacuating/assault party effectively retaliated thereby killing of a terrorist on the spot.

Again evacuating/assault party made an announcement for the remaining 02 terrorists to lay down their arms and come out of the house to surrender, however, no sooner the announcement was being made, the remaining 02 terrorists rushed out of the targeted house by firing indiscriminately upon the evacuating/assault party to break the cordon and run away. The evacuating/assault party which was composed of Dy. SP Aejaz Ahmad Malik,SDPO Tral, SI Sanjeev Dev Singh I/C SOG Tral, HC Manzoor Ahmad No.140/Awt 11 & SgCt Javid Ahmad No.815/Awt exposing themselves to danger, moved forward by following a meticulous security drill and effectively retaliated, thereby remaining 02 terrorists were also gunned down on the spot; resulting in culmination of the operation without causing any collateral damage. The killed terrorists were later identified as (1) Waris Hassan Bhat S/o Gh Hassan Bhat R/o Naibugh Tral (2) Syed Ehtisham-ul-Haq S/o Syed Isaq Ahmad Shah R/o Noorpora Awantipora & (3) Arif Bashir Sheikh S/o Bashir Ahmad sheikh R/o Monghama Tral affiliated with proscribed HM outfit. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of the slain terrorists.

To this effect, a criminal case stands registered under FIR No. 07/2021 U/S 307 IPC, 7/27 A.Act, 18,20,38,39 ULA(P) Act in P/S Tral and investigation set into motion.

The killed terrorists were active since August, 2020 and Jan-2021 respectively and were highly motivated & were luring local youth to join terrorism. Their killing in the early stage was a big achievement to Police/SFs.

In this operation, S/Shri Aejaz Ahmad Malik, Deputy Superintendent of Police, Sanjeev Dev Singh, Sub Inspector, Manzoor Ahmad, Head Constable and Javaid Ahmad Sheikh, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/01/2021.

(File No.-11020/120/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 239—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Gowhar Ali Ganie	Inspector	PMG
2	Farhat Hussain	Sub Inspector	PMG
3	Nasar Ahmad	Assistant Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.10.2020, Police Kulgam received specific information from PC Srinagar regarding presence of a group of terrorists in village Chenigam Kulgam. Police Kulgam/01 RR and 18th BN CRPF cordoned the said village and started door to door search. Sgct. Tariq Ahmed was part of the surveillance team of PC Srinagar who shared timely information with

district Police Kulgam. Several teams were constituted headed by Shri Gh Mohd Bhat JKPS, Inspr. Gowhar Ali Ganie SHO Yaripora, SI Sandeep Sharma I/C PC Amnoo, SI Farhat Hussain I/C PP Frisal and ASI Nasar Ahmed I/C PC Hatipora under the overall supervision of Shri Gurinder pal Singh IPS SP Kulgam. The initial parties led by Inspr. Gowher Ali Ganie No. 20/PAU (ARP-046104), SI Farhat Hussain No. 77/PAU (ARP- 109372) and ASI Nasar Ahmad (ARP-973608) and counterparts of 09 RR and CRPF 18thBn cordoned the area and plugged all possible escape routes. On laying initial cordon and confirming the fact that terrorists are hiding in the target house, the cordon was further strengthened in the said village and search operation started accordingly. The target house was zeroed in and the terrorists were given opportunity to surrender for which they refused. During search the hiding terrorists started indiscriminate firing up on operational party with their illegally possessed weapons with intention to kill them. The fire was effectively retaliated by the advancing searching parties resulting in ensuing an encounter. The fierce fire fight began and continued for a long time. The police party showed endurance and forbearance and did not lose an inch on the ground. The coherence between the teams and the earlier strategic planning worked effectively, however the intermittent fire was going on. But the officers mentioned above under the command of SP Kulgam did not leave the spot and showed guts and wisdom and entered in target area from different sides and killed 02 dreaded terrorists one among them was foreign terrorist.

Police component especially Shri Gurinder pal Singh-IPS 136012,Shri Gh Mohd Bhat-JKPS 116044,Inspr. Gowher Ali Ganie No. 20/PAU (ARP-046104), and SI Sandeep Kumar Sharma ARP-109246, SI Farhat Hussain No. 77/PAU (ARP-109372), ASI Nasar Ahmad (ARP-973608), HC Mirza Aafaq Ahmad Beigh No.3509/S EXK-972368,HC Ram Lai No.21/IRP 11 thBn ARP-901313,Sgct.Tariq Ahmad No.319/IRP 6thBn ARP-077216,Ct.Bilal Ahmad No.673/Kgm EXK-993892,Ct. Dawood Ahmad No.1088/Kgm EXK- 175926, SPO Zakir Hussain Tantary No.674/K,SPO Asif Ahmad Rather No.912/K,SPO Sameer Ahmad Lone No.921/K, SPO Imtiyaz Ahmad No.828/K,SPO Mohd Amin No. 152/K,SPO Fayaz Ahmad No. 313/K, SPO Mohd Yaqoob No. 392/K, Sajjad Ahmad No. 294/K, and SPO Hilal Ahmad No.839/K have also played an exemplary role in elimination of 02 dreaded terrorists without caring for their safety and security of personnel lives. The eliminated terrorists were later on identified as Sameer Bhai@ Usman @ Mehmood Bhai R/o Pakistan and Tariq Ahmad Mir S/o Ab. Rehman Mir R/o Zangulpora Kulgam. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 134/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 18, 19, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Yaripora for further investigation.

The continuous successful operations have put the terrorist on back foot to save their lives. Due to the strenuous efforts by the officers /officials of district Kulgam along with above mentioned officials the particular operation has been carried out successfully with elimination of 02 dreaded terrorists.

In this operation, S/Shri Gowhar Ali Ganie, Inspector, Farhat Hussain, Sub Inspector and Nasar Ahmad, Assistant Sub Inspector of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/10/2020.

(File No.-11020/124/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 240—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Nazeer Ahmad Tantry	Sub Inspector	PMG
2	Safeer Hussain	Constable	PMG
3	Rajesh Kumar	Constable	PMG
4	Mohd Ashraf Plout	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.06.2020, based on a specific information regarding presence of terrorists of HM/LeT in the orchards of village Bandpawa Shopian Police alongwith 44 RR/178th Bn CRPF, a joint cordon /search operation was launched in the

said village under the overall supervision of Shri Amritpal Singh-IPS, SSP Shopian. The Police teams were led by Shri Majad Ali, DySP PC Keller & SI Nazeer Ahmad Tantry (ARP-109228). The operational parties used their tactical acumen to reach to target area. Initially two composite squads of Army/Police & CRPF were constituted for laying cordon of the suspected area. First operational team under the command of Shri Majad Ali, Dy. SP PC Keller laid the cordon from North to South of the target area covering Eastern side whereas the 2nd operational party led by SI Nazeer Ahmad Tantry (ARP-109228) were assigned to lay the cordon from North to South covering Western side of suspected area. During cordon, the joint teams of RR, CRPF and Police established close coordination and acted in a very synchronized/professional manner whileas another team of CRPF 178th /Police party were assigned to outer cordon in law & order mode. As the cordon was laid, the terrorists hiding in the adjacent area fired indiscriminately upon the operational parties, it was thus, exceptional task for the operational parties to evacuate the civilian who got trapped in the cordoned area. Therefore, two teams were constituted for the purpose. One team under the command of SI Nazeer Ahmad Tantry (ARP-109228) & other under the command of Shri Majad Ali, Dy. SP PC Keller. It was an up hill task for these parties to evacuate the civilians for which the parties comprising of Shri Majad Ali, Dy. SP PC Keller, SI Nazeer Ahmad Tantry No. ARP-109228, Ct. Safeer Hussain No. 832/AP 8th (ARP-107878), Ct. Rajesh Kumar No. 864/IRP 10th (ARP-096482), Ct. Mohd Ashraf Plout No. 878/Spn (EXK-166645), Ct. Muzaffar Ahamd No. 880/Spn, Ct. Rayees Ahmad No. 861/Spn and Ct. Atul Dhiman No. 498/IRP 6th Bn moved to the close proximity of the target area where hiding terrorists were regularly firing and managed successful evacuation of civilian trapped in the cordoned area. After successful evacuation of the civilians, terrorists were asked to surrender but they refused and instead continued firing and grenade lobbing. The operational parties retaliated effectively, however, holed-up terrorists were constantly changing their position taking advantage of dense orchards and narrow lanes. Now the third and most critical phase was neutralization of hiding terrorists.

The assault groups comprising of Shri Majad Ali, DySP PC Keller, SI Nazeer Ahmad Tantry No. ARP-109228, Ct. Safeer Hussain Shah No. 832/AP 8th, Ct. Rajesh Kumar No. 864/IRP 10th, Ct. Mohd Ashraf No. 878/Spn, Ct. Muzaffar Ahamd No. 880/Spn, Ct. Rayees Ahmad No. 861/Spn, Ct. Atul Dhiman No. 498/IRP 6th BN, RR and CRPF personnel started marching towards the target in a tactical manner. Though it was difficult to pinpoint exact location of terrorists, however, assault parties without caring for their lives, approached in close proximity of target area and succeeded in restricting the movement of terrorists at one place in the target area. The joint advance parties exhibited extra ordinary bravery and crawled towards the target in order to diminish the movement of terrorists. The terrorists observing movement of operational parties, hurled a hand grenade towards them, but the assault parties did not provide them any chance to fire or lob grenade by retaliating in befitted manner in a close range gunfight which resulted in elimination of five hardcore terrorists who were lateron identified as Jahangir Ahmad S/o Ali Mohd Malik R/o Achan Pulwama (HM outfit), Nadeem-U-Zaman Malik S/o Ab Hamid Malik R/o Heff-Khuri Zainapora Shopian (HM outfit), Manasir Ahmad Shah @ Shakir S/o Mohd Shafi Shah R/o Nazneenpora Shopian (HM outfit), Aadil Hussain S/o Gh Mohd Paal R/o Maldeera Shopian (Category "A" of LeT outfit) and Mohsin Ahmad Wani S/o Mohd Yousuf Wani R/o Awind Shopian (LeT outfit). Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 68/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 20, 23 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora and investigation taken-up.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Shri Majad Ali, DySP PC Keller, SI Nazeer Ahmad Tantry No. ARP-109228, Ct. Muzaffar Ahmad No. 880/Spn, Ct. Rayees Ahmad No. 861/SPN, Ct. Atul Dhiman No. 498/IRP 6th, Ct. Safeer Hussain No. 832/AP 8th, Ct. Rajesh Kumar No. 864/IRP 10th and Ct Mohd Ashraf Plout No. 878/Spn who fought terrorists efficiently and intelligently without caring for their lives was remarkable. These officerS/officials showed courage in evacuating the inmates of the house. Although, terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which all these officers/ officials had a narrow escape. However, these officers/ officials without losing their concentration and good application of mind fought bravely thus foiled their nefarious designs.

In this operation, S/Shri Nazeer Ahmad Tantry, Sub Inspector, Safeer Hussain, Constable, Rajesh Kumar, Constable and Mohd Ashraf Plout, Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/06/2020.

(File No.-11020/125/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 241—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Viqar Younus	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Assif Mahmood	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07.07.2020, SP Pulwama received specific information from Police Budgam about the presence of terrorists in Village Gusoo with the aim to discuss the strategy to be adopted for carrying out subversive actions in the area. The information was developed with Addl. SP Pulwama, Dy. SP Ops. Kakapora, Dy. SP Ops. Budgam and Dy. SP Hqrs Pulwama. After thorough discussion about terrain and other aspects of target area, the input was further developed with 53 RR/183 Bn. CRPF and it was decided to launch a joint CASO of target area of Village Gusoo Pulwama. Accordingly, joint teams of Police Pulwama/Budgam, 53 RR and 183 Bn CRPF under the Command of SP Pulwama assisted by Addl. SP Pulwama, Dy. SP Ops Budgam and Dy. SP Ops Kakapora rushed to Village Gusoo and a joint CASO of target location was launched by parties and all entry/exit points, path ways including lanes/by-lanes were plugged properly. After strengthening the cordon, a team of PC Pulwama/ Budgam headed by DySP (Ops) Budgam Shri Viqar Younus No. KPS-155783 assisted by HC Zahoor Ahmad No. 114/JKAP 8th BN, Ct. Assif Mahmood No. 387/AP 5th Bn (ARP-091278), SgCt Arshad Ahmad Baba No. 153/IR 4th, SPO Abdul Majeed No. 722/SPO alongwith components of 53 RR and 183 Bn CRPF was asked to went for search of target place. Another team headed by Inspector Ravinder Singh No. 142 PAU (EXK109158) assisted by SgCt Mukhtar Ahmad Khanday No. 1929/S, SgCt. Gh. Qadir Lone No. 1620/PL (EXK126921), SPO Shabnum Tabasum No. 524/SPO, SPO Rakesh Kumar No. 632/SPO was formed to augment and provide cover to above said search party. As soon as the search party approached the suspected house belonging to one Mohammad Maqbool Ahanger S/o Gh Ahmad Ananger R/o Gusoo, the terrorists hiding in the said house opened heavy volume of fire indiscriminately towards the search party which resulted bullet injuries to 03 Army personnel of 53 RR namely NK Rajwinder Singh No. 2503271X, L/NK Kishor Kumar No. 2505168L, Sepoy Amandeep Singh No. 15509757Y and Ct. Assif Mahmood No. 387/AP 5th (ARP091278). Upon this DySP (Ops) Budgam Shri Viqar Younus No. KPS-155783 alongwith Police/SF party without losing the concentration swiftly came into action and retaliated with dedication and forced the terrorists to turn defensive. Immediately reinforcement party led by Inspector Rabinder Singh No. 142/PAU (EXK109158) alongwith Police/SF party without caring for their lives entered inside house for evacuation of injured jawans under volley of bullets from hiding terrorist. However, the reinforcement party retaliated the fire with courage and thus terrorists did not find any gap to escape from the cordoned area and reinforcement party come out of house alongwith injured jawans and evacuated them to hospital for treatment. However, among them one army Jawan namely NK Rajwinder Singh No. 2503271X succumbed to his injuries.

Since the operation broke out in a congested inhabited area and there was apprehension of civilian casualty as such SP Pulwama directed the heads of joint Police/SF parties to ensure safe evacuation of civilians trapped in the CASO area. During evacuation process parties came under terrorist firing and had a narrow escape. However, all the civilians were shifted to safer places successfully without any collateral damage. After successful evacuation of civilians from target area, cordon was been further strengthened and all possible escaping routes were further plugged with concertina wire and search/street lights were installed to illuminate the target area. Before proceeding further, the holed-up terrorists were offered to surrender but they continued indiscriminate firing upon the deployed forces and made several attempts to escape from the cordoned area but could not succeed.

On the directions of SP Pulwama four (04) teams were constituted to fight with the terrorist effectively. One party led by DySP (Ops) Budgam Shri Viqar Younus No. KPS-155783 assisted by HC Reyaz Ahmad No.607/AWP, SgCt. Mukhtar Ahmad Khanday No. 1929/S, SgCt Gulzar Ahmad No.916/BD, Ct. Sartaj Ahmad No.26/BD, SPO Rakesh Kumar No. 632/SPO alongwith the party of counterparts of Army and CRPF to retaliate the fire from Eastern side, 2nd party led by Dy. SP OPS Kakapora Shri Nawaz Ahmad No. JKPS-116211 assisted by HC Chander Singh No.822/IR 11th, HC Manpreet Singh No. 283/AP 5th, SgCt Mukhtar Ahmad No.1190/PL, SgCt Mohd Rafiq No. 1280/PL, along with the party of counterparts of Army and CRPF to retaliate the fire from Western side, 3rd party led by Inspector Rabinder Singh No.142/PAU (EXK109158) assisted by HC Zahoor Ahmad No.114/AP 8th, HC Heamu Kumar No.818/IR 11th, SgCt. Arshad Ahmad Baba No.153/IR 4th, Ct Tariq Ahmad No.459/AP 9th along with the party of counterparts of Army and CRPF to retaliate the fire from Northern side and 4th party led by S.I Mohd. Ishtiyaq N0.166/IR 11th assisted by. ASI Mohd Amin No.230/IR 11th, HC Suresh Kumar No. 299/IR 3rd, SgCt Gh. Qadir Lone No.1620/PL (EXK126921), SPO Abdul

Majeed No.722/SPO and SPO Shabnum Tabasum No.524/SPO alongwith the party of counterparts of Army and CRPF asked to take position from Southern side.

In order to neutralize the holed-up terrorists, SP Pulwama directed the joint parties to take positions properly and retaliate the terrorist fire firmly. As per the directions, all the four constituted teams immediately took positions at appropriate places around the target house. The holed up terrorist was again offered to surrender before the forces which he ignored and continued firing upon the troops. The joint parties retaliated bravely with courage without caring for their precious lives and eliminated one terrorist identified as Mudasir Ahmad Bhat S/o Abdul Rashid Bhat R/o Laribal Kakapora of LeT outfit. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 163/2020 U/S 307, 302 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama for further investigation.

In this operation, S/Shri Viqar Younus, Deputy Superintendent of Police and Assif Mahmood, Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 07/07/2020.

(File No.-11020/130/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 242—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Javaid Ahmad Dar	Inspector	PMG
2	Mohamad Abass Wagay	Head Constable	PMG
3	Bashir Ahmad Khan	Head Constable	PMG
4	Nazir Ahmad Tragwal	SgCT	PMG
5	Ashwani Kumar	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08.06.2020, Police Shopian received a credible input about presence of terrorists in the residential house of one Shamim Ahmad Paul S/o Abdul Rahim Paul R/o Mir Mohalla Pinjoora. Accordingly, a joint CASO of village Pinjoora was planned and executed by Police Shopian in collaboration with 44 RR/ 14th BN CRPF. As soon as the search party approached the suspected area terrorists hiding in the residential house, fired indiscriminately upon the search party with their illegal weapons as a result of which injuries caused to some Jawans of 44 RR and damage caused to Govt, vehicle (Rakshak) bearing Regd.No.JK-02BB-5337. The heavy firing from terrorists also created a chaos among civilians.The injured Jawans were immediately evacuated to nearest Hospital for treatment. The troops immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight between the terrorists and Police/SF's.

The joint assault group of 44 RR and 14th BN CRPF & Police Shopian including Inspr. Javaid Ahmad Dar No. (EXK109550) SHO P/S Shopian, HC Mohamad Abass Wagay No. 49/SPN (EXK-012401), HC Bashir Ahmad Khan No. 190/SPN (EXK961445), SgCt Nazir Ahmad Tragwal No. 619/IR 2nd (ARP- 096541), SgCt Ashwani Kumar No. 824/IRP 2nd (ARP106840), SgCt Vikram Singh No. 659/UDH, Ct Mubashir Hassan Sheikh No. 934/IRP 21st Ct. Muzafar Ahmad No. 1812/A, SPO Ashak Hussain Malik No.2180/A, SPO Manzoor Ahmad No. 473/SPO, SPO Shafat Hussain No. 157/SPN, SPO Zahoor Ahmad No. 278/SPN, SPO Tariq Ahmad No. 453/SPN, SPO Arsheed Ahmad No. 296/SPN, SPO Mohd Yousuf No. 424/SPN, SPO Ashiq Hussain No. 425/SPN led by Shri Amritpal Singh-IPS, SSP Shopian volunteered to take on the responsibility of evacuating of civil population to safer place.

The operation was halted for night to avoid any collateral damage and all the routes, pathways were plugged properly, so that besieged terrorists don't get any chance to flee from the cordoned area. In the early hours of next morning the terrorists tried to break the cordon and opened heavy volume of fire from different directions. The terrorists were asked to

surrender which they declined and instead continued indiscriminate fire upon the police party comprising of Inspr. Javaid Ahmad Dar (EXK-109550) SHO P/S Shopian, HC Mohd Abass Wagay No. 49/Spn, HC Bashir Ahmad Khan No. 190/Spn, SgCt Nazir Ahmad Tragwal No. 619/IR 2nd, SgCt Ashwani Kumar No. 824/IRP 2nd, SgCt Vikram Kumar No. 659/UDH, Ct Mubashir Hussain No.934/IRP 21st led by SSP Shopian displayed courage, indomitable spirit which resulted in elimination of four terrorists who were lateron identified as Umer Mohi-uddin Dhobi S/o Gh Mohi-uddin Dhobi R/o Pinjoora Shopian (Category "A" of HM outfit), Rayees Ahmad Khan S/o Ghulam Mohammad Khan R/o Vehil Shopian (Category "A" of HM outfit), Saqlain Amin S/o Mohd Amin Wagay R/o Reban, Shopian (HM oufit) and Wakeel Ahmad Naikoo S/o Mohd Yaqoob Naikoo R/o Rakhpora Shopian (HM outfit).

Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 134/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 19, 20 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian for further investigaton.

In this operation, S/Shri Javaid Ahmad Dar, Inspector, Mohamad Abass Wagay, Head Constable, Bashir Ahmad Khan, Head Constable, Nazir Ahmad Tragwal, SgCT and Ashwani Kumar, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/06/2020.

(File No.-11020/133/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 243—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sheezan Bhat	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Nazir Ahmad Tragwal	SgCT	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.08.2020, Police Shopian following a credible input launched a joint operation in assistance with 44 RR^and 178th Bn CRPF in village Moolu- Dangerpora of District Shopian. After a thorough deliberation, it was decided that a Police component, RR & CRPF QRTs will move to the target area and conduct search. The joint search parties under the command of Shri Sheezan Bhat, DySP PC Imamsahib (KPS-125690) reached the target place as per the plan and a cluster of houses were cordoned off and searches started. The joint troops casually enquired from some residents about the presence of terrorists. In the meantime, terrorist hiding in the nearby orchard heard conversation of operational parties, jumped over the fencing of orchard and fired indiscriminately upon them in order to break the cordon and make their escape good. However, the joint team led by Shri Sheezan Bhat, Dy. SP PC Imamsahib now Dy. SP DAR Shopian immediately took position and retaliated the fire effectively thereby giving no chance to the terrorist to flee from the site. The information about establishing of contact with terrorists was disseminated to all concerned. SSP Shopian alongwith police party and Commandant 178th Bn CRPF with his Coy also rushed to the spot and joined the initial parties. After reaching the encounter site SSP Shopian took stock of the situation. In the meantime other parties of RR also reached the location. Since the operation was to be launched in a vast area as such more strength of troops were inducted in the cordon party. After laying cordon, search was started with joint teams of RR & 178th BN CRPF and the target was located. Immediately, two joint searching parties were constituted one under the command of Shri Arif Amin Shah-JKPS, Addl.SP Shopian and other under the command of Shri Sheezan Bhat, Dy. SP PC Imamsahib under the overall supervision of Shri Amritpal Singh-IPS, SSP Shopian. Accordingly, cordon of cluster of houses of said Mohalla was further tightened and search operation started during which suspicious movement was noticed by the joint searching parties and the terrorist in the notion that he has been cordoned off completely, fired towards the operational parties and again tried to break the cordon to make his escape from the cordon through an orchard. The fire opened by terrorists created a chaos among the resident civilians. Shri Sheezan Bhat, Dy. SP PC Imamsahib assisted by ASI Balbir Singh No. 204/Spn, SgCt Nazir Ahmad No. 619/IRP 2nd and Ct. Manoj Kumar No. 495/IRP 17th Bn volunteered to take the responsibility of evacuating the civilians to safer place to avoid any collateral damage, despite the risk involved they showed utter disregard to their personal safety and succeeded in evacuation

of civilians. After completion of evacuation process, terrorist was asked to surrender, which he refused instead continued indiscriminate firing upon the operational parties. In order to make the operation successful and to eliminate the terrorist the joint searching parties fired towards the terrorist in retaliation. However, terrorist was changing his location frequently from the nearby orchard area. The joint troops positioned themselves across the orchard to engage him tactically moved ahead to cross and cover him up from the other side of his positioning place. Meanwhile Shri Sheezan Bhat-JKPS, DySP, PC Imamsahib now DySP DAR Shopian alongwith ASI Balbir Singh No. 204/SPN, SgCt Nazir Ahmad Tragwal No. 619/IRP 2nd (ARP-096541) and Ct. Manoj Kumar No. 495/IRP 17th Bn also crossed the orchard and reached close to the terrorist in the cover of trees by crawling. The terrorist noticed that the joint operational parties are covering him on elevated surface and moving meticulously towards him, he tried to change his position and make an effort to escape through a pathway. But the aforesaid party reached extremely nearer without caring their lives move meticulously and fired upon the terrorist and eliminated him. After the firing stopped, a search was carried out while keeping the cordon intact. During the search body of one terrorist was recovered from the encounter site who was lateron identified as Talib Hussain Mir S/o Nisar Ahmad Mir R/o Mahipora Kulgam of JeM outfit. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 192/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 20 & 38 ULA (P) Act stands registered in P/S Shopian for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Shri Sheezan Bhat No. KPS-125690, DySP (PC) Imamsahib ASI Balbir Singh No. 204/Spn, SgCt Nazir Ahmad Tragwal No. 619/IRP 2nd (ARP-096541), Ct. Manoj Kumar No. 495/IRP 17th and Ct. Khalil Ahmad No. 400/IRP 3rd who fought efficiently and intelligently without caring for their lives was remarkable as the endeavor to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. The officers/officials showed courage in evacuating the people trapped in cordoned area. Although, the terrorist tried his best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which all these officers/ officials had a very narrow escape. However, these officers/ officials without losing their concentration fought bravely and foiled his nefarious designs. Completion of the mission in a safe manner on the operation site has remained the key feature of this operation

In this operation, S/Shri Sheezan Bhat, Deputy Superintendent of Police and Nazir Ahmad Tragwal, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/08/2020.

(File No.-11020/136/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 244—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry / 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Amritpal Singh, IPS	Senior Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Ramesh Lal	Inspector	1st BAR TO PMG
3	Ab. Majeed Dar	SgCT	PMG
4	Manzoor Ahmad	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28.08.2020, specific information was received by SSP Shopian regarding the presence of some terrorists in village Kiloora who were planning to carry out terrorist attack on police/security forces in order to create fear among general masses. The input was shared with 44 RR/178 BN CRPF and a joint operation was conducted under the supervisior of Shri Amritpal Singh-IPS, SSP Shopian IPS- 145795. Thereafter teams of Police which included SSP Shopian, Sgct Ab Majeed Dar No. 281/BD EXK-066881, Inspector Ramesh Lal No. ARP- 831868 and Sgct Manzoor Ahmad No. 715/IRP 17thARP-992558 along with 44 RR /178 Bn CRPF were formed to start the search of target area. During the search operation, target area was pinpointed/zeroed by the searching teams. After zeroing the target location, SSP Shopian personally checked the cordon alongwith Inspector Ramesh Lal No. ARP-831868 to strengthen it and plug the gaps and vulnerable points.

In the meantime, terrorists hiding in the target house sensing the movement of operational parties opened indiscriminate fire upon the search parties with their weapons with intention to kill them. The search parties immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight between the terrorists and search parties. However, it was noticed that some civilians have got trapped in the cordoned area. The search parties led by SSP Shopian including Inspector Ramesh Lal No. ARP-831868, Sgct Manzoor Ahmad No. 715/IRP 17th ARP-992558, Sgct Ab. Majeed Dar No. 281/BD EXK-066881 took the responsibility of evacuation of trapped civilians. After multiple attempts, they managed to rescue about 30 civilians trapped and moved them to secure locations.

Afterwards two teams one headed by SSP Shopian which included Inspector Ramesh Lal No. ARP-831868, Sgct Manzoor Ahmad No. 715/IRP 17th ARP-992558, Sgct Ab Majeed Dar No. 281/BD EXK-066881 and second of 44 RR were formed for final assault to eliminate the holed-up terrorists. Before launching final assault, besieged terrorists were asked to surrender which they refused and opened heavy volume of fire and lobbed grenade towards security forces. In order to neutralize them, above teams, advanced towards the target. Team led by SSP Shopian including other nafri covered North and Eastern sides of the target area and by crawling and moving tactfully forward retaliated effectively with courage and bravery without caring for their lives from the front. Terrorists tried to escape from north eastern side during the ensuing face to face gunfight in which 04 terrorists of Al-Badar terror outfit were killed and 01 terrorist was apprehended, who were later identified as Shakoor Ahmad S/o Mohd Sadiq Parray R/o Kundalan Shopian, Suhail Rashid S/o Ab Rashid Bhat R/o Muradpora, Zubair Ahmad S/o Gulzar Ahmad Nangroo R/o Aloora Imamsahib Shopian, Shakir-Ul-Jabbar S/o Mohd Jabbar Sofi R/o Kadlabal Awantipora Shoaib Ahmad Bhat (arrested) S/o Mohd Shafi Bhat R/o Chersoo Awantipora.

Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of killed/apprehended terrorist. In this regard, case FIR No. 74/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.Act, 16, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Imamsahib for further investigation.

In this operation, S/Shri Amritpal Singh, IPS, Senior Superintendent of Police, Ramesh Lal, Inspector, Ab. Majeed Dar, SgCT and Manzoor Ahmad, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/08/2020.

(File No.-11020/138/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 245—Pres/2022—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mohd Suleman Choudhary, IPS	Deputy Inspector General	1st BAR TO PMG
2	Nisar Ahmad Bhat	Inspector	2nd BAR TO PMG
3	Ravinder Kumar	Sub Inspector	1st BAR TO PMG
4	Farooq Ahmad Bhat	Head Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.09.2020 Police Baramulla received credible information from reliable sources to the effect that some terrorists are hiding in the village Yadipora Pattan, equipped with sophisticated illegally acquired arms/ammunition and were planning to attack on security forces in order to leash the reign of terror. Acting on this information a joint cordon and search operation was launched by Police Baramulla along with CRPF 176 Bn and 29 RR Army. The terrorists were hiding in the house of one Mohammad Maqbool Tantray S/o Mohammad Ismail Tantray R/o Sath Mohalla Yadipora Pattan. During operation suspected site was cordoned off and the hiding terrorists were asked to surrender. However, the hiding terrorists instead of surrender threw grenades followed by indiscriminate firing upon the joint search operation party with illegally acquired sophisticated weapons, which resulted in the injuries to 01 Army Major Namely Rohit Sharma.

As per evolved strategy, the suspected house where the terrorists were hiding have been condoned off. The composite parties of Army 29RR led by CO 29RR, Police Baramulla led by Mukesh Kumar Kakkar SSP Operations and CRPF 176 Bn. Led by CO 176 Bn. CRPF under the overall supervision of DIG (P) NKR Shri Mohd Suleman Choudhary, IPS-086016 which include the recommendees approached towards the suspected site were the terrorists were hiding by adopting the unconventional treacherous routes maintaining high level of surprise till complete gap free cordon. All the possible escape routes were plugged off tactically and clandestinely to negate escape of terrorists by breaking cordon. The situation became hostile and worse during the approach to hiding terrorist due to wee hours and the dense orchards around the area. Due to immaculate planning, foresight and unmatched determination, the operational component under the command of these three officers smilingly overcome these hostile impediments.

After the successful laying of water tight cordon, the next step was to evacuate the civilian from the adjacent houses, for this purpose two composite parties headed by DySP Zafar Mehdi and Dy SP Faizan Ali under the supervision of Shri Mohd Suleman Choudhary DIG of Police NKR Baramulla, IPS-086016 were framed on spot and the recommendees viz Inspector Nisar Ahmad Bhat No. ARP-046110, SI Ravinder Kumar No. 376/S, EXK-791328 and HC Farooq Ahmad Bhat No. 577/S (EXK-984082) volunteered themselves to be the part of these parties. After completion of evacuation process to neutralize these terrorists an assault team was framed by operational officer present on spot and were assigned the job of site intervention. The assault team consisting of Inspector Nisar Ahmad Bhat (ARP-046110), SI Ravinder Kumar No. 376/S (EXK-791328) and HC Farooq Ah Bhat No. 577/S (EXK-984082) who volunteered themselves to be the part of assault party under the overall supervision of DIG(P) NKR Baramulla approached towards the site from the Northern side by maintaining great synergy with the co-ordination with inner/ outer cordon teams approached the target building. The assault party without caring for their lives intervened into the house and started room to room search.

The assault party sensed the presence of the terrorist in one of the room at ground floor, Inspector Nisar Ahmad Bhat (ARP-046110) who took position at the door and SI Ravinder Kumar No. 376/S (EXK-791328) remained behind him to provide cover support and HC Farooq Ahmad Bhat No. 577/S (EXK-984082) pushed the door of the room quickly and the party stormed the volley of fire which resulted in the elimination of a terrorist. Another terrorist was hiding under the satire and assault party with highest degree of co-ordination fired upon him and eliminated said terrorist. After elimination of two terrorists one terrorist who was hiding himself at the balcony of the house jumped in to compound of the house and started indiscriminate fire upon the police/ security forces which resulted in injuries to two Police personnel who were deployed in inner cordon namely SPO Farooq Ahmad No. 62/SPO and Naseer Ahmad No. 2412/SPO. But, joint teams did not give-up, after proper application of mind both the SPO were immediately evacuated for hospitalization. The assault party remained committed to their job who were present in the house came out from the back side of the house through a window and took their position from right and left side of the house. On the directions of DIG NKR Baramulla Shri Mohd Suleman Choudhary, IPS086016 DIG (P) NKR operation parties present at front side of the house stopped firing and took safer positions, thereafter DIG NKR Baramulla Shri Mohd Suleman Choudhary-IPS-086016 insinuated assault party, assault party attacked on the terrorist from two sides and with great synergy and tactics which resulted in elimination of 3rd terrorist in the compound of the house. The recommendees showed highest degree of co-ordination, courage, alacrity and tactics in elimination of 03 hardcore terrorists after long fierce gun battle which lasted for about 14 hours under the overall supervision of Shri Mohd Suleman Choudhary, IPS-086016, DIG NKR Baramulla.

The slain terrorists were later on identified as Hanan Bilal Sofi S/o Bilal Ahmad Sofi R/o Arampora Azadgung Baramulla, Shafat Ali Khan S/o Ali Mohd Khan R/o Rawathpora Delina and 01 un-identified terrorist of LeT outfit. Huge quantity of arms/ ammunitions was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 235/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 19 & 20 ULA (P) Act stands registered in P/S Pattan.

It is only due to, bravery, courage, real tactics, acumen showed by Inspector Nisar Ahmad Bhat ARP046110, SI Ravinder Kumar EXK791328) and HC Farooq Ahmad Bhat EXK984082 under the exemplary leadership of Shri Mohd Suleman Choudhary, IPS086016 DIG of Police NKR Baramulla, in the entire operation recommondees played a conspicuous and praiseworthy role in neutralizing the above mentioned (03) Hardcore terrorists.

In this operation, S/Shri Mohd Suleman Choudhary, IPS, Deputy Inspector General, Nisar Ahmad Bhat, Inspector, Ravinder Kumar, Sub Inspector and Farooq Ahmad Bhat, Head Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/09/2020.

(File No.-11020/144/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 246—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mansoor Ayaz	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Quiser Ahmad	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 21.09.2020 at about 19:00 hrs an information was received about the presence of terrorist of proscribed outfit LeT in village Nowhar of police station Chrar-i-Sharief. Accordingly, the operation was planned with 53 RR,D/188 CRPF and 181-CRPF. A joint team of Police, Army and CRPF established the cordon of the target area, however, no sooner the cordon was being established, the hiding terrorist fired indiscriminately upon the cordon party which was retaliated effectively by Shri Mansoor Ayaz, JKPS125685, DYSP PC Chadoora alongwith SgCt. Quiser Ahmad No.837/AP 13th, ARP-096078, Sg.Ct Ab Qayoom 336/BD, EXK-984001 and others thereby restraining the terrorist from breaking the cordon and flee. Late evening announcements were made on loudspeakers for the hiding terrorist to surrender, however, the hiding terrorist did not pay any heed to surrender offer, instead, he fired upon the cordon party. The search operation was suspended due to darkness and on next day (22-09-2020) early morning the search resumed. Search party headed by Shri Mansoor Ayaz No.125685-JKPS, DYSP PC Chadoora alongwith SgCt Quiser Ahmad No.837/AP 13TH ARP- 096078, SgCt Ab Qayoom 336/BD, EXK-984001 with a strong cover fire moved towards the target house and fired effectively and accurately, thereby eliminating the hiding terrorist onspot. The search party headed by Shri Mansoor Ayaz No.125685-JKPS, DYSP PC Chadoora alongwith Sgct Quiser Ahmad No.837/AP 13TH ARP-096078, Sgct Ab Qayoom 336/BD, EXK-984001 retrieved the dead body of the killed terrorist who was later identified as Adil Muzaffer Shah S/o Muzaffer Ahmad Shah R/o Samboora Pampore District Pulwama. In this connection case FIR No. 102/2020, U/S 16, 19, 20,38 ULA (P) Act stands registered at P/S Chrar-I-Sharief.At encounter site, 01 Pistol Chinese, 03 Magazine Pistol (out of which 02 damaged) and 07 pistol Rounds were recovered.

The elimination of the above mentioned terrorist is a major setback to the LeT outfit. The swift and gallant action displayed by the Police and SFs has averted a major/disastrous tragedy, which could have been caused by the terrorist. This operation was a challenging task for Police and SFs. Acting professionally; Police and SFs ensured zero civilian causality despite provocations. The conspicuous gallant act displayed by Shri Mansoor Ayaz JKPS125685, DY. SP PC Chadoora and Sg.Ct Quiser Ahmad ARP-096078 in eliminating the terrorist of LeT has been beyond the call of normal duties.

In this operation, S/Shri Mansoor Ayaz, Deputy Superintendent of Police and Quiser Ahmad, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 21/09/2020.

(File No.-11020/145/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 247—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Aumer Iqbal	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Manzoor Ahmad Bhat	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.03.2020 Police Shopian generated a specific intelligence input to the effect that terrorists of Lashkar-e-Toiba (LeT) outfit namely Amir Ahmad Dar S/o Ghulam Mohd Dar R/o Wandina Melhura & Shabir Ahmad Malik S/o Abdul Ahad Malik R/o Tangduna-Yaripora, Kulgam are hiding in the residential house of one Abdul Samad Dar S/o Ashoor Dar

R/o Reban-Khawajapora. Accordingly, a joint CASO was planned and launched by Police Shopian in collaboration with Army 1st RR & 178th BN CRPF of the said village was launched under the command of Shri Amritpal Singh-IPS, SSP Shopian and started search to flush out the hiding terrorists.

In order to make the operation successful two joint teams were constituted. 1st team comprising of Police Shopian and QRTs of 1st RR, 178th BN CRPF headed by SSP Shopian laid the inner cordon of the target area & 2nd team comprising of party of Police Shopian QRTs of 1st RR, 178th BN CRPF headed by Sh. Aumer Iqbal DySP (PC) Zainpora JKPS-116049 was tasked to lay the outer cordon of the target area.

Soon after 1st party started to march tactfully towards the target area for search, it was ascertained that many family members are struck in the cordoned area. To avoid any collateral damage, joint operational party 2nd volunteered themselves to evacuate the family members to the safer places. The party in many attempts managed to evacuate the civilians from the cordoned area. The family members evacuated confirmed the presence of two terrorists inside the house and suspected house was zeroed in and the terrorists who were equipped with illegal weapons hiding in residential house of said Abdul Samad Dar sensing the movement of troops opened indiscriminate firing upon the search party with the intention to kill them and to break the cordon. At this stage the joint parties immediately took cover and retaliated the fire effectively and terrorists were not provided any chance to break the cordon. In order to locate the actual position of the hiding terrorists a drone /quad-copter was flown and pressed into service. However, soon the drone approached near the target house, the terrorists fired upon the drone. The feed of drone and firing of the terrorists revealed their position. After firing, there was lull for some time and operational commander offered terrorists to surrender.The terrorists declined the offer and fired indiscriminately upon the troops from different directions.

The joint troops including SSP Shopian, Sh. Aumer Iqbal DySP (PC) Zainapora JKPS-116049 HC Saffer Ahmad 1515/S, SgCt Manzoor Ahmad Bhat No. 696/IRP 18th ARP109218, Sgct Manoj Kumar No. 522/IRP 6th, Sgct Mohd Ibrahim No. 704/IRP 11th BN, Ct. Arshid Ahmad 468/SPN Ct. Liyakat Ali Parray, No.469/Spn EXK-116523, without caring for their lives, exhibitede highest degree of courage, and utmost professionalism went close to the target house by crawling and retaliated the fire from a close range and in the close gunfight, the terrorists were changing their location frequently and as soon as the target was visible to them one terrorist was gunned down at the back side of the target house. The other terrorist kept on ditching the firing on the joint parties & changed his position in nearby double storied target house. Few UBGL and Hand Grenades were also used to eliminate the second terrorist, but could not fetch the desired result.

In order to avoid collateral damage to old and weak target house, troops were using the fire power tactfully. To make the terrorist restless and exhaust his ammunitions, heavy firing on all the vents coupled with, UBGL firing was done on the target house and the terrorist amidst the cover of dust and smoke attempted to sneak from the target house to another house, but the troops relentlessly kept on firing and didn't allow him to enter into the gate of nearby house from the target house. The operational commander alerted the troops on handset about the development.Upon this the joint teams of 1st RR, CRPF 178th BN & Police Shopian led by SSP Shopian fired directly in the lane through which the terrorist was trying to come out and ultimately got neutralized. This terrorist was highly trained and he reached merely 40-50 feet from command post. If the said terrorist would have been able to come out of the lane, huge collateral damage of troops may have caused.

After completion of operation, a minute search was carried out by the joint teams keeping the cordon intact and alert. During the search, bodies of two unidentified terrorists were recovered who were later identified as Amir Ahmad Dar S/o Gh Mohammad Dar R/o Wandina, Melhura, Zainpora & Shabir Ahmad Malik S/o Abdul Ahad Malik R/o Tangduna-Yaripora, Kulgam. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 11/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16,19, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by the officers/ officials of J&K Police including SSP Shopian, Sh. Aumer Iqbal DySP (PC) Zainapora JKPS-116049, HC Saffer Ahmad 1515/S, Sgct Manoj Kumar No. 522/IRP 6th, Sgct Mohd Ibrahim No. 704/IRP 11th, Sgct Manzoor Ahmad Bhat No. 696/IRP 18th ARP-109218, Ct Arshid Ahmad No. 468/SPN and Ct. Liyakat Ali Parray No.469/SPN who fought efficiently, put themselves in great risk was remarkable. The officerS/officials showed courage in evacuating the people trapped in cordoned area. Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which all these officers/ officials had a narrow escape. However, these officers/ officials without losing their concentration and good application of mind fought bravely and foiled their nefarious designs. Completion of the mission in safe manner on the operation site has remained the key feature of this operation in such a volatile situation was gallant.

In this operation, S/Shri Aumer Iqbal, Deputy Superintendent of Police and Manzoor Ahmad Bhat, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/03/2020.

S.M. SAMI
Under Secretary

(File No.-11020/146/2021-PMA)

No. 248—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Jammu and Kashmir:—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Shabir Ahmad Wani	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.01.2020, specific information was received from reliable sources about the presence of terrorists in the house of one Manzoor Ahmad Makroo S/o Mohammad Abdullah Makroo R/o Makroo Mohalla Arwani Bijbehara. On receipt of this information, a joint team of SOG Anantnag, alongwith troops of 1st RR and 90 Bn CRPF cordoned off the said village at 17:25 hours. During search operation, terrorists hiding in the said house were asked to surrender but they denied and fired indiscriminately upon security forces in which one Army personnel namely Mohammad Sharief received injuries. Needless to mention that terrorists who were hiding inside house attempted twice to shift to first floor of house to cause maximum casualties to security forces.

Acting as per plan, joint operational teams, soon after reaching the target site, cordoned off area and whole deployment was divided into three segments. One part of deployment was exclusively given task to deal with law & order management so that miscreants may not be able to disrupt operation and remaining two were asked for outer/inner cordon. During search operation, terrorists hiding in the said house were once again asked to surrender but they denied and again fired indiscriminately upon police/security forces triggering an encounter. The operational party under the overall supervision of SSP Anantnag, comprised of SP Perbeet Singh KPS-045846, ASI Arfat Ahmad Rather No.488/S EXK-108383, SgCt now HC Shabir Ahmad Wani No. 2692/S EXK112308, Sgct Imtiyaz Ahmad 400/AWP, Sgct Tanveer Ahmad 620/AWP, SPO Muneeb Ahmad 1827/SPO, SPO Younis Hussain 1802/SPO, SPO Majid Ahmad 1742/SPO, SPO Mushtaq Ahmad 483/SPO retaliated the heavy volume of fire and in exchange of fire one terrorist namely Shahid Ahmad Khar of HM outfit S/o Ghulam Ahmad Khar R/o Redwani Payeen District Kulgam was eliminated.

Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 04/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act. stands registered in P/S Bijbehara for further investigation.

HC Shabir Ahmad EXK112308 without caring for his life has played an exemplary role in the operation from beginning to the end. He fought bravely from the front without caring for his precious life. It is due to his alertness, dedication and courage that the operation was made successful without any collateral damage.

In this operation, Shri Shabir Ahmad Wani, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/01/2020.

(File No.-11020/151/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 249—Pres/2022—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Furqan Qadir	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
2	Mohamad Irfan Malik	Sub Inspector	2nd BAR TO PMG
3	Tariq Ahmad Rather	SgCT	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the month of November 2015, a technical input was received by ESU South Zone Srinagar that POK based LeT Commander Baber Waleed has directed his Valley based LeT Commander Abu Hurraira R/o PAK to carry out a terrorist attack in Srinagar through his carders in view of Republic Day 2016. On receipt of this input, ASI Ather Parvaiz 2084/PW of ESU South Srinagar with his team visited the area of operation of LeT Divisional Commander Abu Hurriara R/o PAK i.e. Harwan, Zakoora, Chatterhama, Gasoo and Soura and activated local sources of the area.

On 11/01/2016, at 09:00 hours, the input was further developed by ASI Ather Parvaiz 2084/PW through technical analysis that LeT Commander namely Sajad Ahmad Bhat @ Peer Saab @ Shadak R/o Aripora Zewan of LeT outfit was hiding in Village Gasoo Zakoora Srinagar. A special team from ESU South Srinagar under the command of ASI Ather Parvaiz No. 2084/PW succeeded in zeroing the Mohalla in which the said LeT Commander was hiding i.e. Nishat Colony, Gasoo Srinagar near Jamia Masjid. On the same day at around 1400 hours, an operation was planned under the Supervision of Sh.Shridhar Patil-IPS (then SP City South Zone Srinagar) along with adequate nafri from ESU South Zone Srinagar. Before the operation was conducted, it was decided to co-operate with SP City Hazratbal Zone Srinagar as the said village falls in the jurisdiction of P/S Zakoora, Srinagar and Police Component Srinagar in order to avoid collateral damage and to conduct clean operation.

All the operation nafri was divided into three parties. First party headed by of SP Hazratbal, which was tasked to lay the outer cordon of the target area. The second party comprised of Police Component Srinagar which was tasked to cordon the target Mohalla. The third party comprising of ESU South nafri which was tasked to lay the inner cordon of Nishat Colony, Gasoo near Jamia Masjid, where the terrorist was hiding and if required to make an intervention under the command of Sh. Shridhar Patil-IPS (then SP City South Zone Srinagar) with full coordination. All the parties positioned themselves according to the plan as enumerated above. At about 1745 hours then SP South Srinagar who was Incharge of the inner cordon party formed a small team of Srinagar Police under the command of DySP Furqan Qadir-JKPS, No. KPS-116039, SI now Inspr. Arif Ahmad Sheikh, No. EXK-109225, SI now Inspr. Mohamad Irfan Malik, No. EXK- 109318, ASI Ather Parvaiz No. 2084/PW, Sgct now HC Tariq Ahmad Rather No. 142/S, Ct. now SgCt. Gull Mohammad Wani No. 2703/S, Ct. now SgCt. Mudasir Bashir Sheergojreey No. 4537/S, Ct. now SgCt. Mudasir Ismail Ganie No. 4539/S and others for evacuation of the inmates of the nearby house. The team very tactfully and bravely evacuated the inmates of the nearby house and shifted them to a safer place. In the first instance, the terrorist was asked for surrender, which he declined. Instead of surrendering, he opened fire on the operation party. At around 1815 hours, as soon as the party tried to advance, the terrorist started firing indiscriminately in an attempt to break the cordon and run away. This was the moment when DySP Furqan Qadir-JKPS, No.KPS-116039, SI now Inspr. Arif Ahmad Sheikh No. EXK109225, SI now Inspr. Mohamad Irfan Malik No. EXK- 109318, AS I Ather Parvaiz No. 2084/PW, Sgct now HC Tariq Ahmad Rather No.142/S, Ct. now SgCt. Gul Mohammad Wani No. 2703/S, Ct. now SgCt. Mudasir Bashir Sheergojreey No. 4537/S, Ct. now SgCt. Mudasir Ismail Ganie No. 4539/S plunged in and after crawling, retaliated the fire effectively without caring for their personal lives. With the result top Commander of LeT outfit Sajad Ahmad Bhat @ Peer Sab @ Shadak S/o Mohammad Amin Bhat R/o Aripora Zewan Srinagar got killed and arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. In this regard a case FIR No. 04/2016 U/S 307 RPC, 7/27 I.A Act was registered in *P/S* Zakoora, Srinagar.

In the instant operation, the role of DySP Furqan Qadir, No. KPS-116039, Inspector Mohamad Irfan Malik, No. EXK-109318 and HC Tariq Ahmad Rather EXK065646 remained exemplary and worth emulating from the stage of generation of information till the execution of operation.

In this operation, S/Shri Furqan Qadir, Deputy Superintendent of Police, Mohamad Irfan Malik, Sub Inspector and Tariq Ahmad Rather, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/01/2016.

(File No.-11020/153/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 250—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Arif Amin Shah	Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Nazeer Ahmad Tantry	Sub Inspector	PMG
3	Reyaz Ahmad Shah	SgCT	PMG
4	Janak Raj	SgCT	PMG
5	Mushtaq Ahmad Wani	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07.06.2020, Police Shopian received specific information that terrorists of HM/JeM are convening a meeting at Village Reban, Zainpora to discuss the strategy to be adopted for carrying out subversive actions in District Shopian. Accordingly, it was decided to launch a quick CASO in the said village within the assistance of 1st RR & 178th BN CRPF under the overall supervision of Shri Amritpal Sihgh^IPS.SSP Shopian.

In order to make the operation successful two assault parties of joint troops under overall command of Shri Amritpal Singh-IPS, SSP Shopian were constituted. The 1st party comprising of Police Shopian, QRTs of 1st RR and 178th Bn CRPF headed by Shri Aumer Iqbal-KPS Dy. SP PC Zainpora alongwith SI Nazeer Ahmad Tantry No. ARP-109228, SgCt Reyaz Ah Shah No. 756/IRP 18th ARP-066641), SgCt Janak Raj No. 676/AP 14th (ARP-078463), SgCt Mushtaq Ahmad No. 762/AP 12th (ARP-109202) were tasked to lay cordon of the target area from North Eastern and South Eastern side and the Second Police party comprising of QRTs of 1st RR and 178th BN CRPF headed by Shri Arif Amin Shah-KPS ASP Shopian (JKPS-045843), ASI Mohd Farooq No. 116/AP 12th, SgCt Bashir ul Ramzan No. 481/AP 8th Sgct Abid Ali No. 644/IRP 18th Ct. Hilal Ahmad No. 302/IRP 18th from North -West and South-Western side.

All the parties positioned themselves according to the prepared plan as enumerated above. The cordoned area comprised of a very difficult terrain including scattered residential houses, dense orchards, deep Nallas and other dense vegetation. The area was sealed off and all the possible escaping routes including path ways for orchards, interior roads & lanes/ by-lanes were plugged off tightly. In the meantime, SSP Shopian and his QRTs reached the operational site to supervise the operation.

During the search process, hiding terrorists hurled grenades followed by indiscriminate firing upon the troops from different sides with the intention to cause damage to the deployed forces and to break the cordon. The hiding terrorists kept changing their locations again and again in order to conceal their specific location. The search party immediately took cover and retaliated with a strategy and precision due to which terrorists did not find any opportunity to escape from the besieged area. In order to avoid any civilian causality, the operational parties were asked to evacuate the people trapped in cordoned area. While the evacuation was taking place the assault groups headed by Shri Arif Amin Shah, ASP Shopian came under heavy fire. However, they did not lose their concentration but continued the evacuation process without caring for their personal lives and completed it successfully. There was every apprehension that the besieged terrorists may attempt to escape from the cordon, as such, cordon was strengthened and the troops were directed to hold up the CASO strictly and strongly so that trapped terrorists may not flee from the cordon. In the meantime the cordon party came under heavy firing of the terrorists trapped in the cordon.The firing was effectively retaliated by the operational party thus foiled their nefarious plan.

However, the trapped terrorists made repeated attempts to come out of the cordon by firing indiscriminately upon the cordon party taking advantage of thick orchards. The fire was effectively retaliated by the cordon party and repulsed the trapped terrorists back into the cordon area. The trapped terrorists were offered to surrender but they declined and started heavy fire upon the operational parties. The operational party which included Shri Arif Amin-KPS ASP Shopian, SI Nazeer Ahmad Tantry No. ARP109228, ASI Mohd Farooq no. 116AP 12th SgCt Reyaz Ah Shah No. 756/IRP 18th, SgCt Janak Raj No. 676/AP 14th, SgCt Mushtaq Ahmad Wani No. 762/AP 12th, SgCt Bashir-ul-Ramzan No.481/AP 8th, SgCt Abid Ali No. 644/IRP 18th, Ct Hilal Ahmad No.302/IRP 18th and troops of RR & CRPF retaliated the fire effectively with courage/ bravery and neutralized _ all the five terrorists who were later on identified as Ishfaq Ahmad Itoo S/o Mohd "Yousuf Itoo R/o Hangalbuch Kulgam (Category "A" of HM outfit), Owais Ahmad Malik S/o Mohd Yousuf Mali R/o Arwani Bijbehara Anantnag (JeM outfit) Bilal Ahmad Bhat S/o Gh Mohd Bhat S/o Hardu-Hanger Kulgam (HM outfit), Adil Ahmad Mir

S/o Mohd Yousuf Mir R/o Souch Kulgam (HM outfit) and Sajad Ahmad Wagay S/o Mohd Shafi Wagay R/o Hangalbuch Kulgam (of HM outfit).

Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 55/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 20, 23 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora and investigation taken-up.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by recommendees and others operational party who fought terrorists efficiently and intelligently without caring for their lives was remarkable as the endeavour to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. The recommendees without losing their concentration, fought bravely and foiled their nefarious designs and completion of the mission in safe manner has remained the key feature of this operation in such a volatile situation was gallant.

In this operation, S/Shri Arif Amin Shah, Superintendent of Police, Nazeer Ahmad Tantry, Sub Inspector, Reyaz Ahmad Shah, SgCT, Janak Raj, SgCT and Mushtaq Ahmad Wani, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 07/06/2020.

(File No.-11020/155/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 251—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sayed Zaheer Abbas	Deputy Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2	Gh. Hassan Shiekh	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Ashaq Hussain Lone	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23.06.2020, at about 04:30 hours Shri Ashish Mishra-IPS, SSP Pulwama (IPS-136010) received specific information about the presence of terrorists in Bandzoo area of District Pulwama. Accordingly, the information was shared with Shri Tanweer Ahmad-Addl. SP Pulwama (KPS-Q85555), 55 RR & 182/183 Bn CRPF and it was decided to launch a joint operation in the said village. As per the decisions, Police parties from PC Pulwama and PC Litter alongwith the parties of 55 RR and 182/183 Bn CRPF immediately rushed towards the spot and a joint CASO of the target location was launched by the parties and all the possible entry/ exit points were properly plugged off.

After strengthening the cordon, SP Pulwama constituted a team of Police, 55 RR and 182/183 Bn CRPF in order to conduct searches in the target location and another joint party has been kept in ready position on the back side of the target area for assistance of the search party. As soon as the search party comprising of Shri Gh. Hassan Shiekh, DySP PC Litter (KPS-116210), Inspector Sarfaraz Ahmad Dar No. EXK-109304, ASI Mohd Rafi Malik No.2709/S (EXK- 012527) and HC Ashaq Hussain Lone No. 788/PL (EXK-116710) alongwith small components of 55 RR & 182/183 Bn CRPF approached the residential house of one Bashir Ahmad Wani S/o Ghulam Mohammad Wani R/o Bandzoo the hiding terrorists started indiscriminate firing upon the search party to break the cordon and make their escape. The search party immediately took cover and retaliated the fire effectively which resulted into the elimination of one terrorist at the gate of the target house. During the initial firing, one CRPF trooper of 182 Bn was hit by a bullet, who was immediately evacuated and shifted to nearby hospital where he succumbed to his injuries and attained martyrdom. To avoid civilian causalities, the operational Commander (SP Pulwama) immediately directed the 2nd joint party comprising of Shri Sayed Zaheer Abbas Jafari, DySP Ops Pulwama (KPS- 116057), ASI Shah Faisal Khan No. 427/PL (EXK-962190), HC Tanveer Ahmad No.773/A (EXK-983572), components of 55 RR and 182/183 Bn CRPF which was earlier kept in ready position in the backside of the target area to evacuate the civilians trapped in the cordoned area to safer place. As per the directions said team of Police/SF evacuated the civilians to safer places successfully. After competition of evacuation process, SP Pulwama directed the said

team to take position on the North-Eastern area and plug all interior roads/path ways and lanes/by-lanes strongly and monitor the terrorist activities in the target area closely. Thereafter, the 2nd holed up terrorist was asked to surrender which he declined and instead resorted to indiscriminate firing upon the joint party positioned in North-Eastern area headed by Shri Sayed Zaheer Abbas Jafari, Dy. SP Ops Pulwama and tried to escape from the spot. However,Police/SF party retaliated the terrorist fire bravely from the front and neutralized him. The eliminated terrorists were lateron identified as Owais Ahmad Bhat S/o Late Mohd Yousuf Bhat R/o Molu Chitragam, Zainapora District Shopian (HM outfit) and Aijaz Ahmad Ganie S/o Bashir Ahmad Ganie R/o Ramnagri District Shopian (JeM outfit). Huge quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 150/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama.

The recommendees have played a pivotal role in the operation from beginning to the endi After establishing the contact with terrorists, they fought bravely from the front without caring for their precious lives and did not provide any opportunity to the holed up terrorists to escape from the cordoned area. It is due to their alertness, dedication and courage that the operation was made successful.

In this operation, S/Shri Sayed Zaheer Abbas, Deputy Superintendent of Police, Gh. Hassan Shiekh, Deputy Superintendent of Police and Ashaq Hussain Lone, Head Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/06/2020.

(File No.-11020/157/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 252—Pres/2022—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Ashaq Hussain Dar	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Vishal Shoor	Inspector	2nd BAR TO PMG
3	Syed Sajad Hussain	SgCT	1st BAR TO PMG
4	Parviz Ahmad Wani	SgCT	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.06.2020, Police Kulgam received specific information about the presence of terrorists in village Lakdipora Nihama. On this information a joint team of Police Kulgam with the assistance of 34 RR/18th Bn CRPF cordoned off the said village. During the search operation terrorists hiding in the house tried to escape and opened indiscriminate fire upon the search party with an intention to break the cordon which was retaliated. Accordingly, a well-planned strategy was made under the supervision of SSP Kulgam alongwith 34 RR/18th Bn CRPF to neutralize the terrorist as soon as possible.

The searching party consisting of Shri Mohd Yousuif Addl.SP Kulgam, Shri Ashaq Hussain Dar, DySP JKPS125798 SDPO DH Pora, Inspr. Vishal Shoor No. 5904/NGO (ARP-985505), HC Mohmad Subhan No. 284/Kgm EXK-971812, Sgct Syed Sajad Hussain No. 1504/B (EXK-116181), Sgct Parviz Ahmad Wani No. 719/Kgm (EXK-118062), Ct. Yaseer Arfat No. 441/IRP 17th BN, Ct Pankaj Kumar No. 355/AP 5th BN, Ct. Javid Ahmad Teeli No. 742/Kgm EXK-168042, Ct Mohd Imran 901/Kgm EXK-112297, Ct Bilal Ahmad 950/Kgm EXK-119972, SPO Danish Hussain Bhat No. 693/K, SPO Subzar Ahmad Dar No. 208/K,SPO Abdul Majeed No. 418/R.SPO Tariq Abdulla No. 876/S, SPO Muzaffar Ahmad No.228/K, SPO John Mohammad No. 1726/A and SPO Prithvi Raj No. 03/SPO Bpr a cordon was laid and then the search party /cordon parties retaliated the fire and in the encounter one foreign terrorist namely Tayab WaleedL@ Imran Bhai of "JeM" outfit "A+" category was eliminated. Huge quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 100/2020 U/S 307 IPC, 7/25, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 20 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S D.H.Pora and investigation taken-up.

The professionalism coupled with outstanding courage exhibited by the officerS/officials of Kulgam Police especially Shri Ashaq Hussain Dar SDPO DH Pora and Inspr. Vishal Shoor, SgCt. Syed Sajad Hussain EXK116181 and SgCt. Parviz Ahmad Wani No. 719/Kgm (EXK-118062) during the instant operation was remarkable. Their command, control and operational skills in laying effective cordon in such circumstances when whole country was under lockdown and social distancing was a big challenge.

The operational party was also backed by our law & order gear and they did not allow any gathering to swell due to which ANEs could not mobilize the miscreants to disturb the operational party which resulted in successful operation without any collateral damage. The overall action of security forces and Police in this particular operation was commendable which resulted into the accomplishment of the mission. The conduct of the successful operation. Due to the strenuous efforts made by the officers/ officials of district Kulgam alongwith recommendees, the particular operation has been carried out successfully with elimination of one dreaded terrorist.

In this operation, S/Shri Ashaq Hussain Dar, Deputy Superintendent of Police, Vishal Shoor, Inspector, Syed Sajad Hussain, SgCT and Parviz Ahmad Wani, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/06/2020.

(File No.-11020/158/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 253—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry / 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sunil Singh	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Parveen Kumar	Inspector	2nd BAR TO PMG
3	Mohd Sadiq Qurishe	Head Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08.04.2020 at about 17:10 hours acting upon a credible intelligence/ input regarding presence of terrorists in Gulabad Arampora, Sopore Police along with Army 22-RR and 92/177/ 179 Bn CRPF cordoned off the area and launched search operation. During search operation contact was established with the terrorist who was hiding in a residential house. After establishing contact with the terrorist the security forces could not launch an offensive attack because of the fact that most of the civilians were trapped inside the target house and its adjacent houses. Since the area was very congested and vulnerable on account of terrorist activities and law and order problems as this area has witnessed a large number of violent activities initiated by anti-national elements in recent past, so it was very difficult to assault upon the hiding terrorist at the very movement and if the security forces launch the attack at the very moment there were imminent chances of civilian casualty and collateral damage. So in order to avert the civilian's casualty, it was decided unanimously with other counter parts of CRPF/Army to halt the operation so as to ensure evacuation of the civilians first. Accordingly two joint parties of Police/ CRPF and Army as advance party including Inspector Parveen Kumar No. ARP-085601, HC Mohd Sadiq Qurishe No. 235/Spr, Sgct Mahadeep Singh No. 693/IRP 05th Bn, Const Mehjoor Ahmad No. 686/Spr, Const Irshad Ahmad No. 784/Spr, SPO Farhat Mushtaq No. 757/SPO, SPO Abdul Rashid No. 766/SPO and SPO Shams Tabraiz No. 490/SPO-Sgr led by Shri Sunil Singh-JKPS127947 Dy. SP (Ops) Wadoora and backup party including Inspector Azim Iqbal No. EXK-115658, Const Ab Quyoom Wani No. 829/Spr, Const Ishtiyaq Ahmad No. 793/Spr, Const Ghulam Hassan No. 783/Spr, SPO Nasir Hussain No. 738/SPO, SPO Adil Farooq No. 244/SPO led by Shri Mohd Ameen Bhat-JKPS125758 Dy. SP (Ops) Sopore were formed while considering all parameters of operation under over all supervision of SSP Sopore and civilians evacuation was started with utmost care. During the process of civilians rescue operation Shri Sunil Singh JKPS127947 Dy. SP (Ops) Wadoora led a small team of Police/Army including Inspector Parveen Kumar No. ARP- 085601,

HC Mohd Sadiq Qurishe No. 235/Spr, Sgct Mahadeep Singh No. 693/IRP 05th Bn, Const Mehjoor Ahmad No. 686/Spr, Const Irshad Ahmad No. 784/Spr, SPO Farhat Mushtaq No. 757/SPO, SPO Abdul Rashid No. 766/SPO and SPO Shams Tabraiz No. 490/SPO-Sgr started approaching towards the target house to evacuate the trapped civilians and during which the hiding terrorist fired upon the rescue party resulting which the advance party could not move further towards a target house for a quite some time. Ultimately Shri Sunil Singh-JKPS127947 Dy. SP (Ops) Wadoora after thoughtful consideration and assessing all dimensions of the operation again started approaching by crawled towards the specific locations where the civilians were actually trapped along with his party including Inspector Parveen Kumar No. ARP-085601, HC Mohd Sadiq Qurishe No. 235/Spr, Sgct Mahadeep Singh No. 693/IRP 05th Bn, Const Mehjoor Ahmad No. 686/Spr, Const Irshad Ahmad No. 784/Spr, SPO Farhat Mushtaq No.757/SPO, SPO Abdul Rashid No. 766/SPO and SPO Shams Tabraiz No. 490/SPO-Sgr. During this process, the hiding terrorist again fired volume of bullets upon approaching party to restrain them to advance towards the specific areas and even some bullets hit the very closets of the officer and his team members but despite very volatile situation they did not lose their morale. After reaching the target house the officer while applying his mind judiciously put a stair on the backside of the house and evacuated all the trapped civilians through stair from the back side of the house, in the meantime the backup party engaged the terrorist till every civilian was safely moved from the target house and adjacent area. After evacuation of all trapped civilians, the cordon was more tightened by plugging all entry and exist points and the lightings were installed, so as to ensure that the terrorist do not escape from the cordon by taking advantage of darkness and thick habitation. As soon as the first ray of morning light appeared, the search operation was restarted by the advance joint team of Police/Army and CRPF including Inspector Parveen Kumar No. ARP-085601, HC Mohd Sadiq Qurishe No. 235/Spr, Sgct Mahadeep Singh No. 693/IRP 5th Bn, Const Mehjoor Ahmad No. 686/Spr, Const Irshad Ahmad No. 784/Spr, SPO Farhat Mushtaq No. 757/SPO, SPO Abdul Rashid No. 766/SPO and SPO Shams Tabraiz No. 490/SPO-Sgr led by Shri Sunil Singh-JKPS127947 Dy. SP (Ops) Wadoora and backup party including Inspector Azim Iqbal No. EXK-115658, Const Ab Quyoom Wani No. 829/Spr, Const Ishtiyaq Ahmad No. 793/Spr, Const Ghulam Hassan No. 783/Spr, SPO Nasir Hussain No. 738/SPO, SPO Adil Farooq No. 244/SPO led by Shir Mohd Ameen Bhat JKPS125758 Dy. SP (Ops) Sopore during which contact was established and the holed up terrorist resorted firing with his sophisticated weapons, however the holed up terrorist was asked to surrender, but he instantly turned down the warning and opened heavy firing upon the advance party, the advance party retaliated the fire which led to a fierce gunfight. Since the area was very thickly populated and there was every likelihood of collateral damage, but the officer Shri Sunil Singh-JKPS127947 DySP (Ops) Wadoora with thoughtful consideration and taking all aspects of the operation into consideration led a joint team of Police/Army/CRPF and volunteered themselves to carry out last and final assault as per their well planned strategy the advance party started approaching towards the target house during which the terrorist fired volume of bullets upon both the joint parties, but the advance party led by Shri Sunil Singh JKPS127947 DySP (Ops) Wadoora did not lose their moral and continued their crawling towards the target house under the covering firing of back up party led by Shri Mohd Ameen Bhat-JKPS125758 DySP (Ops) Sopore.

As soon as the joint party reached the target house, the hiding terrorist after sensing that the security forces are about to enter the target house for last and offensive assault, the hiding terrorist instantly jumped out from the house through a window while showering volume of bullets on the advance party, but the advance party especially Shri Sunil Singh-JKPS127947 DySP (Ops) Wadoora, Inspector Parveen Kumar No. ARP-085601 and HC Mohd Sadiq Qurishe No. 235/Spr under proper cover fire which was given by the backup party especially Shri Mohd Ameen Bhat-JKPS125758 Dy. SP (Ops) Sopore, Inspector Azim Iqbal No. EXK-115658, Const Ab Quyoom Wani No. 829/Spr remained determinant like a rock without caring their lives by exhibiting highest degree of courage, resilience, professionalism, retaliated effectively and in the ensuing gunfight one local dreaded terrorist identified as Sajad Nawab Dar S/o Lt. Mohammad Nawab Dar R/o Saidpora Sopore District Baramulla belonging to banned JeM (Jaish-e-Mohammad) terror outfit was neutralized.Huge quantity of arms/ ammunitions was recovered from the possession of slain terrorist. A case FIR No. 68/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act stands registered in P/S Sopore.on.

The area of operation was densely populated, covered by apple orchards which always remained hot bed for the terrorists movement, presence and it was a big challenge for the security forces to launch an anti-militancy operation in such a problematic area without any collateral damage, but it was conspicuous bravery, leadership qualities, professionalism and matchless resilience exhibited by Shri Sunil Singh-JKPS127947 DySP (Ops) Wadoora, Inspector Parveen Kumar No. ARP-085601 and HC Mohd Sadiq Qurishe No. 235/Spr that the operation was concluded with the elimination of one dreaded terrorist of LeT outfit without any collateral damage and as such the officers and official put their lives in a great risk in the instant operation to uphold the security/ sovereignty and integrity of the India.

In this operation, S/Shri Sunil Singh, Deputy Superintendent of Police, Parveen Kumar, Inspector and Mohd Sadiq Qurishe, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/04/2020.

(File No.-11020/159/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 254—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mohd Ameen Bhat	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Azim Iqbal	Inspector	PMG
3	Manzoor Ahmad Malla	Head Constable	PMG
4	Mahjoor Ahmad Ganie	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.06.2020, based upon a credible information regarding presence of terrorists in village Reshipora of Hardishiva area, a joint cordon and search operation was launched by Sopore Police, Army 22-RR & 92/179/177 Bn CRPF in the area at about 05:05 hours. As the cordon was being laid the holed up terrorists hiding in a residential house fired upon the security forces and tried to escape from the spot, but the security forces retaliated immediately and forced them to return back in a residential house. Since, the operation was launched in pre-dawn hours at about 05:05 hours, the people were in deep asleep and there was every apprehension of civilians causality, if the retaliatory action is resorted at the very moment. So it was decided that before launching an offensive assault against the hiding terrorist, all trapped civilians are evacuated first. Accordingly two joint teams of Police/ ARMY/ CRPF including Inspr. Azim Iqbal No. EXK- 115658, HC Manzoor Ahmad Malla No. 292/Spr, Sgct Chanbir Singh No. 44/Spr, Const. Mahjoor Ahmad Ganie No. 868/Spr, Ct. Zahoor Ahmad No. 797/Spr, Const. Abdul Rashid No. 798/Spr, Const. Aijaz Ahmad No. 806/Spr, SPO Imran Ahmad No. 418/SPO-Sgr, SPO Mehraj-ud-din No. 313/SPO, SPO Firdous Ahmad No. 800/SPO, SPO Waseem Akram No. 88/SPO, SPO Mohammad Sadiq No. 546/SPO led by Shri Mohammad Ameen Bhat-JKPS Dy. SP (Ops) Sopore as advance party and SI Sajad Ahmad Ganie No. ARP-109307, SI Shams-ud-din Khan No. 103/T, HC Muzaffar Ahmad Bhat No. 749/Spr, HC Bilal Ahmad Bhat No. 709/Spr, Sgct Syed Arif Zia No. 788/Spr, Const. Nissar Ahmad No. 830/Spr, Const. Javid Ahmad No. 861/Spr, Const. Manzoor Ahmad No. 733/Spr, Const. Ishtiyaq Ahmad Sheikh No. 793/Spr, SPO Pardeep Kumar No. 177/SPO, SPO Mohammad Altaf No. 54/SPO-Rbn, SPO Yasar Samad No. 458/SPO, SPO Mohammad Ramzan No. 762/SPO, SPO Faizan Asadullah No. 748/SP led by Shri Sunil Singh-JKPS Dy. SP (Ops) Wadoora as back-up party were formulated and tasked them to evacuate all the trapped civilians. The joint party put themselves into action and evacuated all trapped civilians and even during the process of evacuation the hiding terrorists fired few shots upon the joint party, but the party did not lose their morale and continued their action till each and every civilian was evacuated from the area. After civilians evacuation the cordon was more tightened by sealing all entry and exit points so as to ensure that the hiding terrorists do not escape from the spot. The area of operation was completely undulated and the target house was also situated in the bottom of a hill. So it was very difficult to track down the terrorists without collateral damage. So after thoughtful consideration with the counterparts of Army and CRPF it was unanimously decided to move the party ahead towards the target house for final assault. Accordingly, the advance joint party including Inspr Azim Iqbal No. EXK-115658, HC Manzoor Ahmad Malla No. 292/Spr, Sgct Chanbir Singh No. 44/Spr, Const. Mahjoor Ahmad Ganie No. 868/Spr, Ct. Zahoor Ahmad No. 797/Spr, Const. Abdul Rashid No.. 798/Spr, Const. Aijaz Ahmad No. 806/Spr, SPO Imran Ahmad No. 418/SPO-Sgr, SPO Mehraj-ud-din No. 313/SPO, SPO Firdous Ahmad No. 800/SPO, SPO Waseem Akram No. 88/SPO, SPO Mohammad Sadiq No. 546/SPO led by Shri Mohammad Ameen Bhat-JKPS Dy. SP (Ops) Sopore volunteered themselves and decided to move ahead towards the target house for offensive assault. So according to a well strategy, the joint advance party put themselves into action and started crawling towards the target house and the 2nd party of Police/ CRPF including SI Sajad Ahmad Ganie No. ARP-109307, SI Shams-ud-din Khan No. 103/T, HC Muzaffar Ahmad Bhat No. 749/Spr, HC Bilal Ahmad Bhat No. 709/Spr,

Sgct Syed Arif Zia No. 788/Spr, Const. Nissar Ahmad No. 830/Spr, Const. Javid Ahmad No. 861/Spr, Const. Manzoor Ahmad No. 733/Spr, Const. Ishtiyaq Ahmad Sheikh No. 793/Spr, SPO Pardeep Kumar No. 177/SPO, SPO Mohammad Altaf No. 54/SPO-Rbn, SPO Yasar Samad No. 458/SPO, SPO Mohammad Ramzan No. 762/SPO, SPO Faizan Asadullah No. 748/SP led by Shri Sunil Singh-JKPS Dy. SP (Ops) Wadoora was put for back up firing.

As soon as the joint party was about to reach the target house for final assault against the holed up terrorists, the hiding terrorist after sensing that the security forces are about to enter the target house for last and offensive assault, they instantly jumped out from the house through the main door and while coming out from the house they showered volume of bullets on the advance party, but the advance party especially Inspr. Azim Iqbal No. EXK-115658, HC Manzoor Ahmad Malla No. 292/Spr, Const. Mahjoor Ahmad Ganie No. 868/Spr led by Shri Mohammad Ameen Bhat-JKPS Dy. SP (Ops) Sopore remained determinant without caring for their lives by exhibiting highest degree of courage, resilience, professionalism retaliated the fire effectively and in the ensuing face to face gunfight which too in open area two local terrorists identified as Waleed Bashir Mir S/o Late Bashir Ahmad Mir R/o Behrampora Rafiabad & Bilal Ahmad Parray @ Basharat Bahi S/o Ghulam Mohi-ud-din Parray R/o Yemberzalwari Bala Bonpora Sopore were neutralized. Huge quantity of arms/ammunitions was recovered from the possession of slain terrorist. A case FIR No. 48/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I. A. Act, 16 & 23 ULA(P) Act stands registered in *P/S* Bomai for further investigation.

It was conspicuous bravery, professionalism and matchless resilience exhibited by the Shri Mohd Ameen Bhat JKPS125758 Dy. SP (Ops) Sopore, Inspr Azim Iqbal EXK115658, HC Manzoor Ahmad Malla EXK026147 and Ct. Mahjoor Ahmad Ganie No. 868/Spr that the operation was concluded with the elimination of two dreaded terrorists of Lashker-i-Toiba outfit without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Mohd Ameen Bhat, Deputy Superintendent of Police, Azim Iqbal, Inspector, Manzoor Ahmad Malla, Head Constable and Mahjoor Ahmad Ganie, Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/06/2020.

(File No.-11020/160/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 255—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallatnry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Amritpal Singh, IPS	Senior Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Mushtaq Ahmad	Assistant Sub Inspector	PMG
3	Aijaz Ahmad Dar	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17.04.2020, Police Shopian generated an intelligence input regarding the presence of some terrorists in village Diaroo, Shopian. The information was shared with senior formations/ Army 44 RR /14th BN CRPF and it was decided to cordon off the said village. After laying cordon at 0320 hours search operation was started. During the search operation, presence of terrorists of proscribed HM outfit was established in a double storied building in an orchard on the outskirt of village Diaroo, Shopian. At the first instance cordon around the suspected house was tightened and all the routes were plugged by establishing initial cut off to prevent the terrorists from escape. In the meantime terrorists hiding in the area, fired indiscriminately upon the operational teams. The troops immediately took cover and retaliated the fire effectively. The target house was huge and typically protected by 10ft height tin sheets which were providing a great defense to the hiding terrorists and tactical hindrance to the operational parties to locate the terrorists. It was decided to remove the view cutter by providing heavy cover fire cautiously observing safety of men removing tin sheets ahead; accordingly the joint teams of Police, RR &

CRPF removed the tin sheet boundary. It took quite some time under heavy volley of fire from both sides to clear the tin sheets cover. Once clearing the hindrance and making field of fire through, put controlled probing fire towards the building to locate terrorists holed in. One of the terrorist came out of house in a bid to escape and fired heavily upon operational parties. The operational parties retaliated terrorist in a befitted manner and injured terrorist who ran back inside the house.

After analyzing the situation SSP Shopian alerted troops and puit them at strategic locations. In order to make the operation successful two assault groups were formed under the Command of Shri Amritpal Singh, SSP Shopian, IPS 145795 and Shri Majad Ali, Dy. SP PC Keller. The first group led by SSP Shopian including Sgct Aijaz Ahmad Dar No. 543/Spn (EXK-145563) Ct. Ghulam Mohammad No. 514/SPN, Ct. Uttam Kumar No. 231/IRP 18th BN, Ct. Muzaffar Ahmad No. 880/SPN, Ct. Tahzim Khan No. 867/AP 8th, SPO Javid Ahmad No. 319/SPN has taken Morcha and QRT from 44RR & 14th BN CRPF on the front side of the target house while as 2nd group led by Shri Majad Ali, Dy. SP PC Keller including SI Imtiyaz Ahmad No. ARP115628, ASI Mushtaq Ahmad No. 62/Spn (EXK-961421), Sgct Sanjeev Singh No. 565/AP12th, Sgct Janak Raj No. 676/AP 14th, Sgct Bashir-ul-Ramzan No. 481/AP 8th, SPO Afaq Rashid No. 311/SPN, SPO Kuldeep Singh No. 175/GBL, team of 44RR & 14th BN CRPF took the position from the rear side of the target.

The first priority was to evacuate the inmates of the house. Subsequently, the joint operational team led by operational commander Shri Amritpal Singh-IPS, tactfully succeeded in evacuation of inmates of house to the safer place under cover fire of other contingents. After evacuation of inmates cordon was further tightened strongly, the terrorists were offered to surrender, who in turn fired upon the assault groups and tried to escape from the spot in which SSP Shopian, SI Imtiyaz Ahmad ARP115628, ASI Mushtaq Ahmad No. 62/SPN had a narrow escape. Upon this SSP Shopian, Dy. SP PC Keller and other men without caring for their precious lives fought bravely and during retaliatory action one unidentified terrorist (later identified as Asif Ahmad Dar S/o Ghulam Mohammad Dar R/o Arambagh, Batapora Shopian of HM outfit got killed. However, the other terrorist who was in the hideout continued firing on troops at regular intervals with the intention to keep forces busy so that he could escape from cordoned area. There was lull and the terrorist inside the hideout was asked to surrender, but he hurled grenades and continued firing upon the troops at regular intervals. In the afternoon the firing from opposite side stopped. The troops waited for some time and when fire was stopped from the target, it was thought that the terrorist inside the house had also been got eliminated. After that a joint party of Police, RR & CRPF under the supervision of SSP Shopian was formed to conduct search of the house. As soon as the parties approached the main entrance of the target the besieged terrorist hurled grenades followed by indiscriminate fire with the intention to kill them in which the search parties had a narrow escape. However, the Police party led by SSP Shopian retaliated bravely and dedicatedly which resulted in the elimination of another un-identified terrorist (later identified as Rahil Hameed S/o Abdul Hameed Magray R/o Ganovpora, Keegam Shopian (A-Category) of HM outfit. Large amount of arms/ammunition were recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 62/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Shri Amritpal Singh, SSP Shopian IPS-145795, SI Imtiyaz Ahmad No. ARP115628, ASI Mushtaq Ahmad No. 62/SPN (EXK-961421), Sgct Aijaz Ahmad Dar No. 543/Spn (EXK-145563), Ct. Uttam Kumar No. 231/IRP 18th BN, Ct. Ghulam Mohammad No. 514/SPN, Ct. Tahzim Khan No. 867/AP 8th and Ct. Mohd Ashraf No. 500/IRP 19th, who fought terrorists efficiently and intelligently without caring for their lives was remarkable as the endeavor to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. The officers/officials showed courage in evacuating the inmates of the house. Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing, in which all these officers/ officials had a narrow escape. However, these officers/ officials without losing their concentration and good application of mind fought bravely and foiled their nefarious designs. Completion of the mission in safe manner on the operation site has remained the key feature of instant operation in such a volatile situation.

In this operation, S/Shri Amritpal Singh, IPS, Senior Superintendent of Police, Mushtaq Ahmad, Assistant Sub Inspector and Aijaz Ahmad Dar, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/04/2020.

(File No.-11020/ 163/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 256—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry / 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Ab. Latief Shabnam	Sub Inspector	1st BAR TO PMG
2	Bashir-Ul-Remzan	SgCT	PMG
3	Mohammad Younis Dhobi	Constable	PMG
4	Parveen Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 21.04.2020, Police Shopian received specific information regarding the presence of terrorists in the house of one Ghulam Hassan Malik S/o Amma Malik R/o Melhura Zainpora. Accordingly, operation was planned and cordon was established around the target house with the assistance of 55 RR&178th BN CRPF. For result oriented operation two search parties one headed by Shri Aumer Iqbal-JKPS, Dy. SP PC Zainpora and another led by SI Ab Latief Shabnam No. EXK-115708, SHO P/S Zainpora were constituted. In the meantime owner of the house and his family members were asked by the operational commander Shri Amritpal Singh-IPS, SSP Shopian to come out, as they were about to leave the house, terrorists hiding in the said house started indiscriminate firing upon the advance teams from different directions due which house owner and his family members got struck in the ground floor of target house. The fire was retaliated and SSP Shopian offered terrorists to surrender and allow the trapped family members to come out, but they declined the offer. In the meanwhile, it was decided to evacuate the trapped family members first and for the purpose operational parties headed by Shri Aumer Iqbal-JKPS, Dy. SP Zainpora including SgCt Manzoor Ahmad No. 270/SPN, SgCt Ishtiyaq Ahmad No. 760/IRP 16th, Ct. Deepak Kumar No. 3871/S and contingents of RR & CRPF advanced towards target house. As the party entered the house premises they came under heavy volume of fire from two different directions in which the party had a narrow escape. However, another operational party headed by SI Ab. Latief Shabnam EXK-115708 SHO P/S Zainpora including SgCt Bashir-ul-Ramzan No. 481/AP 8th ARP-066082, Ct. Mohammad Younis Dhobi No. 809/IRP 8th ARP-175624, Ct. Parveen Singh No. 810/IRP 11th BN ARP-105785 kept the terrorists engaged and first party proceeded meticulously for room intervention.

On noticing the movement of advance party, one holed-up terrorist came out of the house to counter them. Shri Aumer Iqbal-JKPS, DySP, PC Zainpora alongwith his team confronted the terrorist and shot him dead in gun battle. The party of SI Ab Latief Shabnam SHO P/S Zainpora including SgCt Bashir-ul-Ramzan No. 481/AP 8th, Ct. Mohammad Younis Dhobi No. 809/IRP 8th, Ct. Parveen Singh No. 810/IRP 11th entered the house cautiously, however, they were challenged by another terrorist who was hiding in the corridor. The Police party had shield behind the staircase and fired upon him and succeeded in his elimination after firefight. The operational teams engaged the surviving terrorists in gunfight till trapped family members got opportunity to run away from the target house. Some of the family members were shocked and were not able to walk. The team led by SI Ab Latief Shabnam EXK115708 took them on their shoulders and rushed to the main gate without caring about their lives. After evacuation process, advance party headed by Shri Aumer Iqbal-JKPS, Dy. SP PC Zainpora entered in the target house cautiously. However, the joint operational party with high precautionary measures retaliated the fire effectively/ professionally and in skilled manner which resulted in face to face firefight, which culminated with elimination of two more terrorists. During the investigation of the instant case the eliminated terrorists were identified as Tariq Ahmad Bhat (LeT outfit) S/o Mohammad Abdullah Bhat R/o Khasipora Shopian, Bashrat Ahmad Shah (AGH outfit) S/o Mohammad Akbar Shah R/o Nikloora Pulwama, Wakeel Ahmad Dar (JeM outfit) S/o Ghulam Nabi Dar R/o Nikloora Pulwama and Uzair Amin Bhat (HM outfit) S/o Mohammad Amin Bhat R/o Chesti Colony Baramulla. Huge quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 28/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 19, 23 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora. for further investigation.

In this operation, S/Shri Ab. Latief Shabnam, Sub Inspector, Bashir-Ul-Remzan, SgCT, Mohammad Younis Dhobi, Constable and Parveen Singh, Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 21/04/2020.

(File No.-11020/164/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 257—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry / 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mohd Muzaffar Jan	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Prem Paul	Head Constable	PMG
3	Mushtaq Ahmad	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.07.2020, Police Kulgam received specific information regarding the presence of terrorists in residential house of Mushtaq Ahmad Bhat S/o Gull Mohammad Bhat R/o Arreh Mohanpora. Police Kulgam, 09 RR and 18th Bn CRPF cordoned off the said village and launched search operation. The team headed by Shri. Mohd Muzaffar Jan-JKPS under the supervision of Addl. SP Kulgam and overall command/control of SSP Kulgam was constituted. Subsequently an operational strategy was chalked out to seal and cordon the area. The initial parties led by Shri. Mohd Muzaffar Jan-JKPS, Shri. Arvind Kumar JKPS DySP PC Kulgam along with their escorts, and counterparts of 9-RR and CRPF 18th Bn cordoned off the area and plugged all possible escape routes. On laying initial cordon and confirming the fact that terrorists are hiding in target house, cordon was further strengthened in the said village and search operation started. The target house was zeroed in and the terrorists were given opportunity to surrender for which they refused. During search the hiding terrorists started indiscriminate firing upon operational party with criminal intention. The fire was effectively retaliated by advancing search parties resulting in ensuing gunfight. The fierce fire fight began and continued for a long time. The police party showed endurance / forbearance and did not lose an inch on the ground. The coherence between teams and earlier strategic planning worked effectively. But the officers with their buddies did not leave the spot and showed guts /wisdom and entered in target area from different sides and killed 02 dreaded terrorists.

The coherence shown by police component especially Shri Gurinderpal Singh-IPS SSP Kulgam, Shri Mohd Muzaffar Jan No. (JKPS-116076), DySP DAR DPL Kulgam, HC Prem Paul No. 187/IRP-11th (ARP-951303), HC Mushtaq Ahmad No. 263/IR 3rd (ARP-036732), HC Muzamil Hayat No. 43/AP 9th BN, HC Mohd Syed No. 40/AP 9th BN, SgCt Razaq Ahmad No. 508/IRP 6thBn,Ct Joginder Singh No. 821/AP 9thBn,Ct. Mohd Ashfaq No.565/IRP11thBn, Ct.Farooq Ahmad No. 889/Kgm, Ct Ashiq Hussain No. 839/Kgm, Ct Sajad Hussain 1047/Kgm, SPO Mohd Arif Shiekh No. 424/K, SPO Bilal Ahmad Beigh No.549/K, SPO Manmeet Singh No. 419/K,SPO Verender Pal Singh No. 609/K, SPO Suhail Ahmad Wani No. 2014/A,SPO Mohd Shafi N0.O6/K, Imtiyaz Ahmad Ganie No.105/K and SPO Sajad Ahmad Khan No. 686/K was exemplary in elimination of 02 dreaded terrorists without caring for their safety and security of personnel lives worked meritoriously. The special naka party showed guts/wisdom and intercepted the suspected vehicle and also arrested one associate of terrorists who was driving the vehicle used by the terrorist for the crime. The operation concluded with the elimination of 02 hard-core terrorists of banned outfit. The area was thoroughly searched for more terrorists and later sanitized. The eliminated terrorists were later on identified as Ali Bhai @ Abu Ukasha R/o Pakistan (Category "A" of HM outfit) and Hilal Ahmad Malik S/o Mohammad Maqbool Malik R/o Tazipora Kulgam (HM outfit). Huge quantity of arms/ ammunition were recovered from the possession of slain terrorists. To this effect, case FIR No. 132/2020 U/S 307 IPC, I.A.Act 13,16,19, 20 & 38 UA(P) Act stands registered in P/S Kulgam.

The continuous successful operations have put the terrorist on back foot to save their lives. Due to the strenuous efforts by the officers /officials of District Kulgam along with above mentioned officials, the particular operation has been carried out successfully with the elimination of 02 dreaded terrorists

In this operation, S/Shri Mohd Muzaffar Jan, Deputy Superintendent of Police, Prem Paul, Head Constable and Mushtaq Ahmad, Head Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/07/2020.

(File No.-11020/166/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 258—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st Bar to Police Medal for Gallantry/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir : -

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Mohd Yousif	Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2	Surinder Mohan	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Khalil-u-Rehman	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.04.2020, Police Kulgam received specific information to the effect that at village Lowermunda some unknown terrorists are hiding in the residential house of Ab. Gani Sheikh S/o Ab. Sammad Sheikh Son-in-law of Ali Mohammad Rather *RIO* Matanpora Lowermunda Qazigund. Two special cordon and search teams were constituted headed by Shri Mohd Yousif (KPS-017324), Addl. SP . Kulgam and Shri Surinder Mohan (JKPS155786), DySP (PC) Mirbazar under the overall command of SP Kulgam. Subsequently an operational strategy was chalked out to seal and cordon the area. The initial parties cordoned the area and sealed /plugged all possible escape routes. On laying initial cordon and confirming the fact that terrorists are hiding in the instant house, cordon was strengthened in the said village and search operation started.

The houses surrounding the target were strategically and thoroughly searched. The inhabiting civilians were evacuated and shifted to safer places during late night in odd hours taking all risks by the operational party especially led by Shri Mohd Yousif (KPS017324), ASP Kulgam including SgCt Khalil-u- Rehman No. 985/Kgm (EXK116602) and team 2nd led by Shri Surinder Mohan (JKPS155786), DySP (PC) Mirbazar. The target house was zeroed in and the terrorists were given opportunity to surrender for which they refused. During search, the hidden terrorists started indiscriminate firing upon operational party with the intention to kill them. The fire was effectively retaliated by the advancing search parties resulting in an encounter.

The police party showed endurance and forbearance and did not lose an inch on the ground. This forced terrorists to resort to indiscriminate firing and attack the forces from many sides as they were 03 in number. The coherence between the teams and the earlier strategic planning worked effectively; however, the intermittent fire was going on. But the officers with their buddies did not leave the spot and showed guts and entered in target area from different sides and killed one of the terrorist who tried to escape from the encounter site by a lobbing grenade towards security forces. Another two terrorists had taken the shelter nearby and started firing indiscriminately. Both the teams were in line of fire and did not allow the terrorists to escape. Finally another two terrorists were neutralized by the joint operational party. The front line operational party was also backed by Shri Mohd Shafiq, SDPO Qazigund KPS-116207, SgCt Syed Sajad Hussain Shah 1504/B EXK116181, SgCt Rohit Kumar Chib No. 944/Kgm EXK118896, HC Aurangzeeb No. 207/IRP 11thBn, SgCt. Mohd Arif No. 571/Kgm, SgCt. Hilal Ahmad No. 106/IRP 11th BN, SgCt Sajad Hussain No. 807/A, SgCt Manzoor Ahmad No. 1851/A, SgCt Omer Bashir No. 1419/A, Sukhminder Singh No. 2026/SPO, Mohd Ishaq No. 564/SPO, Mohd Yaseen No. 367/SPO, Muhammad Irfan No. 18/AP 9thBn, SPO Shabir Ahmad No. 678/K, SPO Aaqib Hussain 478/K, SPO Rafique Ahmad No. 201 /K, SPO Wazir Ahmad No.409/K, SPO Mohd Ashraf No. 263/K, SPO Subzar Ahmad No. 635/K have also played an exemplary role in elimination of these dreaded terrorists without caring for their safety and security of personnel lives. The eliminated terrorists were identified as Reyaz Ahmad Itoo S/o Mohd Akbar Itoo R/o Sangran Qazigund, Bilal Ahmad Wagay S/o Bashir Ahmad Wagay R/o Panzgam & Asif Ahmad Dar S/o Ab Majid Dar R/o Dangerpora Kakapora.

There had been the trend by ANEs to mobilize the miscreants during encounter which has been thwarted to the great extent by deploying effective law & order grid on ground due to which no gathering has been allowed to swell and the operation was conducted smoothly. The death of these terrorists was a big jolt to the structure and functioning of banned "HM" terror outfit. With this gallant action, our brave officerS/officials eliminated a huge terror threat

Huge quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. To this effect, case FIR No. 116/2020 U/S 307 IPC, 7/25 Arms Act, 16, 20, 38 UA (P) Act stands registered in Police Station Qazigundand investigation taken-up.

Due to the strenuous efforts by the officers /officials of district Kulgam along with above mentioned officials, this particular operation has been carried out successfully with elimination of 03 dreaded terrorists. The recommendees played a conspicuous role and gallant action beyond the call of their normal duties.

In this operation, S/Shri Mohd Yousif, Superintendent of Police, Surinder Mohan, Deputy Superintendent of Police and Khalil-u-Rehman, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/04/2020.

(File No.-11020/170/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 259—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Manzoor Ahmad	Sub Inspector	PMG
2	Shakeel-ul-Rehman	Constable	PMG
3	Sajad Ahmad Parray	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17.07.2020, Police Kulgam received specific information regarding the presence of a group of terrorists in village Chimmer Nagnad. Police Kulgam, 09 RR and 18th BN CRPF cordoned the said village and started door to door search. The teams were constituted headed by Shri.Mohd Muzaffar Jan-JKPS DySP (DAR) DPL Kulgam, Shri Ashaq Hussain-JKPS SDPO DH Pora alongwith Shri Arvind Kumar-JKPS Dy SP PC Kulgam, Shri Zohaib Hassan-JKPS Dy. SP PC Hatipora, Shri Surinder Mohan-JKPS DySP PC Mirbazar under the supervision of Shri Mohammad Yousif-JKPS, Addl. SP Kulgam and overall command and control of Shri Gurinderpal Singh-IPS SP Kulgam. The initial parties led by Shri. Ashaq Hussain-JKPS SDPO DH Pora alongwith their escorts and counterparts of 09 RR/CRPF 18th Bn cordoned the area and plugged all possible escape routes. On laying initial cordon and confirming the fact that terrorists are hiding in the target house, the cordon was further strengthened in the said village and search operation started. The target house was zeroed in and terrorists were given opportunity to surrender for which they refused. During search the hiding terrorists started indiscriminate firing up on operational party with their weapons with the intention to kill them. The fire was effectively retaliated by advancing search parties resulting in encounter. The fierce fire fight began and continued for a long time. The police party showed endurance / forbearance and did not lose an inch on the ground. The coherence between teams and earlier strategic planning worked effectively, the intermittent fire was going on. But the officers with their buddies did not leave the spot and showed guts/wisdom and entered in target area from different sides and killed 03 dreaded terrorists.

The coherence shown by the Police component especially Shri Mohd Muzaffar Jan-JKPS116076, SI Manzoor Ahmad No. 82/AP 7th ARP801316 presently posted as I/C DB Squad DPL Kulgam, ASI Mukhtar Ahmad No. 70/Kgm ASI Sukhdev Singh No. 04/IR 11th HC Mohd Sadeeq No. 55/IRP 11th Bn HC Bilal Ahmad No. 55/IR 11th, HC Javid Ahmad No. 181/Kgm .Sgct. Mohd Ashraf No. 255/Kgm ,Sgct. Mohd Ishaq Dass No. 405/Kgm, Ct. Shakeel-ul-Rehman Naik No. 740/Kgm EXK168620, Ct. Sajad Ahmad Parray No. 934/Kgm EXK- 111524,Ct. Ashwani Bhan No. 938/Kgm,SPO Mohd Imran Naik No. 87/K ,SPO Mohd Asif No. 984/R ,SPO Mohammad Shafi No. 584/K, SPO Mohd Hussain No. 204/K,SPO Mudasir Ahmad No. 595/K ,SPO Mohammad Imran No. 638/K,SPO Arshad Hussain No. 43/K,SPO Shabir Ahmad No. 443/K,SPO Shabir Ahmad No. 672/K, Lady SPO Sameeh Parveen No. 474/K.SPO Mohd Arif No. 672/R,SPO Mohd Tahir No. 1065/P and SPO Javaid Ahmad No. 27/K, have also played an exemplary role in elimination of 03 dreaded terrorists without caring for their safety and security. The terrorists eliminated were later identified as Abu Bakar @ Waleed @ Abu Maviya R/o Pakistan, Rouf Ahmad Dar S/o Ab Hamid Dar R/o Awhatoo Kulgam and Rayees Ahmad Naik S/o Ali MohdNaik R/o Chimmer Kulgam. It is pertinent to mention here that SI Manzoor Ahmad No. 82/AP 7th Bn ARP-801316 has put extra effort to weed out the threat of live grenade and explosive during the encounter due to which possible civilian casualties were averted.

Though the terrorists were affiliated with three different outfits. But they were operating together due to local OGW support and were planning to carry out attack on security forces. The death of these terrorists was a big jolt to the structural and functional unit of respective banned terror outfits who wanted to pressurize the serving police officials and other personnel residing in the South Kashmir. Both the terrorists were involved in many criminal cases. Their main aim and objective was to direct their respective OGWs to kill the people who are peace loving citizens. Thus their objective was to vitiate peace and create a feeling of chaos among the pro democratic people, thus injuring and hunting the basic sentinel of

democracy. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. To this effect, case FIR No. 115/2020 U/S 307 IPC, 7/25, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S D.H.Pora.

In this operation, S/Shri Manzoor Ahmad, Sub Inspector, Shakeel-ul-Rehman, Constable and Sajad Ahmad Parray, Constable of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/07/2020.

(File No.-11020/172/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 260—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry / 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Rameez Raja	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Khurshed Ahmad Khan	Head Constable	1st BAR TO PMG
3	Fayaz Ahmad Juskum	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17.08.2020 at about 09:20 hours, terrorists attacked on Naka Party at Nawan Morh, Kreeri resulting critical injuries to 01 SPO and 02 CRPF Personnel. Other CRPF and Police Personnel present at spot retaliated the fire and engaged them in cross firing till the additional security forces which included Army 29 RR, CRPF 176 Bn. and Police Baramulla reached on spot. After this Baramulla Police and other security forces chalked out an actionable plan by meticulous preparation and planning. The suspected area was cordoned off by the joint parties of SOG Baramulla, Army and CRPF and the recommendees spearheaded the operational team. The security forces adopted the unconventional routes while maintaining high level of surprise till a watertight cordon was laid. The cordon was strengthened by laying three layers and the recommendees were on forefront. The situation was very hostile due to heavy exchange of firing but security forces which include the recommendees remained committed to overcome these hostile impediments.

After laying of cordon, two rescue parties one under the command of SP (Operation) Baramulla Shri Mukesh Kumar Kakkar and another under the command of Shri Rameez Raja DySP (Operation) Kreeri were formed, the recommendees volunteered themselves to be part of these parties. These parties first of all evacuated the local civilians from the adjacent houses of encounter site. Thereafter, the composite parties zeroed the cordon, the terrorists fired indiscriminately upon the composite parties in which two army personnel got injured and the terrorists attempted to break the cordon but the composite parties having taken safe positions retaliated the fire effectively without caring for their lives. Shri Mukesh Kumar Kakkar SP (Operation) Baramulla detailed Sgct Irshad Hussain No. 720/IR 13th PID No. ARP097579, Sgct. Arif Rasool No. 754/IR 13th PID No. ARP066397, Ct Shahzad Khan No. 1626/B EXK167339 and Ct Irfan Abdullah No. 1703/B PID No. EXK175558 from the composite parties for evacuation of injured security personnel, who bravely evacuated the injured Security personnel to the safer place, wherefrom they were shifted to hospital for treatment.

After safe evacuation of injured personnel, SP (Operation) Baramulla Shri Mukesh Kumar Kakkar along with HC Khursheed Ahmad Khan No. 2167/S approached the target site from Northern where a terrorist was firing upon security forces from a gorge covered by dense bushes. The officer with the covering support fire of Shri Rameez Raja DySP OPS Kreeri and composite party took position cornered a terrorist who threw hand grenade and fired indiscriminately upon security forces and tried to escape from the spot but Shri Mukesh Kumar Kakkar and HC Khursheed Ahmad Khan No. 2167/S fired upon the terrorists and gunned down one terrorist who was later-on identified as Sajad Ah Mir @ Hyder Lashkari, the 2nd terrorist tried to escape from spot while injured was chased by Shri Mukesh Kumar Kakkar and HC Khursheed Ahmad Khan No. 2167/S and was also gunned down after several efforts. Third terrorist escaped while hurling grenades and firing due to which 01 Army personnel got injured, but Shri Rameez Raja DySP OPS Kreeri and SgCt. Fayaz Ahmad Juskum No. 3928/PW bravely and tactfully chased and attacked him but said terrorist managed his escape twice.

Then third time Shri Rameez Raja DySP OPS Kreeri and SgCt. Fayaz Ahmad Juskum No. 3928/PW came closer and attacked on the terrorist resulting elimination of the said terrorist.

It is in place to mention here that in the hostile situation the above mentioned recommendees volunteered themselves for this life threatening act when one of their colleague and 04 security personnel achieved martyrdom. It was only due to remarkable bravery and courage exhibited by the recommendees massive fire fight which continued for 36 hours finally resulted in neutralization of 02 local and 01 foreign terrorists.

During this gunfight 03 dreaded terrorists of LeT outfit got killed, who were later on identified as Sajad Ahmad Mir @ Hyder Lashkari S/o Gh Qadir Mir R/o Barth Kalan Sopore, "A+" category, Usman Bhai R/o Pakistan, "A" category and Anayatullah Mir @ Flamad Lashkari S/o Mushtaq Ahmad Mir R/o Andergam Pattan "C" category.

Huge quantity of arms/ ammunitions was recovered from the possession of slain terrorist. For the incident, case FIR No. 85/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I. A. Act stands registered in P/S Kreeri. In the entire operation, Shri Rameez Raja KPS125827, HC Khursheed Ahmad Khan EXK021665 & SgCt Fayaz Ahmad Juskum No. 3928/PW played a conspicuous and praiseworthy role to neutralize the (03) hard core terrorists of banned terrorist organization LeT.

In this operation, S/Shri Rameez Raja, Deputy Superintendent of Police, Khurshed Ahmad Khan, Head Constable and Fayaz Ahmad Juskum, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/08/2020.

(File No.-11020/173/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 261—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 4th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Ajaz Ahmed	Deputy Superintendent of Police	4th BAR TO PMG
2	Younis Khan	Sub Inspector	PMG
3	Pervaiz Ahmad Shah	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.04.2020, P/S Awantipora received specific information Though reliable sources that in village Goripora Awantipora one person namely Mansoor Ali Sofi S/o Ali Mohammad Sofi R/o Goripora is working as associate of terrorists and providing assistance to them to carry out terrorist activities in the said area. The said terrorist associate has also constructed a hideout for terrorists and has knowledge about the location of the said hideout in the area of Goripora.

During the course of investigation, P/S Awantipora launched a search operation in the orchards of village Goripora with the assistance of 50 RR & 130 Bn CRPF. Immediately, a joint search party was constituted under the command of Shri Tahir Saieem- SSP Awantipora & Shri Ajaz Ahmed JKPS125830 SDPO Awantipora alongwith Inspector Mudasir Naseer-SHO Awantipora. SI Adil Ashraf N0.338/PAU (EXK-109538), SI Younis Khan No.175/PAU, HC Nazir Ahmad Jatal No.826/IRP 11th (ARP076602), HC Dawood Khan No.105/IRP 20th, HC Fayaz No.290/Awt, HC Mukhtar Ahmad No.39/AP, SgCt Jagjeet No.409/Awt, SgCt Bashir Ahmad. No.280/Awt, Ct Muzaffar No.770/Awt, SgCt Munir Ahmad No.785/Awt, SgCt Pervaiz Ahmad Shah No. 784/Awt, SPO Robinder Singh No.413/SPO, SPO Mudasir No.380/SPO, SPO Manjeet Singh N0.972/SPO, SPO Davinder Singh No.2156/SPO,SPO Liyaqat No.881/SPO- Rajouri & SPO Umer Rehrnan No.85/SPO.

During the search operation, SSP Awantipora & SDPO Awantipora alongwith SI Adil Ashraf N0.338/PAU, SI Younis No.175/PAY, HC Nazir Ahmad No.826/IRP 11th, HC Mukhtar Ahmad No.39/AP, SgCt Jagjeet No.409/Awt, SgCt Bashir Ahmad No.28Q/Awt, Ct Muzaffar Ahmad No.770/Awt, SgCt Muneer Ahmad Shah No.785/Awt (EXK-155460),

SgCt Pervaiz Ahmad No.784/Awt, SPO Robinder Singh No.413/SPO, *SPO* Mudasir No.330/SPG, PO Manjeet Singh N0.972/SPO, SPO Davinder Singh No.2156/SPO,SPO Liyaqat N0.881/SPO & SPO Umer Rehman No.95/SPO led the search party & SFs towards the hideout. Once the target location was identified, the hiding terrorists were asked to surrender which they declined. The hiding terrorists fired indiscriminately upon the search parties with the intention to kill them. Search party retaliated in self-defence triggering an encounter, in which the terrorist associate Mansoor Ali Sofi, who was leading the Search party towards hideout, got seriously injured and later-on succumbed to his injunes. The joint search party moved forward and retaliated effectively which resulted into injuries to the hiding terrorists. A small assault party comprising of DySP Ayaz Ahmed, SI Younis and Sget Parvaiz Ahmad Shah with their prompt /accurate action killed all the terrorists who were later-on identified as Shahid Maozoor Pinchoo S/'o Manzocr Ahmad R/o New Colony Jawbars (C-Ca of HM outfit/, Snafat Ahmad Mir S/o Gh. Nabi, Mir R/o Trai-e-Payeen (C-Cat of HM outfit) and Mapbuor Ali Sofi S/o Ali Mohammad R/o Goripora Awantipora (terrorist associate).

Large amount of arms/amniunitlon recovered from the possession of slain terrorist. In this regard, a case FIR No. 49/2020 in Police Station Awantipora and investigation taken-up.

In this operation, S/Shri Ajaz Ahmed, Deputy Superintendent of Police, Younis Khan, Sub Inspector and Pervaiz Ahmad Shah, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/04/2020.

(File No.-11020/02/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 262—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry / 1st Bar to Police Medal for Gallantry, 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/ 4th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu and Kashmir:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Tahair Ashraf	Superintendent of Police	4th BAR TO PMG
2	Sahil Mahajan	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
3	Rahul Nagar	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
4	Feroz Ahmad Dar	Assistant Sub Inspector	PMG
5	Umer Hamid Wani	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

After the elimination of HM Chief Commander namely Reyaz Naikoo, HM mentors from across the broder directed Junaid Ashraf Khan @ Arnaar Bhai (Divisional Commander of HM outfit) to shift his base to Srinagar to strengthen HM Network in Central Kashmir with the intention to carry out some sensational attacks, which include grenade hurling to create panic among the peace loving people, attack on civil secretariat/SF establishments and cop killing etc. besides, carrying suicidal attack on important installations in the heart of Summer Capital Srinagar in this regard the field sources of Poiice Component Srinagar were alerted to generate information about his presence, besides technical intelligence of Police Component Srinagar was also geared tc analyze all the related communications carefully to thwart any untoward incident in the Srinagar City.

On 18.05.2020 Police Component Srinagar received information through reliable source regarding the presence of terrorists in the Kanimazar, Nawakadal District Srinagar. Acting or this information Police party headed by SP Police Component, Srinagar under the overall supervision of Shri Mend Suleman Choudhary-IPS. DIG, CKR, Srinagar and SSP Srinagar along with Valley QAT CRPF, conducted a cordon and search operation at Kanimazar, Nawakadal Srinagar in the intervening night of 18/19.05.2020.

During the course of initial cordon and search operation, suspecting the presence of Police/operation party, the terrorists, who were hiding in the house of one Noor Mohammad Sheikh S/o Late Gh. Mohd Sheikh R/o Kanimazar,

Nawakadal opened indiscriminate firing on Police/CRPF parties, besides hurled grenades in order to escape. The Cordon and Search parties retaliated the fire effectively and in the ensuing gunfight one police personnel namely Sgct. Mohd Amin No. 512/IR 6th Bn. and one CRPF personnel got injured. After the initial firing, the terrorists shifted their location from the house of Noor Mohammad Sheikh S/o Late Gh. Mohammad Sheikh to nearby houses in order to flee, but the Police/CRPF QAT parties approached these terrorists from all sides and plugged all the lanes. Later these terroiiate took shelter in other adjoining houses. After this, these terrorists were asked througn loudspeaker to surrender, which they denied and hurled grenades due to which some police personnel and CRPF personnel also received splinter injures.

Immediately, an operational plan was charted out as per the operational SOPs by SP Police Component Sdnagar and all the lanes and exit points approaching to target houses were sealed, The evacuation process of nearby houses was undertaken under the supervision of SP Police Component, Srinagar as the area is very densely populated. The house in which the terrorists were hiding was fully covered and it was decided to make an intervention under the command of Sh. Tahair Ashraf, SP Police Component Srinagar with full coordination of Zonal QAT of CRPF if required. Accordingly a tactical plan was chalked by SP Police Component Srinagar with Valley CRPF QAT.

The nafri was positioned according to the plan and the operational party very tactfully and bravely evacuated the inmates of the adjoining houses and shifted them to a nearby safer place to ensure that there is no collateral damage. In the first instance, the two holed up terrorists were again asked to surrender, which they declined too and instead opened fire on the operation party. Immediately, intervention of the building was planned and discussed with CRPF Officers. The intervention party under the command of Sh. Tahair Ashraf,'SP Police Component Srinagar, taking ad precautions, started the process of house/ room to room intervention. However, as the intervention party reached near the target house it came under heavy fire from the terrorists, who had taken position inside the house. The holed up terrorists lobbed grenades and fired towards the advancing party. The intervention party withdrew only to enter the house from the other side.

At this stage, Shri Mohd Suleman Choudhary-lPS, DIG CKR, Srinagar, who was the Incharge of the operational parties constituted two small parties, one party included Sh. Tahair Ashraf, SP Police Component Srinagar, DySP Sahil Mahajan-JKPS of PC Srinagar ASI Feroz Ahmad Dar NO.450/lRP 1st Bn. with adequate nafri of Police Component Srinagar, Zonal QAT of CRPF and 2nd party consisted of DySP Shaid Nahiem-JKPS, PC Srinagar, DySP Rahul Nagar JKPS155777, DySP Mohd Asiam, SDPO M.R.Gunj, Police North Zone Srinagar, Sgct. Umer Hamid Wani No.797/S, with adequate nafri of PC Srinagar and Zonal QAT of CRPF and decided to enter the house from rear side as well as from front side. As soon as the approaching parties tried to enter in the building from tne rear/front side, the holed up terrorists lobbed grenades and fired indiscriminately towards the approaching parties from a window.

At this stage, Incharge parties decided to suspend the operation due to darkness, as there was apprehension of causalities and accordingly the operation was suspended till the morning. However, during intervening night of 18/19.05.2020 firing between terrorists and security forces continued intermittently. Next day i.e, on 19.05.2020 early in the morning the operation was restarted by SP Police Component Srinagar. Consequently at about 05:00 hours after taking ail precautions and as per the operational SOPs room to room intervention was again planned and subsequently started. At about 07:00 hours during the room intervention the party, was successful in zeroing the movement of terrorists, who were hiding in the ground compartment of house and accordingly the senior formations were informed by SP Police Component Srinagar and the final assault on the terrorists was carried out. However, the hiding terrorists soon after noticing search party, started indiscriminate firing upon them, but the search party retaliated the fire effectively with valour and without caring for their personal safety, with the result one hardcore terrorist namely Junaid Ashraf Khan @ Amaar Bhai (Divisional commander of HM outfit) was eliminated. During this gun battle DySP Sahil Mahajan of Police Component Srinagar received injuries. After the elimination of one terrorist, the search party continues the search for another terrorists and finally contact was established with him. The holdup terrorist after seeing the said search party started indiscriminate firing on them, which was retaliated effectively by searching parry without caring for their lives end eliminated the said terrorist, who was identified as TariqAhmad Sheikh of HM outfit.

The role and leadership exhibited by DIG CKR, SSP Srinagar and SP Police Component Srinagar in the instant operation was exemplary particularly during coordination between joint operational parties of Police and Valley QAT CRPF from the beginning till the culmination of operation. These officers remained instrumental in the said operation by way of operational tactics viz evacuation of nearby civilians, chalking out successful operational plan and launching successful assaul on the terrorists without any collateral damage. Both the local terrorists were later on identified as Junaid Ashraf Khan @ Sehrai @Amaar S/o Mohammad Ashraf Khan R/o Takipora Lolab Kupwara A/P Jehangir Colony Baghat-e-Barzulla, Srinagar (A-Cat of HM outfit) and Tariq Ahmad Sheikh S/o Abdul Ahad Sheikh R/o Dangerpora (Washibugh) Pulwarna (B-Cat of HM outfit).

Large amount of arms/arnmunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 67/2020 U/S 307 IPC, 7/27 I.A Act, 16, 18, 20, 38 ULA(P) Act stands registered in Police Station Safakadal, Srinagar.

In this operation, S/Shri Tahair Ashraf, Superintendent of Police, Sahil Mahajan, Deputy Superintendent of Police, Rahul Nagar, Deputy Superintendent of Police, Feroz Ahmad Dar, Assistant Sub Inspector and Umer Hamid Wani, SgCT of J&K police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/05/2020.

(File No.-11020/ 31/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 263—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jharkhand :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Rishav Kumar Jha, IPS	Sub Divisional Police Officer	PMG
2	Anurag Raj	Additional Superintendent of Police	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The state of Jharkhand has been a prominent place and of strategic importance for the CPI (Maoist) and splinter groups like People's Liberation Front of India (PLFI), both of which are banned organizations under the Unlawful Activities Prevention Act. Khunti is one of the most naxal affected districts in Jharkhand as well as in India. Khunti is surrounded with districts which are also naxal- affected. The hilly terrain, rough gradients, steep cliffs overlooking distant places, dense vegetation with tracts of broken lands, and inhabitation of population which is either being coerced into supporting the naxals or are sympathetic to the naxals make the task tough and challenging for the police and security forces venturing into such area. There are many areas where naxal groups organize meetings, run camps, organize training, carry out recruitments and resort to violent activities against security forces and developmental works. PLFI has its vast network and cadres in the district. Khunti district has witnessed so many brutal and violent activities executed by PLFI cadres in recent past.

In the evening on 13lh February, 2019, SP Khunti Mr. Alok received a reliable and actionable input that around 7-8 armed cadre of PLFI led by its supremo Dinesh Gope was moving in the hills and jungles around Morambir and Jamtoli villages of Rania PS. He immediately called Shri Anurag Raj and Shri Rishav Kumar Jha and officers of 209 CoBRA battalion and chalked out a plan to launch an operation under the leadership of the two officers since they had worked extensively in that area in the past and had a fair idea of the terrain. The prime focus of planning was to ensure zero error with respect to movement and search of naxals around civilian areas. All the personnel involved in the operation were properly briefed regarding these issues as well. One of the strike teams responsible to search the target area comprising of district police and CoBRA jawans being led by Shri Anurag Raj and Shri Rishav Kumar Jha along with Cobra officer Shri Zia-Ul-Haq, DC then left Khunti around 0100 hrs on 14.02.19 and debussed around 0200 hrs off Tengerkela village. Shri Anurag Raj and Shri Rishav Kumar Jha led their team into the dense and dark jungles towards the planned area maintaining utmost secrecy and surprise as they were well versed with the terrain, topography and habitation around the area. Since PLFI has a very efficient network and gets to know every movement of the force, these two officers managed efficiently to reach target area without being exposed. The operation was planned in such a way as to reach the planned general area just before the break of dawn. Around 0630 hrs in the morning as they were approaching a hillock hidden amongst dense vegetation, they were suddenly fired upon with automatic weapons in burst mode. Their team was trapped on three sides by hillocks. The two officers showing exemplary presence of mind and leadership skills immediately ordered the team personnel to take covers behind trees and rocks. These two officers then started addressing the naxals to surrender and repeatedly warned them to stop the firing. But instead of paying heed to the warnings, the naxals started challenging them back in raised voices with intermittent use of offensive words and used the time wisely to get a hold of tactical higher ground on hillocks on all three sides. The two officers understood very quickly that just holding their cover would not work anymore and in fact might have led to casualty among their team personnel. They showed utmost bravery and jungle warfare skills to lead their team on to higher grounds while ensuring that not a single person of their team gets hurt. PLFI naxal were repeatedly warned to surrender but they intensified firing by automatic weapons. After assessing the volume of firing and threat of lives and

weapons of the teams, both officers in consultation with CoBRA officers decided to start calculated and intermittent fire towards naxal positions as it was need of the hour. These two officers showed great courage and leadership and initiated firing by themselves by their service AK-47 rifles. Battle continued for almost 25 minutes. Thereafter firing was stopped. After a strategic wait, both officers alongwith Cobra officers ordered their team to cordon off the area and started cautious searching of the encounter site. During said encounter, 01 PLFI naxal was gunned down by these officers and teammates. Remaining PLFI naxals succumbed to police firing and managed to escape from the encounter site by taking advantage of dense forest. Shri Alok, SP, Khunti with reinforcement reached immediately on the spot and carried out extensive search for escaped PLFI cadres. Senior officers of 209 CoBRA, Executive Magistrate, Khunti also reached on encounter site and necessary proceeding were carried out.

In the entire operation, Shri Anurag Raj, Addl.SP (OPS) and Shri Rishav Kumar Jha, IPS, SDPO, Torpa showed exemplary leadership and application of mind in selection of teams, selection of route, pattern of movement and on the spot decisions. Despite heavy firing form the naxals, scuffling with the naxals and a very high probability of peril to their life, Shri Anurag Raj, Addl.SP (OPS) and Shri Rishav Kumar Jha, IPS, SDPO, Torpa, exhibited an exemplary courage toward carrying out his assigned tasks. They displayed a highest degree of professionalism in order to command, control, navigation and utilization of troops during this operation. The nerve exhibited by both officers under life threatening circumstances is not only exemplary but also shows highest degree of courage, gallant devotions, dedications and commitment in this entire ops which resulted in elimination of 01 dreaded naxal and recovery of foreign made HK-33 rifle along with huge ammunitions. In the entire operation due to a very short distance between the naxals and volume of firing by them, death remained always a whisker away to suitably reward the Gallantry velour and bravery shown by these officers for an exemplary utmost brave action.

In this operation, S/Shri Rishav Kumar Jha, IPS, Sub Divisional Police Officer and Anurag Raj, Additional Superintendent of Police of Jharkhand police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/02/2019.

(File No.-11020/110/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 264—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Madhya Pradesh:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Himmat Singh	Sub Inspector	PMG
2	Baishakhu Lal	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Sh. Himmat Singh SI/GD and Baisakhu Lai HC/GD Posted in Malaiyada Camp P.S. Gatapar (C.G.) for Anti Naxal Operation Duty. Both Officers have actively participated in number of search, Combing and area domination Operations.

On 09 February 2018, Based on the input regarding presence of 80-90 naxal in Jungle area katema, Naktighati and village Mahuadhar under police station Gatapar of Distt Rajnandgaon (Chhattisgarh), a joint Operation was planned by COMMANDANT HAWK FORCE ,S.P. Rajnandgaon ,S.P. Balaghat and Commandant 40 Bn ITPB, to search the area between Mahuadhar-katema. The Ops code name tried-XII was launched by Hawk Force , DRG and CoBs namely COB kanhargaon, COB Gatapar of 40th Bn and COB Bortalao of 44th BN. The Ops party of MALAIDA headed by Sub inspector Sh Himmat Singh of HAWK compromised of SO-01, Ors-24 Total 25) and Sh. Ashok Kumar, AC/GD 40th Bn was consisting of GO-01, SOs-07 & Ors-42, Total -50, DEF Rajnandgaon (SOs-03, Ors-06 Total -09) led by Inspector Nilesh pandey of C.G. Police.

At approximately 11:00 hrs when the Ops party reached SQ- 2576 M/S No.- 64 C/15 approx-15 KM short of Bodla Village, the Ops party of DRG came under fire of approx 12-15 naxals at GR-255760 M/S No.-64 C/15. Sub inspector Sh Himmat Singh of HAWK and Baisakhu Lai HC/GD motivated own troops and continued cordoning the naxals by follwoing basic tactics of fire and move with due precaution. The two courageous officers motivated the troops and cordoned the area with their party. All came under heavy volume of fire by the naxals. After getting instructions from party commander, Sub inspector Sh Himmat Singh of HAWK and Baisakhu Lai HC/GD immediately came in action and analyzing the situation led their team courageously in combat and started counter fire on naxals. The exchange of the fire between SF, HAWK FORCE party and naxals continued for almost 20 minutes. Both SI Himmat Singh and HC Baisakhulal displayed immense courage and determination in the line of duty.

The operation party led by Sub inspector Sh Himmat Singh of HAWK and Baisakhu Lai HC/GD cordoned the area in retaliation firing mounted extensive pressure over naxal, which resulted into killing of two (02) naxals followed by recovery of one 7.65 mm pistol, two 12 bore Rifle with live ammunition and other items & equipment. Killed naxals were later identified as Vinod@Devan Dy cdr platoon, age approx-30 year from Garchiroli and sagar--member of platoon-55 age aoorix-25 years from Bijapur who were carrying cash reward of Rs-8 Lac and 2 Lac respectively on their name.

This success of the operation is attributed to the meticulous planning. Precise implementation and exemplary valour of Sub inspector Sh Himmat Singh of HAWK and Baisakhu Lal HC/GD as the party Cdr has taken calculated risks and his team members acted bravely while facing continuous close range firing from the naxals. The operations was conducted in a professional manner, following all tactical drill & effective fire control. The team could manage to get immense success without suffering casualty to own troops.

In this operation, S/Shri Himmat Singh, Sub Inspector and Baishakhu Lal, Head Constable of Madhya Pradesh police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/02/2018.

(File No.-11020/ 171/2019 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 265—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Madhya Pradesh:—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Tarun Nayak, IPS	Commandant	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

An intelligence input was received by S.P. Balaghat Shri Abhishek Tiwari that a team of Naxalites comprising of 10-12 Naxalites are about to come to the house of Premlal Tekam in Pujaritola of village Nevarwali, P.S. Lanji, and they may carry out some major incident and killings of innocent civilians in the village. Information also indicated that it may be same team which had murdered Brijlal Pandre few days back in village Munda (FIR No. 177/19 u/s 302, 452, 365, 147, 148, 149, 120B IPC, 25,27 Arms Act, 11,13 UAPA dated 22/6/19 P.S. Lanji) . On this input, a joint cordon and search operation was planned in the village by Shri Tarun Nayak, Commandant Hawk Force and Shri Abhishek Tiwari, S.P. Balaghat. A team of Hawk force and District Executive Force (DEF) was rushed for the said operation and to avoid killings of innocent civilians and another major incident.

On reaching near the village a joint team was formed comprising of 4 parties by, Party No. 1 led by Head Constable (HC) 1184 Ajeet Singh and comprised of HC 1301 Vipin Khalko, HC 1407 Rampadam and troops. Party No. 2 was led by Shri Tarun Nayak, Commandant Hawk Force and comprised of troops. Party No. 3 led by Shri Abhishek Tiwari and comprised of troops. Party no. 4 led by HC 679 Sunil Sonekar and comprised of troops.

After briefing the teams, they were sent to the designated places. It was a dark night and a very difficult terrain. The teams negotiated it very bravely and very tactfully because there was an imminent danger of life to the whole team. After reaching the spot the teams cordoned off the house and cut off the possible escape routes and planned to arrest the Naxalites.

After sometime at around 1:00 - 1:30 am, few persons, carrying torch, came out of the house. In the moonlight, they were seen as wearing uniforms of the Maoists and carrying weapons. After identifying them as Maoists, they were challenged and disclosed that they were surrounded by police and asked them to surrender. After knowing this and to avoid arrest, the Maoists started firing indiscriminately on the police party to kill or injure policemen. They started advancing towards the police party and came very near to it while continuously firing. The police team immediately took cover to save their life and again challenged and warned the Maoists to surrender. But, they continued firing on the police party. The indiscriminate firing from the Naxals, posed a grave threat to life of police party and the villagers present in the nearby houses. Hence, as previously ordered by Shri Tarun Nayak and Shri Abhishek Tiwari during the operation planning stage, the police team fired in the self- defence to save their own lives and the lives of the villagers. Had the police party not resorted to controlled firing in self-defence, the Naxalites would have caused casualty and robbed the weapons of the security forces.

In the meantime, HC 1184 Ajit Singh, HC 1407 Ram Padam and HC 1301 Vipin Khalko from party no 1 demonstrated exceptional courage and presence of mind by moving forward towards the Naxalites even under the heavy incoming fire and opened fire on the Naxalites. After sometime, when the exchange of fire stopped from the direction of party no. 1, Naxalites tried to escape but in that direction party no. 2 and 3 were deployed, led by Shri Tarun Nayak and Shri Abhishek Tiwari respectively. The Maoists were again challenged and warned on the orders of the commander and asked them to surrender. But rather than surrendering they started firing indiscriminately on party no. 2 and 3 to kill or injure policemen. Facing heavy firing from the Maoists, with disregard to their personal safety Shri Tarun Nayak and Shri Abhishek Tiwari bravely led party no 2 & 3 respectively to surround the Maoists from two sides. Both the officers and other policemen bravely retaliated the Naxal attack through controlled but effective firing. As the Maoists were surrounded by the police from both the sides, they started firing heavily on the police but could not match up to the retaliatory fire & tactics of the police party and fled towards the forest by taking advantage of the darkness and dense forest. Had the police party not resorted to controlled firing in self- defence, the Naxalites would have caused casualty and robbed the weapons of the security forces.

After the firing stopped, the area was searched and two dead bodies of one male & one female maoist were found along with One SLR Rifle and One 0.315 Rifle, live ammunition, wireless communication equipment, naxal literature, letters from some naxals addressed to other naxals, and other items of daily use. FIR No. 200/19 u/s 307, 120B, 147,148,149 IPC, 25,27 Arms Act, 11,13 UAPA dated 10/7/19 P.S. Lanji was registered after the incident and the case was taken up for investigation the bodies were later identified as:—

1 Mangesh aka Ashok, ACM Tanda Area Committee

2 Nande, ACM Tanda Area Committee

In this operation, Shri Tarun Nayak, IPS, Commandant of Madhya Pradesh police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/07/2019.

(File No.-11020/229/2020-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 266—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Gopal Maniram Usendi	Assistant Police Sub Inspector	PMG
2	Mahendra Ganu Kuleti	Naik Police Constable	PMG
3	Sanjay Ganpati Bakamwar	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29/07/2019, an intelligence input was received that, the naxal members of Communist Party of India (Maoist) which is a banned terrorists organization declared by the Ministry of Home Affairs, clad in green-black clothes were

camping in the forest of Irupgutta-Puser with an intent to conduct anti-national activities and to unseat the democratically elected Government. Further, they were planning to conduct subversive activities during 'Bandh' from 28/07/2019 to 03/08/2019 called by the Naxalites on the occasion of 'Naxal Shahid Saptah'. Also, elections to Vidhan Sabha were due to be held in the district and the Naxalites were likely to disrupt the peaceful conduct of elections. Hence, at the behest of shri Shailesh Balkawade, Supdt.of Police, Gadchiroli, an anti-naxal operation was planned by shri Ajay Kumar Bansal, Addl. Suptd. Of Police(Ops), Gadchiroli.

Accordingly, on 29/07/2019 at 03:00 hrs, a C-60 police party consisting of 27 policemen headed by ASI/2191 Gopal Usendi was marched out for conducting anti-naxal operation. The police party reached the forest of village Irupgutta and divided itself into three groups. The middle group was headed by the party commander which comprised with PC/5395 Sanjay Bakamwar, NPC/3006 Mahendra Kuleti, NPC/306 Vilas Sidam, NPC/2730 Manoj Dhrwa, PC/3808 Jagannath Potavi, PC/4424 Ishwar Weladi, PC/3399 Govinda Chaple, PC/5031 Santosh Rapanji and NPC/5037 Naresh Rapanji. The group heading from left side was headed by HC/1769 Prabhudas Dugga which comprised of HC/1496 Ashok Gatghumar, NPC/2723 Nileshwar Pada, NPC/3308 Santosh Potavi, NPC/3091 Jeevan Usendi, PC/5696 Dinesh Gawade, PC/5399 Gangadhar Karad, PC/5757 Shivaji Usendi and PC/2509 Santosh Narote. And the group heading from right side was headed by NPC/2744 Diwakar Narote which was comprised of NPC/2620 Bapu Gota, NPC/3043 Madhukar Gota, PC/5217 Maneshwar Rapanji, PC/5585 Dilip Gota, PC/416 Umesh Potivi, PC/3813 Eknath Sidam, PC/2477 Sainath Narote and PC/5761 Shankar Pungati. Then they all began with their combing operation through the forest of Irupgutta and headed towards the forest of Puser.

The police party then combing through the forest began to climb a hill located in the forest of Puser. While climbing up the hill, at around 11:30 hrs., they were attacked from hill top by armed naxalites. The Naxalites who were clad in green-black clothes and unleashing bullets. The police party made an appeal to the naxalites to stop the firing and surrender. But, without paying any head to the appeal made, the naxalites continued to fire. The C-Commandos retaliated bravely in self-defense. The gunfire between the police and the Naxalites continued for about 25 to 30 minutes. Thereafter, noticing the strong determination and the retaliatory tactics of the police party, the Naxalites fled away.

In this fierce encounter, the C-60 commandos eliminated one hardcore woman Naxalite and her 8 mm rifle could be seized. Also, the police recovered a lot of arms and ammunition inter alia Naxal belongings from the place of incident.

In this operation, S/Shri Gopal Maniram Usendi, Assistant Police Sub Inspector, Mahendra Ganu Kuleti, Naik Police Constable and Sanjay Ganpati Bakamwar, Police Constable of Maharashtra police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/07/2019.

(File No.-11020/24/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 267—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Bharat Chintaman Nagare	Police Sub Inspector	PMG
2	Divakar Kesari Narote	Naik Police Constable	PMG
3	Nileshwar Devaji Pada	Naik Police Constable	PMG
4	Santosh Vijay Potavi	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25/03/2018, intelligence was received about the camping of a large number of Naxalites in the forest of Mendhri under the jurisdiction of AOP Kotmi. The naxalites were planning to cause sabotage and create a major problem of law and order issue. Their act was aimed at supporting the 'Bandh" call which was being observed from 23/03/2018 to 29/03/2018

for the release of Naxal cadres languishing in various jails. Hence, immediately a plan was chalked out at the behest of Dr. Hari Balaji, Addl. SP(Ops.), for conducting an anti-Naxal operation in the said forest areas.

Accordingly, PSI Bharat Nagare along with other police officers of AOP Kotmi arranged two private vehicles for the operation. The police team under the leadership of PSI Bharat Nagare consisted of PSI Mithun Bhoir, PSI Giridhar Pendor, PSI Prashant Bhagwat, PSI Tejas Mohite, PSI Lahu R. Satpute, 21 policemen of AOP Kotmi and it was aided by 24 other policemen belonging to C-60 squad commanded by Gopal Usendi including PSI Abhijit Patil. Together they set out for anti-naxal operation on 25/03/2018 at 1315 hrs in vehicles. After reaching near jhe forest of Koindul, they dismounted from the vehicles and chalked further strategy. Then they divided themselves into two smaller groups from the operational point of view. One group consisted of police personnel of AOP Kotmi and another consisted of Gopal Usendi's C-60 party and officers. The group of police personnel of AOP Kotmi headed by PSI Bharat Nagare proceeded from right side and another group from left side maintaining considerable safe distance. Then, combing the forest of Koindul they entered the forest of Mendhari after crossing a deep stream.

Suddenly, at around 1530 hrs of 25/03/2018, the second group headed by PSI Bharat Nagare came under the attack of armed Naxalites who were around 40 to 45 in strength. The assailants were unleashing volley of fire towards the police party, they were positioned at a much better strategic position which gave them a better advantage of the terrain. Nevertheless, PSI Bharat Nagare along with PC/3108 Santosh Potavi, NPC/2744 Divakar Narote and NPC/Nileshwar Pada found suitable positions on the terrain and resorted to strong retaliation despite being in a tactically weaker location. Their tactical move and determined firing withheld the Naxalites from overpowering the policemen in extreme circumstances.

When PSI Abhijit Patil came to know over the walkie-talkie sets of this deadly ambush laid by the Naxalites, without wasting any precious time, he along with some men advanced towards the naxalites flanking them from behind and opened intense fire. The brave act of these police personnel and the risky maneuver led to the elimination of one woman Naxalite along with a firearm and seizure of lot of naxal belongings.

In this operation, S/Shri Bharat Chintaman Nagare, Police Sub Inspector, Divakar Kesari Narote, Naik Police Constable, Nileshwar Devaji Pada, Naik Police Constable and Santosh Vijay Potavi, Police Constable of Maharashtra police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/03/2018.

(File No.-11020/45/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 268—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Manipur:—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Ningthoujam Ibotomba Singh	Assistant Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 5th November, 2019 at about 9.15 a.m., a reliable information was received at City Police Station that a carton box suspected to be fitted with IED by unidentified terrorists was found planted on the footpath of Khuyathong road (near Radha Store), Thangal Bazar, Imphal West District, Manipur. The site is about 500 meters from City Police Station. Based on the information, a team of City Police Station led by Assistant Sub-Inspector of Police (ASI), N. Ibotomba Singh was directed to immediately rush to the spot to take necessary precautions to save life and property. A team of police Commando, Imphal West District, led by Shri L. Amarjit Singh, MPS, Addl. S.P. (Ops), Imphal West District also arrived at the scene in no time. In the meanwhile, the bomb disposal squad was also requisitioned.

It may be mentioned that Thangal Bazar is the heart of the commercial activities and the busiest part of Imphal City. Most of the shops are located here and there was heavy traffic and presence of countless number of civilians including school going children during the relevant time. On reaching the spot at .about' 9.18 am, ASI N. Ibotomba Singh and his police team immediately stopped the traffic from entering the area where the suspected IED was planted and requested the

nearby shopkeepers to shut down their shops also. In spite of the danger the bomb posed, ASI N. Ibotomba tried his level best to cordon the area and prevented the public from entering the site until the arrival of the bomb disposal squad. While doing so, he saw some five/six civilians walking close to the spot where the IED was planted. Instinctively, with utter disregard to his safety, he swiftly ran passed the civilians shouting and blocking them by stretching his both hands wide open from entering the area, acting as a human shield with the IED just a few meters behind him. But unfortunately, at that very moment, at about 9.20 am, the IED went off and blasted. There was smoky dust and the scene was chaotic for a moment. After the initial shock and confusion, other police present in the vicinity quickly looked for any injury to anyone at the spot and found ASI, N. Ibotomba Singh grievously injured due to the explosion but miraculously alive.

Four other police officers and personnel, namely, (i) L. Amarjit Singh, Addl. SP (Ops), Im0phal West., (ii) Th. Devan Singh, SI of Commando, Imphal West, (iii) Kh. Boney Singh, ASI of Commando, Imphal West and (iv) H. Boboy Singh, Rifleman of 7-IRB attached with Commando, Imphal West also sustained minor injuries on their persons. This refers to FIR case No. 96(11)2019 City P.S. u/s 121/ 121-A/307/326/427/34 IPC, 20/16 (I)(b) UA(P) Act & 3 Expl. Subs. Act.

During this horrendous terror incident, ASI, N. Ibotomba Singh of City Police Station acted in the most professional and courageous manner. Had he not acted swiftly and courageously, without caring for his personal safety even for a moment, and thereby prevent the shop keepers and commuters from entering near the site where the IED was planted, many lives would have been lost and injured as well. In the course of investigation, it was later confirmed that the IED was planted by the banned PLA (People Liberation Army) terrorist group, active in Manipur. The injured ASI N. Ibotomba after recovery, assisted the I. O. investigating officer (from the same police station) and due to his dogged persistency and determination to bring the culprits to book, played an instrumental role in catching all the culprits one by one, totaling sixteen PLA cadres and workers involved in the planting of the IED.

In this operation, Shri Ningthoujam Ibotomba Singh, Assistant Sub Inspector of Manipur police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/11/2019.

(File No.-11020/206/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 269—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry (Posthumously)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Odisha:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Jayaram Kabasi	OAPF	PMG (Posthumously)
2	Rishikesh Dnyandeo Khilari, IPS	Superintendent of Police	PMG
3	Ramu Durua	OAPF	PMG
4	Bandhu Hantal	Constable	PMG
5	Ghenu Hantal	Constable	1st BAR TO PMG
6	Pravin Thapa	Havildar	PMG
7	Rajesh Biswakarma	Havildar	1st BAR TO PMG
8	Jeevan Shahi	Constable	PMG
9	Ousadhinath Behera	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.08.2019 at about 06.00 PM, Shri. Khilari Rishikesh Dnyandeo, IPS, Superintendent of Police, Malkangiri received reliable information, regarding suspicious movement and congregation of 15-20 numbers of armed Maoist cadres of Andhra Odisha Border Special Zonal Committee (AOBSZC) led by Rakesh Sodi (DCM) of Military Platoon-1, in the forest

adjoining village Paknaguda- Sonuguda under Mudulipada PS jurisdiction. Information received revealed that they were conspiring to target the security forces of Malkangiri district, strike terror in the locality by killing of civilians and carry out anti-national activities. The information was further verified by SI Madhab Behera.SHO, Mudulipada PS by 07.00 PMand also through District Intelligence & Operations Cell (DIOC), Malkangiri by sending reliable and credible local sources.

After being satisfied about the intelligence input and ruling out possibility of fake input and trap by Maoiststo reasonable surety, immediate operation was planned in DIOC, Malkangiri under the direct guidance of the Superintendent of Police, Malkangiri. It was further decided to take calculated risk of dropping parties in the evening time, at a strategic forwarded location. The final plan was discussed in detail by the Superintendent of Policewith the Addl. D.G. of Police (Operations) and the D.I.G. of Police, South Western Range (SWR), Koraput. Their valuable suggestions were incorporated in the final plan and after their due approval, an operation was launched, following all the SOPs, consisting of a SOG team and a DVF team under the leadership of Shri. Khilari Rishikesh DnyandeolPS, Superintendent of Police, Malkangiri after detailed briefing by him.

During the operation, on the first light of the next day i.e. at about 5:30- 6:00 AM on 28.08.2019, the security forces conducted a combing operation in and around the target area of Paknaguda-Sonuguda forest. At that time, they observed some camp and movement of a group of 15-20 armed cadres including female cadre near village Dabuguda. They were carrying automatic weapons and some were in olive green Maoist uniform. They had raised the CPI (Maoist) flag and deployed sentry for their own security. When the security forces moved closer to the group, to observe the subversive activities by the CPI (Maoist) cadre, the sentries spotted them and immediately took cover and started indiscriminate firing using automatic weapons.

The Police party then immediately took cover and shouted the outlawed Maoists to lay down arms and surrender, in a loud and clear voice, in both Odia and Hindi language. Without adhering to the lawful direction of the police party, the armed Maoists started sudden unprovoked indiscriminate targeted firing from automatic weapons and mounted flanking attack thereby rendering the police party vulnerable to heavy fire from different directions. They also hurled grenades causing injuries to many commandoes. Un-wavered by the firing, police team leader divided the operational team into smaller teams and flanked the insurgents from both sides.

Accordingly, the left flank team under the leadership Hav. Pravin Thapaand the right flank team under the leadership of DVF personnel Jayaram Kabasi proceeded to retaliate the fire of the Maoists from the left side and right side respectively. Shri.Khilari Rishikesh Dnyandeo, Superintendent of Police, Malkangiri led the main assault team in a frontal challenge. Then the police team retaliated valiantly and opened controlled fire in their self defence, despite numerical disadvantage and severe terrain limitations with huge personal risk. The firing continued intermittently for about 45 minutes.During this exchange of fire, the Maoist insurgents heavily fired upon all the three teams (i.e. the right flank, left flank and the main assault team) of the police party, as well as lobbed grenades on the main assault team.

The whole operation not only resulted in thwarting the subversive and anti-national, sinister designs of the Maoists but also during subsequent search BSF on 10.02.2012 in which 4 BSF personnel including Commandant, 107 Bn. and Dty. Commandant and 2 other personnel were martyred and weapons were looted (Chitrakonda PS Case No.7/2012 u/s 147/ 148/121/ 121-A/ 122/ 124-A/ 324/ 326/ 307/ 395/ 149 IPC/ 25/27 Arms Act/ 17 Cr.L.A. Act/ 3/4/5 E.S. Act/ 10/13/ 16/18/ UAP Act), (vi) day light murder of SI K.Ch. Rath of Mudalipada PS at Khairput Market on 22.03.2012 (Mudalipada PS Case No. 12/2012 u/s 147/ 148/ 121/ 121-A/ 124-A/ 307/ 302/ 149 IPC/ 25/ 27 Arms Act/17 Cr.L.A.Act/ 16/18/ 20 UAP Act) and (vii) Murder of Ex-MLA Sri K.S.Rao and former MLA Sri S.Soma of Andhra Pradesh on 23.09.2018 near Thutangi village, Arku Valley, Visakhapatnam.

During the whole process of operation staring from collection of intelligence, planning, dropping, execution, monitoring, supervision, retreat of the team adhering to the SOPs and the constant effort of the team work is praiseworthy. The following officers and men have displayed high degree of analytical skills and exhibited extreme risk-takingcapability in the analysis of intelligence, planning of operation, along with determination and grit in getting teams ready in no time, detailed briefing, accurate dropping, close monitoring along with constant guidance to participating teams during the entire operation. Finally,they showed the ultimate courage and determination in the operation, in the face of enemy,even by risking their lives in the line of duty in the service of the nation. Any one of these following officer's and men's contribution can't be undermined or compared with each other as each one has shown exemplary grit, zeal and determination in their respective task during the operation for the motherland. It was only due to theirsincerity, hard work, dedication and due diligence, the operation was surgically successful.

After operation, one male dead body with gunshot injuries was recovered along with sophisticated weapons such as one AK-47 rifle, two magazines of AK-47 with 48 live rounds, one .303 rifle with magazine and 43 live rounds, two walky

talky sets, six kitbags, IED/bomb making materials, Maoist literature, medicines and other miscellaneous items. However, during the operation, one of the commandos of the police team OAPF Jayaram Kabasi got Martyred,at the spot, due to gunshot injuries sustained due to the firing by the Maoists, after fighting gallantly and bravely to save the lives of other police personnel. Another Commando RamuDurua also sustained bullet injury on his chest. In this connection Mudulipada PS Case No.54/2019 Dated.28.08.2019 U/S-120(B)/121/121 (A)/124(A)/307/302/149 IPC/ 25/27 Arms Act/ 17 Cr.L.A. Act/16 (1) (a) (b)/18 (A)/20 UAP Act/4/5 E.S. Act was registered and is under investigation. Later thedead Maoist was identified as dreaded Rakesh Sodi, DCM and Commander of AOB Military Platoon.

In this operation, S/Shri Late Jayaram Kabasi, OAPF, Rishikesh Dnyandeo Khilari, IPS, Superintendent of Police, Ramu Durua, OAPF, Bandhu Hantal, Constable, Ghenu Hantal, Constable, Pravin Thapa, Havildar, Rajesh Biswakarma, Havildar, Jeevan Shahi, Constable and Ousadhinath Behera, Constable of Odisha police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/08/2019.

(File No.-11020/38/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 270—Pres/2022—The President is pleased to award the 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Uttar Pradesh:—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Prashant Kumar, IPS	Additional Director General	2nd BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18-02-2020 afternoon at 16:25 hrs, Shri Prashant Kumar IPS, Additional Director General of Police Meerut Zone, Uttar Pradesh and Shri Ajay Kumar Sahni IPS, Senior Superintendent of Police Meerut, U.P. received information from district police control room on wireless about the firing incident by criminals in a flat in Arc City, a densely populated residential township under the police station Kankarkhera. Immediately they rushed to the location.

Shri Jitendra Kumar, Circle Officer Daurala and Shri Brijendra Pal Rana SHO Police Station Kankarkhera were already there on a tip off from reliable informer about the presence of criminals.

The criminal was firing intermittently through the window of lsl floor of the flat Shri Prashant Kumar ADG took command of the operation. He promptly evaluated the situation and deployed the police force in a strategic manner. The criminal was challenged by ADG Prashant Kumar and his team to stop firing and surrender but the criminal continued the firing.

Shri Prashant Kumar and his team undeterred by the life threatening firing by the criminal moved upstairs to nab the criminal. In this process they were hit by the indiscriminate firing of the criminal. However Shri Prashant Kumar ADG Meerut Zone and Shri Ajay Kumar Sahni SSP Meerut were not injured as they were wearing bullet proof jackets, but Shri Jitendra Kumar Circle Officer, Daurala got injured.

Inspite of this Shri Prashant Kumar ADG with his team tactically rallied towards the criminal firing in self defense injuring the criminal. The injured criminal was later identified as a dreaded robber, notorious interstate gangster named Shiv Shakti Naidu S/o Shri Kalidas R/o H-l, DDA flat, Gali No. 25, PS Ambedkar nagar, district South East Delhi on whom a reward of Rs 1,00,000 was proclaimed. Later he succumbed to his injuries.

During police search after the incident sophisticated factory made one automatic 9 mm carbine, one 12 bore DBBL gun and its ammunitions and one looted white colour fortuner car were successfully recovered.

On 23.12.2005 the notorious dead criminal had killed one head constable Ram Singh Meena of Delhi Police by indiscriminately firing inside the court premises and he was also responsible for broad daylight cash robbery in Delhi from the company of Cinestar Smt. Shilpa Shetty's husband. He was also detained under MCOCA for many years.

In this operation, Shri Prashant Kumar, IPS, Additional Director General of Uttar Pradesh police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/02/2020.

(File No.-11020/99/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 271—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Border Security Force (BSF):—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Anand Oran	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.08.2019, No. 130853619 Ct Anand Oraon and No. 120604069 Ct Suresh Chand were detailed for 2nd Shift ACP duty (00:01 to 06:00) at ACP point No. 04 & 5B respectively at BOP Gobardha, Ex-153 Bn BSF. At about 01:45 hrs, they observed movementof 10-12 cattle moving towards India to Bangladesh side. Smugglers were in aggressive posture carrying sharp edged Dah and Lathis. Ct Anand Oraon challenged them to stop but they didn't pay any heed, rather they attacked the ACP party with lathi and pelted stones on Ct Anand Oraon. Ct Anand Oraon immediately informed flanking ACPs and QRT (through radio set) for reinforcement. Then scuffle took place between Ct Anand Oraon and one BD smuggler. Meanwhile, Ct Suresh Chand who was performing duty in adjacent ACP point rushed towards Ct Anand Oraon for help. During the scuffle, BD smuggler caught hold of the PAG of Ct Anand Oraon from its butt side and in the process of snatching of PAG by BD smuggler, trigger of PAG got pressed by BD smuggler and one round of PAG (Lot KF-12) But No. 04 12162-A, got fired, which hit Ct Anand Oraon. As a result, Ct Anand Oraon sustained injury in left side waist line below the abdomen. Even after receiving serious injury, Ct Anand Oraon didn't lose his grip from PAG and caught hold of the BD smuggler. In the mean time, Ct Suresh Chand from flanking ACP and QRT party of BOP Gobardah also reached the P.O.O. and over powered the BD smugglers. Thereafter, Ct Anand Oraon was immediately evacuated to hospital for treatment and was operated at Medica Super Speciality Hospital, Kolkata.

During thorough search of whole area, 10 cattle aprox. value Rs. 83,690/-, 02 lathis and 01 dah were seized from the P.O.O. and 01 BD smuggler namely Mintu Sardar, Age approx.- 25 years (Muslim/Male) S/o Noor Islam, resident of village-Jahanabad, PO+PS+Distt- Satkhira, Bangladesh was apprehended.

In this operation, Shri Anand Oran, Constable of BSF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/08/2019.

(File No.-11020/80/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 272—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Border Security Force (BSF):—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Sunder Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.01.2021, 2nd shift ACP party of BOP Kistopur consisting of No. 886888055 ASI/GD Rakesh Kumar alongwith 09 ORs were detailed from 00:01 hours to 06:00 hours to dominate the area through Ambush-cum-patrolling (ACP) in the general area of BP No. 198/4-S to BP No.200/1-S.

At about 03:20 hours, ASI/GD Rakesh Kumar while patrolling along the IBB road observed some suspicious movement of 2-3 persons on IBB road near IBB fence gate No. 49 who were throwing something over IBB fence towards Bangladesh side. He immediately shouted loudly "Pakro-Pakro" and challenged them to stop but Indian smugglers ran away taking advantage of darkness.

On hearing the sound of his ACP Cdr, No. 012213263 Const/GD Sunder Singh who was performing duties ahead of IBB fence ran towards gate No. 49 and observed presence of 02 BD mugglers ahead of IBB fence. On seeing CT/GD approaching towards them, both the BD miscreants started running back towards BD side. Const Sunder Singh challenged them to stop and also chased them for approx. 40 mtrs. While chasing them, Const Sunder Singh also observed that 3-4 more BD misr.rpants were hiding in nearby bushes. On seeing alone BSF Jawan running towards them, 5-6 BD smugglers encircled him. The BD smugglers were holding sharp edged weapons in their hands. On finding himself beleaguered by smugglers, CT sunder Singh halted for a while, loaded his Rifle and assessed the situation. Meanwhile, one of the Bangladeshi smuggler threw flashlight of his torch in his eyes that dazzled his eyes for few seconds. After making him virtually blind for a while, one of the smugglers jumped ana hit severely on ms nead while another one grabbed him and tried to snatch his weapon. Despite being surrounded by Bangladeshi smugglers, Const Sunder Singh disengaged himself and did not react panically but fired one round only in self defence with intention to keep other smugglers away from his body and weapon. His tactics worked and other smugglers, though did not run away instantly but did not dare come close to him. However, the Bangladeshi smugglers who were trying to snatch his weapon left the weapon in fear. The smuggler who had hit Const Sunder Singh on his head, once again tried to hit him but this time CT Sunder Singh not only dodged his attack but also counter-attacked him with his Rifle Butt inspite of being injured. The smuggler could not withstand his attack and fell down. Const Sunder Singh jumped on him and grabbed him tightly. Meanwhile, flanking BSF personnel on duty also rushed towards the spot. Seeing the other BSF personnel approaching towards them, other Bangladeshi smugglers fled away. Inspite of his injury, CT Sunder Singh did not allow the struggling smuggler to escape.

When flanking BSF personnel reached the spot, they took BD miscreant under arrest and Const Sunder Singh was evacuated to Combined Hospital SHQ BSF Malda after giving first aid.

The sensible swift and gallant action by Const Sunder Singh not only apprehended one BD miscreant by using minimum force but also seized 175 bottles of phensedyl, one Mobile Phone, one iron dah and one metal torch. The apprehension of BD smuggler and seizure of mobile will further help in investigation to find out his accomplices on either side of IB.

No. 012213263 Const Sunder Singh remained focused, confident in his abilities and appreciated the situation very well throughout the incident. His personal fitness and well drilled approach to everything he did, played a big part in foiling this attempt of smuggling. While performing the duties, he put aside his personal safety, followed the non lethal approach and used minimum force in executing the operation. Despite sustaining injury on head and being alone in this face-off with smugglers, Const Sunder Singh manifested impeccable determination, professional acumen of un-armed combat and exceptional act of bravery to challenge 5-6 smugglers alone.

In this operation, Shri Sunder Singh, Constable of BSF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/01/2021.

(File No.-11020/203/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 273—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Rohit Tiwari	Assistant Commandant	PMG
2	Ganesh Halder	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The input was received about the presence of 8-10 dreaded Maoists cadres, armed with sophisticated weapons, led by Dinesh Gope (PLFI Supremo) & Gujju Gope (Zonal Commander) in the hilly/forest area of PS Raniya, Dist Khunti,

Jharkhand. Immediately, an operation was planned by 209 CoBRA, duly analyzing the terrain, escape route, probable hideout and element of synchronization among operating teams. 03 teams, comprising of 06 Teams, were detailed to carry out this challenging mission of Search & Destroy.

Sh Rohit Tiwari, AC was leading team No.-17 of team-1. After a detailed briefing, the troops left for the target area from HQ 209 CoBRA at 2350 h on 13 Feb 19. Teams moved one by one, maintaining a time gap. Team No.-17 was leading the advance. Sh Rohit Tiwari, AC, with his team, skillfully leading from the front and navigating through the dense forest areas/hilly terrain in pitch night, amid the hostile conditions. He was also ensuring synchronization of overall movement, maintaining complete stealth & surprise.

Getting nearer to the marked target, Sh Rohit Tiwari, AC alerted his scout group, observed the terrain ahead and continued his advance with utmost stealth, minimizing the sound of dry leaves & rolling stones. The movement was getting hostile with brimming daylight. During the advance, some suspicious movement was noticed ahead on the slope of the ridge, through the thick vegetation & undergrowth as the first ray struck the horizon.

Sparing no time Sh Rohit Tiwari, AC relayed his position to commanders of team-1 & 2, simultaneously, signaled his troopers to freeze and observe the movement closely. Suddenly, some Naxals, under the cover of the tree trunk, were spotted. Sh Rohit Tiwari, AC in no time, relayed the position of Naxals to other teams and asked them to plug the probable escape routes. Naxals were well entrenched in a fortified location. Sensing the movement of troops close to them, they, unleashed a volley of fire upon them. With the fire of the first bullet shot out of the ANE's barrel Sh Rohit Tiwari, AC realized that the firepower was from a motley of sophisticated weapons. Immediately, he along with his team took position and challenged the Naxals to surrender. However, they did not pay any heed to it and kept on firing indiscriminately with lethal automatic weapons. Hence, with no option left, troops retaliated the attack in a controlled manner.

Sh Rohit Tiwari, AC was in no mood to let the adversaries slip away. Amidst the roaring guns and flying bullets, he, with HC/GD Ganesh Haider, held the ground and fiercely counter-attacked the Naxals. The reverberating echo of the gunfire turned the otherwise calm jungle into a fierce battle zone and death started hovering around to get its prey at any moment.

Meanwhile, the other teams were asked to cover the Maoists from the flanks. The duo was in the direct line of fire of Maoists and retaliating bravely against the enemy. Sh Rohit Tiwari, AC was well aware that his fellow troopers could not support them as they have occupied the tactical escape points; leaving which would have jeopardized the safety of the whole team. Hence, with fewer choices and no time, he decided to take the Maoists in the head-on battle. Within a moment, he, defying all the fatal threats, sprang out of his cover and opened the barrage of bullets on the Naxals positions. While firing he directed his scouts to attack the Naxals from flanks. Following the footsteps of his brave commander, HC/GD Ganesh Haider also moved daringly amid the flying bullets and charged upon the Maoists.

As said, "Fortune favors the brave" this day, the duo were determined to flip every coin their way. The audacious counter-attack from the duo awestricken the Naxals. They intensified their firing upon them to break their strength and the advance. However, the duos were not the ones to be intimidated. They, defying all the odds, continued their counter-attack and the advance. Seeing the bravado of the duos, fear crept in Naxal's side as their bullets lost its pace and they prepared for retreat. Sensing their plan and hammering the last nail in the coffin, Sh Rohit Tiwari, AC with HC/GD Ganesh Haider, launched a full- fledged counter-offensive in a controlled manner, keeping the position of other troops in mind. The ferocious onslaught from the duos resulted in the killing of one armed Naxal, equipped with a foreign-made HK-33 rifle.

They did not stop here. After devastating their defense, the duos chased the fleeing Naxals but could not get them as they managed to escape from the site taking advantage of the ground. Soon the rear troops after covering the flanks also reached the spot and secured the site.

In this operation, S/Shri Rohit Tiwari, Assistant Commandant and Ganesh Halder, Head Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/02/2019.

(File No.-11020/62/2020-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 274—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Sanjeet Kumar Singh	Assistant Commandant	PMG
2	Late Rohit Kumar	Constable	PMG (Posthumously)
3	Vinit Ashok Meshram	Assistant Commandant	PMG
4	Hanuman Ram	Assistant Commandant	PMG
5	Ajay Singh	Sub Inspector	PMG
6	Sudhir Kumar	Sub Inspector	PMG
7	Balbir Kumar Singh	Head Constable	PMG
8	Mukesh Kumar Ranjan	Constable	PMG
9	Abhishek Kumar	Constable	PMG
10	Vijay Oraon	Constable	PMG
11	Kamthe Somnath Popatrao	Constable	PMG
12	Bhim Singh	Constable	PMG
13	Kumbhar Nitin Sadashiv	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

An input was received by 209 CoBRA, about the presence of a group of PLFI armed cadres, led by Dinesh Gope, Zonal Commander in the hill/forest area of vill Dumartoli/Aamtoli, PS Kamdara, Gumla, Jharkhand. Accordingly, an operation was planned to nab the Naxals. Two Strike Teams were tasked to execute the operation.

On 23 Feb 19, both strike teams moved towards the core area, negotiating undulating ground, boulders, thick vegetation and undergrowth, and reached close to the target area before day break. Analysing the terrain, the party commander placed tactical cut offs on the probable escape routes around the target area. The Naxals, positioned behind the boulders, sensed the presence of SF and unleashed a volley of fire on the scouts, Ct/GD Vijay Oraon and HC/GD Balbir Kumar Singh.

Immediately, the Team Commander, Sh Sanjeet Kumar Singh, AC, alerted the troops and scanned the area and spotted 06-08 armed cadres, firing upon the troops. He challenged them to surrender, but in vain. The naxals kept firing, indiscriminately, with lethal automatic weapons. Sh Sanjeet Kumar Singh, AC, decided to first support the scouts and, accordingly, he, along with Ct/GD Abhishek Kumar and Ct/GD Kumbhar Nitin Sadashiv, advanced towards them to augment the counter attack. Amidst raining bullets, they joined the scouts and started engaging the Naxals, in a head-on battle.

As the Naxals were positioned behind fortified defense, the counter attack was not proving effective. Meanwhile, Sh Sanjeet Kumar Singh, AC, located a nearby dominating position, from where Naxals could be targeted more effectively. He indicated the position to the scouts and rushed towards the site, under the cover fire of Ct/GD Abhishek Kumar and Ct/GD Kumbhar Nitin Sadashiv, along with HC/GD Balbir Kumar Singh and Ct/GD Vijay Oraon. Amidst raining bullets, the trio occupied the dominating position and launched an audacious counter attack on the Naxals, devastating the Naxal defense and injured many of them. The Naxals started retreating and tried to escape from the site.

Sh Sanjeet Kumar Singh, AC, along with his small team, chased the fleeing Naxals, simultaneously alerting the nearby troops to block their escape. SI/GD Ajay Singh, positioned as cut off, immediately maneuvered his team's position towards the direction of fleeing Naxals and intercepted them. Meanwhile, Sh Sanjeet Kumar Singh, AC, along with his SAT also reached close to the fleeing Naxals. From one side SI/GD Ajay Singh, along with Ct/GD Mukesh Kumar Ranjan, Ct/GD Rohit Kumar and Ct/GD Bhim Singh and from the other, Sh Sanjeet Kumar Singh, AC, along with his team, surrounded the Naxals. In a desperate attempt to escape, they opened indiscriminate firing upon the troops. Our troops retaliated bravely and neutralized 02 armed cadres. The remaining Naxals, however, managed to escape from the site, using the undulating ground and vegetation.

By now, Sh Vinit Ashok Meshram, AC, leading the Strike Team 2 had comprehended the enemy's position. He discussed the situation with his fellow team Commander Sh Hanuman, AC, and covered the probable escape routes. Meanwhile, Sh Hanuman Ram, AC spotted a few Naxals, trying to sneak from the area. He challenged them to stop and surrender, but in vain. Naxals opened a heavy fire upon the troops. Sh Hanuman Ram, AC, along with troops maneuvered his position, using fire & move tactics, to hit the Naxals. He charged upon the Naxals and injured a few. Once again, the Naxals retreated, but in a different direction.

While the Naxals were surreptitiously trying to escape from the area, they were spotted by SI/GD Sudhir Kumar and Ct/GD Kamthe Somnath Popatrao. SI/GD Sudhir Kumar immediately relayed the information to Sh Vinit Ashok Meshram, AC, and rushed towards the Naxals, along with Ct/GD Kamthe Somnath Popatrao. Meanwhile Sh Vinit Ashok Meshram, AC, also moved in this direction. On seeing their advance, the Naxals opened indiscriminate fire. Sh Vinit Ashok Meshram, AC, along with SI/GD Sudhir Kumar and Ct/GD Kamthe Somnath Popatrao, crawled towards the Naxal position and charged upon them. The audacious onslaught, by the gallant troops, landed Naxals in a helter-skelter state. With their accurate fire, the trio neutralized one armed cadre and injured many others. The encounter continued for about an hour, followed by stray incessant firing from different directions.

Once the firing stopped completely, an exhaustive search of the area was carried out by the troops. During the search, troops recovered three dead bodies of Naxals along with two AK 47 rifles, two .315 rifles, three pistols, a huge cache of assorted ammunition, and miscellaneous incriminating items.

In this operation, S/Shri Sanjeet Kumar Singh, Assistant Commandant, Late Rohit Kumar, Constable, Vinit Ashok Meshram, Assistant Commandant, Hanuman Ram, Assistant Commandant, Ajay Singh, Sub Inspector, Sudhir Kumar, Sub Inspector, Balbir Kumar Singh, Head Constable, Mukesh Kumar Ranjan, Constable, Abhishek Kumar, Constable, Vijay Oraon, Constable, Kamthe Somnath Popatrao, Constable, Bhim Singh, Constable and Kumbhar Nitin Sadashiv, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/02/2019.

(File No.-11020/69/2020-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 275—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Vishal Kandwal	Commandant	PMG
2	Ajay Baro	Constable	PMG
3	Chandan Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17 June 20, based on information about the presence of 4 terrorists, a CASO was launched at about 2330 h, in Mir Mohalla of village Pinjoora, PS & dist. Shopian, J&K, by 14 CRPF, SOG Shopian/JKP and 44 RR. Sh Vishal Kandwal, Comdt. 14 CRPF, along with joint troops reached the target area and laid a cordon, around the suspected target area.

The presence of terrorists was confirmed and accordingly cordon/cut-off were tightened, to prevent their escape. An appeal was made by Police for the surrender of terrorists, but they did not respond. A search party comprising of Sh Vishal Kandwal, Comdt, Ct/GD Chandan Kumar, SOG and RR moved towards the target houses. When the search party was approaching the target houses, 03 terrorists tried to sneak out of the houses, but their movements were noticed by the search party and were challenged. The terrorist opened fire on the search party in which 03 personnel of RR got injured. They were immediately evacuated by joint troops.

Shri Vishal Kandwal, Comdt and his team continued to engage the terrorists due to which they could not break the inner cordon. In this gunflght, one terrorist was killed. The other terrorists managed to run back to the house again, taking advantage of the terrain and darkness. The encounter continued for a short while.

The terrorists were positioned in two double-storied concrete buildings with 12 feet tin sheet view cutter. Amidst heavy fire, the terrorists again tried to escape, but could not due to strong and tactical cordon placed by joint troops. Heavy

exchange of lire between terrorists and SFs continued till 08:30 h in which two more terrorists were eliminated by the troops. However, one terrorist was still firing towards troops, from various positions. At this juncture, Sh Vishal Kandwal, Comdt and his team moved closer to the target house and opened targeted firing on the terrorist. Due to heavy firing, the target house caught fire and the terrorist jumped out from the house to escape. Sh Vishal Kandwal, Comdt and his buddy Ct/GD Ajay Baro along with Ct/GD Chandan Kumar, engaged the terrorist and neutralised him in a close-quarter gunfight.

During the post-encounter search, the dead bodies of 04 terrorists were recovered. They were later identified as Rayees Ahmed Khan@ Immad Khan, Category A+, of HM, Umer Ahmad Dhobi, Category B, of HM, Saqlain Amin, Category C, of HM and Wakeel Ahmed Naik, Category C, of HM. 1 SLR, 2 AK-56 Rifle 1 Pistol, magazines, ammunition, Hand Grenades, and other miscellaneous items were also recovered from the encounter site.

In this operation, S/Shri Vishal Kandwal, Commandant, Ajay Baro, Constable and Chandan Kumar, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/06/2020.

(File No.-11020/90/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 276—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Akhand Pratap Singh	Assistant Commandant	PMG
2	Swarna Gayary	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24 Apr 20, at about 23:00 h, input was received from SSP Awantipora about the presence of 2-3 heavily armed terrorists, in the village Goripora under PS Awantipora, Dist. Pulwama, J&K. Accordingly, a CASO was conducted by 130 CRPF,_50 RR and. SOG/JKP. Shri Akhand Pratap Singh, AC was directed to move with CTT 130 CRPF, for the op. The troops cordoned off the suspected cluster of approx 5-6 houses of village Goripora. Then, at about 0345 h, a lead from an OGW indicated the presence of a hideout in the jungle area, located at the end of the South-East portion of village Goripora.

It was really a tough and challenging engagement for the troops in the inner cordon who were exposed due to paddy fields on almost three sides of the hideout. The CTT 130 CRPF was divided into 02 teams. Team 1, led by Shri Akhand Pratap Singh, AC advanced from the left of the target area, while Team 2, led by HC/GD Nand Kishore provided tactical cover to Team 1. At around 0425 h, the search commenced and when Shri Akhand Pratap Singh, AC along with his team started advancing towards the suspected hideout, terrorists attacked them using grenades, followed by indiscriminate firing. Troops immediately took position and effectively retaliated the attack.

Amidst the ongoing exchange of fire, terrorists came out of the hideouts and positioned themselves very tactically in the dug-up trenches and were continuously firing. Team 1 was directly exposed to the firing of terrorists. Defying the impending grave threats, they tactically moved towards the terrorists, under covering fire of Team 2. Shri Akhand Pratap Singh, AC, displaying excellent battle craft, reached close to the terrorist's position and spotted one of them, who was indiscriminately firing towards Team 1. Acting promptly, he manoeuvred his position and charged towards the terrorist, along with his buddy HC/GD Swarna Gayary. The duo, with their effective firing, neutralised the terrorist, from a close quarter. The encounter continued with the remaining terrorists for some more time, wherein, the SF neutralised all of them and the encounter stopped.

During the search, the dead bodies of 3 terrorists were recovered, who were later identified as Shahid Manzoor Pinchoo @ Rizwan Bhai, Categoiy "C", Shafat Ahmad Mir, Category "C" and Mansoor Ahmad Sofi, OGW. All terrorists were from HM outfit. 1 AK-47 Rifle, 1 Pistol 9mm, 2 UBGL Launcher, magazines, ammunition, Hand Grenade and miscellaneous other items, including Rs 30,000 cash were also recovered from the encounter site.

In this operation, S/Shri Akhand Pratap Singh, Assistant Commandant and Swarna Gayary, Head Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/04/2020.

(File No.-11020/95/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 277—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Satnam Singh	Constable	1st BAR TO PMG
2	Jayanta Hajong	Constable	PMG
3	Saroj Kumar Pradhan	Constable	PMG
4	Rakesh Patil	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30 Jul 19, at around 16:15 h, a joint CASO was launched in village Katoo, PS Bijbehara, Distt Anantnag, by JKP, 3 RR and 90 CRPF based on information that JeM terrorist Fayaz Ahmed Thoker along with another terrorist was hiding there. QAT 90 CRPF with SOG Anantnag and 3 RR cordoned off two suspected houses in the village by 1655 h.

Four firing parties were deployed around the two-storied building situated amidst dense orchards on the outskirts of Katoo village. Ct/GD Satnam Singh and Ct/GD Rakesh Patil were placed on the western axis of the house, Sh Hemant Kumar, 2 IC Ops 90 CRPF along with his party, on the eastern axis and Ct/GD Jayanta Hajong and Ct/GD Saroj Kumar Pradhan on the southern part of the house. The northern part of the house was covered by SOG and 3 RR.

After cordoning off the house, the owner with his family members and occupants of nearby houses were taken to a safer place. An announcement was made to the terrorists to surrender, but they did not respond. At around 1720 h, a joint room intervention party approached the entrance of the target house. The terrorist opened fire on this party from the first floor. Troops immediately took position and retaliated the attack.

To break the cordon and escape into the orchards, the terrorists suddenly appeared from the west door of the house and attacked the troops. Ct/GD Satnam Singh and Ct/GD Rakesh Patil, positioned there, were alert and immediately swung into action. Undeterred by the terrorists' fire and despite the grave threat to their lives, the duo rose from their position and fired towards the terrorists, killing one of them. Meanwhile, the other terrorist ran towards the southern part of the house when he came face-to-face with the party of Ct/GD Jayanta Hajong and Ct/GD Saroj Kumar Pradhan. A fierce encounter, at a close quarter, ensued, wherein Ct/GD Jayanta Hajong and Ct/GD Saroj Kumar Pradhan, displaying exemplary courage, charged towards the terrorist. With their accurate firing, they neutralised the terrorist, before he could escape, from the site.

During post-encounter search, dead bodies of 2 terrorists namely Shaan Showkat Bhat, R/o Aswara, PS Bijbehara, Distt Anantnag, Cat B of JeM and Fayaz Ahmad Thoker R/o Panzoo, Tral, Cat C of JeM were recovered from the site. 1 AK 47 Rifle, 1 Pistol, magazines, and ammunition were recovered from the possession of slain terrorists.

In this operation, S/Shri Satnam Singh, Constable, Jayanta Hajong, Constable, Saroj Kumar Pradhan, Constable and Rakesh Patil, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/07/2019.

(File No.-11020/175/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 278—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Late Deep Chand Verma	Head Constable	PMG (Posthumously)
2	Johan Beck	Assistant Commandant	PMG
3	D Ayyappan	Constable	PMG
4	Chaware Nilesh Ramesh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01/07/2020, 02 Sections of G/179 Bn CRPF U/C Sh. Johan Beck, A/C along with personnel of JKP were deputed for Naka/C.I. Ops duty at Model Town, Nowpora Crossing, Sopore, Baramulla (J&K). At about 0730 hrs, while the troops were deploying at their duty points and setting up a Mobile B.P. morcha, unknown terrorists who were already positioned in a Mosque overlooking the crossing opened indiscriminate fire on them. No.031503039 HC/GD Deep Chand Verma indentified the terrorists firing from the Mosque and immediately took position near a Chinar tree and returned the fire. He was in the direct line of fire of the terrorists. During this firing, HC/GD Deep Chand Verma was hit by the terrorist's bullets, but he kept on firing at the terrorists even after being injured. Later he succumbed to his injuries. The timely retaliation and engagement of terrorists by HC/GD Deep Chand Verma enabled Shri Johan Beck, A/C, No.981160918 CT/GD D. Ayyappan and No.055214758 CT/GD Chaware Nilesh Ramesh to take their positions and launch a counter attack.

Due to heavy fire from the Mosque, Sh. Johan Beck, A/C took position at the back side of BP Gypsy placed near crossing and immediately retaliated. No.981160918 CT/GD D. Ayyappan tactically ran across the road near the BP Truck which was parked opposite side of the road and took his position on the side of BP Truck and engaged the terrorists from another angle with heavy fire. There after CT/GD D. Ayyappan changed his position tactically and continuously kept firing on the terrorists and saved the troops from heavy losses. No.055214758 CT/GD Chaware Nilesh Ramesh took position at the back side of Mosque from where the terrorists were firing on troops and was the possible escape route of terrorists.

During the fire on the terrorists who were attempting to escape by firing, CT/GD Chaware Nilesh Ramesh got hit by the terrorist's bullet on his right hand. After injuring CT/GD Chaware Nilesh Ramesh, the terrorists jumped over the tin sheet boundaries and escaped. CT/GD Chaware Nilesh Ramesh kept on firing. The exchange of fire continued for approx 15 to 20 minutes in which the terrorists were also hit which was ascertained from the blood trails found on the spot. The troops engaged the terrorists effectively, which compelled the terrorists to withdraw. No.031503039 HC/GD Deep Chand Verma attained martyrdom in the line of duty in keeping with the highest traditions of the Force.

During this operation No.031503039 Shaheed HC/GD Deep Chand Verma, Sh. Johan Beck, A/C (IRLA-11174), No.055214758 CT/GD Chaware Nilesh Ramesh and No. 981160918 CT/GD D. Ayyappan of 179 Bn, exhibited the highest degree of valour, dedication to duty, professionalism and exemplary courage. Their courage, presence of mind, fearlessness and selfless action saved the lives of the troops under attack. Further, 02 AK Magazines, 20 AK rounds (7.62x39 mm) and 52 empty AK cases (7.62x39 mm) were recovered.

In this operation, S/Shri Late Deep Chand Verma, Head Constable, Johan Beck, Assistant Commandant, D Ayyappan, Constable and Chaware Nilesh Ramesh, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/07/2020.

(File No.-11020/181/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 279—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Late Shri Kanai Majee	Constable	PMG (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18 Feb 20, based on an input regarding a large gathering of armed Maoists of PLGA Bn 1 and CRC members, in the jungle area of village Salatong, of Sukma District, an op was launched by 9 teams of 208 CoBRA, from Palodi Camp, PS Kistaram, at about 15:50 h.

All teams advanced towards the target area, moving cross country, with Team No 14 leading. As the teams covered about 1.7 km distance from Palodi Camp, a sudden volley of fire came upon Team No 14, from North and North West. The Maoists were firing and shelling indiscriminately, at the CoBRA troops, using automatic weapons and bombs.

The troops immediately took positions and retaliated the attack. The Party Commander realized that they had walked into an ambush and were caught in the killing zone. At this critical juncture, he directed a counter attack, motivating his troops to take on the Maoists. During the fierce exchange of fire, Scout Ct/GD Inderjeet Singh got hit, over the proximal thigh. Despite suffering bullet injuiy and bleeding profusely, the brave commando continued the counter attack. Seeing the scout injured, party commander Sh Brijesh Kumar Dubey, DC, rushed towards him along with his buddy Ct/GD Kanai Majee, to support his position and evacuate him for medical aid.

Amidst the flying bullets, the CoBRA commandos, using fire and move tactics, reached close to Ct/GD Inderjeet Singh, and charged towards the Maoists. Under the cover of fire, the duo started evacuating the injured commando. However, in the process, Ct/GD Kanai Majee also got hit. Displaying the grit of true warrior, Ct/GD Kanai Majee remained undeterred by his grievous injuries and continued to engage the Maoists. With the support provided by seriously injured Ct/GD Kanai Majee, who continued to fire at the Maoists, Sh Brijesh Kumar Dubey, DC, managed to drag Ct/GD Inderjeet Singh to safety. Thereafter, Ct/GD Kanai Majee, too, was evacuated.

Subsequently, the troops launched a full throttle counter attack and broke the Maoist ranks, devastating their defense, in a 45 minute long grueling exchange of fire. The Maoists fled from the spot, taking advantage of the thick vegetation. Interception of enemy communication suggested that 4 Maoists had been killed during this encounter. At around 1710 h, injured commandos were evacuated to Palodi Camp. Unfortunately, during the evacuation, Ct/GD Kanai Majee succumbed to his injury and attained martyrdom.

In this operation, Late Shri Kanai Majee, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/02/2020.

(File No.-11020/190/2021-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 280—Pres/2022—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Shri Narapat	Assistant Commandant	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based upon an intelligence input about the presence of a group of CPI Maoist cadres, led by Gangaloor LOS Commander Dinesh, in the general area of vill Pusnar, under PS Gangaloor, Distt Bijapur, Chhattisgarh and another group led by Rakesh Korsa, Commander, Gangaloor Area Committee and Military Company No 2, in the general area of

Mutuvandi under PS Gangaloor, a joint Search and Destroy Operation, for 2 days and 2 nights, was planned in the general area of villages Pusnar, Malur, Hirmagunda, Irsametta, Kawadgaon, Kurus and Mutuvandi, under PS Gangaloor, Distt Bijapur, Chhattisgarh. Two teams of 204 CoBRA, led by Asstt Cdts Sh Narapat and Sh Karthik K, along with teams of state police and DRG were tasked to conduct the operation.

After weighing the opportunities and threats, the joint teams moved from the base camp at Gangaloor, on 04 Jan 18, at 2200 h, under the cover of darkness. Navigating through the thick forest and maintaining secrecy of movement, throughout the night, the joint teams reached a jungle, near vill Kawadgaon, before the first light. Thereafter, Asstt Cdts Sh Narapat and Sh Karthik K placed 3 parties, at 3 different points, to the south of vills Kawadgaon and village Mutuvandi, as per the plan, and moved towards village Mutuvandi to conduct Cordon and Search Operation, with two CoBRA teams.

Around 07:30 h, when the teams were negotiating a hillock close to their target, the scout, Ct/GD N Durgapathi, of Team No 6, suspected some movement atop. Immediately, he ducked behind a cover and as he had signaled the teams about the danger ahead, a fusillade of bullets came at him, followed by at the other team members. The timely detection of the ambush and quick reflexes of the team members saved the day as none got injured in the initial barrage of fire. The keen observation of Ct/GD N Durgapathi had prevented the teams from falling prey to the ambush of Maoists and entering the killing zone. Sh Karthik K, Asstt Comdt, who was leading the team, ordered his troops to retaliate so as to stop the Maoists from doing aimed fire and also to buy some time for locating the exact positions of Maoists. Once he located the open flank of the ambush, he alongwith SI/GD Brijanand Kumar Singh and Ct/GD N Durgapathi, advanced from the area under incessant fire to a position of advantage. Simultaneously, Sh Narapat, Asstt Comdt along with a small team, also moved towards, the Maoists, from the other side.

Once the tactical ground was occupied, Sh Karthik K, Asstt Comdt, SI/GD Brijanand Kumar Singh and Ct/GD N Durgapathi opened a new front of engagement and fired heavily at the Maoists. The opening of new front, at the open flank, a forced the Maoists to shift to cover the flank. Taking advantage of the hiatus and the newly created gap, Sh Narapat, AC, along with his buddy Ct/GD Sandeep Sharma, crawled tactically towards the Maoists, despite continuous firing coming at him. The duo rained havoc towards the Maoists, with their effective fire. Their courage and audacity the spirit of fellow teammates and they too began taking chances of making an advance. The surge of troops sagged the morale of the Maoists and disorder ran through their ranks. Taking advantage, the trio of Shri Karthik K, Asstt Comdt; SI/GD Brijanand Kumar Singh and Ct/GD N Durgapathi moved out of their cover, crawled closer to the Maoists positions and in a close quarter battle gunned down a Maoist. The falling of defense, at the flank, and continued advance of the troops from two directions and sustaining of bullet injuries by some of the cadres forced the Maoists to make a hasty retreat. The pursuit by Sh Karthik K, Asstt Comdt, and Sh Narapat, Asstt Comdt along with a small team continued for 1 km, courageously, despite retaliatory shots coming from the Maoists.

During re-organization and post encounter search, troops recovered 2 dead bodies of CPI Maoist, in black military uniform, viz Oram Kranti @ Shanti Punem @ Karna (23 yrs, Female) R/o of village Savnar, an armed CPI (Maoist) cadre working in Military Coy No 2 and Dodi Budhram @ Raju Hemlp @ Sudhra (23 yrs, Male) R/o village Savnar, LOS commander and member of Gangaloor Area Committee, along with one .303 Rifle, one 12 Bore Gun, one Pistol, ammunition and other incriminating items. Several blood spots were also noticed at the encounter site and on the route of escape, which indicated that many more Maoists were injured during the Fierce encounter.

In this operation, Shri Narapat, Assistant Commandant of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/01/2018.

(File No.-11020/198/2020-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 281—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Indo-Tibetan Border Police (ITBP):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Ashok Kumar	Assistant Commandant	PMG

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
2	Suresh Lal	Inspector	PMG
3	Neela Singh	Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Sh. Ashok Kumar, Assistant Commandant, Insp/GD Suresh Lal and SI/GD(Now Insp/GD) Neela Singh of 40th Bn were posted in 40 Bn ANO Duty. After completion of rigorous pre-induction training officer and SOs joined Anti Naxal Operation duty at COB Gatapar jungle for Anti Naxal Operation. All the three officials have participated in number of search, Combing and Area Domination Operations.

On 09 February 2018, based on the input regarding presence of 80-90 naxals in general area Katema , Naktighati and village Mahuadhar under police station Gatapar of Distt Rajnandgoan (Chhattisgarh), a joint Operation was planned by Comdt 40 Bn ITBP coordination with S.P. Rajnandgoan to search the area between Mahuadhar-Katema. The Ops code name Tridev-XII was launched from three (03) COBs namely COB Kanhargaon, COB Gatapar of 40, h Bn and COB Bortalao of 44th with CG Police and HAWK Force of M.P. The Ops party of Gatapar headed by Sh. Ashok Kumar, AC/GD, 40 Bn ITBP, was consisting of GO-01, SOs-07 & Ors-42 Total-50, DEF Rajnandgaon (SOs-03, Ors-06 Total-09) led by T.I. Inspector Laxman Kewat, DRG force of C.G. Police (SOs-02, Ors-24 Total-26) led by T.I. Inspector Nilesh Pandey of C.G. Police and HAWK force M.P. (So—01, ors-24 Total-25) was led by Sub Inspector Himmant Singh of HAWK.

At approximately 1100 hrs when the Ops party reached SQ-2576 M/S No.- 64 C/15 approx-15 KM short of Bodla village, the Ops party of DRG came under fire of approx 12-15 naxals at GR-255760 M/S No.-64 C/15. Sh. Ashok Kumar, AC/GD in co-ordination with CGP ops party laid a cordon encircling the naxals. While the ops party was in process, naxals opened fire upon ops party. Sh Ashok Kumar, AC/GD motivated own troops and continued cordoning the naxals by following basic tactics of fire and move and due precaution . To tackle the situation Sh. Ashok Kumar, AC/GD asked Insp/GD, Suresh Lal and SI/GD (Now Insp/GD) Neela Singh to come forward with troops who came under heavy volume of fire by the naxals. After getting instructions from party commander, Insp/GD Suresh Lal and SI/GD (Now Insp/GD) Neela Singh immediately came in action and analyzing the situation in a way to motivate the troops to come forwarded by taking safety precaution, started firing on naxals. The exchange of the fire between own ops party and naxals continued for almost 20 minutes.

The operation party led by Sh. Ashok Kumar , AC/GD cordoned the area and mounted extensive pressure over naxal, which resulted into killing of two (02) naxals followed by recovery of one 7.65 mm Pistol, two 12 bore Rifle with live ammunition and other items & equipment . Killed naxals were later identified as Vinod @ Devan Dy Cdr platoon, age approx-30 years from Garchiroli and Sagar member of platoon-55 age approx-25 years from Bijapur who were carrying cash reward of Rs-8 Lac and 2 Lac respectively on their name.

This success of the operation is attributed to the meticulous planning, precise implementation and exemplary valour of Sh. Ashok Kumar, AC/GD and his team consisting of by Insp/GD Suresh Lal and SI/GD (Now Insp/GD) Neela Singh as the party Cdr has taken calculated risks and his team members acted bravely while facing continuous close range firing from the naxals. The operation was conducted in a professional manner, following all tactical drills & effective fire control. The team could manage to get immense success without suffering casualty to own troops.

In this operation, S/Shri Ashok Kumar, Assistant Commandant, Suresh Lal, Inspector and Neela Singh, Sub Inspector of ITBP displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/02/2018.

(File No.-11020/04/2019 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 282—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry / 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Sashastra Seema Bal (SSB) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
1	Lalit Sah	Deputy Commandant	PMG

Sl. No.	Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
2	Narpat Singh	Assistant Commandant	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The gallant act of the aforementioned SSB and State Police officerS/officials proved at 06:55 Hrs. on 13.01.2019 followed by the most reliable information on 12.01.2019 with regard to planning to inflict major damage to Police personnel in the upcoming election, extortion of levy money, unleashing terror among villagers by none but the SAC member Vijayda @ Nandlal Majhi, Zonal Commander Talada @ Sahdeo Rai and their associates of CPI (Maoist), a banned outfit carrying deadly arms.

In pursuit of the information, SP Dumka convened a meeting with core commander including additional SP (OPS), Commanding officer 35th Bn. SSB Dumka, Shri R. C. Mishra, ASP(OPS), Shri Lalit Sah Dy. Commandant, 35th Bn., Shri Narpat Singh, Assistant Commandant (Now Dy. Commandant), 35th Bn., officer-in-charge Jama, PS S.I. Phagu Horo & others. A detailed Anti-naxal operation was planned involving officers, team members of Small Action Team (SAT) (SAT-1&2) & Jawans of District Police. The officers were asked to lead the striking teams along with SAT (1&2). SAT-1 commanded by Shri Narpat Singh, Dy. Commandant and SAT-2 commanded by Shri Lalit Sah, Dy. Commandant. On 13.01.2019 the striking team led by commanders moved on foot and after covering 15 Kms distance in the midnight reached Chattupara jungle area at around 0430 AM and started operating in that area. Eventually at 0655 AM, SAT-I & SAT-II witnessed a series of bullets fired upon them by CPI Maoist. All team members took the lying position and it was seen that approx 12-15 Naxals with automatic weapons in green OG dress were taking position and they were calling each other that Comrades *"take position and kill all the Policemen* SAT-1 Commander Shri Narpat Singh, Dy. Comdt. shouted at extremists explain their identity as police and asked them to surrender. Instead of surrendering, one of them extremists again started burst firing by targeting SAT-1. At the same time Shri Lalit Sah, Dy. Comdt. with his team SAT-2 from the right side shouted and called them to surrender but some of them change the direction of their barrels and started shower of bullets with latest sophisticated arms intimidating & intending to kill the Security Forces (SFs). They were hardcore Naxalties and their action was replicated by their associates and all were resorted to indiscriminate firing on Security Forces (SFs). The Security Forces (SFs) officer recurrently shouted at extremists asking them to stop firing and surrender, but defiant and determined extremists continued to fire while running towards a nullah for taking defense.

Forced by the situation, both of the leaders Shri Lalit Sah, Dy. Commandant and Shri Narpat Singh, Dy. Commandant communicated with each other and planned to advance in the heavy shower of the fire for saving the life of their team members and for neutralising the Naxalites to take their automatic weapons. Shri Lalit Sah, Dy. Comdt. with CT (GD) Arun Kumar crawled in undulated land, dense bushes without caring about themselves to save the life of their team members. At the same time Sh. Narpat Singh, Dy. Comdt and SI (District Police) Phagu Horo showed exemplary act of bravery and without caring about their own life advanced forward by giving cover fire to each other.

Shri Lalit Sah, Dy. Commandant, Shri Narpat Singh, Dy. Commandant, SI (District Police) Phagu Horo and CT(GD) Arun Kumar opened fire in self defense, intendedly to protect the life of team members.

Consequently firing was resorted to. Undoubtedly, the abovementioned police OfficerS/official exhibited exceptional courage and zeal while bullets were passing over their heads, they defied the heavy shower of bullets and in a dare devil manner tactically moved towards extremists who were incessantly firing the SFs. This ferocious assault by both the commanders devastated the Maoists defense and silenced their action from their defense. Meanwhile by taking cover of firing provided by each other, extremist managed to escape deep inside the jungle with the help of a nullah. After sanitizing the area, search operation was carried out which resulted into the recovery of a body of one extremist with one loaded AK-47 weapon in his right hand. Further searching of the area led to the recovery of one more loaded INSAS, one AR-41, 175 Cartridges of AK-47, 201 Cartridges of INSAS, 45 Empty cartridges, letter-pads of receipts of collection of levy worth Rs. 1,03,000/- (One Lac Three Thousand), Mobile Set, Wireless Set, Transistor, Live rounds with Chargers, some Eatables, Pittus etc. on further investigation, the identity of the dead extremist was established as Talada, A Zonal commander who had brutally ambushed the then SP Pakur Shri Amarjeet Balihar IPS on 02.07.2013. Usually dead body of a killed extremist does not get recovered during such operations, but this was a rare occasion when not only the body of an extremist but several arms and ammunitions were also recovered only due to courage and tactful leadership exhibited by above mentioned police personnel.

Following the operation, seizure, lists were prepared in the presence of independent witness and Shikaripara P.S. case No. 06/2019 was registered on 13.01.2019 U/S 147,148,149,307 & 353 of Indian Penal Code, 25(1-A), 27/35 Comdt and SI (District Police) Phagu Horo showed exemplary act of bravery and without caring about their own life advanced forward by giving cover fire to each other.

Shri Lalit Sah, Dy. Commandant, Shri Narpat Singh, Dy. Commandant, SI (District Police) Phagu Horo and CT(GD) Arun Kumar opened fire in self defense, intendedly to protect the life of team members.

Consequently firing was resorted to. Undoubtedly, the above mentioned police Officers/official exhibited exceptional courage and zeal while bullets were passing over their heads, they defied the heavy shower of bullets and in a dare devil manner tactically moved towards extremists who were incessantly firing the SFs. This ferocious assault by both the commanders devastated the Maoists defense and silenced their action from their defense. Meanwhile by taking cover of firing provided by each other, extremist managed to escape deep inside the jungle with the help of a nullah. After sanitizing the area, search operation was carried out which resulted into the recovery of a body of one extremist with one loaded AK-47 weapon in his right hand. Further searching of the area led to the recovery of one more loaded INSAS, one AR-41, 175 Cartridges of AK-47, 201 Cartridges of INSAS, 45 Empty cartridges, letter-pads of receipts of collection of levy worth Rs. 1,03,000/- (One Lac Three Thousand), Mobile Set, Wireless Set, Transistor, Live rounds with Chargers, some Eatables, Pittus(fftf) etc. on further investigation, the identity of the dead extremist was established as Talaaa, A Zonal commander who had brutally ambushed the then SP Pakur Shri Amarjeet Balihar IPS on 02.07.2013. Usually dead body of a killed extremist does not get recovered during such operations, but this was a rare occasion when not only the body of an extremist but several arms and ammunitions were also recovered only due to courage and tactful leadership exhibited by above mentioned police personnel.

Following the operation, seizure, lists were prepared in the presence of independent witness and Shikaripara P.S. case No. 06/2019 was registered on 13.01.2019 U/S 147,148,149,307 & 353 of Indian Penal Code, 25(1-A), 27/35 Arms Act, 17 C.L.A. Act and 16/17 UAP Act.

In this operation, S/Shri Lalit Sah, Deputy Commandant and Narpat Singh, Assistant Commandant of SSB displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/01/2019.

(File No.-11020/201/2019-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 283—Pres/2022—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Sashastra Seema Bal (SSB):—

Name of the Awardee	Post at the time of Action	Medal awarded
Late Shri Niraj Chetry	Constable	PMG (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

A specific input was received from reliable source that a group of Naxals under the command of BJSAC Member Vijay Da @Nandlal Manjhi with 10-12 other Naxals were present in the forest area near Kathalia village PS- Raneswar, Distt- Dumka Jharkhand. The input was corroborated matching tech-int with hum-int and a close watch was kept on their movements. After confirmation and discussion, a joint operation plan was finalized involving troops from 35th Bn. SSB, Dumka and State police. Two teams led by Shri Gulshan Kumar, Dy. Commandant, Shri Narpat Singh, Dy. Comdt, Shri Vinayak, Assistant Comdt. of 35th Bn SSB and Shri Emanuel Baskey, ASP (OPS), Dumka were formed. The Ops team assembled at 35th Bn. SSB, Dumka at about 2130 hrs. and further Ops briefing was given by Shri Parikshita Behera, Commandant 35th Bn, Shri Y.S. Ramesh, IPS, SP Dumka and Shri Sanjay Kumar Gupta, Second-In-Command, 35th Bn. SSB, Dumka (Jharkhand).

As per Ops plan the teams proceeded on 02.06.19 at 01:10 hrs for Kathalia from 35th Bn Hqr to Titadih by vehicle (drop point) and further the Ops party moved from Titadih to the Jungle area nearby Kathalia, tactically on foot taking cross country route.

After arriving at the Jungle area of Kathalia village both the teams were tasked to cordon the area where presence of Naxals were confirmed. It was around 500 Mtrs. west from the Naxals' hideout. Teams were told to cordon the area by maintaining the surprise and keeping 500 Mtrs distance from Naxals' hideout till the first light. At around 0350 hrs, just after initiating the cordon, all of a sudden heavy fire came on our team from the height of the hillock side. Immediately, the Ops

party tactically took the lying position and retaliated. It was felt that Naxals were in dominating position and they could impose heavy loss to the Security Forces (SFs). CT (GD) Niraj Chetry advanced by coordinating with team commander & retaliated with effective fire towards Naxals. Other team members also retaliated. By this act of valor of CT (GD) Niraj Chetry, Naxals were forced to flee from dominating height and their plan to impose heavy loss to SFs failed. As part of tactics the team commander ordered the Ops party to withdraw from encounter site and to hold the dominating height to engage the Naxals effectively.

After firing stopped, it was found that following five personnel of our team had sustained bullet injuries.

1. Regt. No. 140992165 CT/GD Niraj Chetry
2. Regt. No. 130421691 CT/GD Rajesh Kumar Rai
3. Regt. No. 110695102 CT/GD Karan Kumar
4. Regt. No. 140422449 CT/GD Satish Kumar Gujar
5. Regt. No 110420671 CT/GD Sonu Kumar

Shri Narpat Singh, Dy. Commandant immediately informed about the incident and situation to Shri Parikshita Behera, Commandant, 35th Bn. Immediately, Shri Sanjay Kumar Gupta, Second-In-Command, rushed to the place of occurrence and reached at Kathalia village at about 0430 hrs. He evacuated all the injured personnel and admitted them to Sadar Hospital Dumka for treatment at about 05:00 hrs.

During treatment Regt. No. 140992165 CT (GD) Niraj Chetry succumbed to his injuries. CT/GD Rajesh Kumar Rai sustained major bullet injuries in both of his thighs & CT/GD Karan Kumar sustained bullet injury in his left hand wrist and temple. Both were shifted to Medica Hospital, Ranchi on 02/06/2019 by Helicopter for further specialized treatment. Regt. No.140422449 CT/GD Satish Kumar Gurjar & Regt. No 110420671 CT/GD Sonu Kumar had also sustained bullet bruise injuries and they remained admitted at Sadar Hospital Dumka under observation of Doctors.

Regt. No. 140992165 CT/GD Niraj Chetry showed his dedication, presence of mind, courage and puissance during whole operation. He retaliated even after sustaining bullet injuries. During evacuation he was so clam and never even discussed with the other team members about his major injury and was not seen panic, rather he motivated the other injured personnel.

After thorough search of the area, it has come into notice that probably some Naxals were also injured as blood stains were found at the incident site. Operation was called off on 02.06.19 at 18:00 hrs.

During exchange of fire, following Ammunition were fired by own ops party:-

7.62 mm Intermediate	-	202 rounds
5.56 mm CTN	-	36 rounds
Total	-	238 Rounds

After post-mortem, the mortal remains of CT/GD Late Niraj Chetry was sent to Ranchi by Helicopter after paying homage at the Dumka Airport. ASI/GD Ashok Chand Mandal escorted the mortal remains along with relevant documents and immediate financial assistance.

In this operation, Late Shri Niraj Chetry, Constable of SSB displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/06/2019.

(File No.-11020/101/2020-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

महाप्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली–110002 द्वारा अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली–110054 द्वारा ई–प्रकाशित
UPLOADED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI-110002
AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054

JAGANATHA N ANANTHA KUMAR Digitally signed by JAGANATHA N ANANTHA KUMAR Date: 2022.09.10 11:01:12 +05'30'